

क्रमाम् स्यास्य प्रत्ये क्रमाम् स्यास्य क्रमाम स्यास्य क्रमा

दक्कियाः च्ची नाः सम्बन्धाः विद्याः च्ची नाः सम्बन्धाः विद्याः च्ची नाः सम्बन्धाः

सर्वः धेक्षः नृत्ती नाका सर्वे द्वाना विना कुः सर्वे ः धेः त्वे दा के दा।

है दा त्वे का नार्थः विनय स्वे दे दे दे त्वे का नार्थः विनय स्वे दे ते दे ते ते त्वे विवयः विनयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व

<u></u> ናጣጂ፣ಹጣ

	到 下下看	6
	दर्के वा से वा निषा	ጎ
ŋ	रेना निवस निवर निहें के वर्षे दे किया श्री र खबा त्नी वर्षे र अर्रे उद्या ही हरना """	
7	ม รุมรุง: ลู๊ 'ฅรา	14
ሻ	वि.चेज.रेट.चगोची.र्जू श.चेश.र्ष्यु.ज.रचेश.चर्जी शा	ነ (የ
Ø	ञ्च '८'ळे ब'र्ये वे 'वर्ळे 'प। """"" (: ሻ
પ	「정도적'현 '고현적」	(પ
હ	ર્જી શ.તી ત્રાં માર્ગ . શું . શું . જુ શો ત	(\
괴	८ॐ पः ₹ वः ॡ ८४ खु प्रच्यु र प्याप्त हर पा	s ŋ
ጎ	নই ম'নন্তু মা """" দ	s 4
	२८४. हैं वेश. कू वेश. तर्र वे वेश. तर्र हैं बे त्यूं दे क. के बे वी वेश की गांगा है	
J 0	ह्य क्ष्य मा	۶ ۲
IJ	अर्रे प्रदे पर्चे मानी 'बेर'द्युम'रम्बर्गस्य स्था	Jo
りろ	र्रट में भिन्ने कर की या राधर हिं नया के नया राष्ट्र के या न्या के वाया है। उसा """ व	13
りろ	२४४.कूर्यस्य निमान्त्रम्य मान्त्रम्य मित्रम्य मान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स्थान्त्रम्य स	
	বদ্দ ক্রে এ মার্ন ক্রমা """" (এ	73
りぐ	ন্ত্র'প্রক্ষ'ব্দ'ষ্ট্র' তেন্ত্র্কা """" ে	7 6

14	यर्ष, र्यट. में .क्रें. मर्ट।	116
ŋĿ	ही हैं स वि ग पहें न न	りつり
ŊIJ	ক্র'দ্শাম'র্শাশান্ত শ'থ'মদ'দ্বদ'র্দ্দের্দ'র দুর্দ্দের। """"""""""""""""""""""""""""""""""""	<i>ግ(</i>
りく	বর্থ,২বদ,৬ শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.শ.	
	म्बर् रवस्य विवाभी वासुर वय्ता	しくろ

養生男之1

चूर्जी.जू.कैंशवर्त उन्जारजीय.पर्केर.हा.क्या के प्राचीय.प्रकेर.हा.क्या के प्राचीय.प्रकेर हा हे द्रावर कि या मियानातुः मूरिक्याम् जुदेख्याचिरत्यु। रैनार्यमार्जन्यदुर्भर्गीजार्रे मूर्गीक्षिणात्रक्षाक्रिमा - इसर रेविन क्रिन्स प्रस्ति । स्तर प्रस्ति प्रस्ति । स्तर प्रम् प्रस्ति । स्तर स्ति । स्तर स्ति । स्तर स्ति । स व्यवस्थित्वर्थात्त्रम् वियाप्ता याचे द्वारा विवास विवा ह्र्यमाक्कालवार्थे . सूरायार्था कि. येवार्भर . सूर्याक्क्ष्यमानमानूरातायस्य तर्देलार्थाः मिन्यार्थे र ॱॿॖऀॱॺॖॆॸॱड़ॖॺॱॾ॓ॺॱॸ॓ॺॱॺॸॱऻॱॸॕॸॱऄॱॺॸॱॻॕॱॿ॓ॺॱॸॺॸॱॺऻऄ॔ॸॱॸॸॱऻ*ॸऄॕक़ॱ*ढ़ड़ॖॺॱॱॿॣॕॺॺॱॾॣॕॺॱॻॸॺॱॹॖऀॱ स्यान्यायन्यान्त्राचीत्राचीत्राचित्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्याः इं द्वाःह्रें र इनामित्र प्रेना देशा देशा है असे दाया प्रमाणक प्राप्त के प्रा चिष्यः स्ट्रियः वर्ते र दश्चिष्यः है। यह क्रेष्ठः स्ट्रियः क्रेष्ठः यो स्ट्रियः स्ट् तामकूष्यम माम्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा भाषात्रात्रात्रा भूग्यूष्यम् स्वात्रात्रात्रात्राक्ष्यात्रात्रात्रा धिवयमम्स्रियदे व मे न में प्रियम देव मार्ट न न में प्रियम में न में प्रियम मे देग्रामा भे द्रमारमादार्ये पर्वे मायाद्रा विद्रादेग्रामा भे द्रमाया विद्रमाया विद्रमाय विद्रमाय विद्रमाय विद्रमाय विद्रमाय विद्रमाया विद्रमाय व वर्स् र दश्यम्पन् कें। दर्व प्रथम केंद्र मुश्य द क्वें श्रायन ह प्रवेश केंद्र स्त्र मुद्र मी देश महत्य स्त्र मेंद्र ह क्रिं र वितायि मुतारव्यका ग्री रिकावर दे ग्रीं र मृत्र ग्री रिकावर त्यका के ता तुर प्रें र या सारे दा के का मुस्का स्री वर् भ्रे. प्रत्ये. स्रू. प्रमु. स्वापाय स्थाने र क्षा माया विर वी शामिर वा प्रमु या प्रमु माया स्वापी विष

श्रचतः त्वांत्वाः स्थायवः स्थान्य स्यान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्य

यात्रा प्रस्ति (यूप्त में लिया स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्

योषश्चरक्षत्त्रे क्रिक्ति ह्रिक्ष्ये क्रिक्ति क

की स्विन में विश्व में वि

ल्य. चिश्व. त्राच्च श्राचित्र त्राच्च श्राच्च त्राच्च त्राच त

चार्ष्यःश्चिमान्त्राच्यान्त्राक्ष्यः स्वान्त्रमान्त्राक्ष्यः स्वान्त्राच्याः स्वान्त्रमान्त्त्रमान्

यगाय:बुराषायम्बायदि मुबाको ५ ख्रु कायमुयाक्षा

वर्क्क वा से वा प्रवे वा प्रभा

दे 'अट'ट'क्टॅं र्चेर'के 'देनक'ती 'वचवर्क्टर'वर्दे के 'देनक'वेन'वी 'वचवर्क्टर' के 'वनके के 'वेर व्यक्ति व विवार्चन्क्षेत्रे नेवायास्ट्रिं त्यायरानु र्चन्क्षेत्रे नेवायाण्चे तवयर्स्डन् तदी वावयानियायिव विवाधिव त्यावावयाव्या यांवेनागुराधेवा देरायहेवांक्षे रायवाहेवांकांकें रायदांहेवांच्यांकांक्यांकें वार्यांकांकांकांकांकांकांकांकांकांक र्यट्रिट्रच्याने स्वायङ्गाङ्ग क्रिवायाङ्ग क्रिवायाङ्ग स्वायाङ्ग स्वयाङ्ग स्वयाङ्य स्वयाङ्ग स्वयाङ्ग स्वयाङ्ग स्वयाङ्ग स्वयाङ्ग स्वयाङ्ग स्वया र्त्ते च. क्ये. व्रि. क्ये जाली जा ची. विचा जा उत्तु. की जूर चार पर हूं थे कि ए कि पर पर पर पर पर पर पर पर पर प तर्रे . जुरालूचे . कथ. मुं . कुराताता भट. कु. तथा क्षेत्र . ट्रेच तथा देश. ट्रेंच तथा क्षेत्र . क्षेत्र . विराध क्रिंभ'ची 'देव'ठेवा'यर'यञ्च ब 'चेद'कुर'रेस'यविब'यर'स'बद्रा यब'र्ख्ब कवाब'र्झ्ट'वी 'ववाब'द्येद'र्छस'द्रा' पक्र.रें र.श्र.कुर्द्र,श्रेर.त्र्र,पर्वर.प्रे.ट्रंद्र,श्रें र.भैर.भैर.भैर.पर्व.ह्र्य.व्रेर.कें.ला प्र्र.श्र.द्रयाया प्रताया स्वर्श्वर. ૾૾ઌ૽૾ૺ૽ૹૢ૾ઽૺૣૻૺૼૺ૾ૹ૾૾ૺઽૹૠ૽૽ૢૼ૱૽ૺૹ૽ૢૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹૢ૽૱ઌૢૼૺ૱ૢઌૣૼઌૹૢ૽ૢ૽૱ૢૢૻઌ૽૽૱ઌૢ૽૱ઌ૽ૺ૱ઌઌ૽૱ૢ૽ૡ૽ૺૹઌઌઌ૽ૺઌઌ૽ૺ૱ઌ૽ૺ૱ઌ૽૽ૺઌ ঀয়য়য়ৢঀ৾য়ৢঢ়ৢড়ঀঢ়ৢ৴ৼঢ়য়ৢ৾ঀঢ়ৣ৾য়৸ঢ়ঢ়ঢ়ৠৣ৾য়ড়ৢঀয়ৼড়ৣঀঢ়ঀঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ৼঢ়য়ৼ৴ঢ়ঽঀঢ়ড়ৢ৻ঀঢ়য়ঀয়ড়ৣঢ়ঢ়৾য়৸ঢ়ৣঢ়ঢ় मि र्जे क्रू यह द्वा स्टूर से द से द से द हु र दिव के दिया। से स्वयं मिन हे या सु र्जे क्रू यह दिवा से द चवित्र मुं दिर पुंदे प्रवित्र रेत्र घर प्रायापदे सक्तित्र मुं प्रदेश में वित्र मुं क्राया मुं क्रिया स्वाप्य सम्मि २.६७.कर१५० २८.१५० ४८.ज.क.रशर.त्या.ई.व.क्र्य.क्र्र.अ.श्रे.श्रेट.श्रष्ये.श्रे.श्रेट.श्रष्ये.श्रे.इ.५.वं. र्वाःग्रीटः ब्रमःस्विदे से 'र्त्वा वी'हे मःसु' तर्बे 'प्वा वीर्दे के 'ब्रा प्या विक्रा में प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्रा के माने प्र के माने प्रा के माने प्र के माने के माने प्र के माने प्र के माने इंशःशक्र्यः द्वेशः ह्वें र वाबरः विवादार्वे र परावस्त्र के श्रुतः यावाद्य प्राचित्र के स्वितः सामितः सामितः साम ेर्द्र न्याययार्वे र हेर्ग्याय स्थार्वे द्राक्षा 'से नाया 'ग्री' सम्प्रान्य प्रतान स्थाप स कुषु सामिष्यायात्वयाता स्वामु हिन्सप्रमानु रायप्रताने र्यायात्व सूर क्रियम्बर्गातान्त्र मान्त्र क्रिया क्रिया ৼৄ৾ঀ৵৻৵৽য়৾ঀ৾য়ৣ৾ৼ৻য়ঀ৴৻য়৾ৡ৴৻ড়৾ঽ৻ড়য়৻য়ড়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়৻য়য়য়য়৻য়৻য়৻য়য়য়য়য় त्रक्षित्रक्षेत्रम् व्यक्षेत्रद्रम् देवत्रद्रभ्रवत्रव्यक्षित्रम् विषय्वक्षेत्रम् विषय्केष्ठे व्यक्षेत्रम् ब्रमास्मिन्त्रिस्मासु पर्वुनाय द्वारा द्वारा साम्यार पर्वे प्ति । या पर्वं द्वारा साम्या साम्या स्वर्थः प्रवित । क्रुंवायने बायने प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्रिया क्रुंवाय क्रुंवाय क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क ५८१ चॅ५ श्रे अस्रस्य न् दावत प्रत्याद वाद विक के प्रार्सि न स्री प्रति न प्रति न प्रति । स्री न स्री में न प्रति । स्री न प्रति न प्रति । स्री न प्री । स्री न प्रति । स्री न प्रति । स्री न प्रति । स्री न प्रति । पङ्कार् ८ रियो देवायर क्षेत्रास्य रिवालियायर्वे साहे हि रायहं साच्ची राक्षा सम्प्रात्ते सर्वा के स्मार्था पङ्गा ८८ हूँ ब प्रांचे ब प्रांचे प्रांचे र के कि प्रांच के प्रांचे व के प्रांचे के ৠपर्यास्त्रेस्याः मृत्याः वित्ते क्षेत्रे प्रताः प्रत्याः क्षेत्र्याः क्षेत्र्याः क्षेत्रः वित्ते क्षेत्रः वित् त्र्वात्वत्र्रात्वेष्ण्र्यं व्याप्त्र्यं त्यर्ष्यात्यः क्षेत्रात्यः क्षेत्रात्व्यात्रः व्याप्त्रः व्याप्त्रः व क्रम्भः क्रियान्त्रक्षेत्रः द्रमायायद्वेत्राक्ष्याद्रमाद्रमाद्रमा स्वर्धाः स्वरं स्वर्धाः स्वरं स्वर्धाः स्वर्धाः स्वरं श्रास्यराम् त्वस्यास्ति व से ब्रावालिया नृत्वसूर स्वित स्पेर्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त ૽૽ૼૼૼૢૡૢઽૡૡ૱૱ૹઌઌૢઽૡ૽ૼૡૢૡઽઌ૽૽ૼૢૹ૾૽૱૱ૹઌઌઌઌ૽૽૱૱ૹ૽૽ૹૢ૾ઌૹ૽ૼઌૹઌ૽ૢ૿૾ૺ*૾*ૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌઌૢઌઌઌ૽ૺ ॻॖऀॱॾॱक़ॆऄॱॸ॔ॕॺॱय़॔ॱॸ॔ॸॱॸऀॺऻॺऻढ़ऻॖॸॱॺऻक़ॕ॔ॸ॔ॱऄॺऻॱय़ॿॖऀॸॱख़॔ॸ॔ॱऄॸॱॸ॔ॸॱॺऻक़ॕॸॱय़क़ॖॺऻॴय़ॸॸॱय़ॱऄ॔ॺऻॴॼॸॴॱ व्यायकार्त्य न्याप्ति विताने स्था विता स्था स्थाने स्थान कि स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान 'डेवा'णेवा रॅट'र्च'न्वेव केव 'सं'तुर अर्क्केव'व' यरे वर्षोट 'स्रुवश' अर्वोव' वर 'स्रव' स्व स**र्के** अर्के दे 'स्रु वभःभ्रः रचमःचन् वःरेटः स्नु वासुटः द्युवामः हेवः नटः स्वः विटः चवेटमः चर्तेन् रेषेवामः क्री मः सर्वेदः रेवः वटः चयः चयेः क् र्ट्रम.लूटम.ह्यम.जू.नमयर.इ.भ्रेर.चर्चम.लूर.त.र्. . सं.यं.लुया

 र्रेग्रारमार्देग्पतेट्राम्याचे द्रायाचे द्रायाचे व्यापते द्राया द्राया द्राया विद्राया द्राया विद्राया द्राया विद्राया विद्राय व

क्षा ने प्यत् क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र

२शर.चासूर् स्विधः स्वेशः स्वायाः अद्भायाः अद्भायाः स्विधः स्विधः स्विधः स्वायाः स्वयाः स्वयः स

स्वायात्री त्त्र के सार्टात्र प्रमास्त्रीया सार्ट्य सी त्यात्री होते त्यह्या सी हा सार्थ सी सार्य सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्य सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्थ सी सार्य सी सार्य सी सार्थ सी सार्य सी

प्यूर्के शुर्यात्रक्षा, ५००२ ही . श्रा. क्ष्रा, वात्रक्ष्यां श्री यात्रा विचाय विचाय श्री यात्रा विचाय विचाय श्री यात्रा विचाय विचाय विचाय श्री यात्रा विचाय विचा

द्रवा.चोष्ठा.चोष्ट्र.चाह्र.कुष.तूतु.कि.ह्रथा.ची.ट्रंथा.क्षेत्रथा.बी कि.ट्रेश्चर.चीटा.चिष.येट.चेट. दरकुवाबरको नवसास्वावायादे बादि सादरावनवायादे स्टिन्द्यना सुसाहे। हर बराद् गुर-दिवटाची जिमा है चे मार्ट जिमा अपना अपना मार्ट के मार्ट में जिमा है निर्देश के रा जीयकालका. ही यका सुवारिया वर्षे राज्य के स्वाया र का मी ही क्षियं का जाया जीयका पर का यो की लूरे.तदुःह्रायह्रये.शचदःचेश्च वि.पे.वियात्रायह्यो कि.येचा.रश्चरःचुचा.क्र्याया.चेश्चर् डें 'तृ र'मी 'मार्डे भ'यदे 'तृर'गु र' न् ग्रु र'मी भ'में भ'र्के न'र्ने ब'रूब प्यत्रु 'तु म'रुब 'बि म'यब म'र्मे म त्रिक्यार्ज्य न० १ व.न क्रमा १ रटी ही ज्या १ ५० वात क्रमा १ हे में में में में में ઌૢૼઽઌઽ૾ૢ૽ૺ૾ઌૢૼઽૢઌૼૣઌૺઽઽૡૺૹૺૹઽ૾ૢ૽ૺ૾ૢૢ૽ૼ૾ૡૣઌૺૺૹૹઌઌઌઌૢ૽ૼૺૺૺૺૺૼૺૣૹૢઌૺઌ૱ૢૹ૱૾૽ૢ૽ૺ૾ૢ૽ૢ૽ૺૡૢૢઌૺૹઌૹ युग्राश्रास्यारे ग्राग्न्रयाम्यरायहे के दर्ये हे सायदे स्रोहे क्वियादुरादुराके साके साहि ग्रा वस्रायें राष्ट्रिया क्षः स्वयमाने मान्यें प्रक्रमाने मान्यें प्रकारी व्यमास्य विमानि मान्या रे अ.म्री .क्य.म्री टे. श्र. और प्रेर. थे प्राप्त मान्न स्त्री स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत यहें ब मा बस्य मार्ने र मार्चे या यह र या दि र में प्रांति । यह र मि या वि र में प्रांति । यह र में प्रांति । २८.यालीज.४.लूट४.ह्यंबाउट्टीर.१८.योज.५ भ.यी.याबर.यड्.यंबाउचेट.डी डि.उट्टायेट्य. चने नशः र्षे ५ : स्व : स्व : स्व नशः से ५ : ५ में शः ले शः यदे : च र्ष च नगदः च ५ : द : द ने व : क्च मिल्र में भिया प्रिया प्रिया स्था स्था स्था स्था मिष्य स्था स्था मिल्र के स्था स्था स्था स्था स्था स्था स् र्रा दे ही या लूरी से पका रे र रिश्वर क्ष्मिंग रिवें था विष्य विष्य विष्य विष्य है या हिया विष्य वियाणी हो न तर्हे का त्यका त्याका वि मास्या के सिंह सिंह के प्रमान के प्रमान के मास्या के मास्य के मास्या मु 'यस'य'वर्चे 'वर्दे द'सम्बद्धे 'द्यर'वर्धे द'य'के 'वे स'वे म'यठस'रे 'ये म'य'दर'। दर'रुय' या वर्जे मुक्तवरुषायावरे षाते कुयार्ये म्राणे हिंदायार्जे समुक्तिये तु रहरें के या सम्बागिषया र्ट्रेन र्ये दे रात्र विकास्त्र प्रमे वार्च नान्न नाम क्रमान्य विकास स्ति । म्चनमा नरम्बर्गन्यम् मस्याची वर्षे विरायमाचे रायावर्षे राखे के मले नामुराये दु रहे दे के दे इं ४.५२८४.भु.ई.५२.३४.५%५.४४.५ .क्ट.भ४.तभ.केब.५६४.५३८.८४८.५६८. चिषायान्द्राक्ष्यवार्ष्ठम विद्यमे गुदान्चिरान्च्याम्ब्राम् मर्स्यायहे वार्षे वार्षे व्यवायम् ध्रे र प्रमे क 'त्र कुण'विचाणे 'श्रेत' प्रहे क 'त्रे सामवि 'में 'माक्रा'य्या सर 'स्वा'पे त'या रेता विक' चेर्ते मर्डे सम्पर्व रहर के ब रहर ग्रह ह्यु ब करें। ये सुब ये ब। सह रु ह सुब या से म्रा ग्री स ५८.२८.भैज.वियावियामी .रवट.क.कु.पूर्याचालू.उहूचा.चीर.भीर.विदासाम् विदासाम् हिटाह्मीचा.भीर्ष. रक्षे मुषापुवामित राव बुरा हो। सराये 'रेटा युम्बार्टा सर्वे 'से प्राप्त 'हें 'सुरा में 'र्वे हिषापा ही स्थाप र् .टच. ह्यू ४.५ .पे .पे ४.४४.८१४ .क्यू चरार्टिश.चर्च ८.च्य .स.चर्था ह्ये .क्ष्य.क्ट. चरार्ट्य चरा ग्री मारे । र्हू माममायह दे तमार्य वाया मामा है के वाया है वायदे । दिन इवाय मान्य । नगमानगेनिक्नियान्ता न्येमानमा स्वासासासाना सेनार्ह्हिता वित्सुनार्मेयातमा नायक्षाणी भ्रास्त्राविषाक्ष्यायम् राज्ञानायान् भाषी स्रोत्यातास्त्राम् रावह्रवामे रावह्रवास् र्के र हैं स.स.टेर्स् स.स्टी लुबे बेंदर ज़्रांट्र सें स.सें अ.सें अ.स्टा की . इर से सर्ट हुं उचित. यहराष्ट्रिर्र्रा के नायर पर्वे माणी मार्गाय हिंदि कर् के दाक्षर माने । यहें राक्षर माया रे मा मु . ह्ये ८.८ वट.८ ट. के जाविय. व झें थातर विषा है था में श्री राशिव में के विषय ता है तु . येथ. रवश. या निरंशेन्द्रमण्यस्याची पर्यो विन्यसाचेन्यपर्यम् के मलियान्यद् रहेर् केदे हे स वयरमाश्रास्त्राप्ते अप्यम्दान्याकराम्याभ्रेदायहरायाचे द्रा देवायानम्यायहर के वर्धे दे व्यवादन् वर्षे द्रा विदाने वादि वर्षे वर्ष

वर्षा उर्द्धेराद्वराच्यार्यसाची ज्यानि हुँ राजभार्त्वे नयान्यसाच नयान हा नयाना वर्षा वर्त्ते र को र ज्ञाया र का की की र र पट है व स की वा की र की विकास की र वचराजार्चाचाक्रियाचे राता चालकास्ट्री रास्रोचकावक्क्ष्याद्र राजीचकाजार्चाचाराक्रियाचा चि की ह्य भुट में या ने या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत् वर्चे र ख़ब म्वय रे अ ख़ें ब प्य ख़ु वा निषद ख़ु य दि। दे खें निया धु कु य दि र दिवा य मुद्रास्त्र न्या न्या निवादा देवाया देवाया स्वादा निवादा न यो हैं। वियक्ष्या हो राति वियाक्ष्या हिराक्ष्या यह यो वहीं रात्र के वाया रेक्षा है। यः इषा सा सः देर त्यु नषा ग्री व्यसः तु वर्षे स्माव न द्वर वर्षे देश सर ग्री राया व्यव वर्षे नषा याञ्च नायह्नायानुयायान्दराकुन्यावे । वार्येनायक्वयान्यार्भः व्यवसान्नेन्या नास्ये । नास्ये । नास्य यहर्रे में वाया वाबर यहर्रे में वाची हो रें हैं बार्से वार्ये वासे रक्ष हो राता रव में वाबर यर.शर.वर् रेय.वेर.ता ह्यां श्राप्तरमाश्रीर.रेयर.हु र.यह्य.वेर.के हिंगी है. क्रुचेश्चर टाजीबोश्च दें शस्ये वशसी बोलशाई टाजा ट्राम् जा विशक्तु बोता जश बोलू ये ई टाजा £.भूज.चेश.ष्र.क्र्याताझ.पा २८.जीयश.८८.३.जीयश.घ४.मी.जघघ.क्र्राझापा क्याऱ्या. वे . ह्य . हु ५ : हु मः . लु म मः . धे म म . में में म . हे न हु . हु . हु . हु . हु . हु . हु म . में . श्चर्टे वेन केन मान निष्य वेन केन केन केन के निर्माण केन केन ज्यात्र र न्या प्र र अर्था त्र में या अप्त या अपर तह र है . में या क्र या अपर ता इसका या र वा या किया ५८.वंचठ.क्रू.ट्य.त्र.व्हे.व्हे.वर्षात्र.त्र.ते २.२८.देव्र.ट्याषात्री क्र.व.क्षणायीहर वर्षाम् वर्षाम् वर्षाः वर्ष विवायेर्दे निराणे किवानिकेषान्दाञ्चवार्त्ते नामु रहवाहुषायर्गेनायाचेना ने वकाविवायेर्दे विका ફ્રી વિવ.જ્ય.શુરે.વિર.જા.સ્ર.સ્ટું.જે.૧.જુમ.જુમ.સું.૨.જુ.વોશ.વેશ.તડુ.૮.જાય.રેલે.૧.ફ્રો.ઝ્યો. इयायमागादे पत्न नमार्थेयार्क्षनमायन् चे रायाने रामानु नामान मिन एकु वे प्राप्याय प्राप्त ञ्चान केषान व्याक्रियान० वराक्षेत्रायन्ति देवे देवे विषाक्षराक्ष्यां या विषायकुषा ब्रुं राकु ५ दे साद्य राये ब्रुं क्रां प्यु रे राष्ट्रे कायवे फ्रां के या प्रसायकर दे ग्रामान्सर हे का र् प्यम् दे दे मा अया सूर्व माणे षा श्रेर्प्य दे रायदे मा श्रेर्प्य श्री पाने मा प्रेर्म यारेना लुनायार्सेवार्केनायावनुवि विवासियान्तर्मास्याने किराकेवाना ग्राम् वाकर्षी ऀॿ॓क़ॱऀॿ॒॓ॺॱॴॺॸॱॻॾॣॺॱॸ॓ढ़॓ॱॺॸॱॸॖ॔ॱख़॓ॺॱय़॓ढ़॔ॱख़॓ॺॱॸॖ॓ॸॱक़॓ॿॱख़ॸॻॹॆॸॱॿॕॴॱढ़॓ॾॕॿॱॿॸॱक़॓ॿॱ र्ये वि गार्थे ५ सम्बद्ध वि गार्थे ब स्पर प्यव १ सामा ३५१ ह्या स्व गार्के का के व से प्ये ५ सम्बद विनागुरारेन्। डेबाउन्पर्हेन्छ्यायदे केनाने पड्नायान्यक्याडेनान्यनान्युराने ऱ्या.चोष्ठा.र्जं .चियो.चु ४१.२६.८९ थे.ची .चर्षशांतकर.टे .चर्षश.सूँ .टेट् ४१.मी .ऋ.उर्दे येषा.सू यो.षेश. र्ने ब प्रति या ब ब महत्र हो न मिषा वे ब मा महत्र प्रते न ब मा ग्राम हि ब प्रति व व मा महत्र पर् ब ब वा भूष. हैटा कुरीबलीबायक्यामुबाह्यात्रात्राह्यात्रात्रास्याद्र्यात्राप्राप्ता सर्चार्य्यु रायेटाकेन। नसराधेषियापार्के यहेवासार्वे के मुदायाके याच्च नासेनाये पहेना यर्चे वाया भारतिया प्रत्या स्विवा वी वाये या व्यव्या ही विष्या विष्या या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या याक्केषाच्चित्रभी विषार्याण्येन्यायार्श्वेषषाभी के पर्वे निहे के निष्ठे गान्नियान्यान्यायेन्य येवें वायुन्यहें निव्याके निन्न विन्निया विन्ने वायान्तर यह वायायुन यहें निव्यायके निव्या विट. । झनामराम् इटाके बायायुराम हिर्मा नाबा के बार्च करने। विर्मारे नाम बहान करा यहेवे 'द्रक्ष क्षेत्रमान 'ह्यार्थेद्रक्ष विषा रेद्रकेष प्यम्द्रायरेद्र वेद्रक्ष या विद्रक्ष या विद्रक् य कें १९ ५८। धे 'वें १९८५ त्र ७ के मा१५ हे माथें 'हे पुराने मान हैं 'वें पुराने पत्र हैं 'पूराने मान हैं 'वें प्राने पत्र हैं 'पूराने मान हैं 'वें प्राने मान हैं 'वें प्रान मान हैं 'वें प्राने मान हैं 'वें प्राने मान हैं 'वें प्राने मा गुर-रिग्नरमे शार्मे शार्के रार्ट्रे बार्क्ब पन्डु र्डु मारुब लि मारालमाया कुया र्यो हमार्रा पति बारी स्त्री र यम.मूट.तर.योचभायमंभभ.मुं .क् .क्य.यभभाजा.र्कर.जमाय.पुर.भूट.योजा.रुभामुं .रुया.योयमा

निषर निष्ठे के बर्ने दे अर्घ कि निष्ठ के प्रति र के अरके अरके विष्ठ परिष्ठे । निष्ठे पर्ने र खेने ब ત્રું 'બસાર્ફુ નેયાને' ત્વેટું માલ્યુ માં માત્ર સાંગ્રું 'જ્વા છે ને જે કો કરા ભૂય પાસાસ મેં માના પ્રાયુષ मु 'यम'तु 'दर्मे 'मावम'त्यर दिम'यम्बर'त्व मानि र 'दर्मे वा मित्र' दर्मे वा मित्र' यर्दर में रामा त्रामा व्यवसाय हो विषाया दर्शे मार्च विष्या ही । वर्षे दार्थ मार्च विष्या ही । वर्षे दार्थ मार् भावता क्षायह महिन्यमे नमार्ले राष्ट्र करास्य महरास्य मार्थ र र में या गित्रायञ्चगरायात्मा विवाधिरागवत्यस्याते रायहिवायवे क्रिंट्यात्ताकिरात्वे साम रित्र वार्यर प्रम् सम्मा ही बादा ही दाद विष्य हो बाद्य दिया कार ही वार्य र ही गु देन निष्मु अप प्रवादित से निष्मु न हुं परे र्भेन्या है है पर्म के प्रम्यानिक रिया मिन कि प्रमानिक कि प्रमानिक के प्रमानिक के प्रमानिक के प्रमानिक देशकी शत्त्र वार्त्र वार्त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त वार वित्र करी क्षेत्र क्षेत्र वर प्राप्त वार तार्म्यामात्री मानेटारेटाकीतावियात्री रियटाकाकु र्त्यायात्रा तर्ह्या ही र क्षेत्र रिष्टायायात्रा तायात्री इर्यविराही। भराष्ट्रात्रात्रात्रात्रे था. स्थाप्तात्राचा मान्या हिष्टा विष्ट्राया प्रविष्ट्राया प्रविष्ट्राया वयान्यरायहे ने रामवयान्ययार्थे नयायां वर्षाय स्थापार्टी हे वर्न् रामार्थिया निष्यान्य र निष्टे कि वर्षे दे कि वर्षे दे कि प्रायम त्या वर्षे दे । वर्ष र निष्टे प्रायम वर्षे [यःनाप्ये प्राप्ते मार्श्वे दे के प्रार्श्वे नार्श्वे वार्श्वे वार्ये वार्शे वार्श्वे वार्श्वे वार्श्वे वार्श्वे वार्शे वार्श्वे वार्ये वार्ये वार्शे वार्ये वार्ये वार्ये वार्वे वार्ये व શુૈબત્તરના તર્શુ રાર્લય ત્રાળા કુષા છે. ત્રાં વાર્શુ રાળવા સું વાયા અધિ વાયા તર્શુ રાલ્યા તર્શુ રા शर्मायार्थं अप्ती होर्पिटा हो रायहें बार्स हो मार्मिटा ही हो मार्मा हो बार्मिता वास्ता हो बार्मिता युग्रार्भे व्याप्याकुग्राम्बर्मे । ह्रे प्रयासुग्राम्बर्भे माम्बर्भि प्रयाप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्याप्या युःविनाः भेर्पः भेर्वा क्षेरः दरः दसरः नस्सायस्य त्यः क्रियः वेरस्य विवायः वानाः वेर्पः विवायः या (स्रे र.८४.८भ४.वार्थभ.ध.ही.कूर्वाय.४८.वीव्यत्र.८८.भकुट्य.वहीं ८.क्ष्यंत्री श्र.८भ८म. ग्रांचे। हैं।वरावरुषाधेवा) हैरावि विद्यासी मार्चे रार्वेषाया से रेवायाचरण

कुट नी 'स्ने र हे 'तरे 'स्ने र हे 'तु 'धे म प्या स्न र रे नया इस या नहे न 'तु र रह ते हु र र ने या या नुनास् उत्रे में प्रेन्स् व्याप्त व्याप्त में वापा के निष्या निष्या में निष्या मे निष्या में निष द्या क्रिनापक्ष वायापक्ष वाववास्त्र प्राचनापठ्याने 'नवानायाक्र वानिवाया वाने रायवानिहा र्वे र्दर स्नर अदे र्वमा ही हो र यर में में या हो र र में या कर हो र हिंग में कुर हे कर्दा क्या श्रेन भेना ने प्रामानमा यस स्मिन के रायह या उत्ती प्रामान में ने में ने से में ने में ने में ने में ने में या र्व्यार्थेट्याण्ची प्रत्वयायरायम्याचि राक्ती वेषाण्ये वाहे रड्यास्य वाहे रड्याण्ची या त्र्याः ह्येट : क्षेत्रा वेश त्र्येद : ठवादे : ह्येद : ह्ये व : ह्ये : ह रत्यार्चे त्वे नायमामान्त्र द्वादामा अस्ति द्वादा त्वे नामान्त्र त्वे नामान्त्य त्वे नामान्त्र त्वे नामान् च्यार्भ अर्ची ख्री न निवर क्षेत्र र प्रहेष र प्राम्य अर्च न वर्ष व्याप्य र प्रहे ख्री न न प्राम्य वर्ष क्षा प्र रे अप्दे दे 'क्ट 'र्चे मा अवद 'दर मा शु अप्तु मायारे अप्ता मायारे अप्तायाया मायारे अ वचन र्हेन पठमान्यमार्थेन प्राप्तेन। म्याप्ते सावचन रहेन ग्री माना होन निर्मे सावा माया र्म अर् हो र हो र ग्री रवस र मुवामिक मार् मामसु अर्मे वर हो र र में सामा हिं मास व्यापन सम्मा ब्रिन्निम्बेर्यदेवानेन्या हराबुरान्यवनावयान्यरावहेनेन्तु। न्यराकार्येन् वाचमकारुटालूटा। इवामायवटावाचायाकुवानु मुचामायाचा व्रवानु लेकानु वाचानु वा चेबर नई राजाक्ष चा सक्क्ष्य परे चरा सिव । चे राचि । चे सिव समारा के वा व्यव हिं र ने के रा ततु त्यावायवयाय। वि.य.क्ष्याप्रमाहे ने व प्रमाहे प्रमा याये गर्था र्षा गृषा गृषा मुक्तार् मर्के प्रदेश या चे प्राप्त मार्था मार्था प्राप्त या या ये प्राप्त या या या य वे ८.ह्ये चे या के रावे ८.थिय प्रकातक मालु या की अधारा है या पर पावे प्रवे प्रवे रावे स्वा (विवाधिकामवरायस् वाया) यवसायकरायर्देवायार्टा धेरास्राप्ता र्वेनवाया ग्रेन्स्रिट प्रते देना इयायमाना मे नामान इसमा विन्ति माना निर्माण करें। गुदुःविरःरेकिया न्रायःरेकियान्यः ही क्षिन्यः द्रायम्यः यादिः कियान्यः विरायन्यः

दरा पर मुजा में राज्या हा भू जिया है। मुजा स्था मुजा स्था मुजा स्था है। सु दि सु जिया स्था से स्था से स्था से स ताक्रियाक्री प्रदाल्व तायरका प्रदी वर्त्ते राष्ट्राचाता रुषा क्री प्रचायावका यावा क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया वि कुवारवर्षा क्षुर कु 'दे 'से दा व्येद 'खर 'बारे वा चुर रठव 'दु 'क्षुर 'या १८७० वेदि 'त्रु'। ळें यात्र हे वाये वाये दें प्ये या मिंदा रे या प्राप्त मा मिन के या प्राप्त या प्राप्त या प्राप्त या प्राप्त या रुटक्टास्ट द्वारक वर्षे मार्ने माने । दे प्यटायाया स्राउस मावर्षे माया दा याया हु । इंशायका उहु वा त्र्रे वा ता रेटा तर का लाट के जू टा हु का ये का उहु वा ता रेटा। लाट वा वा विश देशक्षावर्षेणया अटक्षें टवें ना बुटविया द्वारा क्षावर्षे ना देने वाले वायन दारे दा र्थे दे रद्दा में भाग के मानन हिन जाद विन कर्ष थिया द के मान्य का र्थे द कर्म विमान ठन्तर्सेन्न्नेमा वेषायवन्यारेन्। १०७० वेष्व्राग्रिंग वेदियराग्राम् व्वर्षः ल्या स्वायावया व्यवस्था विष्या स्वया क्षेत्र स्वाया क्षेत्र स्वया क्षेत् सर्चित्रात्रेरी १८१५ सूर्अपूर्द्रातेराम् तास्याचारात्र्याते राष्ट्री सर्वे स्वी हेर 'बर्दे 'बेर 'वे स'गुर' ५ ग्रुर 'वे 'यस'गवि 'वर्षे 'दवा द 'पबे स'यवे 'देर 'धुँ वास'वार 'हे वे 'घर' ग्री 'यम'र्ने म वन 'यम्बु न'यन्त्रम'र 'ठट'के म र्ये 'व्ये न'यम् । हट'ब्रे न 'नम्म मस्स्रान्ट क्या र्येट्यास्त्र न्याट्याच्याणीयाने राधी पर्टा न्याया रेत्। हिटावर्दे विटानीयाणुटान्नुटानी । वर्षे विद्यालक द्यादि अध्याद् अदि दे कुट वी प्याव द्वे दिया स्र र से पति वियाय यो । रिक्षे न्याया व्याप्त व्याप्त विष्ट्र ग्री मारवित के निष्णाया निष्णा (क्षे प्रवित्ति मिना मिना मिना गिना विदेश करा ही निषा २८.जरायादु .ची य.उचराड़े .की.क्षें येथाग्री रायोलरा की टायात्व्याम्य .ची टालरा) च रायाख्या. रे ५ 'ठे स'यन् ५ 'य' व्योग से पु 'हैं 'दर्गे स'हे 'हें ५ 'ठे म' कु व' व्ये म्स सु '५ र 'हे व' तु 'यह र 'य २८.२ं यात्राक्षेट्यासी.भा.सू. विजास्यासूटाचार्यस्यासूट्या हिंद्या (२.सं.वीय.स्याह्टारेटाङ्कात्त्रा <u> इ</u>ट.चेथु ४.४.२ छै .टच र.घे ४.लू ट.कु र.कु ४.कट . ऱ च.चू ट.चू ट ४.च टू च ४.च छू च ४.लू ४) मु . यहे कि वर्षे वे मर्डि में त्रे म्यायदे मात्र र्यु माया वर्षे माया मात्र मात्र रे के वर्षे वे माया वर्षे मात्र रे रट.य.पिंताम्भे द्रया.येषयाङ्गं विया.सू.सू.पु.पू.पु.पू.प्राप्ताः भ्रायाताः भ्रीताः श्रूटः वीयायाः क्रयायाः हीं ही र निर प्रें ते पुर दिवर रे न निर निर प्रें के र निर क्षेत्र मिन की र निर्देश चार्ट्र र त्वी वाचि त्वी त्वी र वे वर्षे शक्क वा इस्र र वा व स्व र वि न र वे वा वि वा वि वा वि वा विनासरप्रे ब वे रासुवार् सिंबायरान्यवायवे के बाखनवारी वे र क्रें से वायवे र्वे ब है 'विन 'न्न ही 'हे र न र के बाद में के बाद में के बाद में के कि न के कि के कि मान के बाद के कि मान कि मान के कि मान के कि मान कि म तम्र्रेष्ट्रभम् स्राम् स्राम र्वापर्वे क्रूरायय प्रवेशय वाक्षासु प्रक्षुयाक्षा रेया विष्ठे पार्रेटार्चे प्रवेकिक क्र वाक्वार्यराष्ट्रियाविराम्बाराष्ट्रियाविराग्नीया १८८३ सूराची पर्वेषातकीतास्यात्वेचा म्बार्च र विषया मूर्य स्वर विषय मित्रा मित्र में स्वर प्राप्त में मिला मी स्वर प्राप्त में मिला मी प्राप्त में चैंदु ख़ूं ठ.भ.२८। २मे . सूथ . ख़ूं ठ.चैंदु . ख़ूं ठ.भी विंता (के. रू चे मा) उत्तर रू भा ख़ूं ठ.चैंदु . ब्रैं पः अप्यरुषाणी 'द्रअर'सुर'द्रअग'से 'इसषा'दुर'दुर'वर'वे र'वे ष'द्रवे द्रायर'धे द्राते। व् चवार्श्व र्श्वादे वर पद्व पर्हे वर्ह्य वर्षाच्च वर्ष वर्षे दे क्षे र पद्व ने र ग्री शवा क्षान् वर्श के वा वा रक्षिकिरम् ररार्या मार्थवार् वेनार्ने शक्षवार्मिशयन्तरे रने नियं वर्षावर क्रिक्सिंद्र इंपिट क्रियाय क्रयाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रयाय क्रियाय क्रिय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय क्रियाय चम.कृष.मू.म्याम.मर्ट्र म.ष.कृषाणी.कृ.या.स्य चार्म चार्म स.म. १०८ ८ म्यूमामा स्वाप्त स्वापा स्वाप्त स्वापा स्वाप क्र स्थानिहर पर्द्र भाष्ठ्र भाष्ठ्र भाष्ठ्र भाषा है न भाषा स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स ल्रा ट्रेक्सकान्ट्रिंश ब्रेग हो ट्रेक्से वे १००५० क्रिंटे में में में में के का गर क्रिये। क्रिये कर्ष्ट्र भी रादे राम्बर्याये र्रेट में र्ने ब्रिके ब्रे ने स्मित्या वर वे राद्र पर्वे अप्तक्षण तम् याने भी निया निया निया में हे ब की को हि 'न्न्राथ अके न यन्तिन्ति है ब की बायर दूरिये हि हबाय विनास्ति । यह रायदे के निया यहूर्यस्त्रिक्षसळ्कायक्रियद्वायादे द्वायक्षेवायदे द्वायदे कुक्सळर्दे । द्वादे क्ष

च बुर है। दे ना नव रान्य र नहें के द रें दे किया श्रे र त्यरा त्नु वा सु सहु र पु निह र हे। बच र हु। र्शेट प्राप्त प्रमुत्र। देव में टाष्ट्र वर्षे प्रमुत्र के सामित्र के नार्दे नार्दे नार्दे नार्दे नार्दे राष्ट्र वर्षे दे पार्दे रा पर्ट्र भाष्मप्रमाञ्च नात्यु राष्ट्र दिया ने पार्चि दिया है ते प्रमें के साम के साम के साम के साम के साम के साम भाजवासीभाक्षेत्राक्षेत्रहास्य व्यास्य प्रकृत्वक्षेत्राच्या अस्याच्या वर्षावरा वर्षावरा वर्षावरा वर्षावया पटा बट.कुब.पच च.नच.शूचश.लूट.ट्र.ट्रच.छे.उपूट.कु.चूट.ई वशश.बट.ज.चच्. यमवायक्या है जो है राय भे ना हो ना नु जा स्वार्थ ना रेंदा में नि के का ने रहें का कन है जहा विवानु र्यो न रहे वा के वा विवाद के प्राप्त परुषातात्तर्युषायेषात्रमूचार्षेषात्त्रीषास्त्रात्ति रात्तराहे ह्या है राष्ट्रातिवार्षार्ष्यु रहे वाषात्रः र्ट्रिश्वरा स्वायम्यापरा रटाउच्चापरा चि.चाम्यापरा च्चीराजमापराम्या वश्च र पर्देश चुराय रे । हु र से से र विं ५ ५ ५ मार्थ के नाय है वा ट्यमायतमाळ्यातीयमाणी वीयाभघराम् याद्रयात्राच्या भ्याप्याचयात्राक्ष्याम्या यद्विषात्री स्त्री विषाद्वी विष्य कार्य स्विष्य कार्य स्विष्य के स्वार्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स कुथे.तर्जु.स्रीय.वेश.यंश.यं.रतिर.रे.विच.त्त्री.तराविर्यार्टा थे.धे.तर्भे.ततु.तयाविर्या तया यत्र तमा मिर्मा मिर्मा मिर्मा स्वापार मिर्मा स्वाप्त निर्मा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स् जयावरा विवायाम्याया म्याया म्याया म्याया म्याया म्याया स्थाया स्थाया । वर्षे प्रदे जयापिरमा के. पूर्याक . भूर्यामा. ग्री. में यातर . श्रीं याकिर योशे यो भूर त्या मुत्राचरा यापर पटा। श्री बे क्या प्रमु पिटा। खेटा यथा प्रसु वाक्या स्तु हा पिटा। मित्र का स्वाप्त का स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप र्मे बारा वाष्ट्र मात्र तर्वे वा विष्टा तकीय तरा भू बारा ही विष्ठ के त्यत रूपा वाष्ट्र स्वा वाष्ट्र स्वा वाष्ट्र तर हित. यमायम् याद्वितः (नाक्षायुषायाने ह्वि प्रदे त्यत् त्यत् विमान्यः क्ष्यायत् विमान् विमाने विमाने विमाने विमाने च .चच.चक्रेट.भ.चष्ट्रचमाचवरक्रट.भ.केट.चूच.चभानभ.चे त.भ्रट.टें.कें र.लूट) रूट.चू.ट्चूय. क्रेब्र'क्चे 'क्चेच'द्रे 'दट'वर'च्च 'द्यट'क्रेब्र'सेव्वे'क्चेच'क्चेच'क्चे 'देवे 'वे चब्र'टेब्र'ख्र'विदःदेट'व्य'गुवा' ग्रीं न त्ये न प्रति प्रति प्रकेष भी विवासी मार्थ है ते विष्य मार्थ त्या मार्थ प्रकार के त्र हिमार न मार् उत्रक्षेत्रकेष्वर्षे उद्गान्ध्यार्षे रायराया वर्षे दे श्रुप्त श्रुप्त हो या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व वर्डे राष्ट्रे 'कुदे 'यरा द्वे दाया वनदारे 'निवे राष्ट्रे दा दुरार्थे दा दार्दे दार्थे दिने दाया निवे रा यर्डे अरके दार्य त्याय वा अक्समाने मार्सी त्रवे मात् मायसके दार्य वि मार्के मायके दायन् । यमायी । विभवारत मिर्मर क्षार्मे वायते प्री वार्त्व वार्ष राष्ट्र मिना रटार्स्स मार्हेट प्यरुषासु पर्से पार्से दार्च करात् पार्से ना पर स्वाप्त स्वाप चौ.क्र.ची.चर्चेच.लची.विट.टश.क्र्येश.विट.क्रुचेश्री चेट.क्रुची चौ.चर्चेच.शेश.चची.संची. म् .चं .चं .चं .चं त्र कारा इ.भू र .चं हूर .चं कार् कार् कार कार हैं .चं कार हें .चं कार हिं .चं .चं .चं राष्ट्र कार चे हें च श्रे देवाबादवे हिंदा श्रें वाया विषाया कवाबाव सुवार्ये दाया दे दा क्षे यय दे सुरादवे वाये र यांत्रियार्श्व मार्श्व मार्थ माय्य मार्थ व प्रवास मार्थ व प्रवास मार्थ में निष्ठ प्रवास मार्थ में निष्ठ प्रवास र्रा र्याम् राम्यात्यान् क्यावयाश्चनान्त्रस्य स्थायस्य मिनः श्चे नान्तरस्य स्नायान्त श्रम् वी तकर विषे त्रापि देवा माक विषय ही त्यम हो राय ही राय ही मा हि मा ही ही हि विषय है र जीवाराम्भी मुस्ति वार्षाप्त वारा प्राप्त वारा वेरा में या वारा वेरा वारा वेरा वारा वेरा वारा वेरा विश्व वारा व के ब.त्. तसिर्धात्र सिर्। मैट्रियेट स्वायविषायिष रायह द्रायवा हु अक्टर्म बाजवा वन्यायदे ये नमावमु वाद्या के दा गुराद्य राममानमानमान रामी वर्षे विदादमानमा क्रियायायम् भ्रे खु त्य द्विया धिव सुर्वा कय श्रे द त्यम् सार्चे दे स्ट्रे द र्दार ग्राव र्ट्चे द रहि र स्ट्रिय ह्रे ८ व्यमार्स्धे ममामार वर्दे ५ ५८ ४ दे बा ५ मवा ले ब ५८ वर्षे प्रमा र मिट ही ५ इसमा इ.र्ट्रेय.क्षे ८.उड़ि ४.५ .क्ष्य.ब्रेट.चल्रा.ब्रुं.ड्र. क्षा.उर्चे ४.८ .उ. उट्ट्रेय.क्चे .वर्षेय.वं वर्षा.ट्या.त्र. ब्रेट्र देनाः क्षे 'न्रसम्बर्' क्षंत्रः स्वे ब 'नृ 'यद्दे नुषा'ये र 'पये 'म्म' रूप्तः 'स्य र 'र्स्य दे 'य्यव 'दे ब हे 'ये ब 'नृत् म वर्षे या है । स्वामी वापाय प्रमूरि । है वार्षे वापार राष्ट्र माने वापाय प्रमूर । है वार्षे वापार राष्ट्र । वापाय । यादे । क्षेत्राक्षे प्रमास्यास्य स्वर्षाक्षु । क्षेत्राचाराष्ट्रीद्रापति क्षात्राक्षेत्राक्षात्रात्रा व्या

हे . झे वा स्र र प्रझू प र के का ग्री . लू र स्र पका र र का पि वा ग्री र के का पा वा का का का कि का परि . हे . में रारे रे कार्ये र यदे रक्ष रायर सके दायर रहा। वर्ष सायर मा सके दाहे का यवा छे। दर व्हें न हें प्यत्या वाक है वे हें नमाक पेरिय में नमक माया में नमा सु मिहिर यभ ना स्वर्मा केव निहासी र्षाण्व रेट के विषाने राये निविधानी समाया समाय कावा स्वापान रे वि'चर्ने ब'ने वे क्विंट'रुकालट हे न बुकायायर वे वा वा बावाय वा वा वा क्विंन हे न या रहे अपटा हे न निय्तः से न्याया मान्या मान्या प्राप्त निवास चर्गे र.त्रु.क्ट्र श. ह्री चरा ही. से. चरीं ट. बीचरा हु थे. हु चार हु या. हीं च. ही ट. ही. हु. विश्वास ठर्रायकुर्येदे स्मित्राहे प्रविवादा वर्चे रामेर् मायारे मायी रेगाम्बर्गम्बर पहे केवा र्येदे 'स्निचर्यागुट'न्सर'र्स्चे न्यागी 'स्न' चानिस्टेर्चर'चेने ने 'स्निचर' नान 'स्निन्यानिन'नु 'चर्डर' वयान्यवायवे नयार्दे ना निहे यानार्ते माया वा भी की नयार्दे वे खुटार्च के वार्य विना मु निह्यु रार्थे ना ट्रे अर्द्ध्दर्भासु र्ह्मे व पर्दे भ ह्यु र स्निप्याधर प्याधि ट प्याप्त दियार हिंग्या पार्वे ट प्याप्त प्राधित ब्रिट. मुस्ता यहर्रे में यापा है कि वायार राया वाया है कि वाया सर्वे वार्ट वार्ट वार्ट रा विट ने ने ने नियम मार का क्षेत्र निर्देश के वा है ने किया के किया की वा किया की वा मा चलमा क्रुचमाना स्वनमा व्हूताना क्रूमा क्रुचा क्रिमा क्रुचा क्रिमा क्रुचा क्रिमा क्र छिरछिरअविषा क्रिंटार्यनाक्रमास्रवा विख्युनान्त्रियाक्ष्या छेरस्रवा चयारेसः वचनः क्रूरे. शरात्रः श्रापाय श्राप्ता परः मृताक्रियाला वास्त्रा वास्त्राची द्राप्ता स्राप्ता ल्य किया स्र मार्थ मार्थ पत्र पर्स मार्थ म दें खेना केन मान करा हो दाया दुसराय दे यह दिए महि राय मार्स दें ते तहें ना साव हा हर बर्ट् जाल्. यहं वाड़े र शिष्ट्री के र पत्री शिष्ट्री वार्या न के र शिष्ट्री वार्या न के र शिष्ट्री वार्या न के वर्गवायरमात्री ही क्यामाहिता वसमाहितह रामा खुवाहिता मिमाहिता हा

युग्राक्ष है ८ प्टा ह्म प्टु 'ह्ने या से ग्राया ही 'से प्टिंग्राया है प्टा या प्टा है वा स्वाप के स सूतु . र्ह् . विचा. त्री . क्ष. तर्हे चे या त्राया भू चा. चे या चे या चे या चे या त्रा हुत . खें. तूर्य . र्हे ये । विटाट या वर्षे विदाळका कुरा केरके वदावि द्राया मुहाद्राया में विदाय में दिवाय में दिवाय में दिवाय में दिवाय में दिवाय में क्टर्. श्रु. श्रु. प्रु. प्रु. प्रु. प्रु. प्रु. श्रु. श्रु. श्रु. स्वायायाया हिया वी शक्त श्रु र वाशाय वी वा श्रु स्वाया ग्री 'र्ने 'स्रवर्गर्टा पहुने 'हे। यर हिन ही 'से र मट वर्गी 'हे नमानमा से दे हिर हिय बर् छे षाणुर ळॅर् 'यथापक्यापदे 'क्क्रें क्रायह् वाषाचि याया परे क'ह् क'र् हे 'पासे र्'यर वार वर् 'याम्हें म्रा हे रामन् 'हे क्या हो र 'यर 'वर्ष प्रा या वर्ष प्रा हे र हे र हे र हे र हे र र ही म्रा हा र प शर.कु.पूरा,चुवा,चवर.क्र्र.बर.श्र.जबा,जूवबा,बी.ची.र.चयावी,वी.बा.टी.क्षाता,श्रा.क्षे.दे.दर.हं था. यरे र भे र प्यर स वर्ग वर्के क्रमायवयाय पुराने रे नमायवर में नमायवे र भे र पा के ट्रे ऋुद्र ब्रिभ्रट्टापूर लीबा गीथ थे पर्झ्चा पर्स्ट ना पर्स रालट लिटा विश्वार प्रथा वर्षा प्रयाचा कुदे 'न्र्याहराणी 'रेनाम'झना' भ्रेन पर्सेना हिर हो न'य'न्या परम, न्र्या समाने 'न्ना सेदे' सर्ग वायसायुषासु वित्ववार्के दिन्नवार्के दिन्दि स्टार्नि सावर्के रावानि दिया है षासी ह त्रुचारा.क्रुटु .क्रूरे .चर .रेट .च्रूर .लीचा घ.षे.शजा.चु .जा.शूचे था.श्री चा.कुषे.क्र्चे था.तर . (क्र्चे था. तर्वात्त्रे त्ये दर्वे दर्वे त्यर्वा क्ष्मे राष्ट्रे वा क्ष्मे राष्ट्रे वा क्ष्मे राष्ट्रे वा स्था विष्णे वा स हे प्रसु र् द्वी निर्मा के मानिक्या में मानिक्या मानिक्या मानिक्या मिन्न मानिक्या मिन्न मानिक्या मिन्न मानिक्या मिन्न मानिक्या मिन्न मिन्न मानिक्या मिन्न मि क्यास्री न त्यारायम् वास्री मार्क मायाय इ वास्यास्री यायास्य स्वीमास्य र न्यु सामान् मार्यास्य क्रिवर्गा विता हूरा ई.क्ष्या २.विचा.स्विमा.चिमा.धे.तमात्वीता.झे ता.स्विमा.ग्री.रहा. रिन्ने यमा इस्राया इस्राया है वा मुद्दार है टार्ने टार्ने टार्ने यम वसार् 'देस मुर्ग हो ना हिन'

यद्यान् महिंदामी र्येना नियमा अल्ले मियामी मियामे नियम्या । ५८। सबतः सर्व में विषयः (ह्रिक कर ग्री म्व स्व दिव देव देव देव में । यम प्रम् व मी। यम प्रम् व मी र्षे 'रे अ'यर'अर' ५८' ५८' श्रे ५' मल् ८' मी '५०८' ५६ में चु 'र्ड्ड 'य' ५८। ५८०' ५ई र हे र ब्रिन्गी 'यम'महेर'ळंब'विम'मे 'रेममा रेम'यावम'मे 'ब्रेन्'र्येब'मी ममा नययायर्डेर' वेरि: श्रेर्'ग्रे 'यम' महेराया रेमा मनमा मन्याय स्टार्ट दे महिरासकेर मार्थर मार्थर स्थार म् अ.क.तर्मे वाका.वि.चका.चप्रात्तवाक्षेवा.(राष्ट्राप्तीयात्रीचित्राविष्टार्याट्याचिताविष्टाः रभर ब्रैट रभवा वा तर) ववाता अर्थेट ई तक्रे विकेट विश्व वा वक्षेट की क्रिकार पर ने वार्यर वह र ट्र. मुजातर ट्र्यायह्रव विषावषा मार्झे रायठव र्झे रायवा र्वेट मुबारिय में बारवा कथा ह्रिया है राय पश्चिम्राय्ये प्रमान्त्र वित्यम् वास्त्र वास्त्र वित्र में स्राय्य वित्र में स्रायः में स्रायः वित्र में स्रायः वित्र में स्रायः वित्र में स्रायः में स रदारदानी से प्राप्त के सासे दार्श्चे का प्रमे पाय प्राप्त हिंदी सामें रासे ना मुखा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व र् विराये पार्रा के वास्त्र में पारे का के रादि । विराये पार्य के वास्त्र के विभाने 'ञ्चनभासु न'नमा के न'सू न'र्से ना सू न'या के माने माने भाग वा नु न से माने 'से माने 'से माने न र् 'बुग'क्ष'क्'बुग'र्ग'र्से क्वेंट'यठ्ग'मी 'र्सेन्। दे 'स्टम'क्वें 'तियामी 'क्वें म्रापट'के क्'सेंदि ' बरारमाञ्चितः राञ्चेरावराके वात् पठवाची याते तात्व राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्री यायायहरा पर्वा,येश.पर्ट.पर्स्चेयम.क्र्यमायेशक्षे.क्ष्ट्र.योशेश.लम.भम.त्यू ४.ल८.उचप.क्र्ट.रेंट. देवानिहरास्याक्षां त्युकाना त्रुनिका स्तु रामायरका ही परायत्व वाति विकास रामा विवास कुष्रम् जास्रीयमार्थे छेषाश्चरात्र्यवामाताञ्च रूटा प्रटाय वी हि .क्ष्यमी .विजासवी पासी रासी टी .क्ष्यों वा भर. में ४. ५ रे. नषु . ४४. नषु . ८८. रे. ४. ७. ५ वि. न. १८. वि. में लर. पर्से चे ४. ५ रे. र्मास्त्रे के क्रिंग्ने प्रमेम्स्या वर्डे मस्त्रे प्राया के स्वार्थ के स्वार्थ के प्राया के स्वार्थ के स्व विः विरायम्बर्धरार्वेषा केषान्ता वालवाया वासार्यरा वाषावारा विष्यारे वासार्य न्त्रमान्त्राच्या अवस्त्रम् वर्षे राष्ट्रमायारे स्रा स्रम्यरार्ट्रम् की क्रमास्र रायसायम् याची । विष्मित्र भी ही पर्मे शह थि बर्टा में दि ब बर्टि मार्टि में के बर्डि के बर्डि के के के के के के के के के श्री ट मालु ट मिर्हे के निष्यायर क्रिया रहे या द्वार ही दि है न मानि हैं है से स्वापक मी श्री प्रमाय रे या शर.क्रू.वाया.चाज.पर्वं ४.त्रिर.स्री.वा.वा. अक्शया.शक्शया.शी.से.टे.वाग्रट.शत्र्यं या.त्या.पर्वे वाया.क्रु. श्रास्त्राची यागुराने वे १ हे यायने नारणा क्रीं रार्झे याने १ सूरायञ्च गयाने वियागी १ वि । हे १ कंत्र ट्रम्बे, के ब.मी. भर्बे, हूं ब.कू ब.कू. ये ट.कु ब.त.ह. ब.क.ह. वे ब.मी. श्वी. प्री. व.त.वा. के ब. शुरु देर दर्दा राष्ट्र राष्ट्र विदान विष्णु व पूर्व या प्रायम् अळ्या या कर प्रायम् या विष्णु व प्रायम् विभापर्से राम्भायाकु के पाले गास्नियशायगरा से या ग्री र्यो प्रिप्टे पदिये प्रामें अर्के मित्र से ए विवार्ह्र व्यव दर्भ से वायन दर्भ ना १८५५ विवार्ह्न विवार्ह्न विवार्ह्न विवार्ष वायन या वायन यमार्च मादायायायाप्ति देवाहिरार्च वातु के विवा हे प्रदुव के मार्वे वातु स्तु राये हो। ८**५**.त.च्र ४.त.लू ८४.हू चे४.वर्ड ४.त४.४८.४८.शू.धु.८.४४४.शू.८.८४च.८४८४८४च. इसत्तिव्यक्ते त्यू विटाक्षमाणी यार्चा तृत्य तह वामास्यास्त्र मानास्य क्रियानामा ८४.वार्षुय्व.वार्येश.क्ष्ट.भाङ्क.विचाङ्क.वट.भवत.लट्याज्ञेट.ह्यटा.ह्युंच्याय्येथ.वद्य.न् ग्री सप्तर्रे दायपदे दायदे दाररा है हिराक मसायुवा द्वादर में के मसाके दारायर प्रिदा लूट ई श झूर इवावा अवूर ७ रहानू रहा भवी करी हैं विदाय धेवार विराध करता दे प्दर-घैकाश्रद-क्राद-श्रद्ध-तीकानू-सी र-सी र-दि-प्वतान-क्रीट-क्रीट-प्टट-क्र्यूचकाश्रद-की अर्चे र् खेर खेन 'दे पठर पञ्चन थर्के नशन निष्य अप्ते वा की पर खेश दे विष्य वा वा पर से र ने विषाया ने व्हारायहान प्याप्त के प्राप्त के प्राप नियम् अन्तर्भे नारकी वार्षे रार्षे नायवम् अमार्या र्षे नाय रेना विभाव से रास्रवसासु वर्षे सामु सामार्के रामे अन्दे हे मो प्ये साम्डन्सायामे सन्दे लियसागी साम्हर्माने सम्राम्डिन नम्ट.न.सूर्यात्राकुत्राश्च हिंदे.जत्रावर्षात्रव द्वितार्श्चेर.कु.नव.रे.रे तासेनवर, जाड़े.पूर्वात्रवर. पञ्च न भ के न भ के व न भ के ट र न न न न भ के श्ररकेशकन्यर्न्यार्धेर्यासुपञ्चन्यायते निवादी।) ह्येरारेयार्नेराने रेंद्रायर्नेनानर विवाधिवार्दा भ्रेवियं विवाधिवार्द्ध के स्कूर निवाधिवार क्षेत्र में दे निवास मिया निवास के विवास के विव मिट्यामेश्रमार्द्धराद्या वयामिट्यात्रम् इत्याच्या स्टार्ट्या क्राम्या क्राम्या स्टार्ट्या स्टार्ट्या स्टार्ट्या क्टायरुषाम्डिमास् नार्वारावि रार्सेन। स्टार्खार्ख्यायव्यानमामी किम्पायन् किम्पायन् यात्र । देरायरावर्षे विदाद्याययादेवाळे ळुटायरावाद्यार्थात्याद्याराष्ट्रया भ्रे त्यम्भाम् त्ये द्राणी भाष्यम् मान्यस्य त्ये त्री द्राप्ते भाष्यम् क्या श्रे द्रायम् व्या व्या व्या व्या व देवे 'यम'देव'ळे 'कुट'ने मामानमाग्री 'दमर'मे ना के नमामान ना ने विवास तमान में देव स्थान्दर से द कुर्चायाना रेशर.बैंट.रेशच.रेशरंशराकुर्चायाच्चिरंत्वर्यात्ययार्जूचे.चुर्यात्ररंते रायकुर्यः ठम र्से र रे ना या सू या सुना पहर से बी रिना निहें मार्चे रा ही र गी मायमायन् या सू पायदे निर्दे सक्टरमायास्य में मानी मान्ने राज्ये दाया प्राया कु मान्य प्राया कु मान्य प्राया कि मान्य र्वाचार्याक्वचार्यराष्ट्रीं बाक्की वाले स्थाप्त्रिके राज्यायवराष्ट्री व्हार्यराज्यायम् वात्रा यदै 'न्न्र क' भे 'क्ष' से न' यर स' भे क' भे क' से के 'सर हिं न कु 'यश दें श' से न' ने नि मु अर मिन्याय स्ट्रिंग तहाय हुर में र तत्व क्षात हु मिन मिन त्या है स्टर्म प्राप्त है स्टर्म प्राप्त है स हे अर्वे वापन्त्रे कारान्ता विदायेयान्दार्वेषाञ्च साहे दाहे षा केदावा हुदा है षा है प्यक्षायर क्रियशकेशचेशप्रियादे अग्यायम्यि मशक्षायुषाये क्राम्याना विवामेशस्य अळअषारे रायुषाद्वारी द्वास्त्रवषायायरासुराष्ठ्रषायत् वादवेषा वालवायदायुषारीरा विष्यात्राच्या विषया देश्राध्य भारायमानी खुं म्यायाय अर्धे न विषया ग्री श्राम खुना मिन प्यापाय राख्र चक्रमास्य तह् नायासर्ने 'चे 'नटा स्ने नाया स्वाप्त के 'सटा चे विष्य निक्रमा वयायर नाणुनाः स्राययेव । द्वारा हे । ही । वे ना कुना कुना कुना स्राय हुनाया । स्राया के नाया स्राया स्राया स्र बरार् कार्रक्षायायञ्चारे त्युयाये खेवाया विवान् वाराधिराहे हिवायाची पर्देयायेया र्टाया हिन्न सक्ता है मारे दारी मानहिदायमें नायायार्से नमायदे विवसादन द्वादन है है द डिनार्झें ५ १५॥ वर्चेनार्से नवार्सार्मे ६ मे विदान निनानी भी भी नवारी प्राप्त हिं। मलकारे बासी मार्चि मार्था स्त्री के रामुरायु नि दे । श्रुमाबाम मार्गि का या मल्या विकास मार्गि के रामु नि मार्गि के राम् नि मार्गि के रामु नि मार्गि के राम् नि मार्गि के रामु निर्दर्भात्राचा न्यानिर कान्दर्भात्राची न्यानि कामिन्या ह्मियानम् स्यापान्ता ह्मियापदासु मुत्तान्ता प्रमान न्यु वर्ष्यासु स्यापान न्यु वर्ष्यासु स्याप्ता स्यापान स्या मुड्ड र.प्र.स् र.ट्र .चेंट.पिंचेश्वता हैं र.प। हे श्र.श्रट.पिंवायपुर प्रेट.श्रट.प्रचेवार र तीश न्सर हे ब न् खुन ने प्यर यद्यासर सुर हो न नु पा दु वा हे स्मार्क सर पह साम साम नि व्रेन्यन्त इम्बिक्रम्न् अवस्त्रिक्षण्यन्तिक्षेत्रक्षेत्रम् । क्रमाञ्चरापदे 'न्रस्य'न्रमण'न्र'न्र्यर'सुर'न्रमण'मे राहे राप्यापाणे 'से 'सेंदे 'सवद'पर्झे र' हे के राखुनायरे रायरे राममा उपायरे राष्ट्रमानमाय विनायवे राष्ट्रमा राष्ट्रमा राष्ट्रमा राष्ट्रमा राष्ट्रमा क्रिंदर्दर्वनाक्रमा हो दर्द प्यक्रमा दसर्याद्रयमाळे हर्ष्ट्र हे ये या क्रिंमा से समया मर हे ब रू प्यु र ब ब र मर छर रू प्र हिर खु र हे र छ ब र्ये र र्इ म त्ये र रहे र य। यम य प्य र क्रायक्षरमासु पठुना विदायते व्यना विद्या विदायन माना माना माना है पर राष्ट्री यगःवी बुरावरःवाहरादे प्यरःवर्षेटाया विष्ठे बाश्चिवावितः दिवराक्षेत्रपरादे राखावसार्श्चे वाः ततु वर क्र में पर्वे वाता क्रवा क्ष्या वा वी प्रमार्ट तते प्रमावी विषय क्षेत्र व वर ता ष्णानायनायाने प्रमुना हो पाहे बाया श्री पदे प्रषासु पहुनाया दन् वा ता त्री वा ता विद्रा विद्रा विद्रा विद्रा व तुरक्षावरात् प्रवेषायात्रायमायात्री म्याने म्यान् क्यात् वाक्षेत्र वरायहे माया हे या से न पि. में पार्थे . मूर्याये में . मेरा पार्से . पहुं ना में या में या में या पार्थे . या में या में या पार्थे . जवान्वर्दे तात्रभात्वभाद्धवान्वर्षे तास्त्रवास्त्रे क्षेत्रम् क्षेत्राच्यात्रम् व्याप्ति वास्त्रम् विष् विवायदे सेदे साम सुर मेर मेर मेर मेर मेर सम्मा है साम समा है से मान का के से प्रति मा मिन क्र मिन क्र मिन के निकार क यह कि बर्रादे जें अदि हिंद रें राव्हें मागू बर् जमाये बर् पह रावशा दे सूर खु बर मा धे ५ 'ग्रमुस्र 'या के स्र '५ 'ठर 'पर्वे ५ 'प्रस्र '५ 'ग्रय परे 'स्र र 'ग्रे ५ '५ म् 'ये 'प्र र 'प्र र 'प्रस्र '

र्वरामेरार् में भें में रमायायमार्थे में प्रवादाने मातु मुनाम्वरमा बर्गी माने मानरा में भे ने नामा ता श्रुट विर पश्चिता वयातर निवस्य पार्श्यय ग्री या स्ट विषय प्राप्त निवस्य र क्किं विष्यां के स्वाप्त के स्वाप्त का का कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के य। यञ्चरायद्वाक्षायायार्भवाषाद्वाक्षित्रक्षेत्रक्षेत्राच्चा पञ्चाकार् ततु ब्रिचा भूटार् की राततु तर्चे राष्ट्र योगान भाग्नी भाष्ट्र रायटा ख्री रातह्र थ वि त्यां यावा स्था ठर्र्मा ह्र र में पर् पे यापबुर्य याया बर्ग रेमा मान्य मान्य र पहे के न रें दे ज्र से र सर्या बर्। विकान्ती त्वावायते देवाषान्ती त्वावायते । इवाषान्ती त्वावायते । इवाषान्ती विवाषान्ती । विवाषान्ती । ब्रिन 'यम'यग् या झू के गमाग्री 'नक्षे गमागनन 'ब्रि 'यर्गे मान्य प्रोच याने 'क्षे 'मम'ये प्रमा रेनाबारुना वे रायार्या निवे की निर्दायि त्याबारी राया वे स्वाया विके प्रति र्नायाय विकास यह राट्ट मियाया वे राया से मासा ही पर्वे सासा या मिया है कया हो दा ही दानी माहत महिन हो दायर वसःकृवःवन्नवःक्रिन्द्रन्वनाक्वाःकेन्त्रीःस्निन्देन्यवःमिन्द्रवःयन्द्रन्यःस्किन् याश्चाने क्ष्माकृषात्वा क्षेत्रायमें विनानमाया विवास व वृ 'ग् ग'ग् ग'गे य'भे थ'भे 'तु 'मे ५'५ में य'य'य' अ' अ न व व द अय' ५८ मा व 'ये 'कु ८'मे य'यय ८ ' न्याल ने निर्मेश्य प्रत्वाया निया वर्षे राष्ट्रे नियम् वर्षे निर्मेश के नियम् वर्षे निर्मेश यमे र मुषा हे मुंदिर मानु द प्राने का मुद्दाया भारत का का दूर के कार्रे वापाय सादया मार्थे । भावता भक्षत्र. भू. यह बे. ल वार्टा पर प्रश्लेषाया बटबार वृट्या से प्रश्ले हे विवा वी विरा *तेच.चश.बॅट.जश.ब्र्चश.बी.च.व्ट.व्रि.चेट्र.ट्रम्थ.त.ब्र्चश.चर.च.क्ट्र.चेश.प्रट.वेश.प्रट.वेश.प्रट.वेश.पर्* दुरार्चभाष्यराभेत्। ते प्रविकाभे प्रकाने रापार्केवे प्रनव भेगा कायवरार्दे कामेत्री व्हार्ख्या ह्यात्र के ह्या है जि त्वया है ने त्वया है ने त्वया निष्ठ के निष्ठ हैं ने त्व हैं ने त्व हैं ने त्व हैं ने त्व अपरा.प्रट.लूट.क्ट्र.जर्जूचा.तर.भावरी ट्र.जर्थ.कूंच.ए.उत्त.श्च्र्ट.र्ब्च.जर्थ.क्ट्र.प्रेट.च्र्ट्ट. वयमाचि रायाणे मार्चे। देवा वम्मराम् रायो रात्रा प्रकरार्थे राप्तराश्चे राप्तराश्चे रा जमापिटमास्त्रास्त्रार्टाह्म में है नहीं क्षित्रास्त्रास्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स য়ৢ বেশবরে র্রু মর্ বার্য ৫৫৫ র্যুর্ ক্লোর্য ক্রমার্য বার্মের্য ক্রি মর্বরে বার্য বার্মার রাম मुंचिशाली बात्र कु मान्ते तारातु तारात्वी ता श्चिराश्चित वर्षी ता हूरी कु शारातु विरार्टी शाक्सर समामत् यौ ते खु द यो शेट क्रिम क्रिय क्रिय हैं ट दिन मत् यौ ते खु द यो पर ता क्षेत्र पहें यो मत् यौ ते. षुद्र यगादार्श्वे यास्त्र मञ्जायायो गाया सुया अद्ग्यु दुः विवादि हरायाया ग्री विवासि ह्या यक्षाचि ५ 'दर्गेषाया रे दाकेषायाया से माषाची 'यमावायमें दास रायमायो काहे 'यमी 'चुषार्ह्म मा चु 'यम 'र्ति ५ 'से 'से म्यम स्तु म 'य' ह्म 'हें मा 'हें मा में मु अह्ताबि न बतायि वारा रेशे रेशे वे निषे र विवे त्यकारे वामना श्रुवान में कायाना वार्षे र्से से निसम्यामित मानसू या क्षेत्रासर्वे गायु विवे मासुमानमु साने सायवसामासुमाई सा हे मा ८८.योषभः भ्रिष्यात्राचर्या द्वीरात्रम् सामान्त्रमा रयाया क्यार्यात्रमा स्वर्णात्रा देशक्षान् भे वार्षेषा स्रवारक्षेत्रवारके नारके निरक्षेत्रके निरक्षेत्रके निरक्षेत्रके निरक्षेत्रके न ब्रिंगर्झेट र्टर्नाना कुना यहाय रेट्री व्रिंभ य क्रेंट्र यठ राष्ट्री यश रेट्रें कु या दि र्राच्यमामुम्बर्भास्य स्थान्य । स्वाप्यमाम् स्थे व स्वारास्य स्वाप्यमास्य स्वाप्य स्वा त्रभावास्त्रीम्भास् अद्रे छे प्तृ प्वी विद्रायर के क्ट्राप्ता या या या विवादि निमा मु पक्ष बर्मर जार्से वाबान्त्र के वाबान्यर ज्यानर बन्धर मुरायर प्रचे रामे दि मुंदि र देवे बायर दर वर्च्च तिवार् विवार् क्षा है विषा है विषा है विषा अक्ष अषा तर् .वोष्यासी.भार्य. गीरी.धु. प्रति. ही .व ४. प्रति वोषात्तर भावरी वाषाही भाक्य विषय ठर ग्री ख़िते 'र्स्ने 'वि'रु 'वास्ट 'यत् संग्री 'वा बुवास'र द्वी यस'य इ'या दे 'या बे 'यो पि 'द्वास' ये दि । दे ' द्यारी .या.चर .से पथारे र.रू र.तत्र्या वेषा वेर.त्र था था अ.रे.र.श्रा. क्षर. यथा थात्र . त्या था था र्के याति यात्रा से व्यवाद में यात्रा में राज्या में राज्या में यात्रा में यात्रा में यात्रा में यात्रा में या

म्रामार्यः द्वान्ति मार्गा तक्ष्वाम् वाराने त्रामार्थे व व मेर्या नियान विकास अप्रान्ते र क्रिन्यायन् प्रक्रिन्यान् यायदे प्यानस्तरायन् यात्रे न प्रान्ते न प्रक्रियां प्राप्ते न प्राप्ते न इन। सु के नियम भे न नु पहन यर ने मा ठेश से न मोर्स में हम में हर सम्बर्ध स वर्षेन न्वेषाण्ची भेना विवायायर न्वेरया श्रीर न्य ही हेरा श्रव येराव न्वेयाणी भेनायर या बर्। वि.तर. चेट्ट्रेट. यदश. दर्चे व. यब्दे र. श्रे. वर्षे थे. श्रे व. श्रे व. श्रे व. श्रे व. वर्षे व. नस्ट पत्राक्षेत्री न दर्ने सारी । से दाया देता द्वार देता न से दे । न से दे र दे न पन से दे । न से दे । न से द भर् दे. से ट. में . च शे ट. कू भा व र. ट. ट्रं ट. हे प्. हि ट. च ब . च कू. च श . शे . ट ब च . ह च . च ब र दे . ह च . चिष्राचे षाचिद्र दे विषायवाके पाविष्या दिवाविष्याव्या स्वाविष्याव्या स्वाविष्याव्या वर्गे दिन्तर देवा मारा है वसाव है ब की मारे व के दिन्दें वा माति वा गी ब रे वा वेद बेस दिन्दें ક્રી ઃક્ષ્યાં મારા કે તાલુ નામાં તાલુ નામાં કે માર્યા વારા કરી કર્યો કર્યા કર્યા કરાયા કરાયા છે. તાલું તાલું મ र् क्षे र्रायते चेर् भी रेवा वावसाके कार्य पार्च रेवा पार्ट वार्स रेवा पा ह्या रेवा या वाहता क्रिनाया रेनाया वरार्देवारेनायवसार्केयायुनायायी सक्वारितारेनाया हे रेनामवयाकेया शर्यतर्री इंगः श्रीम श्रीमानमा श्रीमानमा स्राप्त स्रम्भ स्राप्त स्रम् किंट.च.र्ज .चरुषा.चर्डू शबा.तपु .चर्वे.सचा.५ चा.तपु .चषषा.खेबाता.५ .षशबा.खेबाता.५ वा.तपु .ट्रेष. ह्रें ब पदि पह्न ब पर्के ब प्री 'देये 'दे प 'द ए र्वे 'क्रु ब ग्री 'धे न 'क 'य से न ब 'दें द से 'दे न ब ग्री 'यन ' क्रजामकुषे विषयारे । रे पायत्र क्षेट्रारे क्षिमारे क्षिमारे प्राप्त में मारी मी विषायमार्स पी हिर् ब्रु दिर ठव कुर प्राप्त व प्या दे क्याय गुर के या द्ये कु हे या प्रे व कु या है । कर या द्वा कर र इस्राम्यान्त्राचे राष्ट्रे राभे राम्रेनाय प्रत्याय प्रत्याच्या मान्या प्रति । साम्याया प्रति । यारे १। वाकाणे ने १८ १ वहार्वे १ की कार्ले कार्ते वासरायर खितानु निकार्वे ६ १ तु कार्य वास्त्र वास ८८.६वामायद्वाची विमाद्याद्वमायद्वीय ५०८ में निमायद्वीय ५०८ में निमायद्वीय ५०८ में निमायद्वीय ५००० में निमायद्वीय ५०० में निमायद्वीय ५० में निमायद्वीय ५०० में निमायद्वीय ५०० में निमायद्वीय ५०० में निमायद्वीय ५० मे त्रच्च त्रकृषात्रकृत्वष्यासुस्राद्ध त्रते व्यते व्यते व्यते व्यते व्यते व्यते व्यत् व्यत् व्यत् व्यत् व्यते द्रभार्च्च थ. कु. त्वा.क. भूट. वी. त्या. त वर्हेनायान्नम् कंपानु कुष्णेनाने मन्यावि । , रेवर्हेनाकु रमा ननु हिन्युम् से । नेविश्वास्त्रीयां श्रीयां श्रीयां वा या स्वास्त्र नेविता स्वीति । स्वीत जीयमार्टा लेजास्ताम् भमायाविमा काजीयमाक्याम् मास्यमानाम् राश्चिमाक्यमाक्या यत्र मार्स्य नास्त्र मार्क्ष मार्के स्मेर के लावा स्मित की निर्देश मार्स्य मार्के स्मिन स्मित स्मित स्मित स्मित इसाश्च क्रियायान्य साम मान्य में रिया में दि स्टायी या की या चिता में विदासे वा या साम प्राप्त र मिषाक्किं मर्राप्ता के पर्दे न पति न पर्मायाय मार्य मार्थ मार्थ न के पिमार्के मार्थ न स्वाबरनी वर्षेना नमस्यार्से देनायु पर मुत्र मुत्र वर्षे व यार. हो र. वाले र. वा. जबारू थे. ई. क्ष्ये. हो अंगायद्ये. वी या वा. ही वा. ही वा. हूं. वार. वर्षे रहा. हे ज्ञेग्रास्य पुराय रेट्। रेग्ग्य्य क्राय्य विषय के प्रदेश स्त्रे के पूर्य में राक्य पेरिय ग्री प्रसर ब्रुट द्रमण या सहया यस्त मान्य कु विभायमा ने व में ट द्रावर वर्षे द द्रमय यसे ट मी से व भद्र देशर बैंट देशवाक्ष्य भूर विवादवर वर्ष राष्ट्र शिक्षा है क्षा विकार है के कि कि कि कि छिरारमार्चे दान्त्रे वातुं दर्गे कायायमाञ्चापा न सुनायनामदायार्भे नामायरान्त्रे राविना यथर.ता.त्रर.धूच वा.ब.ही.सी.ही.कूचांशाग्री.सी.वरंद्रात्यचा.चांशावर.चर.कूषं.रंशर.तूथा पश्चिरः स्वायापक्षित्राः प्राययापित्रः श्चित्रः स्वित्रः यहितः क्वायः हतः वाय्रायि । स्वयः ८.क्रु. इ.८.टू. ४.वी ८.वि ४.वू.८.४ वाषाकाषिकारी वी.व.क्षेतावि थ.वे. वाषाकारी वार् चतु किं अक्ष्ये हु त्राच अस्था श्रं भाषा भाषिता था तरी चर हो रे हिं भाषा अष्टि र भारा ताची. यर्भराधिकालका पूर्याम स्वापायक्षात्रकात्राच्या मिन्न स्वाप्ता मिन्न स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वापत श्राप्तकातक्ष्री दे दे त्यादाक्ष्री दे वा प्रकाशी काक्ष्या क्षेत्र दिन देवा या विका क्षिया मेश्री वर्से र पर्से मेश से मेश से मेश र दें प्रमें में पर दें र हिंश हिंश ही खें र र हिंदि र प्रमेश

नत्र दिनवाल्य के जिस्का ही देन कि का का कर का हो दिन विचाय के जिस दे के विद्राय है का के परि माति वाचु चाला बे तमा इचा चमर बेट चला बेच वार चमरापर के से ट्या है टायर । देनावसमाउन्डमार्हरान्दाकुवारवमाञ्चूरावरादेमावहन्मु मारेवार्मेटाने पेनिर्देखे यास्यक्षम्यत्रम्यारेत। देमाम्यस्यादिन्येष्ययेद्रन्यस्क्ष्यम्यस्यहेर्द्रकेष्यक्षम्यः विवानी मानमें निवर्ते समान्द्रात्म वा मुखानुमानमाने माने माने निवर्ति वार्मे मान्य यहे बर्रे अयाविनानी किर्ने देन रामानी खर्मा विरमान्ता निमान केर ब्रि.क्ट्र्यमाजमान्न्याच्याचरमाण्ची जमान्ने रातार्टाभटाक्ट्र्यमा न्सर्यः स्विष्यः या विष वर्च र के ब ले म न र । ने प्वले ब खे किया ब बा खे र खें माय है । कें न र र के प्व अ खें र कें न र र भेवे हे प्रमे वार्ये र के मले नायाहे माभे र हे मायने वार्ट नार्मे र पकें मिनायारे र निर्मेर क्रिंग्यार्य दि। हैं क्रिंग्यायाय क्षा रेगे प्रमेश क्रिंग्य हें रे पहें रे प्रमेश में यह रें अप्राचन्याया भूता मात्र किताया अप्राचन का भूता मात्र का प्राचन का भूता मात्र की प्राचन का स्वाचन का भूता मात्र की प्राचन का स्वाचन का भूता मात्र की प्राचन का स्वाचन का स रुषा न्र्रि.मी.श.ष्ट्रब.सूर.ख्या.मा बाही मिता.पे त्रास्त्र वाया.क्र्याया.त्रात्र तर्ने त्राचि ता.मी वि.श्.चेल्चमाने चेर्टातक् निर्माण क्रांत्रवर्षात्र निर्माणका विष्या विष्य निर्देशका मान्य स्वर्था सहर निर्देश से निर्वाचार राष्ट्र है र जी र र है हि से दे हैं र खेर है या वार्य र च्रिन्सवरम्डिम्, पर्केश्राम् र्मेम्, यापन्याय क्रियास्य स्थापन्य स्थि सम्बन्ध ह्मे यायानिहरायक्ष नाळवराके नाया निहास के प्रमास के प्रमास के निहास के मिराया किंश. चार्यट. कुरे . टेट्र अ. ब्रुट. क्रचे. कुच. ची. हु. कुट. टी रे. तर . श्रें पश्चरा कुख. कुट. जूचे. ची. हु अ. श्रेट. यहनाया है 'सबर मार्चेर मार्नेर या था से नाया है ना है रि. है रि. है रि. है ना सके या रेय में रिसर्य विजाम्भी मूरार्ट्यात्यरायम्भार्यराम्भार्थराष्ट्रमा केष्ठेत्राभ्रात्मा अर्थराभ्रात्मा स्थान्य स्थान्य स्थान्य स ग्रेन स्विम र्ना प्रस्ति के प्रमून स्वायम स्वयम स्वयम ने रायमा स्वयम स्वयम स्वयम स्वयम स्वयम स्वयम स्वयम स्वयम यम र्देर पर्हे या है र्पेट रे मा से द रहे मा पे द रहा की की रहें रहा मी मी नासाय पर हो द रहू हा

भुक्षान्त्रियाले वाक्षवायायन् वाग्रामा विदेश स्था या स्थान स्विन स्विन स्विन स्विन स्विन स्विन स्विन स्विन स्व विनानि शास्त्री विवान र्यो दास्त्र निवान स्थायन् वायान सुदान स्वान स्थायन स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स्वान स भू च.चल्. झ ज.कैं .२८.२च.त्व. म्रू २.जर्बे ४.झू ८.कैं व.८४.भें ज.वे २.तव. से चर्या भी भर्य. ठे. पेर. मुंशांत्र. प्रांत्र. मुंगां मेला. पेशांत्र शही. पीर. दें त्यां तात्राच ही र. पे. मंत्र. कुरा १३ ४. यदे वहनामार्टर ये के मर् वेना वेना वेट खुयाया रेता क्षेना यमें टावकर निवेर समाने मानु हा हिषाचिषायेर्द्राधिषायस्यान् विषयायसास्राळेषायाचीषाविष्टात्राचे स्वा चिषाचे गाँद्राप्यका १५६ दम्यारुवामी के नामिनाम्याम् राकेषात्र हिवामी क् केनामाना रामाना अत्र विवायस्त्रक्षायस्वावेत्रिक्षायस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यायस्य प्रात्यस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यायस्य प्रात्यस्य स्यात्यस्य प्रात्यस्य प्रात्यस्य स्यात्यस्य स्रात्यस्य स्यात्यस्य स्यात्यस्य स्रात्यस्य स्यात्यस्य स्यात्यस्यस्य स्यात्यस्य स्यात्यस्यस्य स्यात्यस्यस्यस्य स रु 'निष्ठा'नु 'सु ८'वष'ने 'च'रे रा ये 'ठेव'रु 'थेरि'यये 'ग्रें दु 'खुष'न्ति 'सेनिष'ग्री ष'नावष'र्स् य' ने ने बाहे बाल ५ ते व हे ने बाह ने विद्या ने बाह ने विद्या ने बाह ने स्रियमः कु 'द्रम्याः वी मायगायाः यम् मायाः प्रदायम् माययः स्रियमः के द्रम्यः मे वा मायः चुदे 'र्ह्म ना द्रद्राचे दे पे दे रहे नियापना ने सामु 'दर्से ना द्वारादे 'कु मानु द मे 'ना यह 'पे ना का बराची ख्री दावसु रावस्या विवे की दाय (५०० व्या व्या विवाय जाङायह्रेब्राच्ट्रिंद्रान्स्वे न्यर्थान्त्र्याक्ष्यास्याचे स्यापायने मार्क्यान्यस्यास्य रु ह्यू र कु 'पे क' वे ब' पर्गे र 'पे र पा अ वर्ग अर्थे 'गु दु 'वे 'र्र फ्र मी 'शे र हु ब' पा र क' श्रू ब चिषाने विक्रमानी सर्मेन में निम्मे ने में निष्य में नि सक्त ने पहें ने पहें ने प्राप्त का से प्राप्त का से ने से ने के ने प्राप्त के ने के ने के से के ने के से के स सर्दे दे पुरनी क्रुवायहे व यर मानवायि या ग्रमा विवाये दे दे सर्दे पी सहया मुख्या तव्यार्जे वेषात्री प्रक्षेषाया ने राष्ट्री व्यवस्था ग्री शार्ड्स अक्ति गासुया परावा क्षा वि वि राहे विषा से न वर्त्रा। यमानु मसुरायनुसावन्या से राष्ट्रिया। क्षेमानु से मस्दर्भ पर्यरस्या। देशः चर्में राज्य राष्ट्री। खबरावेद्राश्चिषाञ्च क्यार् व्हिषावषानि । हे षाठटाक्के बाक्सीयनानि का प्रदा क्ष्युः ट्वास्त्रः स्याः विटः विवाः क्ष्यः प्रक्षः विवाः क्ष्यः विवाः क्ष्यः विवाः विदः विवाः क्ष्यः विवाः विदः विवाः क्ष्यः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विदः विवाः विवाः विवाः विदः विवाः व

श्र न्यरश्र ही किरा

क्रि.येच.रेशर.क्रिचेश.क्र्येचश.तश.पूरे.त.प्रेशश.प्री.क्ष्य.ब्रेर.तरेचे.रेतर.श.जीश.त.उह्नेच. तर.भ.चरी रतजाउट्टी र.घर.पर्वे. यांचू या.ची.जभ.जी या.ची. यांचू. कू. रर. ही अ.छ र. ही जा दी भा हे .लूर.क्र.के.यंब.भू .रंभरमा ही .भर्चय कि.क.चंचर.क.रंचर नि.क्रू.चेय.भूर.ब्रेम्यायम् र् 'पर्यु नामायदे 'हु 'विर 'य'र्पर पर प्राहिमायह्व नामार दिन 'प्राहिमायहे मार्ग प्राहिमायहे मार्ग प्राहिमायहे नामायहे मार्ग प्राहिमायहे नामायहे मार्ग प्राहिमायहे मार्ग प्राहि स्वाक्षे असे रावस्थान्द्राणी क्रुं प्रदेशार्ये द्यापा वाक्षावाव वाक्षावा है राज्या रमरमाञ्ची विदा) वरायले वायहँ वामाविष्ठ राज्या भारमहमाञ्ची विदारे वे किराकराणी । र्वेन पार्रा दे क्षाराष्ट्रिया (कु.सेर्.रे.कुष) दे व्यार्श्व सात्रार्झे क्षुट क्षाया है टार्टा क्य. में र. ग्री . र. मूं मा भाषा . याचे र. में . में . मूं र्ति यो. तूर विटामि भाविटायं भाविभाता रे अभागि श्री रिभट भावि विटामि यो तर् पिटमानिमान्त्राचा श्राम् रासवायव्याप्त्याप्त्यान्त्राक्ष्याच्याच्यान्त्राच्याच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्या चुक्रिंट हु विवायमा अपिटा महिंदी पिटा है 'रे ग्रांस सु पहु रा दे 'स्राय भेरे में पेरे हिंद यह्नायाणी ही नामित दियाळनायास यहार ही हिंदा ही दिया ही नामित है। विदार स्था ह्रि। विकार राष्ट्रिक प्रमार्य मान्य राष्ट्रिया विकार के विकार के कि निकार के कि निकार के निकार के के 'न्रम'ग्री 'श्रे ५ '५ नर'र्से रम'र्हे गम'कु '५ सर'र्ग्छ म'न बुर 'म्रम'र नर'न हु र 'न्रम'यदे 'र्ह्रि ५ 'घ' व्रे वित्र दर्भ के वर्षी दियर उद्देव या उद्भ के अर्थ की की से मुका महिना की अर्थ चे ५ पा५६ अ८ के नशक्ति भी प्येन पाळे कि के शामाय प्योन दिना मुन्य के सूर्ण स् स्र राष्ट्र रायायमामामके मागुरादे त्यायरादे नमायमामे रमाने हो हो रायमास्र मुन्यम

यह प्यान्ये राम् रेटार्च हे प्वते हे प्यान नु स्थान्यी वाहे प्वते से मायन विसास स्थान क्रियाम् इराम्यान मार्ने दान्या है जार मार्ने दार प्रमान मार्ने मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च मार्च कर्'गी कें न'र्र, में र क्षरायर त्व क्षरायेह ता में का है ना ही र ने ते वे का वि हो र કુરનારા વિત્વવ શ્રમામવવ ત્વે કુરફેરના કુર કુર જેંદા કુવાવવ વસ કુર પ્વે चु ब्रुवारु विवाहनायर निवेदि से अप् सेंदि हो। विद्यु नियाययारे निया हिन हो दिए न्याया रे अप्तवन हैं न नहे अप्तअपे र प्रहे क परे प्रामालना हिना अदे हैं प्रामालन से वे রু ৫ ঐ পার বিষ্ট্রেম অধ্যমধ্যা অধ্যত্তর দু তার্ম্বু মাত্রমাই ধাত্রমাদু দিনে আঁর দে। বার্লির वु किंग्याक्षी विहार्त्वयाविहायवेहार्यमा सायायहे वार्मे याया रहा या यह वाय सुरा से पा बिट उन्नेट या सन्त मुन्ने या ने दार्ति माने माने दिन या पति माने या प्रति माने पति । ह्रे ८ नामर नहें 'में ८ न्यंदे 'यम'दर्गु या ह्रू 'कें नम'यम'८ मा में नम'ग्री '८ में 'सक्समा दिने ८ में ८ रु 'यक्किश'य'र्दा रुअर'र्केनिक'ग्रीक'र्वेर्'ग्री 'ही 'र्केनिक'यर्के क'ह्यूर'ने रेट'यरे 'ठु'रे अ'क्ट' चार्कु तह्र ब.मी बात्र प्रेच तत्र प्र भाग्य मार्क्ष चाया श्री मध्य बाता तहे ब बबा खेट ति चाया त्या प्र चाया अष्ठायमण्डव दु 'वश्चू र'प'द्रा देव में र में र में प्याप्य अर के पर में द कुया ये '१०४५ रव' चुरागि यदे सामि देरा है। या प्राप्त है। येगि एपर है। यो प्राप्त है प्राप्त प्राप्त है। यो प्राप् व न न न व क व ग्री 'रे न व प प र व प ग्राट अ 'सू न अ 'यु व 'य र मु व 'र्से ट 'तु 'त्रु ट व प र्थे द 'रे ट । वि न ' सर ई मिट से से दे हैं विट के ब रे नि के व नि ने नमान्सर के नमाणी मानहें न परि प्वश्च र पर्गा न के मार्ग मस्यान सुसा है हि र प्यमान पर्शे वर्षा श.इ.४८.वीयमा.मी.वया.चे म.घ.चू.वम.घ०म.वा.मी ४.घमू ८.घमू ८.घमू ८.म.मी ८.घ क्रेम्रे ने रावापार्विरमाविमार्वेष विरामार्त्रामाराज्यात्री मार् पर्चे पर्दर्भे में दिस् सादे सम्मार्स्स मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य मायस्य

चिरामी मोर्चेर त्रके त्रमें मा केरा है ति तक्षर क्षार के रमाश्राय है त्रा के रमें बिराय रे दे है यहा स् . वि र . द्र वा सा न्यू . क्रू वा सा यहे वा सा रहे ता सा रहे ता पा रा यह सा रही । सा नि . से वा सा सह . हे वा स श्री मायामा १९ मार्च राम्चे दार्च दाया दाराय देवा मार्च दाया है दा दार्थ या स्वार स् र्य. भु. भु. पु. मु. पूर. प्रतायट. येट. भट. भक्ष मा (क्या प्राप्ता प्राप्ता प्रताय प्रताय प्राप्ता प्राप्ता प्र स्रवरासु : चन्द्र सावह वान्याचे के स्राचित्र के स्राची दायदर निर्मात के स्राची है न लाशु र्श्र शास्त्र व्हें बारवाब पर्झ राग्नी 'इसामशाबिट में नापर्देट में टी रातर हु बार यार मी मूं यो सक्त र्रोदे : त्रादेन हे ८ : ५८ : ५५ वा मा क्रिक की रेंदन या पहे न न मा क्रिया न मा हे न पर रूप होने ट्रेम्बर्गर्दा वर्ष्ट्रमार्श्चिम्बर्भ्यमार्थमार्थ्यम्बर्गात्मा क्रिम्बर्गात्मा में देशम्बर्या हे में प्राविधानार्या है हे सामधेर विषय्षात्र में है सामधेर विषय्ष मार्थ या देव दर्हिन ने वर्षे पवे हैं दिया ने मार्टि प्याने प्रति प्रें वर्षे व यायनवार भे भे निष्ठ मा का विषय के प्राप्त का का विषय के मा का कि का के निष्ठ के का के का के का के का के का के क उर्वयम्य द्वार्या विषयम् र्वत्यम् । विषयम् । भर्षेट्रमाणुषा (८०१) देवाड़े दाश्चित्राची प्राप्त क्रमासु पर्हेर प्राप्त सुनामा क्रामिस स्वापास का मान्या मेथानग्रम्भ) वर्रे स्निनमाम् में मुक्तमागुक् में से सिमानम् स्वर्था कर् में स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स् ह्मिन्नामिन्द्रियाचे न्ना स्वाप्ति । स्वाप्ति क्षिम् क्षिम क्षिम् क्षिम क्षि देरपहेन्स्येरपहेन्पदेस्यस्य स्वाधित्रहे दिन्ति स्वाधिता हिन्ता हिन्ता हिन्ता हिन्ता हिन्ता स्वाधित्र विश्व पर्टा में में बेंबा करें तका प्राप्त का भूषा की बारा बेंबा कें के बेंबा के के बेंबा के के बेंबा रेंबर बुँगमान्त्रम् माने निष्माने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने साम्याने साम्याने साम्याने साम्याने साम्याने साम्याने स स्.स्.र् द्रायाचे राम् सार्ट्रायाच्याताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रा भरावाष्ट्रीयाताक्रीयात यङ्गाहे 'ह्रे 'ह्र् न्या शुट'यदे 'हि 'त्ट' हे 'या आत्वा ह्यट' क्ना गर्डे दे 'हे र. त्र्य कन्या

८८.श्रुचा.क्षचंत्रान्त्र .ट्रंचात्रान्त्र .क्षूचात्रान्त्र चाज्य .चाज्य .चाज्य .चाज्य .चाज्य .च्याच्या पद्गार्थेन। ने धिक कु के पाय ठक की नर्वे क केंट वर्षे ना ति वा लूट का की नि न के वे कि नर् यट्याक्याक्यात्येययाती प्रमूट्यायवित विषयात्र एक्षेटाही व्ययकी क्र.क्रि.ही. क्षरास्याः क्षेत्रः मान्ने रास्या क्षार्या प्रत्ये प्रति । यम् क्षार्या प्रत्या क्षार्या । यस्य विद्यार्था विद्यार्था विद्यार्था । भुद्र वि अस भात्र सुच कि वि सम्मान सम्मान है है से सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्म श्र.८८. भि. त्रु. भ्रयाक्षायदात्राच्यात्राह्यायह्याचे ८. द्वा म्यास्यायद्वाया त्र.पञ्च.प्रात्ने त्रात्ने वायाचारायर अर क्षेत्रया के.श्रुयाचार पर्टू टे.पची.लट्यातू र वि.तया ક્રિયાનમાન્યાતાત્રાયા તર્વાતા તરાવા કુષા તાલું જાત્યાં ક્રિયાના ક્રિયાનમાન કર્યા ત્રામાન કર્યા છે. ત્યાને માન प्रि.य.रेट. क्रि. क्रू ४.८ .तमावेष तरेय.क्यामा. क्री. ह्यामारामा मामाना माने माने तारी ही वारेट तये हु. द्रम्या द्रार्मया क्यान्या कु. मन्यामी १८ १८ १ क्या हिन्य व्यापाया स्मिया विषय स्थापि । वनाभारमार्थे र क्रु वि रदा द्वर खुँ कहा वाषार हैं नार्रे वावहर है क्रु के वें दि दु वि र वसार द्वे प्रमार् प्रमारम् निष्ण के सामार्थे सामार्थे राजके निष्ण में मार्थ प्रमार्थ राज्य के स्वाप्त ग्री 'रे न्या न्या मार के नाळ र पठर प्या र स्निय्या सम्बद्ध प्या र में व प्या प्या र मु र प्ये र रे ॥

দ্রবাধ্যমন্ত্রীধা ব্যব্যবাধ্যমূপ্তরীধাঞ্জীবা

दे 'र्हे ब'र्च द'र्क्ष 'रे नब'रूट 'ने ब'र्च द'र्ये 'पह्न ब'र्श्व द'र्ये 'ख्र ब'र्ने ब'र्से ब'र्ये 'स्नवब' सी रट.शदु.टेब्र्य.त.विवाद्मश्रम.ग्रीम.वाङ्क्रम.तदु.क्र्यात.टटा ई.वा क्रू.वा दे.सूर. कु.क्टा ववत.विभावर्भाग्री.भु.कूरारटास्चाररासेजा.वी.साचेशसी.चेथे हुरी.ग्रीसा च्रिन्रम् ने म्यूष्रमास्त्रिकार्या वार्षा वार्षा वार्षा वार्षा क्ष्या हि । स्रोत्र वार्षे का क्षा विश्वा का विश्वा वार्षा वार्षे का क्षा विश्वा का विश्वा वार्षे का विश्व वार्षे का वार्षे का विश्व वार्षे का वा क्र्यास्त्रिन्द्रम्यमार्द्रम् द्रयायस्त्रीम् द्रमामाल्द्रस्मामायायम् सम्मिन्द्रयायम् चर.रट.टेचट.क.क्ट.मी.झॅ.चेब.ची.लब.झॅ.क्ट्र्योब.झॅच.चधुच.तर.श.चटी रट.बंदु.ब.पि.ला. निर्भर रहार देरि भी भाकी तात्रातरूरि भाषीय कु कु कु कु हिर्मा निर्मा के र विभाक्त मानार विषे श्रान्त्रे नामानावम् निर्मास् क्षेत्रास्य मन्त्राम् विष्याम् विषयाः विषयः विषयाः विषयः विषय सर्वा की मिन्न की ता की त्रा मिन प्राप्त के मान्त्र की मिन्न की मि चलात्री वर्चे बाली वर्च रार्जू हिया कि.बाराशू बाशासी प्रमार दियह हिरासरा स्री रायाहा वर्रे र भी मानक्कें र रे रस से नामा भी के मार्थ र नाम चर र प्याप से विषय है र देना बरायदे बाद्यायते बार्षे दायादरा। वाबायदयायळे बाद्यी देवायात्य हो के यायात्र विवाही के याया हिन्। रेन में रामिर अरव तिया अर हिर विवा निहेश सु र ही पठन हि साम से रामित विवा निहेश विष्युयान् यहरायेन्यम् इरे दान्दा है विवाने रायाविष्य सुर्वार येन्। ने विवेशसे से वयार्चे ५ के राञ्चार्यार्के १ वर्षा १

। मिन्रायेनामा कुरार्ने राघरा। वे येरा मामामर्री मार्झे प्राया से मार्थी पर्सन षट्या प्रत्याम् सम्मास्य प्रताम् । विष्या स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप निष्ठाः सु त्र् नि निष्टा से न पर से निष्ठा स्रम्था प्रस्त मु थाने न ने म्हे पायव सु व स्रम्थ नम्रेषानुषायान्ता विभाग्रेणाची प्रवादाकी क्षाताक्षणक्षणक्षण के नानु प्रकेषान स्वाद्यान्य स्थेता त्र में बे दे र ने बुब र में बार्श क्रा र पर्व मी बात में पर के बार में के के बार के के बार में बार में बार में र्वाषाचिरावषा रर.शु.मेषाताकूर.शुराश्चिराटरा विषाताकूराताष्ट्राताष्ट्राया. भ्रे में र पठमारी रे मासे र मास्यामनायारे र ममासे र क्रें नायार ए विट के पा निर पि.पर्जू चामात्र्य हो देना विटार्जू टाया क्रियान ख्रेयान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान ख्रेयान क्रियान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान क्रियान ख्रेयान क्रियान क्रियान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान ख्रेयान क्रियान क्रिय ५८। अर्घेन से क्षेत्र पर्ने पर्ने स्टूर स्वमा दे सममणी खुमरना धेर नम्भ साया र्च या यर्च या यरा में या की या की या पा की या प इरद्वाराणी पर्गात ही वाहे पत्ने कर्रा स्टा हो तार्वे राया वर्षा स्टान्या ही पर्वे पर्वा में चि.चे.चे र.झे ज.भ कू चे.तर वि.श श.श र.चेश्व श.के र.टर.च में या है चे या ई चे जया ही अवर. मेर्ट्र-हि वर्र-पर्यन्ति द्वारो वायवे विषय विषय विषय के वाय दिया विषय के वाय दिया चूरची अपने निर्देशतरे तत्तर अराज्य अर्थ के प्रमान के प्राची निर्देश कर के प्रमान के प्राची निर्देश के प्रमान के प्रम तमा भ्र. र्यमायविष्टर कैयावियाविष्टर यात्र्य तर्ये तर्ये या भ्रेटा सर हिंच हा स्टर्शिटमा र्के ४.लूट.ग्री.विश्राभक्र्यातीजाई .में.चे.धे.घवट.मूचेशात्रा.शूचेशाजाूर ये.चेताई चेशाग्रीट.उम्. द्राचि.श.क्र्याजा जरम्बरार्श्वेरार् भ्रिटार्य्य अल्लिराय्य रायेराय्ये । विरायी स्वार्यार्य रायेरा वह्रम्यायाद्मे ह्यात् प्रत्मावयास्या द्वा के प्यवामयया द्वा स्याप्त स्वा हि दार्वे याया सामा क्किं बर्म मार्था प्रमुद्दानिये विमान्ने माण्यदानु दर्भे बायाधि वा विदायमानु पर्वे बाह्य मान्ने वासे वासी बेरपा हो ५ स्थे किं वाया पा वया प्रवास । ५ सर हिं वाया कें वाया परि वा प्रवास परि वा कें प्रवास है के केंटा

जराशक्षाक्षाक्षा जूबार्श्वेटाक्क्वाराविय उर्द्धेरार्जयायार्यस्य वर्षरायहरार्ट्स्याया क्रुशःजीयश्चूरःचेशःश्चःतःशूचेशःग्रीःश्वेशःश्चरःङ्गःक्र्येशःश्चियःयथेयाःयथेयाः। ८१४ःह्येयशः नरम्बर्भाकु न्रमात्वियाम्या करासे न्यमात्वी वासे स्वामासिन क्यात्वी तासे स्वामासिन यर द्यर मुंग्या केंग्या परि सर्वे से प्रात्मा विष्ण १०० विवे त्वा ११०० विवे त्वा १००० विवे त्वा १००० विवे त्वा वरम्बरम्बहरार्टे में वायर द्वामार्वे व हो द स्वयर देवायर दु दूर हेवा वहवारी दूर देना भेना भें। दूर देना दन भें पठका निर्देश के बायर का पद पहर पेंदा यहा देना म्रि.म्री.म्राचितातर् रावेतत् क्राचित्रात्वीत्राचित्र राची माने त्राचेत्र कुत्र म्राचिताचित्र स्था मेशूरे.त.तभाष्ट्रिभभार्थे.क्र्रे.त.रेटा मेषये.घभभान्ये.जा.श.टये.त्ये.खे.श्रु.पर्सेये.तरेट. ने 'नवा'की 'रे वाका रुका खु 'वार्ते वाका या इसका या यह । खु या हता या यह हका है। वा 'नुका प्येत लट. ही . कू चे था. की . ई ट. ई वे. जथा की टी. की . वी. जथा ही वा. से वथा रे अर. कू चे था. की था. रे वीर. क्षर अहूर ततु र भ चे शक्र र कूष भा विषायेष प्रत्ये हो शावा विषा दिया। ब्रैंटा भटवारायहरान्ने रायार्टायने यास्रात्रस्यास्य क्रिवारा स्रम्यायारा द्वारा स्रम्याया ८८.चगावा. हूं भारमा चस्वामा स्वा. हुँ टा. सम्व मान मान सम्व मान सम्व मान सम्ब में समित्र स्वारा है दार् पर्वापा दिये राष्ट्रा है मिना पर हिन्स ग्री समार है दे हैं कि पर यर् ब्रंमी म्या देशास में प्राप्त स्थापि से प्राप्त से ८८.प्रथाता में १ था विष्या भी भाषकी १ भाषी ८.ज्यत विष्य भी ४.४ भाषी ४.४ भाषी ४.४ भाषी इं वर अ. मूरे हुँ चे तर हेरे तथा विजाले अ. हैं हि भरेट हैं इश मुचे अ. में रे हैं थे कु थे. ঢ়ৣ৾ঀ৾ৼ৻৸৻ঽ৸৻ঀৣ৾৻য়৻ড়ৣ৻৶৵য়য়ৣ৻ৼ৻য়৻ৼৣ৻য়য়ৼ৻ড়ৣ৻য়য়৻ঢ়ৢয়৻৴ৼ৻৸ঽ৶৻৸৻৸য়য়য়৸৻ हे सारे नर पश्चिर क्या माले टार्स परे नया हे र पार्ट से प्यन प्रेयन प्रेय पार्य निर्म हैं र कु में टा हु र नि उर्ट्सर्वेष, पर्वे संबात्म्या स्ताप्त्या प्राप्तवात्र्वेष, विराप्त्रेष, विराप्तेष वार्ष्येष, विराप्तेष वार्षेष देथ.तयु.र्झं या.जथा.चे टा.चर्चेयाता ट्रा.जथा.झ्.प्र्या.चें याविजा.ची ऱ्र्या.चे त्ये त्ये स्थराई याशेश.

मुस्र-रहेन्। मुक्तिन्य राष्ट्रि खेर् निव्याल हेन्स्य प्रमान्य के सिस्र स्र यथा भरकु . पूथा भेवा हूर वी . हूर पत्ते . रेट परे . ही र वर प्रति . हेर र प्रति . हेर र र र ला भारति . जार्म्यामाती भ्राष्ट्रियमाद्विराचर्चे या हु तह हु या या व्हें जा यी माहे माहे माहे माहे या सामा कर है या माहे य वसाविदायमान्त्रे नात्रुवायान्दा विदाविद्वायराने न वसार्थे प्रवाशेवाया विरामक्वा या ग्रीटार्स्टाया विटायाय्रेकायार्श्रे निष्णायकास्त्रक्रा मार्के दाया विटायाय्रेकायार्श्व नास्त्रक्ष र्शे.पर्वेचाःलूरी चांचेष.झे.प्रिचा.झं.पर्वेष.पर्वेचाताःभट.कूचायाः प्रसाचायाः भवाषाः भवाषाः स्थायाः व स्त र्रेरकेशक्षरा निर्धात्वा रेटे हेट या से निर्धारण स्तर या से हिए में स्राह्म स्वार्थ । चि.चे ८.के.क्रूचमा.चे चाले.क्येचमा.क्रुमा.क्रुच म्युच क्या क्या मा.श्रामा मान्य प्राप्त विष् इंबर्ह्स्यो राज्ये हैं नार् क्वाबायबार्स्स्ये वे नार् जस्यायम्बरावे बायवे बाधि हैं र शु भे ज्यापि र्शे स् न्य र शु द्वार र् ज्या मार्थ प्रकर प्रमाय के रा के रा में र में में र हे र र र अप र ट्रें र हि ब प्रशे र्श्व मार्थ प्रति मार्च प्रयु : इस मानी प्रया के या पान मार्थ । या र बार ब हि ब पान के र हि पा विवादेन पहेँ समा इस क्रामा में नार्से वा हे विदाया पठ वा पान मा पुरादेन पमें पार्से वा मा ग्री म्हाराज्य वित्र में प्रीत्र में प्रति के प्रति वित्र वि र्टाविके के देन मार्ग मार्श मार्श में मार्ग मार्ग प्रकृत है। विटाविर खुर गुट पञ्चिया मार्ग था इ. त. षु थे. मूट क्रिया में . योष मा झू मा क्रिया झे मा चित्र मा मा कर हु में मी . यट या तू. ये मा मा पद्यत्वीर विकास के प्रचाराष्ट्रकार विषय भारता स्थान चे से नशर्भ मनस्य ही र मिन सरक्षा राष्ट्री र पर्दु नायर सा बर्ग मिन से निर्दर ही र सरा कु.क्ट.भातभाग्राचा वार्च्टावा मूर्या भागी क्वाट्टाब्टामा मार्याचे मार्याच मार्या मार्या मार्या मार्या मार्या म विचालान्स्रमाञ्चरान्द्रां विचा विषातित्या द्वेच्याचर्चे विद्रा चेश्रराचित्र राज्यावरः

श्व र के द र्यं दे पद कें पा

सर्भायमापटान्द्र्वमायान्दान्स् माने से सदाविषात्रमा स्वापना यह तर्दे भुरिता वातर वे राया विवाप वे वार्षे वा वा विवास विवार्ष भीरा विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास भूट.ब.पिट.उर्हे बका बीच.वींटा। डे.ट्र.उच्चे जा.बू.श.च श.च बूट.ग्री क.ट्रश्र ही बका कू बाका षद्येष कितावियः कुषात्रात्रे ही क्ष्येषाप्र राजीयश्वेषायी राविषाप्र राजीयशासी ही रेट्सेश यम। क्षेत्र चेत्र प्राविषा गाप्त प्रमासे प्राप्त प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत द्व. र्वाट्टवा. भावाप्त्र्वा मार्ट्य मार्ट्य मार्ट्य व द्व. क्ष्य विषाय पर्वे ताम विष्य मार्थ । भवे र चिषायान्द्रावचे या क्षे त्रे राची क्षु न्द्रियाचे दाश्चरावि कारे मुषान्द्राया न्द्रियाचे प्राया चलवा.प्रेट.शु.श्रट.भूर.खुवा.यंबा.कैता.विच.जा.चकुट.च.रंट.रंट.रंचर.श्रर.चश्चे वांबातावरंट. (क्व.कद्र. द्रम्य. दर. क्रेंद्र. क.जमामी : क्रेंद्रा) स्ट्री श्राट्यत्यास्ययामी याद्यवासी वि बावराम्डेमामी बरावर्के परावेरिकार्चे रायायकुरारे में रायम्वाराम्यार्गा केरायी हे रहें। भू र.८८.क्ष्ये.विवा.री. भर.त्वा ४.८ . भरेश.चं वं ८.८ . भरेश.चं ८. में ४.त्व. तंत्र तंत्र तंत्र वं वं उट्टाय्ड्समा ने स्नियमा से हि सामुद्रमा ने प्याय से सम्माण्य हि ने प्राय स्टान्य ह য়৴৻য়য়৻ঀয়৻৴য়ঀৢড়য়য়ৢয়৻৴য়ৢ৻য়য়ৢ৴৻য়ৢয়৻য়য়য়৻য়য়য়ঢ়ঢ়য়ড়৸৻ঢ়৻য়৻ড়ড়৴৻য়য়৻৸য়৻৻য়ৢ৻ঢ়ড়৾য়৻

पट दिर हुँ य में किंदा प्रतिहा। दल हु जा शर कू चे शो। हुँ र में शेश प्रधु ते खें जा ही श है . क्रुंद्र ,स्ट्रिंट ,चौ ,चेबा.कु ,क्रुंबा.तबाद ,तट्डे शकाये का.क्रुं ,क्रुंय ,प्रट ,प्रट ,ची ,शका कथा हि प्रात्ति दे ,त्र्रे वी . हुं , टे मू बे , तपु , च द्भें चे , जा चे पट , टे ट , पट , चूं ट , चूं , पिट , चुं , प्र चे , प्र चे , हिं यु , चिषका र इसस्य सु से सि मुवाय मुद्र र दे किया दुर्ग सि मुवस दे र दूर हिस से से दे हो से म क्ट.भ.भ. ई. रे. चंद्र . ह्य अंदे रे. ये. विच. च्ये. भक्य . हि टे. की . जब . वें रे. टे. क्या निवास ८०ाई ०।५८ क्ष्मिषावर् । श्री वार्श्विषाक्षिमाक्षिण १००० वार्षाक्षिण १००० वार्षाक्ष्मिष्ण १००० वार्षाक्षिण १०० वार् वान नामर हुँ न न दे के न ने कु महिरायर वर्षे न मिमा समी हिन यान में हिन सम् याये बाद में बारी प्राप्त ने न्ह्र राक्क द्रावर की बादी प्राप्त का का विकास की प्राप्त की प्राप्त की विकास की विकास की प्राप्त की विकास की विकास की प्राप्त की विकास खेबेबारेटाउक्क.मूबाइंटबाचक्राज्यस्वात्र्यात्राच्यात्र्यात्राच्याः हु .श. श्रमावश्वात्र्याः के अ निम्तित्त्र्रम् अस्तित्राणी निमायानमिन्त्राचित्राच भ्वित्रे मिं किंदा किंदा केंद्र केंद्र में निष्य केंद्र के किंद्र के किंद्र के किंद्र के किंद्र के किंद्र के कि वर्ते प्राप्ते भार्याम् अप्ते द्वार्ये प्राप्ते प्रमान् विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्य ब्रैंट.कैं र.बीच.लूट.बेउटा। तृट.वि.च.२१.की.श्रर.श्रे.तृ.श्र. प्रश्नाकी.थेच.टेशर.हीचेश.कूचेश. यदे . श्रे र मालु र मी 'र यर 'यश्चु र 'दें मा 'तु 'खुं र 'या क्षा पत्र हुं र '। वें र से से सामा ग्री मा सामा नालु र नी नानि या ही र ज्यानी र जिंदिन नी 'हा स्त्र र के ना यह नाय प्रायकी। नु र हिव फर से 'र र विनाश्चिम्ययायमायहमायारेमान्नेमान्याप्तराष्ट्रित्यरायनु रायरायतु न सर्देराम्। मेर यान्सराहे बाक्की शार्की बायान्दा सक्दिराया ग्राह्म का हिन हि बाह्म के से पह वा से वा येवे विर्मादमायद्वा वेषादमा दर्भेषार्देव यदेव यम यहेव वेषा सेवा वेषा सुमानेषा हेवा त.ह. तपुष्र.रश्च ध्रायाचे र.मी.चे.ही र.ट्र.ह्रा.सी.सी.सी.रचे र.पिट्र.वश अ.च.तपुष्र.मु.च. रे 'पर्न् न' ग्री ब'पर्न् न' ग्री ब'कव हो न' ही मानी 'से 'नवर 'नर 'नयथ' वर्गे र हो र 'नी 'वर्क्के' में बार्ये र श ફુરિંદ ક્યાપ્યાં માં માત્ર મુખ્ય વૃદ્ધ ક્રાય જ્યાય તાલદ્ ક્રાય્યાની યાલે દાવે રા

कुंद्र : भूर मी : इश्राण मा इया किया लूट शाया ही या या दे । शायिया यह राग ५५ ५ वृद्ध : में या षेषाताचारा क्षेत्राची की त्राची त्राचारा है। स्रोति स्राचार त्यी की सामि देश में विषय की त्राचार स्रोति स्राचार निष्यात्वे वार्यकात्रे। देशासी कार्ये दार्ले पायदे राजदार् राजदार स्वारा लशकायत्त्राम् यान्ये व है रायह वा हे ब हि वा वा माना समान क्षेत्राम हि वा ला ब रेटा [पः वर्षा पर्क्षः पारे क्रें मुंग् श्रुं पः सुर के संस्थान स्था है करा वर वर्ते र स्वा द्वर पर क्षु र रे दे र ग्री सर मिले वे रे मा आधी व पवे रे बा पर है व स्वर बा कु वनान्सरमानु रामे शास्री सरान्तरानु पास् पान्र नामि नामि शास्रा कु वना कु पर्वे रामी सरा चोखु .से.कर.खंबे.तपु .कैजाविच.कु चो.लु बे.ता. (चकु र.झू ज.भा ची बा.तपु .कूँ बे.की.बंचा.ज.भा .चोर बा. र्ट्स्राक्ष्रां प्राचिषा स्याक्षा स्याक्ष्यां महिषाणी हिं ति यह मी स्रोता स्विषा से द्वा वयायह्वायाञ्च वावि कुळे वार्य विवा हो नानियायायार्थे वायाची निर्वे यायायार्थे वायाची निर्वे यायायार्थे वायाची भर् दे में र में या र के या र में या विवास के या में या विवास के या में ते '५'5्८'५'७८'५तुय'पदे 'कुय'विप'ठे मृ'धे ब'यश'दे 'ते 'दम्य'प'त'ते मृ'दे | हें मुश'धें ६श' ८८ क्रिय ख्री ट. में . स्र्री. चया में ये प्रकेट . चया . पे चया . चया ता के टें . ता या ता के टें . ता या या के चेयान्या केयान्य विषाण्य मात्री क्षाप्य सवत्मिर्शन् दे तत्त्रे प्रति दे त्रियाय में के प्रति क्षिय में त्रिया के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप ग्री भारे । हिरावरी पारी भाषे भाषे प्राप्त भाषा है। हिरावर रविष्य किया के विषय है। प्राप्त किया किया है। हिरावर रविषय के प्राप्त के है। यद प्रधे विषय प्रचार के किया परि विष्यु र विदा में बिक कि दें। विषय के प्रधान कर प्रदे हि र २ व्राप्ताच सावाच तत्र्य र क्षिया यञ्च वासात्रे। व्राप्त क्षिया हो त्राप्त व्यापाली क्षा के के स ર્યે 'લે ૧૫' સે વ્યાન શ્રાપ્તે મારે લાગ કે ૧૫વા ત્રાના સુધ પ્યાન પ્રતે 'નુદ 'વેં 'સુદ 'દ્દી લાય' સેં શાયા કેં द्यताम्ची से दाया देता के साथा द्यु से मार्था देता महिना महिना प्रकार स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन

तकूजा चित्र । चित्र प्रे व की या पर । की या की राष्ट्र हिरा की खें । या या पर । विवास विवास विवास विवास विवास रमती सर्दी बरदी देलीयात् कृष्यम् देख्यमा देविभानेद्र र्यायाया 'सु अ'तु 'र्र्ह्चे अ'त्र मि रामा सु अ'तु 'हं भे सु अ'तु 'ह्र नामा वार्से नामा दु नामे नामा अप या सहया न्या निष्ठा कर निष्ठा स्वाप करा स्वाप करा स्वाप करा से निष्ठा कर नर्दा देवुवे न वेद्दन विन विन विना विन्या ष्ट्राचा हिर्म्य सेन्स्य वार्मेस चूराधेर्याप्रा द्वां से का से राज्या के प्राण्या के पाइस्स्याणी का व्यवान होते । क्यामिकार्यराष्ट्रीयाम्बर्गासु हिंदाहर्म मान्द्री तराहे त्यारकारा विवारे वास्यामी सेदा त. ५ ८। (श्र. से ४. मी म. मिट. चेट. में म. १८ . सुं चम. मी म. सुं . दश त मट. मियमा में मिट. श्री म. मी. विटार्झेटानी देवाबादटा इंदिवाबा सुमादेवाबा देवा देवाबा है द्वाबा ग्री देवाबा सेवाबा यग हु 'स्र के ग्र में के 'स्र म्ह्र न प्र म्ह्र न प्र म्ह्र न प्र में में प्र में में में प्र में में में प्र में में में में में में में में । हुं यन्या के देन्या नियान्तर विवाद विवाद के व इसालामान्। भूनामद्रभ्भे मनामास्नामान्द्रम् नर्द्रमान्यमान्द्रमान्यमान्द्रम् यान्द्राचात्रभाववनाने वाना व्रदारे वसान सुदानी ख्रान्त्रात्म पानि भारति स हे अपा है के कर भ्रेम हि भर् अभावें पर्से वासि प्रमित्र में राष्ट्र केर है रेट केर विहासी है। विटायेयक्रे कर्मे (यक्ष यक्ष) वरुषाया क्षे देवाषा ग्री देवाक्रवाषाया क्रु राख्न हो पर्से या यहारा व्रेन्यर्भेन्यागुर्यस्वासुमन् व्यास्त्राम् । व्यास्त्रिन्यामेन। न्यास्त्रिन्सामेन क्रियन् स्रियन् यर्दर् प्यार्चे क्रियायर्के विदादरायका हे दायका क्षेत्र के त्य्यया दु क् नका विदाय करा <u>ું માના ભૂયાના તું તાલું માલું માલ</u> यह साम्चे रायर सा बर्। यर् नायायरे रे नसायम् सायम्याय रे र के सासम् यार् पति नसा वर्षायवयः हेर् पर्दरहेन सेना सेना ने प्येर्पारेर्। र्षा स्रवर्षा रेर हे वर रेर अधार्य प्यक्र बर्षासु बह्याहर विवासि मी में रे से मार्ने पा सु मु मि के पा दि स्ह रहे विवासि राया महा। हिवा न्दार्वि अर्चे नार्के दार्दे ना बेराया की नार्दे नायदाया ना कि साददा कुर्वि यार्थे रान्दा दन्दर चनान्दर्भः हैं रें हैं न्यदे सामवे वि चन्त्राम से वार्चे से नि वा ने म्म में माने सह के नि हैं म्राप्त म्राप्त स्वरक्षे रेरा अधरक्षे स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वर विनान्गरार्थे सेनारेनायडायाडे यराययायरात्य राहे। बनास् नरास् रसायु यडे सासवे । ट्रिटार्ट्स वा नवा ता प्रद्वी पा वा के वा प्रदास अक्षा क्षु विषा खेर वा ना वा प्रदास अप शु । श्रव क वा वा ८८.सॅथ.र्से .४९१.स् योषा.सू ८.२ं .स्रैंबा.तपु .सं .सं १८५ .५ योषा.पडे बा.षपु .तयो.रे ८४.क्. ५८२. ऀवे ना'र्थे ५ 'य' दे वे 'क्रांच 'या वृक्ष काळे 'या बुवाका'य क्रु क' पळ र'र्थे ट'य' दे वट' क्री 'रे र'र्थे र'या क्री ना' क्ट क्ट मार रे अमि निषा है जियार शास्याय विवास निष्य मानित करा के राय रे रा स्री स्राय अपन चनान्दर्भावराहाने वार्चरायार्थन्था हो स्वी स्वी रे निषाती वराहियार्श्वे सिक्के वास्यार्थन् व.श्र.भर.ज.श्र.श्र.भे भ.तत्र.रेचेव.श्रे.श्रे.ला.लूरी पूर्मा पूर्मा मूर्मायात्रभाषी.श्रे.श्रे.श्रेचे.क्वेचा શું 'વે 'વ'ને 'ત્રે ગમ' શું 'વર્ષે 'વર્ષે 'વ્રિન'ન્દ 'સાનુ કૃષ્ણ 'વિ ! સમ' શું 'ક્રું ન 'શું 'બે ન 'વો 'સે ન મ શું 'વે 'વ'ને 'ત્રે ગમ' શું 'વેષે 'વર્ષે 'વ્રિન'ન્દ 'સાનુ કૃષ્ણ 'વિ ! સમ' શું 'ક્રું ન 'શું 'બે ન 'સે ન મોન' શ ने 'नग'मी 'कर 'मिया कु 'क्रे मार्से मधायश मिता से 'हिराया थे वा कु'नसर मी 'नु बाके क'नर 'से ' सर. अंचरा शे. शु. शर. कें. र्जे श. ची. रु वो राज राज राज हुं ने शाव श. श्रे वो वो थे रा र ही रो दे .शब.१३व.क्वें ब.रें .तब.२५४०.क्. ५२.२५७ ब.तवीर.२ ब्रू. १३ व. ५२ ब्रू. ५५८० व. १५८० व. १५८० व. याविषाक्षेत्रपदे स्वर्षाण्चेषा यामातु सुषायमास्कुत्रप्तर प्रान् सु मु के राष्ट्रीर पर्रा प्रवर ञ्चार्ष्टि भूगायर पठशासु रे पार्वे स्थापना कं नि वियानातु राधे स्थाप्तया ने स्थि में ना पार्वे श र्षः प्रतः प्रतः वी । वर्षाः स्री या स्रवः पुरे दे । वे वा प्रवः स्रु वा वा वे दे । यर क्वा वा यी दायवा दे दर्ष बर विवाय में वा द्राय सवाय है त्या में दार् जावाय हैं दावर क्वा वया वया दें दा શું 'બુટી ટું ક્ષેત્ર.સ.૧૧૧૧૧૧૨ સુંચાલ્યા વિશ્વાના ટેઇ જાયા કંચો કંચો શકે .જી. વધુ છું. વધુ છું. કે કેટ. म् विभवात्रकात्वरम् त्वे त्र्ति र्म्पेर् देटा विट क्रियान्ति स्वी व विट त्वायार्म् र्मेर्ट विश्वासीया ज़ॳज़ॸॱढ़क़ॖॕॱऄ॑ॻॴॖड़ऺॱढ़ख़ॖॕॱॴऻॳॱक़ॖऀॴॻऻॱऺऀॱॸॴफ़ॖऀॱॹॖॴॱॸॣ॔ॴऄॎॸऄॎॻफ़ॖऀॴॶॕॴऄॣॴॿॴ

त्रायिष्टात्र्ये राष्ट्रियार्थे राष्ट्री अराष्ट्री अराष्ट्रियार्थे प्राप्ते यात्रायाः विष्या याते ना वेद्याण्यात् स्वार्धे राष्ट्री व्यवान् व्यवाद्यान्यार्या व्यवे व्यव्याय स्वायास्य र्सेन्यने स्मम्द्रियान्य म्या नेते स्मानम्या मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्म विवार्ङ्केयाम्बराद्रा रायात्रशास्त्रयार्वे याळारायरायाम्यायराया यिट. ते या या ही या हे वया ताया की या कु या क्रीं खिया हा ता ही या ही या ही या कर ही है । निर्शे हैं रातृ 'ये ब'यह राते 'हें 'हना'कद'रना'चर'र् 'या'युद'स्ट 'वें 'चकू द'दे 'द्राव'यश'कंद' शर्भात्रात्वे यार्चे व कर्यार्थ क्रिंट च्रिय क्रिया इस्याय नित्र दे व व या च्रिया हिंद ही वाट दे स् मेर्गः क्रिंट मित्रा मिट्ट मित्रा क्रिंत मित्र वाया मित्र वे .लर. र्जू थ.रथर. क्रू चे थ. ग्री. जथा ने रे.ता.ल थे। वचत. भ्रा. प्रचे . ग्रू राह्म गरी. वचे र. है 'यह्न हियम। अवतः अही र से 'चु अयः ग्री यः र यः ययः न र हि गयः पि व पह्न 'पयः से ' वर्चे ५ छ मावर्हे ५ 'वे 'से से प्याप्यार्के र मान मुल ही र वे न से र पार्टा व्यार्थे ५ 'ग्री 'से ' क्रिंप्यो शः क्रें निषाणी शास्त्रमा है। क्षरासा क्षें प्यशायन शाम शाम हि सा क्रें रायम सुरायें रायें रार्ने । त्रे सामानु पर्के वापादानु मानसमार्के विदायमे साहि म्यामी सासन् मे रामान मानसमान स्वी सामान पद दे के ब लका वक दे ना दश ले दे पा अवे ट ल से ला दे पर से ना के दि हो । इस पर का पत् का ब का व यारे १। भ्रेष्या इसम्प्रायमा विभागाने मानमा मुल्या रामाने मानु स्वरूस है ५ वि ५ स्वरूप विद् यरे पर्याद्र हिं क पहुँ ते 'तु षाय चु 'दे ग्रांश के ग्रांश विष्ठ 'दि त' हिं क 'हिं क 'यदे 'दे ग्रांश 'या थे ' सर्थतर विषाप्ते भी अविरातार्या तवी स्वायार्या क्रि. क्रुरी तिराम्या स्वायायी याद्या मुन्मुनगुरने भेग्रावर्री पर्ने ग्रियां ग्रियां मुख्या मुस्या मुन्या के नाम कर मुन्या के नाम कर मुन्या के नाम क शर्याधिक। वर्गायवतः विकासायर्षे विरार्धा हिंदाईका विकास स्था से प्रक्रिय विवास र ग्रेन्यवसात्रस्याम्बर्मार्यन्याप्यसाग्रेन्यस्य द्वान्यस्य साम्बर्मात्रस्य स्वर्मात्रस्य स्वर्मात्रस्य देश ही र से इसमानमें मार्से नमान्दर्स वा के वा दी तती में है र का का ति र ही वा मार्थ के वा के वा દ્રમાના કુમામાલું મામાના ત્રું ह्यानिहें भारु वायन्नानु मुरायान्या रेयानियां के के हे प्रवेशि के राज्यारे नियानिया कर्न्यू दिन हो दिन पर्वे पर्वे राह्म प्रमा विद्वि साम्ये मानु मिन हो साम्ये मान्या विद्वार से पर्वे । मस्मास् वाक्षे वाक्षे मुद्दावर् वायार्दा युरामे राष्ट्रवायाम् स्याने वायार्वे वायार्वे वायार्वे वायार्वे वा ढ़ॣऀॻऻॴफ़ॖॏॴॴॿॸॱॻॴॿ॔ॱॴॸॱॿ॔ॱढ़ऻॖ॔ॱॶऻऺ॓॔ढ़ऻॴॴॵॱॻऀ॔ढ़ऻज़ॣॸऻॱज़ड़ॖज़ॱॶ भ्रु म्पयरायद्य मान्या स्वापाया मान्या मान्या मान्या मान्या स्वाप्त मान्या स्वाप्त मान्या स्वाप्त स्वाप्त स्वा नर्गेशयने क्वेन्याक्षे क्वें प्रदाष्ट्रिकान् क्वें प्रत्येगानु पक्षा पर्येन। धेवावायराक्षा प्रकेवार्येवे । विषाश्चरः वापराचे म्हरायविषाम्बर्धायये त्यक्काया ५ ५ ५ ५ ५ १ विषया मुन्ता । श्चे सन्ते समाने नाधे सम्मा (वर्ने विनन्दानि समाने समाने नामा समाने नामा समाने नामा समाने नामा समाने नामा समान यमार्गो बायदे खुंयार् खुं राष्ट्र यमा भे क्षमण ग्री प्रमा है राष्ट्रे बाकर बरायि बार्स मा म् र् र्यार. त्रुक्तर्टालट मे हैं वियायययात हैं या यम्हर्मा वियायवयात हैं रा याविषान्त्र राक्षे प्रदारकों दायाभेदास्यामी प्रदान में विष्याभी प्रदे दास्याभी स्वरास्य स्वरास्य म्रे ८ में या में दायते के मादिया दे प्यटायदे दियाय के माका मी मह मायह या पाने दियाय परि दिया सु'यर'र्रोवे'युम्पनुगमाग्री 'र्यार्स्च यास्य रावि न'स्चि'या हेन'न्या रेने 'र्मि गानु सक्न र्रो' यवना हे हिन रेर र र या के या कु के द यह महिना उसारे र हो द द में ना नाया हो द हिन र दे र यसप्याव सायमु पाळें हि व दे वे असम्बु व त्यस हु ट त्ये हो द पार्ट दे त्यापहे व वसाकु हो वे । वर्षे विदायावावहराउँ अप्राम्य मार्करात्रा प्राम्य विद्याप्त विद्या विद्याप्त विद्याप्त विद्याप्त विद्यापत विद्य देरकुर्चे दर्शे रवें विदर्के राववे वायाये ग्रायदे के क्षार्य के विदर्दर ग्रे राया है या या हामा रहायवनानी यमा हो दास्मान यर मासु पर्से पर्हे ना हो दाया दे दानानी से यमा चावयः श्राःभराष्ट्रभयाः ग्री याः हे राष्ट्री याः ग्राराः श्राः र्ट्रायदे । ह्यां पह्रयाः प्रथाः श्री याः श्री याः

इतमा गट वन भेद पति का सरम्याणयाय म्यूरि भेदे प्रामेर्ग हैं वया उका रहा जैयातिरालूर्यासी. श्री भीषाता स्थया ही येषायेषा घेषाता। परातिरायी प्रेयाता ही प्राप्ति र हे अयान्यायाये रुषायार्थे वा क्षे यावाषायहे यावषाद्वा सवा उवान् कवाषाया से वे से वा वाहिता र्दे प्रयातास्यात्राहि। दे त्राप्त्री स्राप्ताहे त्रा क्षेत्रा क्षेत्रा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा विष्ठा यान्दान्त्रात्वास्या है पाळे पाने वापन् वापाई सावतु न्दापद वि क्षा क्षा सम्माय वान निर्वे न निर्मे न निर्मे न निर्मे तर निर्मे तर निर्मे ५८१ रटायुषायर्देशान्टार्रासर्वे से प्रेनिषायराद्यायये पी प्रमाणिक विकास कारी प्राप्त क्रें निषानि हो नषा हे रु ५ क्षर हें रायर शुरायवर मारबायबाय विषा सु ने वे प्रमे बाहें निषा ग्री 'इस'य' है 'दे 'दर्दे 'कंपर्राके 'प्रमा रेप में र प्यूर 'प्यूर 'प्यूर में पर्य है र है ' चद ह्रें वासाक्षित्री साम्मान में तिवा नियो साहें वासाचु हाना नहें ति स्वा से सामा मान मी 'न'विमायमामके न'यदे 'तु 'में 'में 'ने दे 'न' अमाया में ना विने 'वर्ड मानमास्त्रं या है 'वर्ड मा हे न मन्यार्दे मा मु 'न 'रूट 'न में न 'र्ये 'ने मा अरे न 'र्या न मा दे मु में 'र्ये 'ह्रे दे दे न प्या के माया तर्भव है 'में से संश्वासमा स्वापास सम्बद्ध के ने चित्र मान कर सर प्रवास मा हिना कर्णे र्रम्द्रिर्प्रार्रम्भर्भे पाइस्सर्णे वेसर्याच्च्रियाद्यापायास्त्री वाद्यवेस र्र. विध्यावे राष्ट्र में बारी राष्ट्र त्या विषय है विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय में विषय नु को र्रे खु हरामके नायक्वायक का क्षे नायवायाद एवंदे नाया सु रु हाया वि नाया का या आ अ दा चेसर्-जायर प्रसेट ग्रेट रुषासु श्रृ रायादा। यायाक्ष यायद्रवाया सु श्रृ रावया है प्रस पर्व र ति व ति त्याद त्याद त्या क्षेत्र क्षेत्र हे व तु जार श्वर गायु ग्राय हे त्यर श्वर श्वर श्वर श्वर श्वर श मुच्यायार्ट्र विषायर्थ मुद्रायय्यायेषार्थरा भाषकु श्रिवायरायर्वा ही भा वि.क्र. ये अर्भेर प्यन्ता र्श्वेषा। वे र प्यत्वे ना प्ये क क प्यन्त के प्यन्ता है कि ये प्यन्ता र्थे प्रया के र यविनायर्द्धनावरारमाणुयायुरान्वनातु दे ताया वक्षे क्षेत्रिन्त्यायरुषाणी षार्वे वात्रात्रे

ૡા ક્વી તા તવ જા. કું જાતા ત્રે તવ તાલે ત્રું તા જાતા કર્યા કે તારા તારા કુ તાલા તારા તાલે તાલા કુ તાલા કુ તાલા તા ક્વી તા તવ જા. કું જાતા ત્રે તવા તાલું તાલા તાલા કું તાલા તાલા કું તાલા ત્રદા કું તાલા કું તાલા કું તાલા ક याहे पाले मायर् मायमा भारते से मायस स्टामी मार्ट हि राभी मिर्ट के रा अमारे ममा चरावक्कात्रारा है पान्न अपवारमा सु । चर्मा प्रमु है पाने विषय । चर्मा वार्य अपवारमा सु नाय । उत्राचि रायतु अजाक्षरार्टार्ट्र राज्ञेटाची र्यम्याय्युटाङ्गे। जास्यायह याचिराण्टार्ट्र ब्रिसर् व्यापार्ता पर्से वाचित्रायेत्राचेत्राचेत्राचे त्याचे प्राचित्रक्ता हिन्दे स्त्री वित्रक्षे वित्र है वि श्रायमान्त्रा यमान्त्री राममा रदानि मानु रामित्रायदाने दास्तर क्षेत्र से मानु मान्य वार्ष्या म्। कि.येच.रभर.चर्चर.च्रां सातर्वेचमातरु सि.ए.क्रयंत्रे म्त्रे मूर्ट भ्रां सारकीजातरु सि.ट.र्चंच. पर्वा में मार्कित महिता है न दिया है न पर्वा हिन न सार्वे मार्वे हे 'यम'सिव 'वि ग'तु 'रें म'यह म'ते दुया दुया दुया दुया दे 'दें म'या ये 'रें मित्र मार्च मं स्थानी ' ततु .ली वार्ड तु . व्रि र .ली वा .ची थे .थे .पू शाय यार ता नि । तु .ली वा रेट .शू .ली वा रे . सी वा वि शा हूँ ट.ची ४.चीट.४४.विच। हैं .र्च चे ४.ची .उत्रूर हैं ४.चे ४ मे अ.चे ४ में उत्रूर हैं ४ चे ४ में ४ में ४ में ४ में २८४ मन्द्रियो राष्ट्रे यापञ्चन्या राष्ट्रे दार्खेया है 'क्याविया हमा स्वाप्त या सामा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स मः भःकरः विवः क्रुँवः केवः मः वृहः पः नहः विवेषाः विवेषः सुः सुः सुः सुः सुः सुः विवेषः से हः सुवाषः ग्री भः इ. त्यू च.रशच.रवि च.रट.पश्रटशत्यू ज.रशच.रवि च.मु. स्रेचश.र्थ.रट. दु छ.रश्रराही चश. क्रुयेशत्रर्भरतिजादर्र्ये र.मी. रूपेशर्भश्चिशत्रर्भः भ्रीष्यत्राष्ट्रि र.मिरशर्भरत्राभाभीष्यम् <u>२ गवरत्यावदे वदः ले मायावस्तरायाधे कर्त्त्यावमे यावहि र म्रे र ग्री कावर् माग्राम् सु मेवे प्यका</u> यम्प्युरम्बि दे कुम्मायासुरक्षितादरद्रक्षामिरविषयाधिराववे के दाद्राने प्र नम्यारे १। वर्षे स्मित्राणी मनम्भः स्वारे वर्षे वर्षे नायि नायि नाया है स्वारे रे रियो सके न ५ अर्देरप्रस्थानियापित्राद्यादि । से प्रस्थितियापित्राची । से प्राप्त । से प्रस्थानियापित्राची । से प्रमुख्या क्रिंग्युन्याणी मुन्यस्वदं दिने खुन्यायाधिक या में दिन्हे दिरावत्व वेदि स्नित्यास्

र्राष्ट्रियायर् वर्ष्ट्रार्देवायक्राराहा के यार्याचे राष्ट्री के रिवायक्रार्देवायर् वर्णेत्र देवे र ब्रिंद पर्स्ट बाम र दु ब्रिंद पर के खु कर हु के यद् ब प्येंद पर दर दे वे बह ब्रा का दिने पर के का दिन हैं र्ये बरे नकायि। युर्धेर्ने के बायरकायकान्व क्रिंट्स के राष्ट्री प्रयापि रे नकायि वा दे विष्यत्र विष्यु पर्वे प्रवे दि । अष्य पर्वे राष्ट्र विषय किया वा विषय विषय विषय विषय ग्री मासवराने व्यायमानु प्री वायासी पानु वासु ने वामिन मानि वासी नायमाय माया वाया सामिन हे कि बाजमार् कि बात कि वा में विदेश प्रकाश विश्व में प्राची कर प्रकाश की विश्व में विश्व के विश्व की विश्व की ग्री भरते प्यान्ते ना भ्राष्ट्रि भागर पे रहे न भरते हो यथ हे हि अ स्टर हे र प्यर शुरू र प्यान्सु अ रहा क्यावियान्वत्रुत्याः स्वार्येदायाः स्वार्येदायक्ष्रियाः स्वार्ये साम्याविष्याः स्वार्ये साम्याविष्याः स्वार्ये तुनाकु रे निसुसायासे मुँहार्येनसार्येताया है प्यहासानुहानदे निसाह्य स्वर्धान्तरे नि वरमी दुरळंट यतु व मालव वया दुर्धेट धेव य दर्र सर्हेश दुर् हि अ यकुर यरका अके या याण्यात्रमायञ्चू रात्ते क्वराश्चे ५ ग्री के मासे दायत्वम्मात्रमासे प्रमाये वि में मार्थे मासाय नि मा र्टा श्रे प्रकारियायाते श्रे प्रवास्त्र मार्चि मार्चि मार्चे प्रवे प्रवे प्रवे स्वास्त्र मार्चे मार् वर रेट में है 'पर हिंव पर्से अषा के 'द्रम् 'परु में मासु सा है व 'यस 'द्र हिंव 'या रेट । रेट में ' है 'च'के 'च 'अ'यवु हम 'णु वा नहा है 'न्यें क' के क' ये 'मा क का यदे 'न्यें क' कं हा मी 'में हा है 'पे क' तमा के. चरिं में हिं चे ति त्यं तिष्य हिं च मार्थ कर है विषय प्रत्य हमा इं मिस्सर्ज दे के बार्च बार्च बार्च वार्च न दे प्राचना निर्मे के बार्च के बार्च के बार्च के बार्च के बार्च के यम्रेश.वेश.येश.प्रे.म्रेय.तप्र.भावरी रूट.पूठु.विभाक्ट.री.प्रशानदु.विभाक्ट.क्ट्र.रूट्र. पर्वेच प्रभातार् त्युः भ्राष्ट्रभाष्ट्रम् द्वा हो माप्येषात्रे। प्रभात्ये। विष्यात्याक्ष्यः त्रःयुटःर्ने रःत्रे व.म्रीःश्चितःम् : म्रुषःयः विमःश्वे मः त्रे नः यः पश्चि रा दे :यशःमाववः रेटः र्ने ः से : पर्वे मुट्टिं की मिया है कि पाये जारें रे पि पाये पर्वे पर्वे रेटी के मिटका पर्वे रेटा पर्वे पर्वे रेवा र्थेन। ने व्यमः भ्रे के 'स् पर्से मन् पर्स् नायान्न। ने वे 'मिनः भ्रे पर्सु मासु भ्रा से व्यन्ते पर्म त्रे र प्राप्त प्राप्त । स्ट प्राप्त व का क्षेत्र व का की प्ताप्त का कि प्राप्त का कि का कि का कि का कि का कि क

सु खु नम हे के नमभ रे ख़ि म म हो नमें म हिं नम ही म हिं म हे है म है है र र जु र म यक्र.कं.रटा लेज.जेट.येषथ.रे.उधिशश.क्रा.चेश.त.ष्विश.क्ट.यध्र के.येर.ज.लेज.वेर. तृ भ्रिवायान्तरेन के प्रवादि कया श्रेताल के प्रवादिन के पार्व के प्रवादिन के प विष्याणी सिरास्त्रविषाञ्च वर्षे याचे याचे याचे याचे प्रति देने प्रति वर्षे वरत क्वामी श्री लिय से प्रां हिंग्या र या मी प्रांप्त प्रांपित क्या या के या या के प्रांपित है । क्रिंट दे र सी सट दें। मुट्रिश्टा यविष्यात्रमेश्रिः ह्यायाययायाष्ट्रायविष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्यां प्राप्ति हि देवायाच्यात्राह्या वर्षातिः कुतुः त्रापायमार्षाः कृतालयात्राचा वर्षान् पात्राच्या क्राचि । वर्षा वर्षा क्राचा वर्षा वर्षा वर्षा व क्रि. इं . प. पट्टे र. प्रमायक र. पर्चे . जुरे दे पर प्रमाय क्षेत्र । दे है ब. कर हि ब. वी प्रचर श्रे कें बिन दूर है अफ़े कि न्त्र न्त्र में अभने सेन के चेन अपने अपने सम्बन्ध स्था क्रुचेशायर् हे तर खे चाक्रुचेश हे श के श हे बे ताक्ष्य में चे त्वा वा वा तर हे विश्व स्वा क्ट्रिय वर्षा है एके वाया प्रेर्वा कु से दे किं प्रेष कु है से से रायवाय प्रेष रुद्रा विद्या क्रम्भागी माक्ती विवासर्हे टाउँ साम्मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान्तर मान् म्। लुबाक् ब्राक्तिक अप्रान्ते राता इसमान्त्र देवा बरा ही प्राप्ता के स्वान्ते रामिता के स्वान्ते रामिता के स यक्षानी बायर् वायर के के पहें बाय है राय दि । के वाषायर् पर् षाते के वाषायर् रा र्वावाक्वातव्यक्तिवेराया यह वाषास्य यार्रायवेषाक्री मास्य वाष्ट्राया द्रम्याययायर स्ट्रिम्या स्ट्रिम्या ये रायदे प्रतासु र्यं राया स्ट्रिम्य स्ट्रिम्य स्ट्रिम्य स्ट्रिम्य स्ट्रिम्य सर्वा मित्रा हुँ दासे वायावा के किंग्सर हिर है वाप्ता के हैं। से विकास है दि मित्र हुँ दे मित्र हुँ दि से सि है सर्च म्ह्यायां के क्रिक्ट द्रों कि पादे खुवारे द्रा विद्रासे दे विक्रा से हा हु हा सार्से हा प्रदे प्या कि.भक्क्र.किंट.व.चधुधकी.क्विट.क्क्र्र.कुथ.तृ.खुबा.विट.टेब्र्बारविटा। श्र.क्क्र्राखडुबा.कुट. हे ५ परे १ हे र खुन न सुस ५६ । देवा दें र खु। व सारा र सा हे वा है। हे वा

विभागर्थे विभागर्थे विभागर्थे विभागर्थ के समाज्य इसस्याण्य विभागर्थे विभागर्थे दाया दिन पग्र था है निया के प्रायव राते के पा वर प्रथम के प्रायक प्रायक के प्रायव के के के के के प्रया के प्रया चार्च रायं मार्च मार्च मुंच प्राचे मार्च रावे मार्च रावे मार्च मार बिटार्स र्ञ्जे ना छे ना श्वन स्मेन प्रमान स्मान स्म न्ने मायते :सन्यानसुवा ह्ये मार्चन्से विमायमायते खुन्मार्से वायासस्य मार्से नामस्यान ततु र्रे द्विभाभाभकु भाजा भकु भाजिरात्तय क्षेत्र र्याया र भाजी भाभाष्ट्र राष्ट्र स्थिता ही राता यमा श्रेमप्दूर्विम्द्वेर्यवे र्श्वेयाये म्माश्रे श्रेर्दे॥ वेर्यम्बे यार्थि यम्द्रि वाश्चावमात्री दिने तालूरात्र बरामानु राष्ट्रियमात्री स्मितमासी श्रीमात्रास् स्मिन्सा मु । सु नमार्जे नायापार्ये मुमाने पार्वे यासर्वे रायम् मान्यास्य सम्बन्धाः यह नमाने ना यु नासे नासे मान र्वयाद्यु पर्तर हे अविर वित हे अवादीता नगव हु ग ने वे बारे तमने वर है बाय हैं यवाके राक्षरावाहे प्रथापुर से राक्षें याषु हु वा वी 'इस्यायश क्षेत्र या केंदि 'वस्या' इस्रयासे 'वस वयमाश्चर्रं मु रायदे माळवर नार सर प्री वह नमार राष्ट्राता सूना ने विद्र है मार्थे ฐามี ช.ผู้ เนาสพ.ชฐ.ชพ.ฆฺช.ฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฺฬุม.สี่ะ.ชผู้ะพ.่ะะ.ผู๊ พ.ชฺฆฺะ.ช๋ั๋๋๋ั๋ะ.ชฺร.ละ.ม่ร. सर्वे वे यार्वे सिक्वे स्वाराक्षे वोयात्म क्यूरे त्ववायाक्ष्ये तहवार्वे ए.वम् श्रीयात्म् क्यु. हे ये देवा तर्व, द्रट.ज. त्रक, द्रवाका वाक्ट. कर्ने टिक, उक्क, ट्रक, जुब, तर्दा, क्रिट, श्राक्ट, श्रेष प्रतिके त्रावरी त्र स्रान्त्र विष्यात्र विषया स्राप्त विषय के त्र के त्र का प्रविष्य विषय विषय स्राप्त के त्र विष्य विषय वळेषायमा युषात्रुहमाणी विवाये राष्ट्रषायासे दायरार्थे सेषादवायासम् रार्श्वेदायदे वर्देदा भूषाक्षराक्ष्रयम। के.कुरु.भु.८भ८माभट.कु.तर.सै.चींदु.भुमाक्षेप.कर.तर.मा.३८। ट्रे. यशर्ट्ग में से सममायान् निम्म नयान्य प्राचित्र प्राचे मार्से नमाणी मासम् । प्राचित्र में मासी र्ने 'न्यायानु षायषावि दार्थाणि वार्याण्ये वार्याण्ये वार्याण्ये याष्ट्र 'णु मानु यार्या वि दा

न्यरशः र्से रासे यो श

८८। मुथ्रक्र अर्ड त्वत् त्व्र्च नाया सम्माणी मार्चे त्र्म मार्थे भन्न सम्माणि मार्थे निया मार्थि । तृ 'वर्षेष'य। ह्रें ब के ब रें र प्व केंदे कें र यु न प्व प्व के ब के ब के दि प्व प्व केंद्र वाक्ष मुवाबर ता ही र र वृषा श्री र तर भावर। षा ही वाषा रे दे र वृष है खेवा पार र ही र रूषा लूट्यार्ह् चेषाचिष्टाचेषाचिषाचेषाचेषाचेताच्या कुचारा अट्याक्षेत्र स्वाचिषाचेष्टा श्रीत चिषा मुंबर्र्स्टाने साम्याजा परासुसान् उसानी केराने मास्यरान्ने वापायसाने परा इन नम्रेम भी मानर वर्षे निने निन्ति पर्वा स्वार्षे प्रवेष मान्या में माना मान मार्से माना मानि मा क्रम्थास्य पञ्च नाया में ब्राके दे प्यम्य सम्मान् दायने स्वापार प्रमान सम्मान वर्क्ष क्रिंट न्द्राप्य वा विष्य प्राप्त क्ष्य मा विष्य के वे के वे के वे के वे के वे के वा विषय विषय विषय विषय त्र्या.चंर.तथत.त्र.चंष्य क्र्य.श्रु.खंट.श्रु.खंट.श्रं तत्रे त्रांतियशाहे .र्वे चेशाही .वंवयः दें.त्र्र्या चलुष्यस्ति कैलार्ग्याबराची 'वरार्द्धे मधारी अर्मोद्धे 'क्यारी स्थे 'चरार्चे प्यरादे दे 'वि क्षुत्र .र्ज .पर.क्रि.श्रथ.प२८.पर्वर.विथात। स्रय.क्षुर.र्ज .प.ट्र .र्जूर.ट्र .र्ज .पर.पश्रथ.यथ.स्रय. क्रूट.र्ज .पर.के.भ्रा.वोष्ट्रश.र्ज्य राष्ट्रश.वे.पर्श्वराष्ट्रश.वे.राच्चश्वराव्ये.तर्चे.पर्यवर्गतार्ज्जः युर्दे। ।(५ न्न्र्यमण्यी व्ह्रम देन हिंदा) इद म्यामळसमण्यी दे समे रामम्मायस्य देन र हूं ८.कू ४.ई .प४.५८,८ तम्र ४.४४,५ .कू.ठू.५ .कू.ठू.१ .(वृ.८.८,८५०) वृ४.प.प२८. र्डू र विषाया विषार्य ब र्हू ट र ट स र्ड्ड विया महिषामा खेर पर हिषा या विया है पर खेट हीं पा यश्रास्य देश हैं या के त्ये के वा की सामानिय सामानिय हैं निया प्राची मानि हैं नि व्देन'तु 'यञ्जाक् 'से 'ने 'इसस्पेन 'ग्री 'नर्गे मायग'नम में मायग'नम से मायग'नु 'र्से म र्से न व्हेन प्रदे ' विरागरासरायहें वाया नर्गे बाई न्तृनिष्ठि आगु बाया कु के वे प्रवर के बाह्य पाले वाय वे बा है। र्रे. विश्वास्ताम् विष्यान्त्राम् विषयां यया विद्यानवायार्स्वार्याक्रियाविवाद्यार्थ्यात्र्यात्र्यात्र्वात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या क्षरायमा में दानमायार्ये दारार्क्षे स्वीरारदायायार्ये नार् माने रायक्ष नामायाये हिसा नवसायते द्वी स्वतं त्वीन द्यार्या दे दावसादि मुला हो त्या नवसा ही रासक्या वहासा हा स हे .र.चै .ष.च .र.चू ब.त.र.चे ब.पि.ज.रे .कचाबा.त.च. श्राचे ब.पु.च.र.च याबा ब.च.वा.च व.च.चे प्र.सी चाबा. र या निश्च र या निर्मा है विमास्या में कें रहें र कें प्रति में कि र निर्मा के प्रति पर्सिमा न्सरमार्के विवायावन न् ने न ने ने दु करावी हिन के दे सू माने कु यान् रावी माने प्राप्त करे । स्वामारायापश्चर। हे विवारें राये प्राची मरावामे राये तु किमायर विवादमार हैं न प्रमार हैं वामावादार वातवयार्म् वाचिषाक्रे बावाबराई दीविवारे वाहराबषाहे बाहि वाक्षेत्रके पदा आर्ट ब्रावाहर विद्या ब्राष्ट्र प्रदे क्रार्स्ट में अट कें न्याया है कें न्यार्ट प्यार्स्ट या प्रकृत प्रति कि दी कें रा वर में 'र्ये क' क्रें र 'र्टा बार्से का हे दु 'कंट में 'हे र 'पठ बार्से ट क्रा रेट 'र्ट 'हु क' हैं (कुदे 'स्न् र'णेव'य'र्ट 'र्चेर 'स्न् र'र् 'ह्वाय'हेर) र्टा र्के केट हिन्याळर् 'याह्वाकी व्रिषायायाम् नासुना हे षायर्वे द्रायमा स्ना स्ना स्ना स्निष्ण व्यास्त्र में द्रार्य द्रार्य द्रार्य द्रार्थ द्र यान्ता न्यवावर्श्वे राष्ट्राकु के रामाज्य एक रायवे विके राषार्श्वे म्याना रामा के धु 'क्र' म्नार'मे 'चर' क्रा'र्से रांचे 'स्रे 'प्रेट 'स्र्' 'रा'रेस् माने 'यय' के र'क्र' प्रेट ने में र'र्नु पर्मेर' ष्रकूष.मी. स्चेश. द्रश्र.ल ष. ततु. त्रुच.ता.तथा. दे. कुषे.शू. ष्रश्र. प्रश्र. थर्था. ही र ई. पर्रे श्र. श्र. श या के दास्त्र भा दे 'द्वा' से 'से 'से के के 'ची 'वाक्ष कुं वा वसी 'दे प्रें दे के 'चे का प्रका के 'के से प्रा

क्रूबाली बारा है। क्रूबाली क्रुबाली क्रूबाली क्र

 रूट. ट्र. ट्रेन्ट्र प्रम् . व्यू के पर्टें के पर्टें . के दि . के दि . के का हि वा अर . की . की का हैं के . त्तृ क्रू थ.मू थ.भर्षेत्राजी टे.येथ.इभाग्नी थ.झैं क्रू येथ.ई र.मी.ई श.मिश्र अ.र्ज य.त.पश.मैज. पियः ग्री. मित्रका की. भाक्यें टे. तायु. क्रुका टेटे. भट. क्रु चोका भाक्षें यु. मिटका श्री. पर्वे पर्वे वार्वे का वे का ८८। वटक्रुचा चा.चना.सी.चार्यट.वीचना.हेच.क्रमना.स्ट्रमना.सु.क्र्यमा.सु.क्र्यमा.क्रुचाराक्रुचाराक्रुचारा क्रिंगम्बुरायुवानुषाय। दर्गेवायदे न्नासाद्यान्याय क्रिंगिरु मुरु मारु वा रुवानी । स्थानिया स्वाव के वा क्ट.पर्वेचेशतार्टा हेब.हच.हंचाता है का.ह्याच्च त्वटाजेट.हचेशके.शक्षुत सें चिट्टा क.क्ट.भक्षमा हे.सेचमाम मार्टाची चतु चिरमात्त्र र्थेट.च.रेटा क्र्माजी क्र् गः श्रु प्रायदे कः क्रे बाहे प्रदालबाया। द्राया ध्री म्रायदे म्रायदे क्रि श्रे द्राया वाही । वयरमाणी किमान्ना प्रमानि मानि के किमायुगमान्तर किमायुगमान्तर किमायुगमानि किमाय च्रि.श. द्रम्याया सर्क्ष्याय क्रियायुग्यादे द्रिटा द्रम्य क्रुवाय ग्रुस्य स्तु सह वाय प्राप्त प्रवाय सर्गु । ल्. ४८४.८८.२ ये त. र्झे ये प्रि. प्रथर की या सूच्या ततु मू क. अथवय अथवा ये या दे या हु ये या म् त्यार्य र हि या स्र र म् व पर्दे थे क्षू र क्षू त्यध है त्य र ट स्वयार यार विद्र र श्रे ध र हु या क्ष्रे र उर् तमार्टा र्वे वमार्च वी विवा कु वी उक्का श्री टाड़ी रामाया सूर्वामा ही राघनमा श्री राम देवा है। यह वा से पर नमार्ट्यं मार्रित स्त्रिक्षाम् नर्द्रम्मी मार्ट्रम्मी मार्ट्या मार्ट्य रावकार्ट्य रावकार्ट्य से मार्थित स्त्री क्रिया राष्ट्रे र वी 'श्रे 'ब्रू 'वे र 'द्या पर मासुस वी स क्रुय ही र 'र र रे वास रस प्रवी स पाय पहे न वयायर हूँ व पर्ट्य हुँ र स्निप्य सु प्येप सु य प्रिय हु य प्रिय हु व प्रिय है व कि प्रिय है व कि प्रिय है व कि यरस्वायात्रा केंबात्रात्राहणा केंबात्राकें निषाकें विषाकें विषाकें विषाके विषाके विषाके विषाके विषाके विषाके विषाके ग्री के ५ '५ 'के मारी 'के 'ना रे 'यर 'झू पाद्य पार्च मार्च हा। रें रार्चे 'ने में मार्य मार्च मार्से मार्से नमा चर वर ज़ी या र या तरे चया ता पहें ये हे क्षा जी चया जी क्षा ची में चा ही ता या क्षा या र वा ताया प्रश्निर

चार्रा चिराया रहाराता कियार्ग्य हैं बावासक बार्ग्य सहरा है। १८५० स्वार हैर ञ्च ५८ में वे के रापरु पति पर्डे त्ये ५ राके वाया से वामी मवरा है ८ ५ से वायवे त्वया घटा के कर्ये प्रमुख्यायान्ता १०६५ वे राष्ट्रे कर्षे वास्त्र राष्ट्रे न निमास सुमास निकायिः चै.क्ट.उर् .पट.मु.भर्षे.र .चट.म.कुष.तू.र .चनश्रश्चराश्चर हु.हु.हु ज.द्श.चेश। (चै. पर्देश्ची, चेंटशाउत्रूर,रेट.योजाकुषु,क्रुशाङ्ख्यावियो,जाङ्ग्रीर,योर्थेट,यो शार्श्वटशाउह्रथ,चेंश. र्थे ।) है र्थे ११८५ है दूर्व परे कर में र रे अ हो र मल्र में कर माय पर में र रेव हिया २८ हिट में 'यरे 'शुट 'यश तुर्यां के 'श्रु 'म्मिम्यां ठढ़ 'यङ् 'ययायायां के 'रे दे 'र्यु अ'अर्दे ' सक्र्ये क. प्रेचे वे क. प्रेचे वे क्रि. प्रेचे वे क. प्रेचे वे क. प्रेचे वे क्रि. प्रेचे वे क् मुँदि मन् न्दा के मासू नायमासू नार्मे नामाग्री नु न्दार हि दमायह मासू याने नामा है न नगरम् पर्के निरम्भवस्तु में बर्भे निरम्भवस्य में वास्त्र स्वास्त्र म् कियास्त्रीरास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयास्त्रीयायायास्त्राचि च्यायस्त्रीयास्त्रीयायास्याप्ति यर्टरत्रेवाश द्वापाद्ध याची अक्षरावाक्ष्याती येथाता ये वा प्रक्ष दे रे विक्ष ये हे क्षाश तर्रे बत्तर रदार रहे श्री है वा निवा है तर्हर है क्षार पहें ब क्षा का वा कि ब मूँ वा वर्षाभ्रा निष्यम्याम् । यद्याया चर्षाभ्रा के वाया निष्यम्या के वाया के वाया सं तियं वातासे वाश्व क्ष्माता विश्व देत्री बात्र मावस्य ति वा ति स्व क्ष्मा वास्ति है वास्ति वासा यमाण्ची म्याक्रियान्त्रमाने। समायासमान्यस्याक्षेत्राक्षेत्राम्यायम् वर्षाक्षात्राच्चे नावात्रमा ह, लट. झे ज. भु. कू च. ततु . चे. जथा ञ्च. हू. पर्टे थे. मुट में या भवमाचे , या जथा हूँ थे , चू थे. ता विचा , दु ची. इ.स.यंश.श्री.सर.हीर.ज्या.श्रट.रूट.त्र्राट्याये.तथा.तथा.वीट.दीर.विचा.पीट.हीर.ज्याची टे. वर्व नुप्त क्षु व क्षे क कि के वे प्याव पर्यो र पति क म्या परके र के क पर मार्क र प्राव कर पर्या र प्राव

वर्**क्क.प.रूक.क्षंटश.शे.**तर्की ४.प.प्रेट.प्री

र्चेन कुषार्थे ११०४५ व्यन्तर में स्वायु तावरु पुनायवे खुन्यार्थे ग्राम प्राप्त विश्वेष ११००० हीं 'चा' के बराश रे 'या पर्के प्रदे । या ह्यें का नु का यिया के कि वि राजी का वि का प्रकार के वि का ઋું એન્યાયાલયાત્રાના કું ત્ર્જૂ હું તું દાસેલે.(0.12)યાલેલે.લે માન્યાયા કે ત્ર્ म्नी प्रयासमानिमान्ता क्राप्तेत अस्ति वि अस्ति वि अस्ति म्ह्री वि अस्ति महिला स्वीति र्से 'स्वायापार्वे व स्याये न पर मारे व र प्याये व स्याये से प्राया स्थाप्त स्थाप्त स्थापति स् दे विषारे टार्चे सार्धे वायर खें देवे ब्राप्ट यवे विटार्धे कें विषा है टावी साट के वार्य वे पवें पा र्र्ण स्टर्भ से वास्ति ग्री विषय हु या वाषर प्रदे व्यय गति पर्म से के प्रदे से प्रम्य ळॅं र र् र र में ग रहे व ग रे ग राया व वा खर राय है । वा य दे र स्व र मिल र से र से र ही का स्वे र राया है व र है र दश्राचर्र्यः स्वां,योश्राञ्चः मू. योश्र यो. यो त्यां प्रदेश विष्टा चवरावर्चे त्यम् । येथः विषा हे दिः য়ৢয়য়য়য়ৼॱऄॕॖॹॺॱऄॕॾॱय़ॺऀॺॱढ़ॻॖॖॱढ़ॖढ़ॱॶॴड़॓ॱढ़ढ़ॱऄॿॱॻॖ॓ॸॱॻॖऀॱऄॗॕॱॸ॔ॿॺॱॺ॓ॴॱॻॖढ़ॱऄॸॱ यर र्वे र प्ये वे खे प्य प्य प्य प्रेर् के के के के का का का का के का के का र्ने मार्यमाळ राया न न मार्या के के राया अधार हार उसा में नाया के राया अधार के राया विचाने प्रतारतावयक्तिं भास्त्र न्यावयान तृति हो नास्य प्रतास्य निस्ति नास्य प्रतास्य निस्ति ने निष् য়ৢ৴৻ঀ৾ঀৼ৾ঀৢয়৻য়৻ৼৢঢ়ৢ৻য়য়৻ঀয়ড়৾৾ঽ৻য়ৼ৻ঽ৾ঀ৻ৼৼয়ৼ৻ঀড়৾৾ঽ৻ড়৻ৼৢয়৻ড়য়য়৾য়৻ঀয়ৼ৻৴৾ঀঽ৾ঀ म्रि. देशकी सामद्वा है व विसाधर सामवसार्श हित है दिस्ता की सापके पाने कार्य है सा व्रेन्यर सर्गेन्न न्या सङ्गार्येन् क्षन्यर्श्वे नाम्यावे हास्यर पश्चे राहे। सह केंद्रे पर्वे प्रे ब्रैं ब.भ.तट. चै ब.कू व. कु ब.च येव. च यूरे. वे चे चे चे चे चे वे व्यवस्थ कू ब.चट. व वे ब.ज व.या. वश्च वर्षा है जें र्वा कु जें क्षा वर्ष कु रें कर न्यु वे वर में हि में कर मिले वे रहे हा वहर गुह देवे हे सासु क्षे र वि हासु दु 10.11 - 0.12 घर स्मर स्मर स्मर पर्वे प्वर्के वि हायस मान्त्र हिमायहा पश्चरमान्द्रमाने साम् प्राप्त मान्द्रमा मिया विद्या मिया स्वाप्त स्वापा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त अमिर्ट्रम्थायके पासक्षायर् मासक्षात्र विष्यात्र प्राचीयायर मुख्यापे कामे के महित्र के रा वि.चर्य.तकू.यदु.ई ८.२चे वर्य.२चे ८.५२२.वी र। ही कू वर्यात्वास्त्राच्याच्याच्याच्याच्याः ठव मु दसायर सूर्य पर्देव वव प्रवाद्य प्राप्त मुयायम ठव प्राप्त से विकास मर ईट. में ट. में ट. में जिट मार्स वाया में वाया में वाय मिया में वाय मिया में वाय में वा पर्रे पक्षर् प्यतः स्त्रेर दे देवा म्या द्विया प्याप्ति वा म्या द्विया प्रयाप्ति वा प्रयाप्ति वा प्रयाप्ति वि पलनाम्हर्भे में में दे में में अरायश्वासर में पर्दा मुद्दायश्वर में में अरायश्याया भ्रा. मृत्याचे रात्रा मृत्र हु राष्ट्र वायवा यवा गार स्त्र है । स्र राग्र वार वायवावा ववा स्र राग्र वार वा वर्हेनायन्ता व्रुक्तस्निक्षया भे स्ने रामसुस्रायन्त्रभारेना ने व्याकुवाविन वित विवार् सुतु मुरु मारी मिं ब कॅरायश्यकु करे 20-30 र्राकुयायर्से राव्वयारे मुश्यपरारे । वर्षेन्। १८ वर्षे मार्थेन्। वर्षे वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। वर्षेन्। विजार्दा पर्केट विजार्दा पर्केट विजास्त में के मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ कर कि कि मार्थ मार्थ कर कि कि मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ कर कि मार्थ मार्थ मार्थ कर कि मार्थ मार्य मार्थ म यम्यायकुकिते 1-2 थम। मूरिम्बी मुर्गिम्परियायकुकिते 9 मण 5 यर थम। मुर्गि त.श. ह्री र.ज.पर्ये .चचव. क्रियातर .रेट. त्रुं .ची थे.श्रूर. यी .लू ट.ह्री .ज.पर्हे ४.४४ .श्रूर. यीषु .पर्ये.

1) 副注入:動:x1:300 本本:水60 口工:的本:四) 自私:口:(社:1) 古本:四司:口工:動:x1:1000本本:

३) ह्यू र.मु .पर्य .पर्व .पर तर्वे .ह या अ.मी .लू र.ह्यू .शर .यधु .वे अ.तर .खू र.जर .टर मेंबर तर लूट झू . सू में राई शंग विष्य है। अं र में क्रियाया श्री व पाये 'क्व 'ती वार्कें वे 'बारे व 'खीर 'वालु ट 'या पहला पूर्वे वा ही र 'यें 'रे पे से व सर्वा.^{ये} . ह्या. भर . कैज. विच. की . ह्या. विज. रेट. त्युट. विज. क्षेत्र, सर्वा. भर्ष रावर . ये र. रे. सर. क्रुवायातात्रम् त्वतात्रे रात्रा र्वराक्षराया वर्षा मु ही विरायमाने नायाना विराय हिरासेना विराय माने माने वासी विरायमाने निर्मे ने भारति ने भारति है भारति । विश्व किया में में भारति में भारति । विश्व किया में भारति । विश्व में भारति म्बर् ने स्वार्म में अर्ग्य रे र्यं रे र्यं रे र्यं रे राष्ट्र रायस म्बर् म्स्स्य राया में या राया रे या में या रायस है रदर् नुष्णणुर क्षेत्रिष्णे में बरववर है रयदा से रायर सा बर्ग दर्द पर वह वार् में बरे वा वर्षाक्षेत्रभा क्षेत्रम्त्रे वर्ष्कु वर्षः त्रम्भायमः र्मे प्रिम्पदे हि । क्षेत्रम्भावः मुचमामिटार्स् वियालू टायर रेपार विया पर्या की वातर रें क्षेत्र मुच्या पर्वे पपुर रें माक्र चेना वासाञ्च प्रमायत है ब ब्राम्यवाय व्यु वर कर प्रमार गव है वाय ब्राम् के ब व्यूर है वाय वर्ष उत्ते वा ही वाका सु 'न कर 'न या दे वा के 'चंदे 'वें ' ब्रेट 'वें ' के वा के वा वो का हो का वा खे । खर निर्मात्र भारता द्वीता वारा भी मुख्य हिया वया है वाया यया विसार वारा द्वार है दाया देवा वारा या भ्री विष्मुराज्ञायर मुलायर हे स्थितका तक्का पर्यात है बर्र पर्षे पर्या से का प्राप्त का नि इंटरयुन् से प्रति स्वरं म्युस्य से दायार वार्डे वायर त्रा के देट विद्यु देन स्वरं का साम का साम के साम के साम ऄॖॱक़ॖॱॺॱॱ देवेॱढ़ॸॱॴऒॕॴऒ॔ॱॸॕॎ॔ॻॱॻॸॱज़ॸॖॴॱऄॸऻॱऄऻॱऄऻज़ॵढ़ॻॱढ़ॸॱॸॗ र्रेट.क्ट.चम्रेश.यथ.यध्र र.तष्ट्र्य.विचा.च्रुच.चिमा.च्रुच.चमा.त्र्य.भार्य.तमा.चर्मेच.त.त.ट्रा र्वेचमा. देवाबाखायरादे अर्द्ध्राचा के पुवाबा के पुवाबा के पुवाबा के प्याप्त विकास के राम् ब्रें राष्ट्र 'त्र 'त्यु ना 'ब्रि 'व्य व्यें दे 'ह्यू 'यठका सु 'त्ना र ते 'त् त 'क्षं र 'व्या ख्रु नका 'क्षे व क्षं त ५८.८५ ज.क्.२। ८क्.३५ ४.मी.क्.२.८२४.८मी.कपु.मट४.४०.४५.४८.क्.४५.मी.४.८कर. यमें ५ खहें म वकर मिले विषु प्रमु वासी कर है दानु द्वादी हिमा कर वासी मा

लेवा स्नायायमार्चे वाक्षेत्राचि प्रकाळिये 20 लयासयाने नाळा ह्रे समापने प्राप्तार पर्या अर्गेर्यात्रामी तम् तम्परमियामा तमानमा कृष्ट्र 80ई वास्र मियामिया हियासित सिया सिया सिवास देवाकातात्वाद्भ द्र में दाक्षे वाक्षायाप्य प्राप्त किया है वाक्षाया है किया विचाया इं भाग्रेन्याये देन्यायह्याद्वेषा इं न्याहि मार्टि र। इरि.पि.वा.वा.सूचमा.पी.घरि.पकी.कतु.100 केवा.पियाचीचिरावा.चींट्रि.पेसूमा.वामासूटि. मिर्जित्ता भाषा मिर्जित है मिर्जिस मिर्जित है त्या है त्या है मिर्जिस रतना उर्ते र स्रिर्देश क्षेत्रात्वया पर्तं र प्रमिश्व के प्रत्य खेट पर्ते या श्राट क्षेत्र स्रि ढ़ॣॕॱय़ॱढ़ॻ॔॔ॸॱॡॺॱॸॣॸॱॺॗ॔ॺॱॷऀॺॱॹॗऀॺॱॻऻऄ॔ॻऻॺॱॶॺॱॸॸॱॺॖॆॸॱॻऻढ़ॖॸॱॺॊॱॸॻऻढ़ॱॸ॔ग़ॕॸॱढ़ॕॻॱ यत्. द्र. पे त्ये त्र क्षाता सूच सूच प्रदेश राष्ट्र भाष्ट्र भाष्ट्र स्था स्थान सूच राष्ट्र भाष्ट्र स्था स्थान सूच राष्ट्र स्था सूच राष्ट्र स्था सूच राष्ट्र स्था सूच राष्ट्र स्था सूच राष्ट्र सूच राष् र्गिट ने दे दें श्रियपद्या श्रवप्यये के नाषवा मुके व दर मुलो वव रहे व यस पक्र र्ये प्रमुष्ठाते। यनर पर्केष ने रार्जेषायमा सुष्ठा ने रायापान सुष्ठा करायमा देवामा से मूर्यात्यक्षीयाक्ष्राभाराक्षिताक्षे वित्ववीताक्षे क्ष्यामाञ्च वातावाष्ट्री टावमामापिताक्षे वित्र कर्मे न्यू राष्ट्रिया मानि राम्पाया हिनामा सक्ष्यमा ही यापाया नि रायमामा प्राप्त या ही महिना कर् श्रास्त्रे राष्ट्रित शाले टाइटा अदे हिना शासकं समास्त्र मृत्या हिना में नार्ते स्तर परे क्रुं भरा चेराता याबुट विवादिवादेट क्षेत्रियाचिराया (विषयक्षाम्याविराद्यात्रीयावस्थाया त्र स्वाविकाल्य स्वाव राष्ट्र सुर्के वार्ष्ट्र राष्ट्र स्वाव स्वाव राष्ट्र सुवि सुव स्वाव राष्ट्र राष् वटार्ट्रे प्ट्रेटार्विट् श्रे मुगमान्टर कुं मुगमाय्ट्रे राक्रे मार्गिया हे बिटासर हुं रायटा समायवार क्टायामर्वे न क्वें न यदा श्रेन। वर्षे माष्यानु वर्षा श्रे न सरमा साव हु मारा के ना ब्रुचायान्ता ध्वायामा ध्वायावराययाया हिरावनान्त्रावरावरावादावेदा ब्रेन्स विवार्श्वार्श्वत्र व्यम् की विष्टा विवार्ष दि प्रमाने प्रमाने विवार्श्वार्म किंदि कर किंदि वा किंदि वा विवार्श की विवार की विचात्त्र्रीं त्यमायन्यात्र्रे माम्यात्र्रे मान्यात्रे

4£ 4.0 \$ 1

कु'द्रमान्सर'द्वेम्ब'ट्वेम्ब'ट्वेम्ब'प्य'र्वेन्'ख'न्नर'ड्युर'स्वर'म्डेम्'नु 'चुब'द्रब'कु'खुय'न्रर' बिट कियानर मिट्ट के टे. जू. मू. टे. चे के प्रमायकारी सामितान प्रमायकार है जिया मि मि यायकु रारे पर्छ षाञ्च राण्ची प्रे राञ्ची प्रे राञ्ची राञ्ची प्रमाण्य करामे वा नुवार पर के वा तृतु त्यक्ष निधाकी वि तर्धे का झु का ततु त्यह धारा स्थार का की राष्ट्र या मूर्य हु हु भार का मर कु न्यू रा सु से सि दे सि द सि देस प्यापित से दिसे साम रहे में से दिस से दिसे सि सि है से सि स यर यस व्हें द यदे के जु द यद से दसद साय यह वा यह द वा वस यह वा सा कि द ८८.श्चिमानाक्षेत्रात्वे माया विषयक्षेत्रात्रात्वे स्वसाम्बर्धाः में मायाक्षेत्रात्वे स्वसाम्बर्धाः सबर मर्डि र पर्जे र र गाय पर पहर पर पहें ब ब ब र ही हो र र ही रहे ये पावि का गार्र र र पया पर्जे र सवय न्याक्यावन न्याव के स्ति न्या विष्य के स्ति न्या के स दे 'द्यु व्यर्चे दे 'मुर्का भ्री 'स्ट्रें ब 'से ब प्यासम्मायाक्ष्य 'श्री दे 'मी 'मी ब मार्टि 'मि प्रें 'में 'क् ये ब ब्रें ब के देश में विषयं इट.जीचेश.मी.चेश्चर.पड्ड.रट.शु.रेशरश.ही.विट.२४.री.पहीं र.य.पु.ची.पवेग.मूरी इंथ. म्बिरायनाकालेनानु पर्छे याने मिळिं रासू यार्से टामु याय वर्षा पे दार्गी के या से दा रेना नालु टा । नययायर्द्धेन। युवार्श्वेयार्वे सरामिश्रासेन्यानाम् रहेशाचनान्तेन्यक्षनानी सुरायायर्देनः

न्रें में अर्घ के अर्थ के प्राप्त के अर्थ ने अर्थ के अर्थ के के अर्थ क 5् 'यञ्ज रिश्च मुर्था त्राया निष्य प्राया है ते । या त्या वा त्या है मिया ही । इस्राया झे माया है ना से स्वाया है मार् यम्बराते हिस्राता हिं रायार्टा इवायुराक्टरावृत्से विष्णिकार्याया हिंदीर्पाता क्रिया हो ५.२ . पर्वे या ता २८ । प्रे १ . प्रे १ बियाराष्ट्रेष्यात्राच्यात्राची वर्षे त्याचीयात्रपु त्यययासी त्रात्राच्या क्र्यार्य त्यासू यात्रात् के. येवार्थराष्ट्रिवोबाक्क्वोबातबाश्वराष्ट्रिक्षेत्राष्ट्रिरायेबाक्क्याच्चे श्रेष्ठावास्त्रित्रा २२.३ व.प्याब.प्यूर.कैं २.८ इं ४.८ ८.२ तूथ. ८४. अ.६.५ ८. जीवा क्रूब.जीवा करा जीवा वा ता स्था ग्री मार्या के या की प्रमास मार्था मार्च म क्रुचरातरी कु कि ट्वर्ड राष्ट्रचारी जायसैचरारेट सुँच चार्य चायर वेष विराधराष्ट्र सुरायर हु त्यापूर क्रुश्चर्य भी जार्य वा श्राट क्रुवाया स्वार ही वा सामित हो ता में में मान में में मान में वा जा वा वा वा वा वा रे पर्वे मान्नम) इसमानि रापनि नाम्यापार्टा से रापने नामा सुरापन्न रापनि में नार्रेटा र् निष्णुनियायरुषाणी विषायन् वायर्षाया हे हिंद्रे हे त्राष्ट्री वे निषायन्त्री विषाय के दार्य प वयर वेशायम् प्रशाय में शामिन प्रशासिन के मामके माया वह स्रामा विस्यमा वे माया विस्यमा विस्यमा विस्यमा विस्यमा तत्रिं विरामित्र रायमा स्निर् छेना स्यापु रायके निष्मा छेमा ने सामा सुर सामा स्र रास्निर छेना छे र र प्राप्ति र यर्टे अप्यहें ५ 'यम'यर् माया ने मायहर या ५ र प्ये या ५ में मायम मायह प्राप्त मायहर । मिल नि मार्थ में मार्थ में मार्थ में में भी प्राप्त में मार्थ में यक्षणाया न्व्या में म्बूराम्भेयान् के या स्त्रीना स्त्रीते क्षित्र मा स्वीता मा स्वाप्त मा स्वीता स्वाप्त स्व कुथ्तूरविष्मूर्यायद्यतर्द्यतर्द्वी विषात्त्र कें स्थामहूरिष्टा वर्वे महूरिषटाता सूर्याय. ताचिषा मूराई तराकिरावया दिराप्ररापय त्यूषाता प्रथा से किर्धराय विषय है। सार्तिरातार्टायाप्रेरावक्कारीयायायायायाच्याक्ष्री राज्याता रक्ष्यातायाक्ष्रियाक्ष्री राज्यास् इतिषा दे द्वाषाद्रायद्याळवाषाणी ळिटायठवायुवालेवा पृष्णू रायेद्रा १८५५ वेदि हा य क्रिं ११ हे व कु व म द्वार सर्वे म व क्रिं म व दे पार्ट म व दे दे व क्रिं के प्राप्त का व द प्राप्त प्राप्त प ર્શું વ્યાવિશ્વાનું ત્રાં સું તા સ

नमरार्द्धे नमार्क्षे नमायरायने व्हानायरार्द्धे कार्ये वे कार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये वार्ये

चार्चुचा,ला.ट.टा.चे.ट.चचुंच,चटंचरांचा चूर्कुच,टरंच,चं.कुं.के.चे.चचरंकुंचका,क्च्यांचारका, चार्चुच,ला.ट.चंचे,ट.चचुंच,चटंच,लांचिवा,जाजाच्च,जदंच,जदंच,कुं.के.चच्च,ट्चच,चुंच, चार्चुच,चे.चंट्च,च्चच,व्याच,जाव्च,च्याच,च्याच्च,च्याच,च्

त्रकात्यीता। क्रि.क्ट्र्यकान्त्र प्रकार्यकान्त्र व्याज्ञ ह्या व्याज्ञ ह्या

त्यम्भःश्ची म्राभः द्वाप्त्रां त्या स्वाप्त्या स्वाप्तः स्वापतः स्व

। ग्रायात्र सार्वियार्स्ट्री निर्देशाम्बर्द्धतार्स्ट्रन् सूयार्य प्रमायाः त्यायाः ज्ञाते मार्च मार्यतः ૡૢૻૡૢૼૼૼૼઌૻૹૄૢ૾ૢ૾ૢૢૢૢૢૢૢૢૢઌ૽ૼ૽૽ઽૻૻ૽૱ૹ૽૽ઌ૿ઌ૽૱ઌ૽ૺઌ૽ઌ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૾ઌ૽૽ૢઌ૽૽૱ઌ૽૽ૢ૾ૹ૾ૢ૾ૢૢૢઌ૽૽ઌ૽ૹ૽૾૱ૡ૽ૺ૱ૹૻઌૡ૽૱ निर्मेट कु 'न्मा नम्मे 'हु दे 'यम हु नमानम्म मे नम्मे मे नम्मे हु मानकमायायन प्राप्त का नम्मे में नम्मे में नम देवाबायर्जे पर्केषादे दायुवाबाया द्रीकाष्ठ्रस्यादे दायुवाबाया दसात्रस्य देवा स्वापन क् ५ वर्षा में ५ स्वाव विष्य के नाम कि नाम के न वचय.क्ट्रें दे.क्.भ्रंट्रे वर्ज्ञ श्रोवर्षे सट्ट्रें थे अ.क्.ह्रट.जीयंश.ट्र.जटश.कीय.शवर्यवर्श. का रेट र्चे न के प्यंते न के प्यंते प्यंते प्यंते प्यंते का प्याप्त है का प्याप्त प्रस्ता है न प मुदे स्विपम्डि हो स्पर्वे स्रम्यादे सम्मान् समान्य प्रमान्य समान्य समान् किशासी तथरा है। बुरार्सियात होराम्रालय ही श्रास्त्र भ्राम्यात प्रमाही र्या ह्रा रायह था हे पर्स् ब तर् वा हो न न वे ब त्या पर्स् ब तर् वा न मा के प्रव त्या के वा के वा के वा के वा का प्रवास का क्रु. वेषा क्रिय क्रि. क्षय क्षिट त्याया त्यां वा क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वा व से ५ से 'रुट'य'ने न'कनमार्थे ५ 'यर'सम्बद्धाः दे 'दन'ने 'यु 'युन'इसमायदट'ये 'दुन'देट' मेर्परादयाईवापाने नामानुषारदानुषाषु कन्षाणि । १०६५ वे न्यास्ट्रायहेन व्रेन्यवे अर्वे क्वार्यये न्।) (अकत्। स्वाः स्वाः सेन्ये प्रवेतः क्वार्यः स्वरः से प्रवे से प्ये या रूट, मूर्य, देश्व, प्रांत्र, यां क्ष्ट, देश्व, यां क्ष्य, यां क यर र् भूर के अरे मायर र कर अवश्यि र में परे पने अमिक महे व नि मो वि र में हे अर श्री र दे 'या र हैं ब श्री द मालू र मी 'श्री 'श्रू भ में द र भी 'श्री साम भ दियह के ब में 'के 'हब 'लिय भ दु ह 'या में द मु क्वित नाम भारत्या के पार्टी निर्मे भाराक्ष यायभावित नी भार्टी निर्मे ही दिया ही निर्मे रायद निर्

द्रात्तिकाः श्री वात्ति द्रात्ता त्रात्ति वात्ति व

भर्रे.यद् तर्च्याम् ज्ञ र तिवियारयम् मा

श्रु ति दे त्या क्षे ति व का क्षे प्राप्त के क्षे क्षे त्या के त्या क

विनापष्टिरपविनायने कुःननान् राष्ट्रमान् राष्ट्रमासर्भ स्ट्रीनासरस्य स्ट्रीटे सर्वेद स्ट्रीटे निमास्सम्पा पर्दे .प.रेट.उचे ज.वि.भ.वी .पि.भ.पी.वी र.भात्म .करे.वी र भ.ये थ.येथे थ.यी ४.श. रेभट थ. याक्षे नमार्श्ने सास् नायमाणी सासन्यान्ति नमित्रा रामिता स्वाप्ति सामित्रा स्वाप्ति सामित्रा स्वाप्ति सामित्र सर्ने प्वते त्वेत्व न्यरमार्क्षमार्च म्हिमास्। नाह्म मार्का नारामरान्यर देवामार्क्ष नामायमार्चेन ततु .भक्क् बे.क. के शका पर्वे . तथु बे.ततु . देशु चोबाली वालचा. तू . शु. पर्वे चो. के थो चोबे बाक्के वा. हे . वर्ष सिर्दे । सिर्दे । सिर्दे भेष भेष भीषे देश देशर शास्त्र भीर विषे प्रति । सिर्दे विषे हे विषय वह र हि र यह वास दे प्राप्त का हिना हु वास वास दे प्रवास के प्रवास के मार्थ के प्रवास ट्रम्तान्ते र केंद्र तर्ं ने बाक्र र क्षे बाक्षी शास में शक्र बाक्षी वारटार भवाता कथा द्या क्ट्रिंगी क्षेराञ्च मसस्य तर् पट्टिसस्य पत्ती सारी विषय पद्मे स्थान हो स्थान हो स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान रेट र्वेदे हिन्दे क्रायि रायर्न ने क्रिंटेंट हें दें रेंदे हें दु क्राय् हेंन् रायर्न रायर्न रायर्न रायर्न राय वेदायर वेदा देवायर वाद्या सर्वे प्रस्थ मा १८५५ वेदि हिरा त्रा पदि के वा हे 'वृदे 'वर'धेवा सर्ने 'पदे 'विन'ग्रे 'व्राध्ये 'श्रें रावग'नर। श्रें 'र्रे र 'वे 'वर'श्रेय'स्व' कि. भक्क द्राक्षाक क्रिया वारात्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास् તાયા.વાલય.4 જાયા.પ્રી યા.મી.૮ જાય.પ્રી .વી.વી.૮ ક્રી.ક્રી.વ્યા.પ્રી .જાયમાત્રફ ૮ જી૮ જાતા.તાયા.તાછુ. યો. नगवः क्षस्राध्यायदेन द्वां गिर्वण्या स्वाप्ता स्वाप्त श्रास्त्राम्बर्दरायासम् । इत्याद्वरायास्त्राच्या मणदार्खे । यास्त्राम्याम् साम्याद्वमा सर्वःश्वेवःश्चे कर्न् न् स्वर्षः प्रःविनार्धेवः याने र्क्षेषः सर्ने प्रदे न्सर्षः नसनार्केदे र्धेनान् श्राभरताझ्यास्यापक्षियास्य प्राप्ता रायाच्चरास्त्रः ह्यासार्स्रे द्राक्षात्रास्याया हे । उत्तर्भाक्ति देशवादे क्षूर उच्च मुलार वात्ते प्राचित्र हो। क्षिर शवावाद श्रम खुवाय त्र श्रम हिंदा । वि.क्ष्राक्षेटातस्रेयावर्षेटाड्रायायायायात्रात्यात्रायायायायायायाया ત્યુદ્દાર્દ્ધ માત્યુદા છું વ્યાયાદાવાનું અર્દ્દાના તાલા કાર્યાના માત્રા માત્રા

यादनात्वनात्वभायादमा द्वे दें गामासुतु न्नावमा दे तद्वे । ८८.भर्षे. केय.बेष्ठ सार्था.केषु रिसबी.रतिर.कुषे.त्रास.र ८.४८४.भी.ब्री.सकूषे.ह्री.वास.कुषे. ८८.जच. ख्रुं भ.च८.६४। अच.अच.श्र.भ८त। ४८.भ८त। २०४१.भ८तःश्र्येचेश.क्र. ख्रे. तचै वा. हुं ८ . चे वे था. चे वे था. र ८ . श्रे. क र . श्रे. त्यय . तयय . चे था. तथा श्रे वे . क वु . जु वे था. वे थ निष्या अत्रञ्जात्त्र्राचिषाः अप्यान्त्र्रायशाञ्चिष्याः अप्यान्त्राचिष्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राचयः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्यः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्याः अप्यान्त्राच्याः अप्यान्यः अप्यान्याः अप्यान्याः अप्यान्याः अप्य ग्री माकि देशवाची माविद्दावरी माहि रामव्दार मिवामातमा कि देशवाची रितेट देगी जावस्वीमा वशर्चर्र्न्सन्। वन्न केन् केन् के र्जे कार्चे वार्चे दाचे दाचा प्राची वन्न विद्या के के येगमाणी मामवराविताताविता है। मानद्रमामाराविताविताती प्राप्ति वितातिता विताति वि यदः व्यमः हो नःयः नद्याः न्यमः स्राम्या स्त्राम्य । स्त्राम्य विष्यम् स्त्राम्य विष्यम् । स्त्राम्य विष्यम् विष्यम् विष्यम् । च्रित्रातु र्स्ट्रिं प्रत्मवास्त्रिरासर्गे राद्रेवाया द्वाया स्वाया राद्रेवाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्व चि. पथर क्षेत्रशं भवतः भ्रात्वितातः भर्षे अस्य देशरसार्भात्रमा क्ष्र्यः भ्रात्रे अस्त्रे अस्त्रे अस्त्रे अस्त दः दे तिवाययात्राय्त्रे वायाचिया हे त्ययाहे राञ्चात्तात्व क्ष्याय दे वायाया से से रा क्रिवालक्क्ष्यमान्य मान्य प्रत्याची प्रमामान्य मान्य मिनान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य मान्य म तृ 'वि ५'दे 'वन'यम'भे 'दे 'दे 'वि ब 'द्रभर 'द्रि नमा के माहि ब 'भे 'दु न' खु 'दे 'नसु भ' वर्डे ब 'द् ' पर्वा (र्वे र क् कुवा वर् क्रिं पर क्षे पर्वा पर्वा पर्वे क्षेत्र क्ष यसर् मिने मिषायारे ५) दे बिषारे टार्चे साधि वयर से किंदा हो टबा मिने पाये प्रहें वाय हुटा न विट वर्षे चे सार्थ स्था सकूर सार्व हैं र कुष रत्ता है र तह जाया चीह हा सक् विकास

ইংস্.প.চ.ছ.৯১.ছি.৯৯.ছি.৯৯.ছে.৯৯.ছে.৯৯.ছে.৯৯.ছে.৯৯.ছে.৯৯.ছে.৯৯.৯৯.ছে.৯৯.৯৯.ছে.৯৯.

१०५७ र्ये ते र्यो सह मा हे रायदे र र र र हि अ स्थान कु य र ते र ख मा र र या अ साम र र र या कि स्थान के र या

मु अदिमालु मन्नासर पर्वे पर्वे विदादमा व्याप्त स्वाप्त विदे विदास पर्वे न यदे 'रट' क्षे र'में 'अर्कें ब'क' क्षें 'में 'ठंब' यट' अप्यू र'यर' अद्व'र्वे दु 'कंट' अ' कु 'वृब्द ट'व् 'हुं द् मेश र.र्ज् ते.तर्ज्यारेशरश्क्ष्यामेषेट.स्मेश्रामेषट.यद्य.तर्ज्ञ र.ट्र. क्षे मेश्रामेश्राज्ञ मार्था स्वायाययार्चे वास्त्री नार्के माने मार्से यार्च मार्च मार्च यार्च यात्यार्च यात्यायायायीयार्च मार्च ज्ञचारानावर्षास्य सामे दार्श्वनायायार्श्वनायायी । द्वायाया स्वास्त्र निर्मात्य । यहार निर्मात्य स्वास इत्या मूट्र भार्येट्यार्थेट्य थायार्थराई देविताताई ब्राह्म में है विया में ट्राक्य विश्वा यर्दर्वहार्षेत्रप्रम्यार्थाः दे त्यद्वः स्रम्यार्थः स्रोत्रान्त्रम् यात्वे दः स्रम्यायायायायाया यमाञ्च प्राकृ राकृ प्रायदे वाषापर् वाषाया दे वाषाया दे वाषा वे राक्षे राक्षे प्रायदे या के माया वाषाया व र्में द्रमान्त्र के नान्ता प्रामान में निक्क ने प्राप्त का प्राप्त ने नामानु में निस् मार्ने नामीन में प्राप्त सवर मित्र मारा मित्र हिना संकिता प्रवास के राष्ट्र में हिना में दिया प्रश्ले मारा मुनाया के रा चे ५ पति व से हे व के वाम्य वास्य राष्ट्र मिर्हि ५ में वास्य या में १ से या वाप राष्ट्र रायवा देर चेश्र र हिं दे कि. कुद . श्रट . कूच्र अंश केश में श्राचिष केश में . श्रु श श मिं टें ट . यर . ट . प्रट . कूद्र . त. श्रु श लट.शबाह्म असून में प्राची असूब त्त्र में रे में रे या प्राची स्थान के बारी बारा के वारी वारा के वारी वारा के व यम्यामे त्रायायये यथा स्थापन सामा हेरा में राममें रायक मामें राष्ट्र राजिया सरमा क्रमा यह्रवायते खुरासाह्र सकेवान् रायानावेदायायकार्स्यनायकेराद्वे रात्वे काण्यराह्वे पर्वेदासे राये तर् निषा है हा। त्रि कुते ग्या विदे हैं पद क्रिवाय विदेश हैं राष्ट्र क्रिवाय है राष्ट्र क्रिवाय विदेश हैं राष्ट्र क्रिवाय हैं राष्ट्र क्रिवाय विदेश हैं राष्ट्र क्रिवाय विदेश हैं राष्ट्र क्रिवाय हैं राष्ट्र क्रिवाय क्रिवाय हैं राष्ट्र क्रिवाय क्रिवाय हैं राष्ट्र क्राय हैं राष्ट्र क्रिवाय हैं राष्ट्र क्रिवाय हैं राष्ट्र क्रिवाय है यान्ना विवे से सन्वरे मान्या के बारे विष्य के मुमानिक कर की मुमानिक के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के र्वाः स्र र वहें क र य र अ अ र । र अर अ र वि र य के र वि र वि क र वे र य र र । अ र वबर र्वेदे 'मुष'वस्र रुद्र दहे व 'वबुर 'चुष'वष' कु'वर 'दु 'द्विद'दे 'ख्वेद 'प्येद 'द्र ग्वर'व से ग्र यहूरितार् मा परार्टा भारमायार राष्ट्रियार मान्या विकाल हिमाने हिंदा रहा हिन सार हिंग मा क्रुवायात्राम् ज्याक्ष्यातवावाने दायावयात् म्याप्तात्राम् वियाययदायात्राम्ययादे वे मे याद्रेया योष्ठे मामक्रीतमात्वराचार्टा विष्ठे हिटाक्षियमास्यावराक्षिययार्थस्यमान्या દ્ર. મું વા. મું . વાર્યા ત્યાં વાર્યા તું તું કે વે. ક્ષા તવું તામ માથું માર્કે વે. વિવાશ માર્કો વા. વાર્કે દિશા ક્ષેત્ર મા यर्ष्ट्रभाराने बारे त्यवाणिर तर्त्वे वार्यर बार्ष्ट्र रामव स्वे वाबा विषय । १९५५ व्यंत्र हे राम्च पर्वे वार्य ततु .क्र भायक्र.र्ज .लभाभभाशी .ह्र ट.पू .र्ज .त्योशीभाग्री .श्र .र्जे .योक्र.योथा.श्रु योथा.ग्री भायोशट .यतु . मूर्यास्यायर्के राट्टा पर्वं यार्के दार्के श्राष्ट्र वी.ची रात्रास्य वा.ची राजी राजी दार्जी पानी राजी राजी राजी वयानीरास्वरम्भे मायक्र्यार्झे राजार्रम् मृजाश्चरायक्ष्यार्थे । चे प्राचरायक्ष्यार्थे । चे प्राचरायक्ष याद्मस्याण्यात् कुष्पदार् स्री पहिंदायास्य न्या प्राप्ति के ना व्याप्त स्ता क्षेत्र विया कु ज्वा न्सरळे न्या श्रेन न्व र ने यान्यमा से न्याय हे नाय सम्बर्ध । मक्षे र खे दु मुख मु अर क्रुवाय इयय क्रुवाय पर्टेर खेवाय के र पर हैं र प्रटा र रे रे य रूट मूर् है प्य विशेष. मुभाद्रमायरमानु मु । चुमाये । दे १६ मार्क्ष नमाय द्राप्त । वर्ष । मुमाये । वर्ष । दुमाये । वर्ष । दुमाये । र्टास् देटाक्टायहेरार्टाञ्चनायाविमा र्व्नाया हे स्मन्याविमाने यळेन्यायर् रावर्र्ह्न यारे दा के निषायदे तक निषा की देशवा ने साम के मूर्य भारत है मा के स्थान के मूर्य के मूर्य भारत है मा सर्वः भू चेषाः पत्रे दाया स्वारा पत्रे सारे प्राप्त कर्षा केषा पत्रे व स्वार्ध क्षा त्ये चेषाः वि.कैं छ अम् तक्षमायमारे त्यामी श्रार्यहें यता सममार र र त्यं ये के रमपीर तामा है र ततु वासारी हि क्ष्राचवाततु र र प्रविधायक्ष मार्थ र से प्रविधायक्ष मार्थ वासारी वासारी वासारी वासारी क्र्यायास्ययाति म. मु र. मु या ते . पूर्ये मैं यायाता क्षे म. मरा मरा मी या पर्वे रा तया क्या यार्थे या શું 'કુ'ઽઅનુ'ઽ૮ 'યશ્વરે ૮'ય'વક્ ૮'કે નુ'ક્રુઽ'ડે 'વશ્વડ' ક્રું 'ડ્નુ'ને 'અર્દ્ધેક' દ્યક્રમ્ય સ્ટ્રંડ 'યેક' भर्मे त्रश्चराया ३ भूषि मृत्राचित्रत्वे त्राचे त्राचे तर दूष त्र्वे र तत् व्रीवाक्षण हे. मिया. मिया. भारत तम्भी रायसामिता काराया है। मुर्ग स्वार मिया मिर्ग मिया है। मुर्ग मिया मिर्ग मिर्ग मिया मिर्ग मिर्ग मिया मिर्ग मिर्ग मिया मिर्ग म विनाःसनरङ्केतः से नि गर्धेन पर्ने ग् प्यम्स मिन्दिः है साम्य स्वराहि स्टाहर हिन रे विसा गरे र दे दु से क्र रस ने ग में भ र दे ए र से भ मु र विर र र मार स मार विर वे र पर रे र प में राममें प्रसम्भायमा में रामे प्रमाय के राप्ता के राप्ता के राम् प्रमाय के रामे रामे रामे रामे रामे रामे रामे ब्रिन्द्रम्यक्ष्यभावस्याची विद्युराहे हे यासु हि गया विषावर्षे प्रवे से या ही रासे गानी यापहा द्रभ.मी ४.८ पी भारत सिर्भाय ४.८ की प्रात्ति भारत भी माना मुत्र है ४.कूरे. दे चो निष्णु निष्ण चे हरा निष्ठ ना नी षास्पर्नी स्त्री चे निष्ण हे कि वायस द् निष्ठ । विष्ठ दे राकु दसना <u>२८.जबाचे २.त.क्र.भ.क्र.चेर्ट विषाणिरावोग्र रार्ज विश्वाम् ४.क्र्रम्</u> र्यरम्। विष्यः के न्यतः हिष्यमः सी जित्यः में माना विष्यः है। जिता ही र्याप्तः ८भग. थे. पी. लू. त. मु. क्षू. भाषकूष. क. चमू जायमा कि जायमा मी. जमा मी. जमा मी. जायमा मी. जायमा मी. जायमा मी. षक्षान् रार्थान् रास्याने प्रस्तान् प्रस्तान् स्थाने स्थाने प्रस्ति । स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थाने स्थान ततु अकूष क. वि. चंत्रा तु वा ग्रीट ही र प्यर्वा मृ त्या ह्य प्यापट त्यू री क्र का पश्च प्रकेर हु ब कि वयात्रामःक्रुवायात्रामाः माने पाने पाने पाने पाने माने माने माने माने माने माने माने प्राची माने याया काञ्च म्मान्यात् अन्तर्यास्त्र हे मास्र दियास्य प्रति व्यवास्त्र न्यायक्षेत् म्यावस्त्र स्थान् स्यादेश यसः द्वे ति र दे से पर्या स्राप्या में र खे दु र्देश यह या द्या मी या कु र समा दे र मा मी मिर्टर चर्मानाः ह्रे प्यचपायहे राहार्चा चिषासवरायसे राष्ट्री राष्ट्राचा सामिता स्वार्म राष्ट्री राष्ट्री राष्ट्र राष्ट्री राष्ट्र राष यदः तमार्चे तम्हरमायात्रा वार्षरासे दुः वित्रम्यायक्तराष्ट्री हो वार्षरायारेता दे हे मा मिशे र खे तु 'त्रमत्य'त्रमा कें 'यु य' की 'हे 'यर थें त हि । यु य' की 'त्र प्यह क्रुं हे 'र यह तु 'तु ' भानर्वे वी.तर. (क्री.भक्ष्ये.ये .८भवी.पच्च. क्रि.मूची.क्रि.मूची.क्रि.म्.क्र.वीश्वर.क्रि.मी.पटु.क्रि.मी. किर व्यय दिर प्रताय का पीर क्षार क्षार प्रायर विकार्र ये। र विकाय बेर वित्र क्षार्य यो पा यवशाने ही श्रायाम्बर्यान्दरम्द के व्हे न्यास्यायह न ८.४८.कू. ई श.र्थे.४सेरे. देशाधेवावेशायञ्चयाञ्चायत्रात्वरात्वरायाः व्यवसार्थरा वार्षरावे युःत्ववावी सक्वायायहं सः श्चिर्द्रमण में र छ याप्यम्य यार्थित। यदे स्मित्र ये र र स्मित्र या समित्र मुरा धेवावायरासर्वेवाकाने पर्ायावीयायायप्रदराह्रे के सराके पासर्वेवासे राया ह्रॅं ८'धे ब'यश'यवय के वाबरायवा स्वास्त्र क्रां ब'यो ब'री द'या दर कु'द्रसम्'यशद या स्वें वे सदय तृति क्षेत्रामुष्याचित्रा ने राता किरिषया मुष्यक्षेत्रायत्तर याता मुष्या ने त्या भी या भी या भी या भी या भी या क्रु.क्रर.चेर्ट्र.चेर.घपस.चेस.त। रेट.च्या.चेस्रर.कुं उ.रेश्चरस.रेशच.श्रट.कु.पर.के.रेशच. में बारे रास्यकार्मी सर्के बारे प्यरंस्य राष्ट्री राष्ट्री रायासर हिमा हा बाकी बाकी बाकी रायही रायरा बा श्री दायश नि समात्दार्य दा स्वामानिक मानिक र्श्चे र र्श्चे न्यायस्य वस्य पार्टर र्यमा त्वयर्ट्य ग्री सिंदर ने याहे न्या सुटा द्या त्वयाह्या वचन इया हे वहूँ समार्थ किंगा विश्व र किं ते श्री निषट मार्के सावह व में वाह मार्थ र किंगा यम्रेट द्रम्म त्विय यायहे म म्म कु द्रम्म कु द्रम्म द्रम् द्रद्रा यम कु द्रम्म निर्याणित तक्षमात्री ने न विषय क्षिन ने किया प्रहार निष्या निषया क्षेत्र न विषय क्षेत्र न नु 'चु'नःङ्म् न'यर'दें र'नःर्क्षेते 'स् ब'नसु'न'नर्रा अ'यदे ब'य'से वार्षायानहे ब'ने 'न्चु वाय'न्र इसायायवना चिराणी वाना पर्शे रार्टा क्षेन्या वा वहूरा प्रथा प्रांति । वि प्रवे वासार् यहरमान्यादे 'द्या'ची मार्चे यामायदे 'सद्य'सळे न्दर'ने विन्दः रे यामा न्दरमान्या प्राप्त स्थाद्या चिर्च एक चेश्रास्य व्याप्त राष्ट्रे तु विवायर किटा चवा कुटा रेटा वा विवायर कुटा विवायर किटा विवायर किटा विवायर ह्रयम। नम्र र. हे तु 'द्रमरम क्रिनम ग्री म कु मन 'द्रमर मन्द्र र में या ग्रम या क्रियम। मिले 'दे अ'न् 'श्रेन्'मिल् ट'मे 'अश्चि'य'हे 'यड्'अटम्श्रमिलं मिहिर्स 'ग्रुस'ग्रह दे र'स्टि'य'मेडेम् यिट.भ.रीट. क्षेत्रया मुट. चर्चे याचे प्र. चे प्र. कु. के. कु. के. के या है या के या की या की या कु च्र भाव भार मार्च र मो कर्ये ना भार है ना भार ने विषय महार माव भार खु या मी प्राय महा कर है के रि

द्रभःमुद्रान्त्वंदायान्त्रमःक्ष्यात् प्रत्यानुभःम्निनात्वेदाक्षेत्रप्रमाभुद्रापदाने भाद्रमण्डप् यार्ट ख्रिमाहमायादे क्कि श्रु रायर विषय में या ग्रुषा है पदे विहम् सार्थ मित्र विषय विषय त्रवा रश्चरक्र्यायार्थरात्रव्यात्रक्ष्यात्रात्रात्रव्यात्रक्षात्रात्रात्रव्यात्रात्रव्यात्रे रट.रट.मी.ब्रि.भि.भी.की.की.इस.८ट.६.ब्रूर.जीच.चेशीश.श्रट.कु.तर.तटच.मु.कैच.८वट.श.वींट. चरः स्वामाञ्चेषाः दुरः नमानेषाः निरामी कर्षे माय अवः यन्तरः विष्टे से राष्ट्रभावयः अवः यायाः निरा जिटाइ. ५ . पक्ष . भर . तृथा. तृथा. पृष्ठी . पार्टा विवालिया. तृ विवालिया. तृ विवालिया. विवालिया. विवालिया. यर्वार्से से रायमाष्ट्र र्राष्ट्र रायदे माने वारायमें त्ये रायमें से रायरायमा र्से विसास्वामा र्जे मा खुर प्रदे हि इसस्य प्राप्ट हिं हु ५ से से ५ प्रस्पात्रों सर्हे न्या ही सास्तर प्रदे ५ पर ने स क्रिं अन्यर पर्वे न परे रे क्रें र क्रें र क्रें के अवय पर्कें र हे ख़िन खेन के अन्य न रे र अन्य उक्क चार्या चीराया प्रत्या हि न्या वारा अराहि या प्रत्य वारा अराहि राय वार्ष वारा अराहि राय वार्ष वार्ष अराहि <u>२व.4शक.८ट्ट्रचेक.५.तत्र.कैंच.शर.शकुटक.वैक.वेक.२शच.शुद्र.चट्ट्रट.त.शकुटक.५.</u>८४८. म्यार्चे दातात्वरास्थित। स्वायार्ग्यायार्ग्यास्ययास्यास्यास्यात्वास्यात्वास्यात्वास्यात्वास्यात्वास्यात्वास्या शर्च र.शूर.श्ररे.तपु.कै.लै.क्रिय.तपु.कै.रेशचे.रेर.जश.वीर.ताशर्घर.पत्रवातह चेथा.वैर.श्रेश. तार्टात्नेवार्द्राश्रेष्राश्चित्रं वार्षात्रा क्षेत्रं भी वार्षात्रं वार्षेत्रं वार्षात्रं वि वार्षात्रं शहरावस्वाहिराष्ट्रिक बाह्य स्था स्था प्रदेश बादा हिंदी है रामरा सुनाया है नया बया पर् वियान्नेरातार्टा विषयाच्याळ्यात्र्यायक्यायरासाचरा यह्रमायन्यान्नेरान्नेराक्ष्रमास्रायमार् ८८.भट.त्रम.क्या.तर.वृरा व्रि.८८.र्तियम.व्या.क्षमम.क्या.क्ष्यम.क्रू.म्.व्या.व्या.व्या. में ५ प्यति व मार्च प्राया १ व स्वास्त्र व व स्व व पर्यास्त्र वर्ते त्व्य विषाने विषयात्व स्थाने हिया के विषय निषय स्थित निष्य येशराई दे.ह्.ज्याताक्ष्रकंश्राययात्र्यात्रयात्र्यात्रयात्रे देतराक्षेत्रक्षा वस्तास्र रहे या क्षे वाषात्रक्ष्यात्वे यावाराष्ट्र प्रकाष्ट्र वाषात्र्याय क्षेत्र वाषात्रे राष्ट्र वाषात्रे राष्ट्रे वाष्ट्र राष्ट्रे रा म्जाञ्चर्या स्वाप्त स्व अट. झे. पर्चे बा. हुं ट. चे बाबा बाबा बार पर कार पर अप के कि कर अप के प्राचित कर के कि कि कि कि कि कि कि कि कि यासटळ्यामान्त्राची मान्दरासे दावना द्वाना निवास मान्दरायम दाया है या सारा स्वास मान्दरा शर्त्र्वायारात्र्यम् वायायायहे नाया स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स्त्रुवा स् शरवो रशरा वि वा पर्ट्र व पवि व प्यर पर्वे अर पर्वे श क्षे व श ह्वे वि अ वि व ग मृ र्वे व श हे पव र क्रुं न 'यहा अ'यहिं न 'ग्री अ'यहिं न क्रिं अहआयहिं न 'प्रके 'न अहआयहें 'हे न 'प्रके 'में अ'यहिं 'हे न ' । वृष्टः भी ता. १ व्याप्त न्याप्त न्याप यःश्रूष्यश्रात्ताः त्वत्रायवे त्यावे शाक्ष्यायादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्वादः स्व क्रॅन'र्ट'क्रथ'अ'यरेर'विर'वेर'ऋयथ'स्। रसर'ळेन्थ'र्सन्'रस्न'रस्ट वे 'र्टेक'रेन्थ'सेर् ततु स्यापात्र के प्राप्त हैं था है त्राची श्री त्राचा के भावहूं था तह या ची तथा ततु श्री श्री भावा चि भावा वि महिर्यादर्भ अर्थाभारे त्याराक्षे अर्थे हे हो हे यादर है रावरावह ने प्रवासी यमामुन्मासु मिन हेम। यमामन ने वे मार्डे विम्न यासम् रहे हे पवे सम् राये धिन प्रमा लर. र्जू ब. पूछ . र्ज्य ब. श्रे. व छे. ट्र. र्ज्य व स्त्रा स्व प्या तथा है व प्य तथा है व प्य है व स्व प्य है व सिवर की 'यन 'दसर 'दर्भ 'ये द से द नम्या देर सार्हे नमा कर हैं नमा कर हैं प्राप्त हैं 'पर्द से प्राप्त हैं पर्द से पर्द से प्राप्त हैं पर नित्रिं अत्राह्म निक्षा है से प्रति वी पायर स्वाप्ति वी का भी का अवस्या के दि स्व यम्यायःविषाः चुर्यान्त्रयाः स्रो प्रताय्याः चे प्रया विष्यास्य प्रमु त्याने स्याप्ताः स्याप्ताः स्याप्ताः स्याप गर्भे ५ सम्बर्धे बर्धर वर्षे बर्धे वर्षे वर्ये वर्षे व वर्द के के क्या है मारक के मिया विस्रामि के निर्देश मित के का तु मा निर्देश के कि निर्देश कि निर्देश के कि निर्देश कि निर्देश के कि निर्देश कि

क्रुचेबार्टियाचिष्टाची बाजवाची वाजवानु राष्ट्राचे वाजवानु राष्ट्रिटाली बाजा प्राप्त दे दी. पश्चिर सारे वार्श्वर कु निषाय कार भवा से त्वाका में व्हें के सिर्द में विषा है। वर्ष्ट्र में प्राप्त दे सिवद पर्भू र वश्रात्मी वार् पर्मा श्री अत्वामी प्रमाशिषा है मो श्राम्य मार्मा प्रमास मार्मा मार्मा श्री शासी वार्मी र स्वामी वार्मा प्रमास मार्मी वार्मी व तर.येलका.मी.च्रिमी ट्रे.प्रे.येषका.तपु.ट्रमय.मुका.च्रेका.चर्यातर.ये.च्रेया.पस्य.ट्रेयाद.प्रस्था प्रचेष म्री मार्च व्या क्षेत्र केष केष के रु ख़ि ब यश विश्व स्वा अत प्रित्र हो ब हो र्ये द ख़्य दे र प्रवेष हि द द द र सवा से र्कें वाद से दिवेद ग्री क'पर्स्र क'रा'ने 'मञ्जू मार्था'मिले दे 'सु म'र्चे 'से मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ 'सार्थ 'सार्थ 'सार्थ हो सार् म्रिस्रमान्द्रन्यते क्रिनासक्रम्भान्चे यमायायसाम्बन्यम् नु न्सरक्रिन्मामे पञ्चारान्सनान्चेनः दवालाचित्रात्तृ के ब्राक्ति त्रास्त्र के ब्राह्म त्राह्म हिना हिना हिना हिना के ब्राह्म य विवासे भा हिरासुवे दुराके 'वे भार्तिर हु तु 'वठभायाक व हो दा ग्री कदाया है 'से मिया रेरा कुरमनाने मरे पर्दे र्चार्येदे स्वार्चे रायाने मममाम राये दुर्वे नार्मा रमर.चेशूर.८८.चेशूथ.पर्वे८.वेश.त.क्रू.जयर.र्झं चे.ब्लैट.भथर.चेशूर.पथर.पश्चेश.त्रूर. वियातात्र्रिमार्च्यात्रा दे त्वरात्रेदासम्बन्धायान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य विवासा स्था द्रश्रभ्रद्भः विष्यश्राक्ष्यः विषयः ल्रा रर्देश्रे ब्राह्म बार्षे बार्ल्ड बार्म हिं बिका की रिकार रिका की का बार कर हिं ल्या की रिकार हिं पर्जूच,पर्शं र.वेंश.धे। वाश्र्य,पर्वेंट.वेंश.त.रवा.प्यावा.धर.रश.पर्श्वेवाश.रट.उच्चे जाटू.जूचा. श्चिषायाळे वाराचे रावार वाष्ट्राती १६८ वार्ट् ट. स्री राट्रावी वाच्या के वाच्या के याच्या के याच चर.चेश र.र्ज दे. तूर्र रेशचे. १ क्षात.क्ष्याचा क्ष्याचा क्षात क्षेत्र क्षात हो चया चर्ष राष्ट्र हो चर्चे राष्ट्र स्था की. रिश्वतातातव्याम् तान्ते राक्तियाः श्रेचान्त्रमा विष्यान्त्रमान्त्रात्वराम् प्राप्तान्त्रात्वराम् । ८भग.८तिर.७५ ४.कु ४.कु ४.४.ई ८.७ घराता ई.टी.खु व.चु ४.क्रू ४.क्रू त.क्रु ८.भगू.वर्शना

मूर्तातमा वाम्र र द्वे त रमवाची मारमवाचारमार रामर तम्म कु मार वी कि मार ही हिर जरमान्यावापार विदेशमान्य मान्या स्थान स मैं या द्या हो । वे वा सर कु न्सवा यस सर् वा क्रीन वार्ने माये वा सा के रान्से वा सा सु वा निता है । यमर यम। वि.क्. रहरमा मुनार हो र तर्जे निर हो र यम रहमा के निम ही रही या रहा हिलाग्री 'नसना'न्यें न त्या 'नु 'न र र सान्यु सासन्य हिन्य र या के साम्री प्राप्त के न ये साक्षेत्र। वनवायन्त्रम् सार्वायाचे वाचे स्वायान्य मान्यायाच्या स्वायाच्याचे वाच्याचे वाच्याचे वाच्याचे वाच्याचे वाच्याचे व यसु या दे प्रवाश्यक त्वार ही र हिं वा की ही दासह को दे हु ह दू पर्दु व दे हि र हि कर है कर र र र र ब्रुकास्रेच.र्रेच.धे.त्तव.क्र्येच.ह्रीचाकाचाद्धेकाश्राः श्रम्ट्यः स्रेचकाक्यः रिश्वच.त्य्रं सर्वात्वेचा.तत्तरका त्रात्र्रात्रायम् वामे का स्वरास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास्त्रमास् लट. भूर. पश्चर. भूर. की था की रिश्वरा पश्चरा राष्ट्री रायदा राष्ट्री या राष्ट्री रायश्चर रायश् सुसारु 'प्यमासमाप्रदेश हो हमारे 'रेदे 'हिंद्' से सह दें 'हू 'पदे 'यस द् 'पहर पित्र में प्रो मारेर' हे दु न्रमम् अन्यकार्थे अन्तरे से न्यते से के अर्थे हो न्यन्म वहारी के रामस यरे गरा हे राया हाय क्रें या या र्श्वे गरा हे राय वे मध्य मार्थ मार्थ राया है वे स्थान રે 'રે તે 'ફિંદ્ર' નાશે ર'ફે લુ 'રદ' શુદ' દ્રશ્રન 'ને શ'દ્રાવ 'શ્રદ્દરશ' દુ વ 'ર્ધેદ 'ગુે શ' ફ્રાંદ્ર સના 'ફ્રિંદ' शर.तृतु .बार्ट्र त्य् बातवयतहर .चं बारा श्रेट्र विरामगा कि. रश्चाता कु अराक्ष्य शास्त्र थे. र्वेनाने। ही रायर्वे याचे रकासरा ही दाद्वें का हु रायादरा। वेदादसना यादसना यहा नादरा त्रात्वराम्हेरायाम्सुस्यायराने त्द्रि र्स्र्माः क्रिं सारान्यासान्त्रासान्त्री क्रास्क्राने। क्रा रसरायार्सना स्नामा के बार्या प्यें राग्रामा रसना तसना रे ते त्या प्ये बार्ये का ग्री में ना सर्वे मा द्ययायाचे प्रमासी रामरावर्षा यामरायवि वासे प्रमायस्वात् प्रमायस्वात् प्रमायायस्य

 क्रियमान्सराक्ष्मियान्समान् याद्राज्यमायायन् वापरादे वापरादे वाच्याः हे .कैं थ.पश्च ८.८भवा.उचव.छे ८.तर.जू ८.८भवा.वा .८भवा.केवा.ई८४.८८.४.८छे वस.सूर्वास. वालियावहुनानुराने क्षेत्रिन्याके दानी यायर के वाद्राद्राह्म वाद्री दायहिता अवस्तर के वाद्री यायहाया ग्रट कु न्रम ने या प्रवाप प्रहेट के न कि न्या या निवे न्या ने न्या या निवास के स्याप के स्याप के स्याप के स्याप र् .र्स्ट. दे .र्था. उच्च . चे ८.तषु .स्थाता पश्ची ४.४४। व.च्याश्रयाता त्याश्रयाता त्याश्रयाता त्याश्रयाता व्य के व.मी व.चोर्य ८.त.म जावितवामी वार्षात्राचा श्रवासी वार्षे र.मू जामी ८.मी ८.म न त्रात्रा लावितासी वार्षे वार् ५ सन् भी ते '५ सन् ५ में का के र '५ से नाम पर्या ना ५५ 'दे 'दे 'दे 'ते का की का खाया प्राप्त प्राप्त र स्था प्र चर्गे र 'यर्रे सम्म हो र 'सम्म सम्म र सम्म प्रमा प्रमा प्रमा में माने हो न हो माने हो न हो माने सम्म माने सम्म ही र पर्वे य प्रमा ने नमा नमार के नमा निमानी मनमा नी स्त्री प्रमान के स्वाप हो नमा नमा स्वाप में स्वाप स्वाप स बर् बाली बाकातार राष्ट्रा अर्य वक्षय क्षा बार्ष्ट्र क्षा वार्य विषाय राषा वर्षा स्थार सवा. म्राचर्स्स र.म्रजालट.लट.चेश.क्रेथ.वोश्र र.र्ज उ.रशरश.रशव.क्र्.वोलेज.श.रथ.ही र.पर्वज. श्रे ने न अन् से न है। या नव्यानव्य न् ने साम्री या विना में या में ना ने निम्नी न ने निः ह्वरः क्रिं द्वाने दिः स्वापादारा मलकः क्षे दिः क्षे याद्यमा क्षेत्रः यमदः षाकः पाद्यकः हि करे ह्राप्टिमारी ही तिराहर ही तिरायवशारे रात्ट्राष्ठा वितिन ही तिराह्मी शुरी राह्मी ही तिराह्मी श्री दे प्यायना वर्षाति मिट्याली मिट्ट माम्रा रातस्टार्मी पूर्वारा ही तिरास्त्री भूतु सातवाचा वर्षायालया सा चित्रचाची प्रचर रच् स्था के सामदे से पि सम्मित्र में मायद स्था मायद स्था मायद स्था मायद स्था मायद स

त्रवेष.क्री मानोष्यात्रितामानमास्यास्य मुत्रक्षेत्र हित्सु । ह्या हे वस्य देट हि स्थासे स्यासे स्यास रमनार्धरक्षे बर्ध्याक्षे बाबायरे रामेवार्दे रामेवार्दे रामेवार्दे रामेवार्दे रामेवार्याः वाववार्ये प्रवर्ग का रमनासमभाष्ठ मक्क. र्ह्म ये रटा भाषा से दी। इत्या बटा सूचा जा सूचा सामी क्या तह की हु ची सा ระวัรราทพาพะาตาคพานั้าชูานาระานมาติรานานอพานั้ร | ฮูารมฑาระวัรานารมะพา भघर.चे.ब्रैट.रेभव.ब्रेथ.परेथ.ब्रैट.व्रेर.भ.चेंच.तर.वोलीज.भ.के.रेभव.ब्री.लव..थे.क्र्राईपमी द्र :क्रुंद्र :बाकु बाला ब :तका हूर :स्राह्र :क्रुं वा :वाकु बाह्य बाला वहूं बाली बार श्रम :वहूं हा :चे बाला ह यमासराङ्गे सायह्र परार्वे पावनान्त्र नात्रसरान्स् रायहरायात्रा विनान्त्र नाम्स् रायहरा विवर्गा मुर्ग राष्ट्रे दु 'द्रमम्' के 'र्ज्जे म् 'क्षे क् 'र्जु 'द्रदेव 'द्रमम् 'व्यवा बद 'वे दर्ग 'स्रवर्ग स्। त्र्य कुद क्रिया पारि मारी मारा में रासे दु पु निमम् मारी प्रिंत खना हे मारी प्राय निमय च्.वर्वासार्यार रहा रहात्राचारा या.हो। यीय.चारा ४.भग्नेय.चर्याया.सी. बिन्ने र्ने मर्ने याने न्यर दिन्। केनियानिहें याने प्राची याने रया रामे रामे प्राची रया है या ग्री सं में बारी का प्रीटा संचका जा चाका मूरा का री टारी हु बारी मुख्या मुख्या है । की राम की जा है चाका ग्रिटार्ट्रे र.भथभार्टे .पथच ट्रे.यंभार्ट.पञ्चे जाञ्चे पश्चेर.भ्राम् ये.लट.पञ्चेर.क्.ज्रं यार.भटचेश. इया क्र्यायायारे या ग्रीयाची स्थापरा निष्य में में ति ते प्रामी निया सामा में मार्थ मे न्यार न्दरन्ययायवदा याचे। युवायवदायठवायायसून्यस्र रासुरान्युवासन्यक्ताने प्यवन् त्राक्ष भाग्ने व.मी व.मी का श्रु मार्ट हैं में में का तसवा में रायर ही राज्या है हि लि व.से लि वे वे वा वह र अप्राक्त्यियाके या भी या मित्रामी क्रायम् राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र या स्वीया स्वीया स्वीया स्वीया स्वीया स्वीया

नगवः चे र वि र वि क कु र पवि क अमी क पचु र हो । के अन्वे ग्रान्य कर का वि का च र क का क्षे 'अन्य क्रिं मोर्वे बाबु में मायवा मानु पठु ना मिना कु 'नु अमार्के नुषायमा अर्गे 'सू मायमाधी बाहे । घर। गर्भराष्ट्रे तु 'न्सरम'न्सम्'क्सम'ग्री म'न्सर के नमान्सम्'वर के प्राप्ते 'प्रमा वयार्या के वार्षे वार्षे वार्य प्राप्त वार्षे वार्य के वार्षे वार क्रिकामालकायाञ्च रायाक्षेत्राकाणी 'द्यराची कामाके रास्ट्रे खु'द्रक्षमाची 'स्ट्रें यकास् मकासे 'लकादु 'सु रा कु. शर. तथ्या. हुं. यट. शर. उपिर. पश्चिर. येशी देया. जेश. येशर. वं उ. रेशर श. रेशय. कु. श <u>२४२.क्र</u>्यम् ४.८४म.ज.ज.ज.वहार ५६.टी २.मी ४.६.५ .२८.चम.५५ .पद्म.हूर .लू २.म.चद्ज. दे दे दे दे रूर्य अदाय दे वा माणुवा वा पाय दे वा स्वया दे वा राष्ट्र माणा दे वा माणुवा वा वा पाय दे वा वा र्तर.कु.क्र.ह्.उर्र.भटवाय.ह। तर.ब्रुताचिय.ब्रा.वातीतायत्वात्त्र.वाच.वार.र्भवा. च्नाबार्ट कुं च्नाबाय वीं टान् रके उधारमा कुं महिन्द्री अप कें रामबार के रे वि में प्रीमाय है। क्रु. व्ययमार्थ माण्ये मार्क् मार्यो चारीका मार्या चारा है मार्थ म चे दु अट क्वें न्या पुट व्यय हो द व्यय दिने क्वें क्वा हो कि वा के क्वा का क्वा वा के का वा के का ड्रे उ.८भ८४.८भया.क्षेया.ठ.ह्र. ¥भ४.८भ४.ह्रियाया.क्ष्याया.त्र.भयू.ई.४.८यू.४.क्षेता.क्री.वि.८. पस्यान्त्रान्त्रे न्यारान्त्राच्यारायरास्यास्य स्वात्रान्त्रे व त्रात्रान्त्रे व त्रात्रान्त्रे व त्रात्रे व त ततु .क.भे थ.स्थरा.वरा.वं टरा.वरा.वर्षे थ.सें ट.हें .शकू वी.वीं ४.ता.वार्ष्ट्र दि.ता.श्र. ही ८.तर हि ४. म् । पर ही राक्षे हो मा नि । में । में । मह राज राज राज मह । मह राज मह र श्च 'दसरम' श्चे ५ 'वाल् र 'वी 'वर्षे 'वि ५ '५ र 'व्व र मा खे ५ 'या खे र 'य ग्वा मा मा र प्रें या गार्थे 'वार्के र चढ़ ने दे हैं वर्षायानि वर्षा है न्यू राष्ट्र राष्ट्र

ने दे के जिथा के प्रकार्थ के दे किया के उठ के कर है है है जिया है के जिया है जिया है के जिया है के जिया है के जिया है के जिया है जिया है जिया है जिया है जिया है के जिया है जिया है जिया है जिया है जिया है जिया मिले रास्त्र वरामिश्र राहे दु त्यरशत्यमाने तमाक् वमान्यर हिम्याक्ष्मियर समित्र रा यारे ना ने निर्वेषारे हार्चे बहारी मार्चे पार्च प्रवेशमें में प्रवासी मार्चे वा ने प्रवास र्भाद्यराद्यराद्वे नानी 'क्रार्मिं स्थारार्क्षे निषास्य निषाच्चर्षायार्क्षे रार्ट्रे कार्यार्क्षे वार्षारास्य चिका है का है 'खें माया दे 'दमा से 'से 'पिब का पहें का पत्र है का पत्र का का मालू हा मी 'वि अका पा ही स र्मा ने नमार्यस्य मार्थे मारान्यर के नमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्य मार्थिय विषय प्रमान्त्रमा क्रिनामी र्क्केनिमाक में मार्चिमा निस्तामी पर्सेनिमान स्थानिसमासी समासी समासी समासी समासी समासी समासी समासी सम शु. सि ८.वि ८. ई। प्र. क्रू या प्रमुखायह या पर १३ या श्री या स्थाया सामा प्रमुखाया या सामा प्रमुखा स्थाय चतु त्यी विष्टः (२. श्रेचमा विषयः) की माराष्ट्रः वी राष्ट्रिरः विराविष्टः विषयः विषयः भ्रात्वे विषयः यदे 'गु'न' सर'र्ने 'श्रुवा हिर'यर'र् 'रुसन'यित्वा'र्मिर'र'रर'हेर'न्सें सक्ष कुं कें 'नदे 'रुनर' के दः (रस्ता त्वय दर प्रमूरमा) महिषाया सक्षेद्र दासे में सासे ना सर्वे रायना से दावी सा क्षाने कु न्रमण पकु द्वा ने प्यम प्ये न्यम के स्यम कि स्यम कि स्यम कि म्ह ૹ૾ૢ૽ૹૡૠૡઌૹ૾ૢ૽ૹઌઌૹઌ૽૽ઌૹઽૹઌૹ૾૽ૼઽૡૼૹઌૡૹ૽ૢૼઽઌૹૣ૽ૢ૽૱ૹૹૺઽ૱ૹઌ૽૾૾ૣૼઽૢૢૢૢૢૢૢૢૼૢ यारे १। १ सन् १ तस् नामि सर्गे सह नायर नस् सार् १ तर्गे हरायायस नसे मार्थ राम् स धे ब'यद। से 'दे ब'द्यर क्वें न्या के 'यद दि प्या के 'यद ब के स्राज्याक राष्ट्र त्यायदाय हु। स्रवायवाया रे सावस्र तास्या के रास्र रायस् । दसरा के वास ग्री स्त्री वा अथार्त्र वा विवर्ष्के ट्राट्टा न वा कि वा स्त्र वा र्या प्रिया स्त्री ही रार्केटा विवर्षे का स् यः वर्षे श्रः ही . जू. १५८ में . वर्षे . वर्षे . वर्षे . वर्षे . वर्षे वर्षे . वर्षे वर्षे . वर्षे . वर्षे . वर्षे . त्रुष्ट्रेश्चरात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र व्चियान् प्रक्किन। ने प्यामिक मार्स्र अपने रायान्य। ने वे प्रेर प्रेर प्रे प्यामार प्येत प्याप्य प्रेर प्रमान

शर्मा स्टारायभारतम् कृष्टिरायार्भग्रायन्गार्भुत्रे र्राचेरास्यायस्य वाक्रम्म में भूषा अर्थे विक्रम्य प्रायदे याक्षा सु । सू नहा अववाय भूम विकास के सार्थे । यक्ष्माञ्चयम् प्रत्यम् वात्रे र्राच्यावेराचे त्राचे वाक्षराचे त्राचे वाक्षराचे त्राचे वाक्षराचे वाक्षराचे वाक्ष म्र. ही र. लूट रें भ. श्र. पत्ने . पकी . से बा. बी. ही ट. बी ट. मार ने प्राप्त के देश. ल्यात्रम् स्वर्मा रूटात्राचात्रम् वराष्ट्री सामार्चेरावानी नास्त्राम् वर्मा मास्त्राम् वर्मा स्वराम् ५८.८.त.मूट.बुल.८८.१ क्व.चू.कुथ.चू.कुथ.कु.व.त. हू.४.जुट.वट.१ झ्व.हूट.अ.ट.वा हु. ट्रिम मान्नमा कास्मानायमें प्यमायस्यानस्यानु र्यो १००५० नया १००५० विदेशामा सी र्न्व'र्य'स्व'हे 'य'र्वेर'प'सुदु'र्य'द्वि'३० झ्न'र्टा देवे'स्व'द्रम्यत्व हु'पर'र्सन् विरायार्चिरायासुतु सावि १७० इतार्ये द्वा से राद्याया सासुराया विकासे राद्याया सासुराया विकासे राया सिरा यः शसुतुः विः ॥ ञ्चनार्ये । विष्ठायर्थे स्राथसुतुः विः ०७ ञ्चनायत्ववः नुः स्वरः ये रः ये । रेटः ये है 'नसुअ' है 'रे न में ट 'सटव विटर्भा भी 'कु हमा दुसर हैं मूर्भ के मूर्य स्टर्भ वा से दुर्भ वा से दे र क्र.जम.क्रम.रें म.लेंच.इट.क्रम.लुच.तमा श्र.नु.डिम.ईट.रेट.कें.ब्रू ४.तर.क्र ४.वेज.शर. र् ज़ूराया दें खेनायदे क्वा श्रेराव, सें प्रस्ते क्या से प्राये के प्राये दें की सें रा क्यास्त्री नामा स्वापाय के माने स्वापाय के माने स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय स्वापाय मु विराम्बेर क्रिक क्रव्या के बादि यापया है क्रिम्या अवसायया उत्तर पहुँ राप व्याप प्राप्त वि यर.ज.चें थ. पे. मूर तयत की बरा ने मिर कू. रें बार रा वर्षा भरा बर त्या की है ता है कि बा हूरक्षेत्रस्यावरहरूर्यक्षेत्रपठमाणु पराया हामानुनामु । यर् ब्रायकें ब्रायं रायार्टा देर क्वाक्कें राधे वाका से विष्णावार स्रायान्ट से दा देरे रेवे बरातु 'र्रेटार्चे 'हे 'परि 'सामामार्चे रपरि 'के रमाधे मामडि मागुटामे ताया माकासुतु महिमा उसायर रेंद रेंदर रेंदर रेंदर सेंदर सेंदर है । १९५५ वें दिसाद सेंदे प्रकार सेंदर से सेंदर स দ্রি'134.3विर'प'त्रा नमगान्य थासुतु'म्रि'20 विरा र्नेर'यासुतु'म्रि'26 স্থ ग'विर' च.चश्याच्चिरचर्त्र भया झं. ४। भी छे. चि 180.3 झे बा. क्रू र. लू री रू. ट्र. च्र. च्र. च्र. र. लू रे . इं.

षासुदुः वि '71.4पषासे द्रा देवे 'द्रा द्र्युदाषासुदुः वि '34.2 द्रा द्र्युराषासुदुः वि '25.2 हैं न'सासुतु वि '12 यस से न प्यमा न 'हे 'र्ने ने 'वे 'प्र वि स वारस ५०० नह भे महम्मापत्र विद्या (क्वि. वि. १००० वहायी व) मार्चि वहार हिन्दि मिर्याहे अर र् भिवासि राम्या के पायरे वे भिवासि राम्या के पायर के क्रिन्याणी तक्रि.प.ज्. ५ वर्षा.ज्. ५ तिवे ब.हे खिब ८८ हे की पे .क्रिं की श्रव ४ तक्रु.प.रूवा रे .लूटमाविय.ग्री मा.जू. र उप .चूर अ.चे. र वी .चतु .कु मा.मच्या अमा.सी .जूतु .चूतु .चतु .चतु .कु मा सर्वे त्र मुं दिया दे देवा में अवता र्रे हिर्पे क्रा हिर्पे विचाय है त्र से वुयानमा स्मायर्के विवयान्ते न पति न स्पिना स्वया विषेत्रे प्रेरा ह्वा न मायन् न प्राप्त ज़ॖॴॴॾऄ॔ॳक़ॕॣॿज़ॸज़ॖॖख़ऻॶऄॹॴड़ॸज़ॎॻॿढ़ॶॖॹॎॳॴड़ॖॴऄ॔ज़ऄ॔ॹॻऻड़ॖॴऒढ़ केर्परस्य वर्ष रुष्य वर्षा दें सम्बन्धर से के प्रायम के के प्रायम के कि प्रायम के कि प्रायम के कि प्रायम के कि १९५९ विं रें र रें रें पे पिये पिये र के ब के र् जु मायवे के रवे पि ब र पर रें ख़ के हैं र के रें पे लर म् । दियः अष्ठः र विवारे । सै चरायावम् । सैयराली वायरामु रायावा चर्षा विवार स्थापि । मुद्रेमानी प्रमासवास्त्र में प्यान ही माह्य में भी १००० में मिस्र में प्रमास माहि परि प्रमास क्रें तिर्वेश्वे वेष्ट्रिं स्वा सर्रे तिर्वेश्वे प्रतिर सक्षे र दि स्वा स्वा तिर्वे स्वे तिर्वे स्व क्रवशक्त ब.की बाराबर म्लूर तर्त तर ह्य ब.पीट सिंच बारा हु वा क्रू. ता जबा चे वा क्षर रावा का वा वा वा वा वा वा म्बरकु जयातर्यातर भवतात्रयाह द्याला मानी यात्र येथा यात्र प्राप्त त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र त्या । रूट. मृ. कु. तयु. त्म. भार्ष् र. त. श्रट. रे बे भारत भार्ति बो भारत कु. श्रुट. मृटे र. मिय भारे र. ते वा जूर र्ड तालूरमाग्री विभागरमाग्री तकीका ६० संगाग्री माग्री राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र अ० ४४ ४० पर त्रे ब ब ब में हिंदायना नावब या दिया विदानावब यादी स्था का कि में सुन ब तावादा से पी ब गुर नर्भवाक्षे मुयास् नी प्परायारे दा द्ये राष्ठ्र या हे दावा रेटार्च निषे राक्षे वार्षे व तथालु तयादे दिनाया हीय हे हिनाययत की बिना में कि की नार्टा कि कि की ना से वा यम है या से र कु है या महे र हैं महे य यठ स र दा है ये व द में क म हे महे य र्शेन्याम्याम् यार्शेयायमञ्जीमा ४५०५० ८८। यद्ये दुनायस्याद्ये मायापा मेरार्यान्यस्य के ब र निया यह बारादे रहे रें ब रें के बार के बार के वा विवाद के विवाद के विवाद के विवाद के विवाद के विवाद के चढ़ कि.मू.रेट. कू.में बड़ तंद से जाव वार के. भक्षा है. हा खट. हा ही र बंद र वे वार हो वार हो है. यह्र बर्जू वियठका ग्री व्यवान का स्वान विवास राष्ट्र का रे का रे का यो के राष्ट्र का रे का यो का विवास र त्राभाकिटार्ड, तपुर विभाग लामा १६५५ क्राचिय हे हिटाक्र भय है तारेटा क्रिकेरड़े ती दे विष्ट्रिया हिन्द्र विष्ट्रिया विष्ट्र के विष्ट्र के किया है के किया के किया के किया के किया के किया के किया र्ट्र म्हे प्रते हि साध्य धिषाग्रार वे विषय्या की विष्ट्र हि विष्ट्र सहया विष्ट्र प्रवादिस्य बर्ग विष्के हिर्देग्वाबर पठमावमार्स्य महिमार्स्य मार्स्य मार्स्य मार्स्य मार्थिय हिमा रे.ियो.रेट.तूषु.मु.पवट.मै.भक्ष्यूष्या १५२५.यया।५५६ घर.जू.र्ज्यु.प्रटाजार्वेयापे. हिरार्ट्रे ये वराने हे प्लेंब प्रमयन्ता दे बबर्ह्स हे ब अध्याव निर्मे हे प्लेंब प्रमय से मूर्य ग्रै 'यम 'द्रम' रहें म' दे द 'य' र्झे र '११५०० च्रिद्राया चे 'महि मायदे 'चे 'प्येद 'प्ये 'प्ये 'द्रम' स्रुपम <u> इत्रित्र के बाह्य से वाका ग्री विवाद कर हैं का है का रे बावा है र १२००० ही बाया पठका है।</u> ये.श्रुचेश्चेर्यात्रात्रात्रा विष्टे ज्ञूर्यात्रात्रा हे त्रु त्रात्रात्रात्रात्रात्रा र्वेर.लूरे.त.रेट.र्जू थ.कर.र्के.श्व.शु.तरेट.यतु.वीथ.धे.ह्ट.त्मी.र्जु.त.सू.ला.डेट.सेयश.र्के. इनानि पर्टेन्न् प्रिन्यरामा बना ने के साक्षान्न के हि स्यापनि मन् रे में पर्या कर अर्चे ब र्ये 'तुषाबषा भ्रे र रेंद 'र्ये 'से 'पर पर्वेद 'वी 'र्येद 'यादे। रेंद 'र्ये 'अद रेंबिषा ग्री 'येद ' यार्चिट द्रायाये देव द्वापा विवाधिक गाट विवाधिक दे दे प्रविवाधिक के विवाधिक वि ग्री बर्ग के कर्ज़ि र प्यर्वे र क्रे कर दी कर है की रहें गा के द र तु ग्री र है द हे प्यये प्याया द गाव बर्ग पिद तार्रा १९५७ वृद्धिस्याचारमार्टा१९९१ वृद्धिः स्ट्राल्या माय्राह्म मास्या

मिर्यायर् र.ष्ट्रां वरायेषयात्रयात्र्यात्र्यात्र्यात्रयात्रयात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्या यशर्देगिने विवासिन्यर्भर०५ स्रिप्यायशम्बद्गार्गि स्रिप्युम्बर्मार्भार्भर याद्राद्रास्त्री मानि । यमा से दाया १०५५ वेदि । सुनामा निकास । १०४४ वेदि । सुनामा निकास । ववायानमा नार्येन्युग्रार्श्चेगाने यास्री मे प्र्यूग्यायस्तु मे त्ययास्री तनमाया समास्रीग्या वर्कें निन्दर्भे ब्रायमाद्रायदाद्यादारु रहत के। देवे मे ब्रायमाञ्चे मामानु हार विषय विषय विषय विरायत ती. जूब ह्यू र वि ति की हि वा जूरी अर्ट्र र ब विराक्ष ब जूर र जा की विराय का जी र विराय का जी र विराय का यःश्रेटः नुष्प्रथाते र्सेट में से पासु सन् । नृत्य प्रिट सू प्राप्ते सेट मुष्प्र रहे नु सू तथाऋत्वतु क्रिं अक्ष्ये थे , याक्रू तह् ये आत्र् कु . ये ट . यो या क्रिं । यया क्रिया यो . यी तया ला मा क्रिया थी . व व्यू भेवरे मर्डे में क्वरेश्वरेशी विद्विष्यायर र्वायेवर्भेवर्थाय वायवर्थेत्। ठेवर्वित्र ५८१ यट के हिर्देश के अपने हिं अर्घे वायने कर के वाये ने प्रति का विकास व देवास्त्र रायमायेवाचे दासेवायाचुमार्येदायां वेमारेदा दिर्देशार्येदाची मावशास्त्र यायाचे सेमा डिनापर्देशके। हैं म.कर रेंट र्चे हे पानस्मार्टा हें र के पति। न ह्वट के दुनाया स्चिमाजी .चर.री .पी.ठचचाक्तिमानासी.माकाह मानिष्याप्त .त्राचार्यम् चिमानामास्य सक्सरायारे रामान्नावि मासे दायरा दें रामें रामें नामान्या निर्मा से स्वामान्या से स्वामान्या से स्वामान्या से स क्र.वर्वासेचलास् . क्र.तुरास्तविरास्वायात् चित्रात्राक्रीवातात्रा विराविषार् . सूत्रातिरा र्रेट र्ट्र ४ प्यवर श्रेव भी खुट पर्से र्से वे प्यु प्टाव कर के मप्यु ख़ू न प्टा हो ये ५ उसारे कं पर्वेषात्रे 'दी र पर्व 'र्सेवार्ले र पायरुषात्रे 'र 'ह्न 'र्ले र पर्व 'म्र में 'स्रम्था'री षास्रे मा समें र प्यम षान्वमार्से सेंदे 'हटा हो दायमें 'यदे का यमा हो दासे 'झ 'दटा दसरमान सेंदे से 'इना क्सरासद्भान् पट्टिंसराहे क्रियासविषायाले वालि वाचे मा क्रियासविषायने हो त्री क्रिया स्रावयः क्री : चे : चे टे : क्रिं : क्रिं : क्रिं : स्राव्य स्रायः स्रा

- न स्रे म् प्राची त्रिया स्रे प्राची स्रि प्राची स्राची स्
- अंधिवासाले वाक्ती : क्वीं विसावाक्तिवायायवाया क्विं वाक्तिवाया वाक्तिवाया
- दे. ची र.त.शु. पश्चार क्री र. लूर्य क्री र. त. श. चर्या क्री ये था त्या प्राप्त क्री या श्रे प्राप्त क्री या प्राप्त क्री विष्त क्री या प्राप्त क्री या प

त्र्या सहत्रस्त्रम् द्रात्र राक्षेत्र स्त्र प्रात्त स्त्र प्रात्त स्त्र प्रात्त स्त्र स्त्र प्रात्त स्त्र स

न्यरःक्ष्मिश्नन्यमामिश्चर्यन्यक्षेत्रः चे दःविष्याः विष्याः सुः यहदःक्ष्याः अर्दे ख्या

र्याम् रामिश्रास्था में रामिश्रामें प्रमुखे प्रमुखे प्रमिषा में निषा में निषा में प्रमा में प्रमा में प्रमा में कुःक्षे प्राप्ते पठशःक्षे प्रमु से मित्रे सायशामु पायराम्ब्राणम् मिसराम् साप्त्राम् यात्रस्ति यासके प्रमे स यक्तर् किया (यान्यम्यसम्बय) पर्ने न्यायम् सर्के निष्ठे यावे यासे निष्ठे निष्ठे भ्रवशः भ्री भाषावयात्वयः में 'तु राके दे 'तु श्राके राया पूरा प्राप्त प्राप्त व प्राप्त व प्राप्त व प्राप्त व प पिंतात्रेत्र के.क्. यद्र तर्वे याताश्वर क्रूयशास्त्रश्वर क्री शाकी स्वार्थर स्वारा क्रूयशास्त्र सर मुर्द्धः मुद्दार्यम् मार्थः मुद्दार्यः मुद्दारः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दारः मुद्दारः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दार्यः मुद्दारः मुद्द रेट दशर रेविंग के विषयि पर्वे विद्युत्त म्राम्य का मित्र प्रमान के प्रम के प्रमान के प्रम के प्रमान के प्र नर्ना १९५५ वृषु . अ.त. पषु . येट. पर्ने यो.ता. श्राट. क्रु येशा मी . र्ने राष्ट्री या वश्या . ४८ . या. पर्वी रा र्जू वा वार्षे ट. प्रम. ह्य वा अम. पर्चे वा ता अट. क्रू वा बाक्ष्य हु . मट. ब्री ट. अक्रू ब. कपु . म वा बालू ट. ट्रे. क्रू वा पर्न. पर.के. ट्रम्या. व्रिय.क. मुप्त पर्वे र.धे. पद्र से पर्या भी मक्टर में ये पिया की तत्र्या रिमर्या कूराकी.येच.रेशर.ही चेराकू चेरातरातूर विजाचर राष्ट्र प्रक्रायर्दी त्वियात्राह्य राष्ट्र प्रविषात्राह्य राष्ट्र तारे .क्षुत्र.प्रथा.मु र.वोषेत.येषारे.क्षेत्र.पर.रट.छेर.ब्रीट.मुँच.चे.ही र.मु .क्षुश.की ह्यूर.तत्र्र. के व र्ष्वे व के रहे शर्मिय सर्वे सर्वे व कर्षिय सम्दर्भ न दे पर रूप त्याप है व र्पय से द र्यर स्था न र् सर्वःसर्के बारे 'र्वा'यारे बान्ने राक्षार्यस्यायराधी 'ह्ये रायरावारानु रावी बायह्य 'यारे वे 'सहवा

सद रिम्माराष्यापनार्य विनासे दास्रमास्य मास्रमासर्के दाक समस्ये रानावु रायार्श्वे रावरे रासे रा तर्यद्रेष् तीयाती क्षाता व्यासिया में राष्ट्र मूला से राजर्या चे या है वार् दे वार रा बरार् 'र्गाक्रमाश्चरायदे 'यमार्चे रायार्रात्मात्री 'क्रीं ख्रायदे 'यमार्च पार्रात्मायो प्री' मक्ट्रां दे ब.स.वि.वार्. तराप्त्री वार्की वार्षाची वार्षाच्या है। क्षेत्राचि वार्ष्याची रहारवाराप्त्री वा इंदिया. कुया. चिया. याच प्रवास की याची याचा है या या प्रवास की या या प्रवास की या या प्रवास की या या प्रवास की २८८४.२१४८.६.५५त.८४.८५५८.५५८८.५८८८.५६८.६८४८४। पूर्वाक्षेत्रता स्वास्त्रा न्यनानी मान्यमार्के नमान्यानी में अन्यस्याण्य स्थित करे वे नमान्यम् सराञ्चा सर्गे स्नु र पार्टा शुट प्रस्थ ने माण्य यान्त्र र दें र दें या दें या र सि माण्य सामित स्वार प्रस्था स्वार स्व स्रवशर्भ कि.रश्चाजात्राम्यू तर्र्वाशाविषातात्त्र्याचाषातात्त्र राष्ट्री हे विषाद्र राष्ट्रा शाक्षियात्र यर्ट्स श्रु र के म र्ये दे समें प्रस्थम है। इ र र्ये म र र र के म र ये म भव्यत्रियः क्षा क्षात्रम्य मानु दायादे किया के दार्के दार्के दार्के दार्थे दार् उत्ते मार्याक्षेत्र क्षे क्षे राज्य राष्ट्र मार्या मार्ये दाय का विकाय का सि मारा का अवात का अवात का अवात का क र् निश्चरा र्वे वर्षी अर्के रहे वरके वर्षे दियारी र्शे विष्ये परे खें नवर सुरायार पर सात्रा चूथ.के.के. जियर चिश्र भारी .रे ही .ही .चारु .चूर भारी .शूर .ह चा तरी चारी चिया हु चा मा हुं रु . इ. ह्र : व्रिम् अ. भी तथे . भी भी हो . पड़ी र ही अ. भक्र र हे थे . कु अ. भी र ता तड़ी या हु ये वयाचितरम्स्राम् के.काळतु स्रवतातास्री हे । बराख्यात्रस्रामे । के.वयारश्रमास्रीयश क्रियायायान्तर क्रुं र स्वयायने र्वेदे रहा स्वयायने विदेशा मुन्ति विदेश के वायायाने विदेश के वायायाने विदेश के शुरार्ने।।

य**र्व,**सीबकार्ट्य चुना

निरमाञ्च मेरि भी परे पर्मामा सुर हैं निर्मु मालु र र्मामा र र र्मामा माने मासी रिचे किना है। निवु ८ र अमाने अ कुया शुरायशर् ने मार्डे रिवे हे ८ अ निवश्वामा के अपवे । सव स् व व त्याया प्रापञ्च न व स्व व त स्व प्राप्त के प्राप्त प्राप्त प्राप्त के प्राप्त ট্রিব্যান্ত্রমান্ত্র নিম্পূর্ লামাগ্রী অমালান্ত্র মান্তর মেআই আন্তর্করমমাগ্রী মার্লিব্যগ্রী মেলবাষ্কু মান্তরিব ततु त्वरायम् रम् त्वारासु विमान स्वारी क्षेत्र विमान से ही ही महार से मूर्य त्वार में हि र कुयापियाणी सामस्यापहीयाम्बेरायळे महरामळे सार्गो बार्या मलुरारसमारे प्रदेश हिंबा के क्षें पर्यास्त्रावे नायह् नया मुपान्या से प्राथा में प्राथी समय मिना मु क्षे प्रम्यापर्य, नियाना स्थान स्यान स्थान म् तर्रु कि.तथ्रे प्रयोजाक्षाची पक्ष्र्रे ग्री शत्ववास्त्रा जार हिं तर्र में रावे क्षेतारे योषश देवी मानु हायायायदे दे पुरावी मा विकि दिसमा देवा है तमा नुवामा निका स्वामा निका विष्यां भूति । वे त्या के त्या के त्या के विष्या के विषय के त्या के विषय के वि चन्त्रा चूर्रस्था.मु.कूचम्यस्त्रम् वम्राहे क्यार्यमा.जम्यस्त्रम् वम्राह्यस्यम् क्यार्यस् र्द्धे मर्था राज्य निर्मे निर्मे राजी राज्य राज्ये नार्वे मार्थ मार्थि मार्थ हिर्मे विरम्भित स्थान राज्य राजी मार्थ लुवाक्षे प्रदे राववीयावीयात्रे विषयादे शास्त्राधाव तायाद्रे तायात्रे त्यावाद्र हि.य.वीया तार् राश्रदाक्ष्मियायाः स्वायाः के वायवदार्या हो तथा हा तथा हो दायवा या वाया हो हो। दे । ट्रेंब.ध.स.भ्री.त्रे .८.पींब.८चेंव.केंव.सक्ब.की मी चेलू.क्ब.श्रंब.तर श्री.प.ध्री.४८.ट्रेंब.लुब. कु म् या श्री र से ना श्रिन कु न न या र में र पा ने । सिया र न में र में र मार न या से न । र न त्राह्म अभ्यात्रे वा को राजदे न । । वा स्वयं स्वयं हु द्रायं स्व । । वा स्वयं । । वा स्वयं । । वा स्वयं । । वा क्रम्भानाक्ष्र्रायराच्चे दायाङ्क्ष्मा विषानासुर्यायाविष्ठाकुष्वार्यस्य

रे विषारे हावे प्रह्रायण प्रिंग्णे शामु पाया हिं । प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व वर्चे दाया की सब्दा के वादर सर के वाया वाद की सब्दा की वा विदार सावद की सब्दा की वा माञ्चिमान्त्रभामानेता कुत्यराक्षे भार्चिताञ्चे अर्थित्राक्षे मान्यानेता र्वानिष्टा रतनात्त्रीया सावस्थाक्यासाक्ष्या तीनासूनास्यान् सानासूचासामी. चेष्राक्ष्याम्मारे रे प्रविष्णुं मार्येष् प्रवेष्ण क्षेत्राचे प्रवेष रे क्षेत्रावर्षे वेष्ण कर्मे वाष्ण प्रवेष वर्षायस्रमान्त्राते । यठम्षानी । याववासे । अप्यमास्रम्भायते । कु । त्रमायस्र । यहं वास्रायन् यी । योर्ट्रिश शास्त्र प्रयो पर्या स्वाप्य सम्बार्ष स्वाप्य वनान्त्रणन्त्रान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्रण्यान्त्र है। वैद्रकुषार्थे न०४५ दरही से १०८५ वर पके से दर्के महिद्वी परे वेद से दिन कि.यंचा.रंभर.क्रिचंत्रा.क्रुचंत्रातातु .रंभचा.रंतर.र्कंराज्याः संचातातु .यंचु .क्रिक् .पतु .पतु राष्ट्रयः क्षये इम्माने। क्रिन्यर क्रियाक वरार् ११८५० व्याप्त क्रियात वापने वर्ष व्यवस्थाय के बर्भे मसुस्रा हो याना ने में निर्णी हिंगानमें या हुनि निष्या नुमान में निर्णी प्यासरें ने या कायायर ट्र. मुजाझ र.जरमा में .वी. पर्यो जारी र.तथा हे माने थे. ची या मी माम माम राष्ट्रा हिंदमा ग्री साक्षारे मिहि सार्टा हो त्यायारे सा (रिये राषा) मितु से वे । सायम्सायम् स्मारा राषा र्गु यायर साळ देर स्वाया) रसर क्याय विष्या विषय के स्वाय मुन्या विषय रेटा वर सेवार्ष के अकू बकू शास रेत्र बर्ट शु श्रे र सट के तथा है वर्ट दे ही ही वा श्री रुट प्रदेशों प्रक्लें के दिशा है प्रायम मिक्स स्था के प्रायम मिक्स स्था के प्रायम मिक्स से प्रायम के प्रायम मिक्स से प्रायम मिक्स से प्रायम स यार्स्चिमारे मानमाया स्राम्यारे रास्टार्मे रास्टार्मे नाके नामी प्राप्त नामाया स्राम्या स्राम स्राम्या स्राम्या स्राम्या स्राम स्राम्या स्राम्या स् चक्चै 'चर'नाबस'य'र्से नास'ते 'द्राय'र्से द 'से द 'ग्री स'चन' अटस'ये र 'चर्द्र पर्द्र न'के द 'ये द म् २०२५ र्यार्च रायर् देयात्र मात्र मात्र हि स्तु स्वा अद् क्षा पर्ट के मायर् के स्वा अस्य में प्र र् कि.रश्चर्यभग्रतित्वि.तवु.क्षेचा.रच.सूर.र् लूर.कु। वाषर.कुत्र.श्चरवाचा.लूरश.ह्यांश

च बुर च 'तर दि ख वे या रें र के के के का के दे र वे च तु के की 'का विया त अवा के का च गार च र मुका विंग नर्गे ब के ब की 'अवव की 'रे अ बन रे अ मासुअ न् निवे के 'न अ पे र पर्के र पान निवे । तत् .रेट. वर. मी .परंत. मू. रेट. व .पी. ई. प्र. पेष्ठे मामी .पर. येष मामा खेर. ई. ए. मी. की यामा के प्र. त्त्राचर् स्वारवायावर्षवायाते। वार्ष्यायवात्तरास्यास्याद्वात्वरात्वा व्याचरावरः कुष्रीच्याः क्षात्रार्टराची :चियाः प्रवास्त्राचाः याप्य हो होयाः चीत्रवाः की वास्त्र वास्त्र हो वी सी हो हर हा न्रार्धेटार् शर्माक्षे व्यवस्थ उर्णे शर्केटारम् शर्मे शर्मे शर्मे पाने रामि मार्थे वा शराञ्चा के राञ्चा के प्रमाण के प् ई .शू.शू.८८.बट.जश.शू.वय.र्थ.कैट.पञ्चेचया.जय.श्नेट.कु ब.तू.वु.शु.घशया.क्ट.पटाया.पटा लेकार् मुंद्र देव लर त्यू श्रर त्यू मिर्य यश विषाय श्र क्या क्ष का सी का से वा से या प्रेया प्रेया से वा से वा विषा रूट. मूर्य. टेबूब कुष. त. विटि. कुष. प्राप्त में विट. विषट की ताम हे कि राम है हैं राम है है हैं है हैं है सर्गे स् र र में मा दे प्यर मारी र क् क् क् र के र पर्वे र र में र प्यवे पर्वे खे पारे मारी र र मारी म्राथन्य प्रमात्र मात्र मा मः क्षेत्रायम् म्याया प्रमाया क्षाया क्षाया स्थान वाक्वित्रावयः द्रभातमार्गे मार्यः मर्भे वायाः मर्भे राम्ने राम्ने राम्ने प्रमास्त्री राम्ने प्रमास्त्री राम्ने ध्वे ब रें ब ग्याम अर्थे पर्दे न ब प्रें ब र्ख् व मी प्रमुप प्रें ब माया के ब माबम प्राप्त मा कि ब रें भी ब रें ब माया के ब माया माया के ब माया के ब से ब क्रिंभ'ग्राम दे त्रे त्रे प्रविम क्री मुम्पिये द्रायते द्रायते प्रविष्ठ वार्षा प्रविष्ठ वार्षा क्री वार्षा वार्ष विवार्ड रागुर पर्के वार्वे राष्ट्रया व्यास्त्र राष्ट्र राष्ट्र वार्म राष्ट्र राष्ट्र वार्म राष्ट्र राष ठवादे छ लायानामा ता है नया या हु हा यह नाहा है राद्वी वा के वा ये वा यर दें ख़िहा सुनाया के वा व्यायाविषानु खूटा देरादर्षे कायासुटा क्कें वाळे दासु वासार हिष्या सामा स्वासार से काल्या मुकार्च त्याप्त के देर हे त्यां वा में का विका महरका ग्राट के त्ये प्रकार प्रकार है है . वि स्ट है का मम् तर्रे वामारराष्ट्री राविराताररा वराञ्च वराचे खे दे विरादे रिवृष्याम् मूर्ये सकूर्यःस्चाराःसी.र्पःर्यापःत्यः खुचाःसीपःस्चाराःचीराःसिचर्याः की.रिश्चाःचाः त्यार्यार्याः त्यार्याराः यमान्यमान्युरायासुरायासुरायान्य के कानु निस्टायहुमान्ते नान्ये प्रायये प्राययाप्रायम् द्यमा से कें या दे हार वया ग्री में सिकें दायमा वर्षे सादहार वादा हरा। वर्षे या सद्दाद हार ग्री सा यान्दान् रेदि कू नाया है पिले कान्ने का के का करा पश्चे शाहि । हा खरा करा के का विना निरान् । सन चिद्धं वा त्यवा विष्टा वी 'दोने बाते रायश ह्रे 'पाया श्रे वा शाविष वा ग्रीष्टा सायु सायर ही वा सार्श से बिसा यद्य. चेर. में अ.रेर. रे. रे. रे. से. य.रा. मी. र. प्या. के. रे. रे. में . य.र. के य.क. य.र. रे. या. मी. में या. मी. य.र. यमायटा ह्या निटा हु । हु तु । तु टा र्से । से तसा तर्नु । तिटा रहे मा रहे । ति रा खु मा निरा हु मा मारा हु मा म चषु .दे. झ्या.झया.श्र. भरेठ. चर्द्यं यहा यहा अ.चें . चर्द्र्य . क्षार्या . वर्द्र्य वर्षा . वर्द्र्य . वर्षा . वर्ष्य . वर्षा . । रम्भाश्राः क्ष्यां मारा श्रुं राहे परें रायते वाल्ला मारा मार्श्व मारा मार्श्व मारा मारा मारा मारा मारा मारा रट.भक्ट्रांवट.वंट.क्षेथ्रांवया.चं त्यद्वेष.क्ट्रांचया.वंशशा.क्ट्राला.क्ट्र्या.वंध्रायक्ष. बरक्रिवायास् नाम्यायास्य वास्त्राम्यास्य वास्त्राम्यास्य वास्त्राम्य विष्यास्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय कःलिब्रयान्ता व्वावित्वताकेवायनायाचे विवुत्तिनायान्याचे नात्ता पर्स् याते । त्रयात्रे वायायदे । स्ट्रांसे वा वि द्या वी पा वी वी पा ते ता ही वा ते र र हे या या ही या वा या वी या यमसम्बन्धान्त्रे व स्वाप्ति । र्रेट में दर्वे दर्वे दर्वे दर्वे दर्वे सारे य वे दि वे परे व विषय है द यद इ.यद इ.य. वे इ. दे अ.श .यनर .रे वं .यनर .ये अ.य अ.य अर.यह र.ह. क्रि.य व्या देशव से ने क्या में ने के शायुना शा हो द की वे पायह ने शा के द ने कि सा सा का प्राप्त मा वहें न भू अर्ना स्नामहें रा नहें राया रने यभू मा रच सहरा नहें राही है। या प्रें प्रवित्त ने में रामहेरा कपारेशा मु शार्श रें वे त्यशाम्बर्ध वर्षे पारी पारी पारी पारी पारी पारी पारी प क्रि. रे. रे. त्वे ब. स्रें च. त्हें ब. रेटा चे. श्रट. त्याचा थर र विश्वात्त वाबशा बरा श्रट. त्वें ब. ता इसशा र र में में र में ब स्वान के दिश्य की बाह्य तथा प्री येश हैं शास्त्र शास्त्र शास्त्र में में सि र प्री व

नगरके नरूर दुरळ पद्वे नुषाद्वरासळेंद्वळ प्रसाम्बेर ५५८ वार्से म्बर्भे दे दे के वे भेगका वर्षक्षर्व्यात्रमण्त्रम् १ वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे १ व र्रट.चू.ठु.चै.च.केट.र्से बे.जू.लु ४.तठु.चशूट.येशक.कु.ठुट.टट.ट्यूये.शक्ट्ये.श्चेयक.बाहुक.ग्रीक. रट.रट.चॅ. त्वा.चु.झू.कु.कु.र.है ४.५ .कि.टेशवा.ज.ह ट.क्ट.चु.त्वेचेब.ग्री.बैंट.श.श्रय.कट. ५८ क्षे प्रमे सालय कर में के रामसमार्थर मुटाम्बर फ्टायासुयायाणे वाले यायन्याया रमनानी मायरे रक्षेत्र र्ह्मा ने मायन रहें पर्चा के मारी में प्राप्त मारी निमान के मारी मायर में मारी मायर के म मिन्यानुषायर कुवानम् वापक्षीयते उपवास्व के नषानि नानि वानि वानि वानि वानि विट इस पर के विर लिट म है निय के स या नि निय निय में सि है निय के से मिर से मिर से मिर से मिर से मिर से मिर से कूराश तर् तारे राजे राजी तथा मुँ तु मूं भू यात्राम् तायो सर त्वी कू यारा तर् तु ई र तर्म यारा पर्हेर्नुष्यप्रार्टा वि द्वामहिषाणी विषया विषया पर्दे व केंद्रे केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र ख्रेत्रप्रवादर्ग्ने राष्ट्री प्रवास्त्र विषय । स्वास्त्र विषय । स्वास्त्र विषय । स्वास्त्र विषय । स्वास्त्र विषय वशरेयार्वेटाक्रुवश्रसर्वेवावर्षेते न्वासान्दान्यवार्ये क्षेत्रां के दि त्येवा चे दावत्वा वी विहासे त्येवा दे प्दर्व मान्न अस्त व्यामान्न निमार्थे देश हो दार्थे माना प्योद्धे दे 'प्राप्त प्राप्त के वा की का निमानी वा र्सं ब.की.भक्कुं अ.क्य. में .पकुं बोपटार्ने .टाउं की .रेटा सै बोबारे प्राक्ति की बावी .क्टा बोबार प्रवास मुन्या यन्त्रान्यम् कुयान्याषायान्याम् स्वार्थम् वि स्वरं ने स्वरं प्रवेश्या में प्रवरः में राष्ट्र में दे किया मुंदि सर्वापट वार के प्राप्त मान राष्ट्र में प्राप्त म वर्यशाक्रिया में हु. पश्याष्ट्रिय श्रापर्य या हू या मार्च जानबिराना इस्राम् ही रामहरा। हिमायना हे साम् मान्या मान्या राम् माने । चर. श्रेजार्ड थे. में अकुष हे अं श्रें थे में टाशू जाकु चे था पर दें तिकू चे था श्रें चे या भी तथा श्री हें रामे जाला हिं। ક્ર્રેનિયા અજે પ્રત્કે પ્રદ્વા તે પ્રદેશ મુવા કુવા મુક્ષે જાળી શાન મજદાવા કે શાર્ફે કાદે પ્યદાસે દ यासा वर्ष रात्रां रात्रां माना राष्ट्रवाया व्याहिका है वा के वर्षे प्रविनाया हिंदा है रही वर्षे वर यन्द्रस्यमार्वे गार्वे भाष्यनायमायग्री नमानस्तर्भे नः द्वाद्राधिद्रायमा दे नमायश्रद्धात्रद्वादे न कु : से २ : कः प्रचे २ : ही प्रायाय : क्षे २ : या के : व व व व : या के व व व : के व व व : के व व व : व व व : व व्याञ्चापत्रे प्रते क्रियापञ्च प्रमास्क्रियाम् क्रियास्क्रियाच्या क्रियाच्या व्याप्ता विश्वास्य व्या म्रि.र् .पन्र.तपु .मक्रूष .कपु .ह वाषा राष्ट्र प्रवाय .कषा स्रम्भ त्रा के वाता राष्ट्र .हे र.ति र.त चर्च ८.८ .८ मूच तत्र .४ म. श्रुं च .कू चमा तर् .क .के ८. मी . है ८. त व्रि च .च वर .श्रुं म. ट्रे वा चश्च चमा चिषाता च मार्न्य मृत्र माषा बषा दर्गा म् मार्म्य विषा मृत्य विषा मिषा क्षेत्र के विषा के विषा मिषा मिषा मिष्य B्रिप्राप्तर्दरायचे वाक्तर्यका को वार्ष्य वाक्तर्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य के वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य B्रिप्राप्तर्प्तर के वार्ष्य શે અન્વ વર્ષુ નુષાય નુદ નુસના સે ષાનુસ યેં રાવર્સ્ને રાત્તે પ્લે નુષા દસા છે કાર્યે ષાનુ અદ દ્વિન श. दे. क्षू र त्विय क्रू रे. वे रे. रे. यक्षीं तारी वी. या. क्षू र र र त्विष अं अर त्याया वी श्रांखे रे या. म्रेश्याचिषात्रे त्रे म्रेर्याय में विष्य के विषय के व बिन'यर्द्र 'यर'त्रे र'ग्री 'स्पिर्। स्ननम'यर्दे र'हेब'रगार'र्क्से गम'यर् 'के 'कुर'र्र प्यान'र्क्से र'र्गमा' क्रिया:सं. अर्चे ८.८ मू स.त.८८. अक्ष्य. मू. ८ सर. ह्री या स. ८ सया. मू स. ८ च. अंद. ८ सया. ८ ते ८ तस तर तकिया की तम् वायक्ष वास्त्र राम निर्माण ना निर्माण निरम् च्रिकारी मिया कार्या के रच्या के रच रच्या के रच् यद्र नवयासी पर्दे साधी भाषितार्दे टाकु . पूर्वे तिवालये की साधितार्दे टाकु प्राप्त तिवालये की साधितार्दे प्राप्त व्वैक'गुर'पवर'र्ये र'क्षे वा ५'के 'यू 'के 'ह्रे र'वर 'वि के 'क्षे 'क्षे 'हें रावि वा के रापन् 'यस्या र्रट.ट्र.टेब्र्य.कुथ.कु.विट.क्वियायायथय.ह्या.ची.खुट.लप्रांश ह्यीयायक्षय.त्रांतर्वे त्रांतर्वे त्रांत्रात्य

चर हैं .बारु था थी. भी .हैं बाथा पके पथा है । है ह , ह जा जी बारा ही था है । हे ते थे था हैं । की या में उहु वोषाक्षरायक्षे वायषार्थम् स्वापाक्ष्यवायायर हूं चाषाक्षेत्र हु वोषाक्षेत्र हु वेषाक्षेत्र हु च्.ट्रम्थ थ.कु थ.ज.चै.पद्देश व्रिथ.कु या क्षेट.र्ज्ज प्यक्षिय.खु या.खु या.लू ट.ता.ज४।श्रु. ४.८ या.पद्देश. रु विरायारमा विषाकिषार्श्विमार्श्विमार्श्विमार्श्विमार्थिमार्थे वार्ष्विमार्थे वार्षे पिचा. कुचा. बेर. दें . देवार. हे. पार्च . पिट. दें . पार्वे वे . जू. किट. ही सांतर . सूर हे. पार्वे स्त्री पार्के रा र् देरमा मम्बिन की से राहे । आयामाय पहिनामा से रास्ट्रमी निरासे मार्से दे प्राप्तिर चै.क्र.मी.वर्री.वर्ता चिद्रीयालया.वर्ता चै.चयालाश्च्याश्चारात्वार्धेरायष्ट्रशास्त्री.वर्षात्राय्या ब्रुं च न्युं दे की ट न्य म्या में को र ब्रुं क्यें का का या का या का या की या ब्रुं च क्यें च र दे वा बुं ट प्य वे वा व्रेन्द्रम्भायाने राम्ने राम्ने राम्ने मान्न स्वरं मान्य स्वरं मान्य स्वरं से राम्ने प्राप्त से राम्ने स्वरं से राम्ने से स्वरं से राम्ने से से रा यार्भे राष्ट्रे नारदार में प्याप्यापु पे दाव का क्षु में दिया के वाप च्रि.मी. क्ष्याम् राजें ताचे जामी ह्रात्र राष्ट्र यायह याक्षाक याय हरा है। क्ष्यामी राष्ट्र राष्ट्र राष्ट्र या केंबार्ट क्या ब्रेर द्याया वर्डे रात्रे मामाबका खेटका हुँ राडे रायवे र्राटर्टिट मी द्यटा का रू वर्षे मा नुषा है । से र से पार्के ख़िक खुट प्रमु मा प्यापन कुषा या पनि का खें मा पार्के र महिर क्षा यद्यं नेर्.में याक्षराक्षराम् वाही वाही वायव वायव विवाद में वायव वायव विवाद वा के वार्ष र वा रुवाःवासुस्रासः सुदाद्याः विवाशीः क्रुः वासावादादाराक्षरातुरासे दावरुषासुः वि । दवाःविहेशाशीः विवर्षाः हुषाञ्चित्रे प्रयानुहार्नो सुवार्श्वे हानी स्वाप्तिसम् से के सम्मर्जा स्वाप्तिसम् क्रम्भाष्यभारत्त्रम् । त्राप्ति रहि द्विपाद्यभाष्मभाष्ट्रिमायायमायञ्च मायमायायाय । सरमाक्यायञ्चम र्थे ५ 'र्रे 'र्रे मा स्न ५ 'र्ड मा ५ 'र्छ ५ 'त् 'ये मर्डं में के बात् रायदे 'यर्डे बाया मा नवाय वि मा नु पर्ड ब के बर्से गमारुदायमा इसायर कुयायायदे के बर्के मार्योच र श्ची टायदे पेंदा कुयाये १००१ रया

चूराष्ट्रायदे खुन्याक्षे म्राट्य द्वी वि ११ १०० वि संस्ट्रिय म्रायममान्त्र से व के व मी या न्यरायदेवयासहरादे में दाकुषार्था १०४५ स्वानुहायसु दुन्य यदे सर्थे हि दहा है र्थे १०८५ वना बुदे । क्षेत्रायकु 'तुनायर व्याद्दे तुनायकु । है । यकु 'दायतु व की 'दे दा खा अपदा मा पर्दे वा दिये व દાં ત્રાં શ્રે માત્રા શ્રાખારા શ્રે શાક્ર શ્રાથા શું શાં ત્રામાં મેં ત્રો પ્રાથમ છે. શ્રામાં માત્રા શ્રામાં મા रवा.ततु.श्रूषात्तवा.वीषावश्चराङ्गे रचावा.श्चेराङ्गे वा.रेषा.वीषाश्चा.वीषाश्चर की.वीषारेटाःकी.वीषाया.ट्रूषा. क्रुश.ची. कुषे.त्. रूट. रेतज. की. रे मूषे. कुषे. हीं चे बा सम्बन्ध न्या जिस के प्राप्त र की जाता उद्दे . की स्थ बिंदाका त्राप्तरा दे र्वेदे र्वत्राका स्वार्या पति कार्ये दाये रे र्हे दिस्ता वा का वि लट्यावर्षाय हूँ र लगा जेट श्रामा निर्मा की ताल मान है र क्या मान है र क् २यन्। प्रमा क्रिस् अप्ते प्रमा के प्रमा के प्रमा के स्वा के स्व के स उतिर प्रमा क्षापर प्रकेष उर्द प्रक्षिया चि ग्री के का पर्वे वाया पर द्रावा वाया र वाया से र र्यात्र तीर में यान के प्रात्र क्रिया के या के या तर दि ता सह या के या ती या विष्य प्रात्र में विष्य न्याची 'च 'चट'र्बे र'तु 'चु 'वह ब'ठे ब'र्ले ट्वासु 'च्वाब ब'या खुना ब'याई 'इब'यदे ब'च 'ब'या प्याप्टे ' स्रवास्त्र,की.भक्कुत्,क्र्ट,भ्रट्दीयमाईत्र,प्रटार्झेट.जथार्यीय.तत्र,क्रभातप्रकीवातत्र,योचवा. शर्वातरम् नार्डे जाक्षयम् राष्ट्रम् जा सामराह्मा पर्द्रम् मार्थे भार्षे भार्षे भार्षे भार्षे भार्षे भार्षे कुः विवयः मुत्रावकु न्द्रुः य। यदः ह्रे दः नुः वाशे रः हे वाः श्रे । वहे श्रः या ठवः नृदः। वाशे रः मुः कितामक्ष्यका बिर्म भर्षे दासे रामेश्र में चार्त्र में चार्त्र क्ष्यात्र क्ष्यात्र मान्या प्रमाणका वरायहराया वराहे वर् से अस्यासर् वर्षरा च्वावरायर हे यस्वा कुषा स्वा स्वर्ष वर्ष ततु .बैंट.पर्श्व.ह्या.क्ष्ट्र.जबात्यवाचा यथात्रेय वा शालपाई .क्ष्यामी .क्यातू .चरासेवा. द्वाकु अर्के वि स् मार् र प्ये र प्ये व र पर मी किया है। वर हे व या र ह या पर् र या अर्के र हे व इंट.चेश्र र.श्रुचेश्वर प्रमु.कुद्र वस्य केष स्य क्रुचेश ग्री श हिंश पा ह्या क्र्र वाश्वर वाश्वर स्था स्री. बेट महिषायाटमा निवह तसे कायश का अर्के निवा भी खेट महिषाया ने पर्वे का तसे का ताम

र्यक्षाम्भान्नभानिक भागी निर्देशम् भार्षेत्रभे भारतिक भारत त्तु तस्किष क्षांपट क्रेरालू रे.ता सें. स्टांप्त पासें प्राप्त प्राप्त मार्थ प्राप्त मार्थ प्राप्त मार्थ प्राप्त सक्ट्रेड्र व.चेष्र र.वटकारी कातवे टकाता क्रिया प्रमाणकार्य व. पे. क्रिया हु व. पार्त व. त्रा क्रिया प्रसा क्षा सं सिरालं तास्या प्रवाद तत्रेया या का सक्ता में यार्ट रामक्री यार्ट वासी यापि राम त.ज. र थ. त्. कु द्र . वस किथ की था बिथा पा हू चा क्षर . वशी सी . हो ट . टी चा ता कु थे . ता से जा र्र्स थे . ही . च ब ट. च ई थे. तपु . कै जा शक्ष थे. की . सें . च रें ट. र टें जा जथा ची च. ता उसे. की थे. हैं . कू च था. की था लू ट था र्शे.ब्रिश.त.र्झ.भाष्ट्रभग्न.जग्न.प्रेट.र्झच.त्रर.कु.च। लट.र्ड.स्रेज.र्स्च.र्थ.र्य.तृत्य.यूप.प्रेय.प्रे याली. ह्या. तथा स्वाप्त की. पाष्ट्र प्री. यारी ट. पाष्ट्र प्राप्त ह्या. या प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र हे सार्झे मनी र्हे न नु रविषाम। मलक यम रहे हे रविषय हो न या से मका मदे रवे रवे रहे रहे म इं. क्ट्रु वायात्रवे . तकी . हे वा . वा हा वा . वा या अप र . वा र या कि . वा वा वा . सक्तार्टा के सि स्थानस्थात्र सार्वा स्थान स्थान विषय । विषय निष्य मिन्न स्थान त.शूरु .मु स.पश्चरम.चेरुच द्य.रथ.मु .ची .ची चारा ह .कु थ.तू .भु .क्र. २०४.८८. ह .से .सू चारा वा साक क्रिं पर् वार्या वार्य र वार्य प्राप्त वार्य क्रिं मार्थ र विष् भू तिक्री प्रायत्वेद्रम्भू स्वराप्तु विषात्र वार्ये राज्ये राष्ट्रमा वार्य रा वर्षा चेश्र राष्ट्रकी विद्य राज्याक। रर्षा की मित्र मेश्र राक्षी मात्र राक्षी साम राज्य राज्य राज्य राज्य स्था र्से दे 'ह्यु ग्राहे 'के व' र्से 'से 'कं ५ 'पठ राणी राह्ने ८ रेव ग्रे माराविता देव 'से 'हे ही दे ' निर्नित्ते दे ही सामान्य पक्षित्र ही . कर् सिष्ठ सामित्र सा हिन हो . कर् सिष्ठ सामित्र सामित्र सक्ट्राह्मार्थे विरायगरमाके पादसम्मासवाय र्गायर् र विमायमास्रीयर दि । वर्षे किष દ્યું માત્રું દશાતમાં જાદ્દે તે છે . શ્રુપશાસ કે વાસ્ત્રું વાસ માત્રું તે તે માત્રું હો જાય અને કાર્યો છે તે તે तर्वर्द्वातर में विष्य में स्था स्था स्था के से साम के से साम ह्रे ट म्बेर र हे मा विवाह के पार्टा अर्वे हू रा खें मोब्र र हु मार्ट र में बार्ट की के बार्ट र र्टायरुषाया गर्दे में त्ववाषायावाष्यायहरायहु दुवावी त्युरासु। यगावायह्रवाची ख्री वाषा त्रभा चिष.घट.धे र.च.कु च.सू चल.चर्चे चला श्रीत्रका.श्रामु थ.सू .प बट.कु ल.च चला की.शकु ल. चषुरमा नरायः चराक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राक्षायाम्। श्रीयमामम् नराक्षेत्राचाममाक्षा सक्रियाने रमायर सर्ता मुक्क र देवा स्यापि हिर्मा में का में मिर्ट में र यरे अक्ट्र वार्यार हो। क्र. संस्थावारी श्रास्य वारा ही स्था क्षे प्रक्रा क्रा क्रा क्रा क्रा क्रा क्रा वारा वारा के ब दशानि का गी प्रविष्या राज्या शास्त्र है र हिरास्त्री वाया गी विष्या मिरानी है या पर्या में या विष्या । भ्राप्त्राम्य म् में मात्रे भारत्या मात्रे भारत्या में मात्रे भारत्या प्री में प्राप्त में में में में में म के बर्र अध्यासु सानु दार्वे दार्वे दार्वे बाब बासु पर्तु वाय बाद वे बिराय दे प्याप प्याप्त स्त्री प्यत् साम स क्ची जहरासम् ब.स्.चटार् जर्प्टी लया है वि सासे जार्स ब कि सक्टूर पर्वे बरा बे बरा ही बार्स. र्वे भी को वर्दे त्यायहे क क्षाविदाया न्या सह ले शायवे सक्षात् वा मुदा वा मुदा कु ब.कू स.त. र ब.त्. कु द . ट्यू ट स. रू या स.सी. ताचे ट स.त.द .ला. चे स.त. सरू ये सी स.री. ताचे या स. तातरशार्चित्राभीयावाच्याता भी तक्षेत्रक्षेत्राह्र नियारचारान्या नियापाच्या लिया चम्र र.भर्मु ब.चम्रेट.उर्दे ब.भ.मू चम्र.दी ब.क् चम्राविट.क् ब.बी. हे ब.उचउ.चर्चे चम्रा विट्राली ची श्वरः ब्रै ज. तृ. लु । वि. त. ब्रू र. ते. दृ. क्रु श. ते. त्योश तदु । वि र। क्रिश्न ८ र. ब्रे २ . यी. ज व्री र पावा वी वी श. ठव पति वा। सक् वा न सव है। पेंदे पर्नु पेंदि पेंद पेंद पेंद पा है व न वा है व न वा स क्रुवाया । प्रयासम् वात्र प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प त्रासुन्द्रा । शियाशियायवियायवे प्रेमाळे माजुमाजी । द्राञ्चे गाया सहन् न्राया द्वाकु अर्क्ष विषा । अक्षेत्र की : श्रुष ग्युर १८ वर्ष । प्रतिष्ठ । प्रतिष्ठ । प्रतिष्ठ । प्रतिष्ठ । प्रतिष्ठ । त्र क् महेरायमा विष्यापर मुनमाहे मुनमहे स् मा निष्ठ राज्य समा विष्ठ रुन के निष्ठ रुन के निष्ठ रुन के निष्ठ रुन ततु दरक्षेत्र मिल् प्रवित्ता । श्रि.ला. श्री दार में श्रायतु भ्रिया मिल प्रवित्र । वित्र मार्थ द्राय

बुट पट्ना ने प्रिं र खें र प्रुं र प्रे र से पर्या है पर्या है। प्राप्त र से प्राप्त र से प्राप्त र से प्राप्त भारे में . ज च मार्च . स् . च ट . से । चिष . च ४ . च के . द ट . च के . इ. कथे। च इ मा तट . है ट . य.ज.चेथ.र्थेश.पके.रेट.पर्थे.दी घष४.२२.मु.त्र्यूर.भरे.रें.वेंट.पी पहरे.ट्रट. हमायाधिव खुवाने पहेंदावमावद्यार्थे।। देर के मारी ही नमाम में प्रतिमावहें व क्राया वर्षासक्षवात्रायाः स्वाराणी वरावत्वार्षास्यास्य वर्षात्रास्य वर्षात्रास्य वर्षात्राप्त वर्षात्राप्त वर्षात्रा ततु .चात्र भाषट .क्रू चाका.चूट .चे .श टे. ततु .क्ष .टे ची .क्ष का भी .चर्च चाका चोच को . श्री .श टें चे .क्ष चे मकूरे.रेत्र.कुष.मूर्व देर.लुवा.कुष.मूर्व स्वयंत्रव्यका.चेरा.की वर्षा.पा.मूर्वा संग्री. यमार् म्वममार्थी है। पर हे पार्टाम् क्टा है पा कुर्यं हे पार्मे म्यामर् वस्त्रेष्ये प्रत्रेष्ये प्रतरं प्रतरं स्वारा भुत्र अर्मे व विराह्म प्रति र देवाता स्वापर मुवर के र मिह का भी सुत्र अर्मे व से प्रवर क्रुयाचावायाकी अक्रुयाचं रयाता हेयावार्त्र हे हे वी राशव्य वात्र विषावर वा है क्र्याया हे र र्वे वात्यक्षात्राचे वाषा षात्री संविदाक्षेषात्र हुन् तावाष्ट्र प्रमुवाक्षेषात्र क्षेषाया सुरात्र सः सायस्यान्त्राच्या के वार्षे साम्यान्त्रा हे वार्षे वार्षे च्या मुस्यान्या क्या सर्वे क्या र्टा हि. मृ. मृ. में प्राचार के स्राह्म र वे वास्तर में विष्य के मान यात्रदार्चे बाधिबायत्रायम् । जूर्णे भ्रेवे वे भ्रुषान् । हे बाक्ची मर्डे में तर्रे दार्चे न्रुष् हे म पत्ना में हि में व्वासार गार प्रार प्रार प्रसर समामिक मारी प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त यहेरमा हे म की मार्स में हे तह मम हो र अही कर हि यर् म मा मायम सु हे हे मूर म् सियान्त्रिया में मियाया द्यानियम्या क्रियामें कियाने मियामें में प्राम्याया की. भक्क सांतर् हमाता हे बे. की. चार्कु. तृ. चीं पाक्ष बे. क्ष्र सांतर हैं। पंतर पर्व से बे. तर्व से बात सक्षे दसरामत्राहे अळ राष्ट्रे राववराणे दावि कादवराकुणादि शावल् म्राणी अर्के दाहे का के का भू रिंदेजा की थात हू थाता मिं तर्दे सिंचा क्षा की रितर था भी भारता वार्ष रें बारेरा भाराजा र्भे वार्यायदे के राद्रों व पदे दिवर्धे के देव घट च्याय सूर्के वर्षा ग्री प्यय कुव द्यवा पु से द यमग्राबाद्यात्राचारमान्यात्रवाक्रिवार्यात्रे मान्त्राच्याव्याच्या स्राम्यात्रवार्याः के त्ये दि दि । यस्रांत्रार्धेराध्यापुगापुगापुगापुगापुगाप्या कारा वाराया क्षेत्री क्षाया विष्या क्षेत्राया विष्या विष्या विष्या सर्टरासाक्षरातर,रेते.से.से.पषुष्यपर्वेचरार्येचरारा त्रात्र, वासुर्विटरायर,रेते.स्वि.सेटरा मुड्रमान्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्रम् मार्थात्राच्यात्रम् मार्थात्रम् मार्यात्रम् मार्थात्रम् मार्यात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्थात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्यात्रम् मार्य ठवा रट्याची अर्केर हे वरे अर्द्ध न्या चिस्राया मुत्र न्या हे में रन्या हे सूर्र प्रा भ्रुं भ्रे :कं र रुवा रुव रव रव र सर में याया चु प या दे : चु वाया हे :के व में पठ पाठ वा विया चु पि या ता र्वत्राप्तर्भाग्वेषानाराभाष्ट्रेरास्ताप्तरा सरामानाबषासुभाष्ट्रास्या नाबषायरा। र्रेटा च्. हि. में ब. श्रें . हे ट. हे थ. ही ब. ही . सें . चेरें ट. श्र हु . चे चे ब ब ब च दे . हे चे . ही . ही . ही . क्री चयायायकी राक्ष्याची श्री श्री श्री प्राप्ति राक्षेत्र वीशा विवाद स्त्री सामित स्त्री सामित स्त्री सामित स क्रवर्भागी :क्रवापानाववायराष्ट्रपु 'ययन्यायायराष्ट्रमा अर्के पार्ट्सि राजाप्ताये का की प्राप्त के वा रे पित्रे मार्चे मार्पे मार्पे प्रमायाधी मार्चे।। रेटार्चे वि के मार्कटा मे प्रमाणस्यासमा क्रमा झायटा। क्वाळ्टायट्वाया हाली. ब्री ही क्याया केवाया हेवा की या ही ही प्राप्त

वर्षित्रामा में भी भी भी स्मार्थ में विषायं प्रमायं रिषाया हें बे वार्ट्स के वार्ट्स है विकर्ण वहसा रिचेटमाझ्रिक्रेटा झूचर्त्र्यस्यर्वेटा ह्र्युही बीचमाई कुयेत् सिचायधुता चमर हः सम्वेष द्विषयः रया इसया सम्बा यह या क्रियासरासे सह दार्से वाया ग्री स्तुः पक्ष व स्त्री व प्राप्ती स्त्री स र्रेश.पक्चे.पर्वे वेशी के शिवू रि. पट. पद्ये तृ. श्र. की ये विश्व की हैं . मुं . मुं . मुं . मुं . मुं . मुं . चलेरमा हे ब.मी मार्के. मूर्राया हे हे तह ममाने र मी मक्षेत्र मार्थे व र्टा भव्य र.त्.सेय.पष्टा लट.वीर.भव्या भव्य ४.त्.प्रभागी.सं.पश्चारी देयात कृषाक्रिया दिषास्र रायक्षासि विराधा क्ष्र राय्या दि हि स्वया दि राय्या है स्वर्धि रा विजासरा सः पठु '५८'। क्वें 'ये गथ खु 'कु वाके ब 'पिले 'पठका'पलु गया के । गलु ८ मी 'सर्ग के । गले के । या स्वर्ण के पटा विषायर् निर्धास्त्रामा निर्धा स्त्री स्त यथा विक्रिक्षम् राद्रालयार्श्रे नयायायासुरार्क्षे नया इस्रयाम् । विदे वाद्रसाक्षे नार्दे <u>इतः रायर विषयात्रकात्रे । विर्यूकात्वायवे विषय्त्रे दास्त्रे दास्य राष्ट्रे वास्त्रे स्वाधिवाट्ट्रे व</u> र्वतः में दिः सुर्यते हे त्राये वे वाप्य पहें वा। वे वाप्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विषय विषय विषय विषय विषय र्मे चर्याचरायते चर्डे जारियालस्यामा के बायकाल या प्रे चर्या या या विस्था स्वाम्य या से या के या वि तथ. मृर्यायातपु. क्रुयाया। सक्सया ही यातपुर्यास्या क्रिया करा स्ट्रिया पार्या विवासिया स्वास्य ततु .क्स्यमाक्ष य.पर्ने .विर.क्ष य.स्री पर्ने .विर.र्ज्ञ भाषीय अविय.स्यार्थ .त्यार वि .वर्ने .विर.र्यार. र्के त्यान्ये प्राप्ते सामि सामि स्थायर मुन्यायायसाम्या सामि साम्राप्त साम्राप्त सामि साम्या साम्या साम्या साम श्चित्रां अर्गे व : क्वें प्रचट : क्वें शं माना शं अर्कें शं पति हि दाव मा शे र : कें मा के प्रामा शुक्ष : प्रा किता.भक्ष.पध्र इं ये.किय.क्यां यात्र क्यां तर् तर् विट.क्यां क्यां क्यां व्यापिता ई ८.म् .भक्ट्र.पिट.रेर्येश.भर. ई.पर्वेष.येशश.भम्य.म् .म्री.पर्थेष.योश्र. चरश.तारा.यीय. तार्चि त्य दें . यो दे माता समायादे माता सिं . दें तो सार त्या सार हैं हैं हैं । की सम्हर्म पर भाषा है 'में 'भाष 'प्रिंदिम' रचमा भी 'मिय मिट 'पर्मिट। ट्रे ये मा ई ट 'त्या पर मा में भाक 'हे पर श्रे.मूर्यास्त्रे.कुर्यास्त्राचिर्या हुत्रतिहिर्यात्रययात्रा रत्यात्यययात्वात्रित्या क्यार्येया भक्तां पार्थ भायरुभा मुद्रास्त मुद्रास मुद त्र. कुषु त्वस्कुष् की षासु ५ त्या रही ५ हा ना की ही हिन मी खिता सु पारिषा की पानी मी हिन सा हिष्या मुं मुंबारा में में वास्याया धिवाया विदेश दिवे हिंदे हिंदे हिंदा है मान्या की नामवा में मान्या मिना मिना स्रवसासु पत् न के त्वव के मासू में न में न प्यापित वा मासु मा या पाय पाय है वे के मारी मासि में लट.लु थ.बू.चे ।। द्व.२४.२५.५५.वु. व्व.३५.वु. हू.चू.कू.चू.कू.कू.कथ.वु.कैट.लु.क. म्बर्भायर स्रुप्त प्रदाके कं र उर्व पर्के त्या उर्व र व मुक्त प्रवि र व भग्री। वार्षर.वटरा.ग्री.क्षा.स्रा चवार.वर्षेष् व्री.वर्ष.र्ड.वर.विट.व.क्षेत्र.वर. য়ৢঀॱয়ৢॱळेॱख़ॖॖॖॖॖॖॸॱॻॶॖॱॴॶॴॱ घ८ॱॴॱॻॶॖॱॳ॒ॴ ॴढ़ॺॱॴ८ॱऒक़ॕऀ॔॔ॱॾऺॺॱऒ॔ॱॻॖड़ॱ क्रम्भारवे रमात्रेमाम्भाभारम् । मृ मृ मृ क्रांपर् विर्म्भामा न्न्रिंश्वें पक्ष्र्न्यर प्रवेद्यासर्वे प्रस्थाय के स्थाप के स्याप के स्थाप के स पक्री झुब.क्ब.पधु.पर्वे.पा इ.टें बाबा.स्.स्.स्.क्ष्य.पष्ट्र.टट.परुवा.पवायक्षेता सें. हिराई वात्राकु बात्रा रिवीं राजु राजु राजु राजु राजु राजी है वाचा के वाची विकास की विकास की विकास की विकास की पर्देथ.चेशवात्तु. श्री.पश्चेब. ध्या. क्ये. श्री त्या विषयाता. यहा विषयाता. यहा विषयाता विषया विषया विषया विषया हैं ना हे प्यय ख्राय रुषा के 'कंद 'रु न 'दिया के 'ने ना में दिया है के पान में 'में हो हो में मा से हे ' यास्यापवे मोर्श ह्वे दाने म्ह्याद्यदा मार्थ र बद्यायशामु पायवे सर्के दाहे के से किंदा उक् २४.मी.चीयमा है.कु४.मू.पर्वे.चेव्रचाला स्थर सें.कु.क्टि.पर्में दें.सेच चेथ.घट.मू.चेर्मा म्रार्थे प्रार्थे में बर्टे बार्षक् बार्बाहे का इं तर्दे बरिष्ठा ना स्राप्त ना है तर्दे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ष र्वेचम.घट.पो.क.वर्षेभ्रो कूट.वि.चक्चेट.व्हे.टट.त्रष्ट.कुष.उर्विटम.प्रचस.चर्म.ग्री.घट.वी.चक्चे. इव हे विवास र्वे प्रमा प्रवाद प्रवाद मान्य प्रवाद मान्य है विवास मान्य है विवास मान्य प्रवाद मान्य प्रवाद मान्य

के बायर व्याप्त के राह्या भी भी राधि बायया परी राया परी दिशा भी मा किरानी मा प्रमुत्रावर। चिष्केर् रापक्रीराता ह .ल. रूता ह्रा प्वारा प्वारा प्रता हे . प्यारा प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प् शर्मे कर में भारते र भारा हे न मर्डे र हें न या मर्डे प्रति र मसुसा हे प्यत स्थानस्सा क्षेत्र द्वा सक्च वा वाहर मा वा ता द्वा ता क्षेत्र क्षेत्र प्या क्षेत्र प्रका क्षेत्र क्षे तमायब्रेम्या यापायव्यू राळ्राम्हि सार्टा हे यापास्य स्वास्य मारा प्राप्त स्वास्य म्रोन्य प्राप्त स्था 🛊 । हे निष्टा निष्य में जुन से हुन स्था वर्षे । वर्षे । स्रमार् त्वेरमारा ३ विः स्रापिटा कियार त्येसारा वी स्राप्त क्रिया विश्वा र्रायुरावि प्रते वि विरावे रा क्षी कुर्यते प्रत्रावरा बुरापति खें प्रायक्रायक्राय पर्वासु देवायकार कवा वार्ष राहेवायवि परा वार्ष राक्षे क्या सक्ष्यावि सारा हो वार्ष क्रिव, प्रथ्य, प्रथ्य, प्रियं क्रियं त्रा श्रियं असूष्य, श्री स्त्री स्त्रा त्या स्वाप्त प्रप्त स्वाप्त स्वाप्त यधेरमान्त्री भर्वा क्षेत्रमान्तरा स्वा क्षेत्रमान्तरा क्षेत्रमान्तरा क्षेत्रमान्तरा क्षेत्रमान्तरा क्षेत्रमान सहरी लामुचारचार्यराष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाष्ट्रच्या स्वाधि प्रमास्त्र क्यायाई हे तकरावी बरायबी बाबाओं है हे त्ववा भूषा रेट्र बाबी बाबी बाबी वाया है है तिया में वाया वाया ८८.खे.जी.य.ज्याथाताकीजाशक्ष्यामी खेषाह्य वाजालयाचीयात्वा हि.हारहि वाषानी ८.मी. श्री ग्राया चर्षियाया हु.सुरु.जु.सी चरे.यायर.उह्याय.यायीया चयाद.उर्धेर.क्र.यायीया तीया. चेश्र. त्रेश चेश्र. वर्षा की स्र्रेर अर. त्रे स्वश्राच बेधश है। दे वर्षावर विष् म् कि। यर हे ये त्रु. त्रु. त्रु. त्रु. त्रु वा. क्रिया क्या वियम हे . क्ये प्रापर्वे . ये ये या खे या खे या च्चा.कथ.चार्च.त्त्र्य.चारीभा चट्र.चार्यर.तह्चार्याचीश्रा.ची.मुर्यायसरमा चार्यर.तर्येत्र. यः पर्के र.ग्री.र्श्ने .तर्रा क्षें र.यचवाराः क्षें .चर्याः सूर्यायाः पर्वे वार्या क्षे । हु.क्षे .वर्रा चीय.पर्वे. चारे मामाना मामा चारा र रहे चार्टर पठराया हे ब चार्टर सर्गे ब रहे राजी है र खी है है जे चराय है जे सह व सक्षेत्रमाष्ट्रिया हो व क्षेत्र पित्र महिषाया हे व मर्डें र नु य पित्र पहिसा निहर्या गुव चित्र। द्रवायात्वारु राष्ट्र। वायरायन्वार्ष्ट्रक्रे वा क्राक्षात्रमायुयार्यवायात्र्वा चकुःस्व द्युन्याहे क्रेब्रें पञ्जाने नालयाची यो स्ता उबर्द्रायमानु नामें हिन्दी क्रंद्र सक्स द्व.रव.मी.सकूर.हेव.स्थ.पकिरी चेश्र. बर्थ.मी.सकूर.हेव.स्थ.पकिरी ह. उविरम्भर्यम्भर्दात्मक्षेष्रविरम्भर्यम्। क्रिन्द्रेत्रः वर्षाम्भवम् वर्षम्भः रिटेलाकी त्यावादकी राष्ट्रकाषा वाष्ट्रत्यावादकी रार्तराष्ट्रका क्रांचेका वार्षराष्ट्रका तिश्रार्श्वयारात्र्रास्थार्वे द्या वाषयात्रास्य वाषात्रभार्त्रे स्त्रास्थार्त्रे प्राप्ति स्त्रास्था यर . चैट. झे. कू चे बाहु र दिया। चरायक शार्ट स्वाय ही र प्वेत खेरि हो पर प्रामु के कार्य की कार्य की कार्य की वाराय देव विट वियायते अर्के दिस्याणे विदायनम्य केवादेन सम्मायान्य स्थापने दिस्य । देवा त्वर्भः वर्ष प्राप्तः अर्भ्यार्भः हे तकराष्ट्रं प्रवरायुरार्भे वाषायस्व राष्ट्रे मुखासळे वाषायवरः इ । वट मुक्त में मिह का या मिर में मि मि का सक्त या। वट हे व मिर्ड में र्रे मायबे हमाया या रमनायमभावतिः निरानी विभावतः र्यानमा विभावतः विभावतः सुर्वे निरानी स्थान बरमाग्री विभन्नात्रा द्रम्मात्रम् मु स्त्राची हे यातास्माग्री मस्रायस्मा ग्रम्सा चक्री च.श्.श्र्यामा. इय. तृ. कुट्ठा सक्ट्रा हमा सरा है। वसा ख्रा ख्रा वर रहा सम्बद्धा શું.ભૂ.ઘેટ.શું.છું.સવા.જ.જ્દા તે વિદેશ.ટિઘેદજા.પીંય.તાં રૂ તેયા.શું.લે.તિદા શૈય.દ.ટર્ને. तासीं भारत्यों वि. भारत्ये साता हे या मुत्रा की साता हे या मुत्रा वी या कु या ता हु या त्रुषु त्रुषा प्रचेत्रे त्रहस्र प्रद्या प्रदेश मात्रे वाषा सुर्या हिषा त्या पर्श्वे वाषा या प्रदेश के वा श्रुष्टी वा

मु किय सिर में या यह या पह किर किर के त्या प्य प्य या स्वर्ध मित्र के या विष्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध वयान्द्रायेवसास्वे कुयाव्दान् विश्वस्यान्या के सायारे कर्यों के सान्नु हार्ये वे मुद्रमा है ट.श्रट.यप्टेटमा डे.बेंबाजू.यधु.त.चेंट.वेंद्र.केंवा बुद्र.यट्ट.केंवा प्रयामेंबेंबा शहर. र्तृयत्तर्थात्रः। त्रिक्षयास्यात्रयःक्ष्यास्या सःभाक्ष्यातार्ययात्र्याक्षास्यात्रा भ्री विष्वाचर पर्वे देवी सूर्यामा पर्वे यामा सूर्या विष्युष्ट मानु मान्य स्थानि व इत्रायर्ट्रिन्न् यहें यदे न्यमाय्यान्यमा । मान्याचे म्यान्ये राष्ट्री यदि नि राके नार्ये श्चित्रारिग्र्यायास्यादेवाते त्राचित्रच्याचित्रस्याद्री। वेयायस्ययायास्याद्री 🤻 ।स्रित् भुदि ः स्वापटा। मुक्रायकु र्दायकु र्द्याया मक्षेर र्ह्माष्ट्र र्यु प्राके खेमका सेम्बर मुक्रा स्वा या अळ्ब ह्ये वाह्य प्रवाद राष्ट्र राष् म्नि मिन् मिन् के में में निकार प्रि मिन्न मानि मानि में मिन मिन्न में मिन मिन्न में मिन मिन्न में मिन मिन्न में यमामिटायाद्ये राञ्च ह्यायदे व्ह्रामिटाह्रे टार्दे मामके राजी मानु हु राका यह दाया विटाहे वा वर्ष्ट्रिं र्चर अर्वे बर्धे के 'द्यवा' के द्रश्चे 'कु 'कू बे बर्घर 'याक 'वाबे र वाद 'वे बर्घा वाबे या चतु रूषे मू कुतु स्तु वि वक्षेराता स्रमान्त्र मात् रूपे न मर्थमान रूषे मू कुतु किष् हिर में या ख्राया द्राप्य के राष्ट्री सु वि मरार्ट से राक्षर क्र मी से रासु मिर्ट सु दे कु क्रा वश्रामळवायरामहिषा महाराषु सामाना महाराष्ट्री सामाना त्रवातः व्हें वाक्षता मार्गात के प्रवास के प्रवास के वार्ष के वार्ष का मार्थ के वार्ष के वार्ष के वार्ष के वार्ष ह्रे ८ परे के दर्दे दर्पों क्रि ८ दे या कु दमा में ८ स्थान के र पि माने सक्द के या परिष् विश्वरावरक्र के श्री संविर कि भूति कि से विश्व के विश्व के प्रिक्त के अस्ति विश्व के प्राची र इट में र पर् विट पर पे के पर्व के के मार्से र वि पर्व पर्व सो के र र के की खिर र के की स्यानिश्वास्य प्रदे निश्वास्य विष्याम् । विष्याम् ।

क्रियायर त्यार क्रिया दिवा हो दिवाद हे विषय से विश्व प्रायत हो। 🔻 । श्रिव प्रस्ट र स्टर में हि. प्रमा में बे प्रमूर हे बे मार्क्स माय के बे रे में पर्टे बे के मार्कु हु से प्रमूर में पर्टे हैं में में हेन'रट्य'मे सप्तें सप्तायस मुन्देन स्वाय एक मी सास्त्र प्रामें नास्त्र सास्त्र नास्त्र । 🖇 दिन' लूर खबारातर के विरा बियायरू पक्षर क्या मुरासू वाष्ट्र क्या की राष्ट्र कर की राष्ट्र राजी राष्ट्र राजी राष्ट्र म्ने मिट में प्यम हे ट र् मुनम सर्वे द र् वाय के द से दे र् म सु सक्द में वा कट में या प्रे ट या पत्नी प्रयादायम् राष्ट्रमा के शिष्टर क्षेत्र हिं। प्रदान क्षेत्र क्षेत्र का मिर्द्धराष्ट्री मिर्मे क्षित्र क्षेत्र क्षेत्र मिर्मे स्थानि स्था यन्नायि रक्ते न नुषायि रान्युषा की स्नु क्ति मु क्ति मु न्यनायम् अपि कि र नि स्नु म घरकः स्ट.पर्यातविषया है । से .पट.स्.या चिय. सं.पर्ये ता.ये प्रम्या सि. दें या.ये या. क्ट्रक्र, रटा वेश्र र. प्रेवार रेवा शर्ते क्राय्त्र क्राय्त्र र प्रवासक्याया क्रिया सक्यापित हो व क्षेत्र, ये व.रट. प्रथात्रात्र प्रक्षेत्र, ये व.र. ह्या प्रथा श्री ट.ये या उर्रे विट. वी वालया ही वाया र्ये.कें विराध्येयात्रे राम्कें रामूरामध्ये देराये मार्यूरमार्थे त्या मार्याये माये प्राप्ते माये मूट रहातु नियात प्रति व स्वास्त्र मिंदि राह्य निर्माण माने र अस्य विषय मिंदि रही प्रक्रिक के प्राप्ति मा तिजातम् राया मिन्ना तर्रे के अत्राक्त ब्रांत्री शह्रे हे र र र र ईं र अद्र विट क्टिं वे वी ग्रीट लूरे बे वी श्री स्था तमा विटानि.जूर.चनर.चन्यानिमा हमानूराई हे हुरे हुरे ही रिम्साताकु मारेनिया सु मिट्ट यात्रा हे मित्र परहसादिर सार्तात है में सार में सार में से दिया में राम में से दिया में राम में से दि ॡॱचकुषाचु८ॱæुचॱअर्केद'हेब'र्<u>च</u>वाळद्'ायशॱख़्चवाचेदषायायाअत्व,क्चचाकेद्रायर देवा कुषु त्यस् क्रियः झू य्रायर्टा। झू .क्रियः योश् र क्रिया पक्षियः या था ही .क्र्या यी पत्यस्वा ईर म्ही . चिश्रदारे साम्रम्भायमान्नु 'चित्रदारे रावत्वामाकु वे 'कु वावावर्षे वमाकु तम्मानी 'वेवि 'त्त्रा

चर्दर्येदे ळे अप्वर्डे त्थ हे बर्नो प्दर् बर्ड्से टर्सना अटर्ये अर्थे राड्से ट्याग्री अरअर् बर्पर्रहे इ। विट निषर प्रे ते प्रे दे वे निष्ठिर प्रवे निष्य सु निर्वे के वे दे र विनाय से सिंदे से र श्चित सहताश्च श्चित्र पति व नाहित्यायाया साह्य स्त्रूप्य स्तर स्त्रू न्या स्तर प्रति व पर्य न्या स्तर स्तर स् सक्राचासरानु पुरायराचे रार्टेगा के बादे विषाव बुरार्वे रायादा वासुराह्म राद्यों रा बरमायमानुवायदे हे सु वु दुनाउमा यमानिमानु मानु पति पर छे र उसे मे हे करादवेवा भावाकु विभातपु जा भी कु किरारायधी हु तुतु जा भी वि विश्वभासे वा कथा विश्व भा लया है। श्रम्भेद्राञ्चा ह्राञ्चा ञ्चनः चन्ने प्रविष्णायक्ता सुम्यवष्णाः अवार्षास्य वर्षा म्बर्गा स्वर्षा स्वर्षा स्वर्ण र्या ज्यायायाय हें र सी घर या पर्यापर्य पति। यीष घर पर्या प्राप्त प्र प्राप्त तवीं र.क्र.चेश्च तमार्च वाराचेश र.चे यात्री राष्ट्री यात्रा प्रवाया प्रवाया विवाया राष्ट्री या विराज्ये वार्क्ष वार्वा वार्ष वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वार वार्व वा चिन्नात्त्र सें कु किंदा हे त्रुद्र सें वि कंत्रद्र क्र्या व मक्रूर क्रू नमाने हार्या न मु देव बहर पर्वा लय है : इ.स.सू 'हेर मी 'पगाय प्यवसार है : लय ख्राय मस्सार है : वोश्र र वि :क्ट : परुषा ग्री : वासुट : वतु सार्श्व वाषा पति वाषा या हे : वासे र : विट : वार्ष र : क्रू व : दे ट : यल् न्यायाय के राम्य द्या श्रुप्या सिव्या सम्बद्ध न प्राया के व में या कुप सि प्राया प्राया सिव्या सक्सरार् न्युरि के देर रामि दिराये कि वित्तर के वित्तर कि वित्तर कि वित्तर कि वित्तर कि वित्तर कि वित्तर कि वि क्रम्मे अक्रूर्वित्री ह्र्याये निर्मा राष्ट्री वि निर्मा क्रमा हे सी रे जया के क्र्रास्याविया ये सु नड् नहि मा उन नम् अर्के नि मार ना उन नम् में महे के नमें नमाय वर्चे र इ .लच. संसाधिशारेट .त्रिक कुषे मुँ .व बट कुषा मेथी सूट सावह ये.ला . प्रेसा मेवा. चार्कु मिरात्य में चरात्रात्र निकास्तार्य त्यार प्रकारत्य वारा सक्ति। सक्ति वारा सक्ति। ततु तम् वास्तु न मुन्यास्य सक्रमान् वादा है । वि नि वे व्यापान प्रमान वि वि सामि । ठव.मी.क्र्य.पर्ह्मा.मा.४व.ठ्रमा.म्य.मी.मि.मा.मा.म्य.मा.मे.प्यामासेंटमा 🚴 ।पम्र.मि.मय.क्र्य. में विरक्ति विर्मा विर्मातिक दिन्ती विरम्भी स्वार्थकी विष्माह क्रिया है विर्माप्त विष् वया द्य.र्थ.रथर.त्य.तथा.ची य.ततु .यतु च्या अकूर.धे य.पक्रेर.वि.चर.प.प्र.प्रथा र्षा अ । अक्षव क्रें निषा वरा के वा निषेत्र के निष्य निष्य । निष्य अवस्था में कि के विषय । निस्माउन। उन्दर्भ हैं देवे सुदि दिन्दि । र्षेत्रात्रके.र्ज्ञा ची.र्ने.प्रक्षये.पर्केटे.सूचायाःसं त्यटे.प्रटा यट.सू.स्रे.श्रेयाःक्रटातात्तरः कु.चर.षेच.तथा.वं त्व.चं .वं .सं. २.२८.भर.त्.चं चेषा रूर.त्.वं यथा रूर.क्षेप.वर्ष.वक्षेर.व् ज्.कैं याचेवायात्रधार्थात्रप्रात्तायात्रात्राची यार्ट्वायाय्यात्रात्राची यार्थात्राची यार्थात्राची यार्वात्रा र् 'चर्गे र 'य' इसस्र हे 'चे 'कु स'र्र 'स्व 'यदे 'ह्वे 'द्र स्य पर्टे र 'य' भे व 'की 'से र 'हे न स'र्स र 'र्र हे स ळ्ट्राच्चेश्रामाश्चरता द्वारि रेव्या भिष्ट क्षेत्राच्या निष्ट हि स्थायि त्राप्त द्वा देश त्र में प्राप्त के प्राप्त ५८१ देव श्री ट अपव के व सु र्धे न या अर्थ देव देव के ५८१ सु अके ५ दें हे वक द ने । चीडे भाषरा। रूट. मू.क्ट. मी. में . चें त्या क्र भाषाय क्षेत्र में चें चें र में पूर में पूर हैं . मृचाद्यु मान्या बर मुचु नार्थेर विराप बर मु भी भी माम मान्या हूर रेपार मु मूचा वः चरा विराववदार्भे विषाविदावारा विराष्ट्राभविषायेत्रावारा केवाभविषायेत्रा व्यायमा वर्षात्रे क्रियावृद्धावमा वर्षे क्रियामात्रे क्रियावमा व्रव्यायमात्रे क्रियावमा के ब करा रेट देवे पहे नाया से द द द यो ना के या हे करा दूर यो ना के से ब ह करा चिवार्यार किवायार स्थाया कर्ता वर्ष क्रियाविष्टा सिव्या चर् कियावस्य स्था स कर्रा विनासें कर्रा चनार्गरकर्रा कु परुवाकर्रा हेरा वे निकर्म की रासुना कर्रा

इवाने कर्त लेराय सिवर्धे में प्रवासिक रेर्दिक के सिक्र सिवा सिक्र में सिवा में क्टा ह्यू रिश्न क्टा पर्वा पहुँ शबात तु बिटा के बाबी टाविटा हु। तु तु तु ति विटाया विटाया वि यह दें रहे राष्ट्र स्वानी पर्वे पर्यो राष्ट्र पर के वी में राष्ट्र प्यवर पर स्वाप राष्ट्र प्य र्ज ततु . व्रिच . वा. क्रिच . क्रिच . वर्षे च . वर्षे . वर्षे वा . वर्षे च . वर्षे च . वर्षे व . वर्षे व . वर्षे व . चर्ग्रन्थे मका सहस्राया निः स्वाप्ता व्यापिते हितावता सुस्रायकु प्रतामस्र स्वास्य स क.ज.चेथ.रचं .क्ट्रंट.कुच.चक्च.लूट.त.सूचल.घषल.कट.ग्री ल.चर्चट.चढ़.ला.घृष.ची.पुष.ची.पुष. षाकु वार्झ्ट में भावका से वार्च बालूरी से प्रेष्ट बाक्ष्याविष्य र विष्यालू विरावह यात्रा भ्रात्यराया चवतःक्रमार्चे न्यास्रमान्स्यार्टा द्वे स्थास्य हानस्यार्या चवारे विवे मर् स् लूर्तरात्रात्राचर। च.चराष्ट्राध्यात्रार्टाची मानु प्राची मानु प्रा यद प्रचाद में बाबी व्यद पाने प्येंदायाम्बेर द्रुवाद्द में बाबी के वि में मुबागुद के द्रिवाया พชฺ ๗.๓.๘พ๗.๑๔.๓.฿.๔๗.๔พษ.ศู ปพ.ซู ปพ.กพ.บจฺ๔.๔บะ.ปู ๗.บ๔ป.ภู.บฺษิบพ. हे निब्दायने मानुमा वे पदि वे ज्ञायने पानमारे याने दिन ने पूर्व पर्के पर्के पर्के प्रकृत दिन के भाजवार्षेभार्वे भू कि भूविभाजावीं टायिष रिभवीत्वे भाउह विभाम्भाष्ट्रभाष्ट्रभू मासूनासून च्रिन्बिरपर के चिक्र है 'का है 'पिले के ची का चु त्या वा की वा है को की 'की पिले का वा पिले के प्रकार के प्रकार कुषे.तयेर.त.रेर.ही चेश.भर्षेरका.शे.मूर.र्ज .घशका.२२.ज.रेतेर.जर्चे चे.घेश.षेश.शु.शु.र.क्रू.श. रट. ब्रैट. चे २. चे २. की. अष्टू बे. कुंद्र. मुबा. क्टा. भारत्य बे. पर्चे. चे बाता माना निर्मे बे. मुबा. ८८.र्स् य.त्रा ठम्.या २८८.६७.२५२.४८.४८.म्योबशक्र.पठ.श्र.र्स्यामाना म्जान। ट्रांच्यान। कैंचयाष्ट्री। क्ष्यालीचयाश्चान्त्रांच्यायालास्चयात्राचान्त्री वान्नेटाङ्गा देशक्रीरायन्त्रम्थाने प्रराष्ट्रियान्दर्से म्यायन्ति विष्यान्ति विष्यानि विषयान्ति विष्यानि विषयान्ति विषयानि व्देन मन्यार्थे म्यास् न्यमास्र न्यमास्र न्याया व्दे सुरास्र स्र प्यस्याप्ती याळ्याळे यासेन तर प्री चे बार दें ट. में टे . प्र बे बे . पश्च में बार चे वा त्र की वा त्र की वा त्र है वा प्र चे वा वे वा वे यण्चै मार्थाः इत्यु द्रायत्वे वायस्व जी वायार्थे द्रायाद्रा द्रायाः इति यायश्चित्र यायाः चरुषाण्ची 'चे.घचषा बै.कू.चेषाता बैट.ट्रे.शु.श्राटा पट्टे जाघचषा चेषा बेषा की खेटा हा हा हा हा है। ह्मिन्नानिष्टानिष्ठा साम्या साम्यास्त्रास्त्रा साम्यानिष्ठा साम्यानिष्यानिष्ठा साम्यानिष्ठा साम्यानिष्ठा साम्यानिष्ठा साम्यानिष्ठा साम् क्यावियायास्त्रियदे देवसार्वे द्वारा स्वाप्त क्षार्य विश्वास्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त न्न निरंगिष्ठ नात्र संस्था सम्मासम् सम्सम्सम् सम्मासम् । स्वास्त्र निरंगि स्वास्त्र सम्सम्सम् । स्वास्त्र निरं यायमाइमार्ष्यमामहितावराची वार्षराद्राद्रिया दर्या क्षेरा दर्याह मेनामा वार्षरा निर्देश चेत्र र. में की निर्देश निष्ठी निर्देश निर्देश निर्देश की की की की निर्देश निर वर्ष्ट्र वर्ष मार्ग निष्य के ना ने प्रमाने प्रमान के ना ने प्रमाने प्रमान के ना मार्ग के न बरक्रिवायग्राहरम् अरम्बुसम्भे स्थानि ही या निर्मे वर्षे ही या म्यानमास्या हिर्यरर् रेय में दिनी 'झू या है 'दद दिने बारायना खया के 'या बिनाया यें में दिन है पा है ना में विक्रा स्वापित इ.कुढ़ .चेंचेंठ.इंश.रेट. इंचेंत्र.कुढ़ .इंचेंबारचेंटबाइ बेंचेंचेंट.चुं बाड़ी.जंट.चांशकु बाता संश्वा. र्मा देन में म्याने म्याने म्याने म्याने म्याने प्राप्त म्याने क्याने क्याने म्याने क्याने म्याने क्याने क्याने म्याने क्याने क्यान वर्चे र न्दर्भेव मुष्णकु खुवानु बदावड्रे ब नुषायान्दर ह के र खुवा वासुसा (नर्वे ब पार्श्व सेवि । कैं .रट. मूट. चेश या उत्ते ची विता की .र्से ची मूटा ची ची। सूटा यह परी विद्या की प्रमुखा है। र्ज्य र क्षर्) क्षर समान्तु र प्रते सम्बन्ध मिन्नु सम्बन्ध सम कुवानिहरासुन्यारायाहाराद्वीराष्ट्र। युनाराबिदारास्नियाणी स्रेटायहन्याहिता रट.ज.त्रथ.घ्यम.चैम। कैं.उर्चू र.यध्रम.ततु.र्यमम.घेथ.भूट.रे.यधिट.घंष्म.घेम.ज। कैं. र्ट्राचिष्ठभायते भूरिको से राष्ट्रियः (क्वियानी वायक्ति मिसारे निषा क्विटायना द्या) र्यटा य.चेला के.येच.रेलर.क्रुचल.क्रुचल.तल.त्र्र.क्री.क्रुच.तक्ष.चब्रूच.क्रुच.क्री.रंचन.तख्चा.चेल.येल. र्चित्रि ही किंग्रासर्गे हिटानर्से ग्राहे कुत्रगणी खुग्रासु नहीं राज्यारी दिया ही प्रा बेरपि देवार में विषय के दिराया मिले प्रस्था अरि विषय मार्थि प्रस्था मिले प्रस्था मि देश प्रास्ति विश्व स्वारात्त्र स्वारात्य स्वारात्त्र स्वारात्त्र स्वारात्त्र

वरुष्ट्रवटःषी क्रिंगिर्टा

चन्नाने 'सर्के 'र्से ब'र्से दे 'सर्के 'सर्के दे 'त्वस' की 'खेट 'हिन 'हे न' है व दे 'र्से न' हे न' है यविनाधिकायार्चिन् सुनायमान्नाकेना ग्रमाधिक। क्षेत्रीकि सु सास्वे रेमाया कु क्षेत्रे प्रमा देनानु पर्के बिट में दिसे में नमाणी प्राप्त देन प्रमास्य प्राप्त में प्राप्त के के पे सा च्ट्रायर व्हर वें रिषा च्ट्रा रहा वें प्रच्छ विषय मार्चे राधि वा ह्युर सर्वे प्रच्छ राये हु पवितः विनार्ये न त्यापार के का का की के ते रें विना मुरानु ना की मिते रें बुट के ये का यह पित्र के म् तिर्प्तर्पर्वराष्ट्री सेराया के श्रेष्ठ सिया मेर्स त्यमा प्रतिराष्ट्री से मामम्माया सिराया है राया है सिया है भी तकू ततु वर रू थ रू वायात्र जूरी वया पत्र राज्य राज्य राज्य प्राप्त प्र प्राप्त वहवः कें बाब नाया भेराना नरा बारार अराये विष्या प्राप्त में कि नाया भी मार्थ साम कि नाया भी नाम निष्या के कि ना हे .लट.लट.पश्चर.पश्चराग्री स.पंचर.तंतु .सिंगाऱ्टे .पर्च जांचतु .जू. की स.ट्रं स.पर्चा.मी .लू रे.मु सस गु से विट लिट्यासु खुन्या वर्डेट्यावर्जेवास वुरायवे प्यर है त न्ट खून पर ही वेंग्यर ઌ૽ૼૼ૽૽ૺઌૻૻઽ૽૾ૣૼૼ૱૽ૻ૽૽ૻ૽૽૱૽૽૱૽૽ૡૺઌ૿ઌ૽૱ઌ૽ઌઌ૽૱૽૽૱૽૽૱૽ૼ૱ૺ૱ૼ૱૱૱૱૱૱૱ૢૺઌૢ૽ૺ भवत्रत्वे चे का चे क्षा चे के त्र ग्यट रें द से सममायदे प्रह्मामा गुसमा पर्दे दे रें रें राष्युमा मु प्रमा से यमा ग्री मार्स्ट रहा में प्रसें

मिष्ठे राज्ये मार्था राज्ये या प्राचाया सद्वाके दार्के दार्चे दाद्वे राज्य सद्वाचि राष्ट्रे दार्थे वे राज्ये र विष्राण्या अपविष्ठि । द्राप्त विष्ठ ५८ वि ५ खूट वी ५८८ वी बादर्के वावि बाउं बायबाब वा वि वा वी ५८० वि वा वि वा वा वि वा र्भे न्या में त्राचे वा मी कावा स्नुत्र के ना नी विक्र से उद्या व्यव मान्त्र परि का नित्र के त्रायर र्रायमें वे पत्यात् नायां विषया व पद्मार स्थापित रामित व विषया है या सु ही विषय । वर्ड्स्य,वीयस्वर्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्य,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्य,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्य,वर्द्ध्स,वर्द्ध्स,वर्द्ध्य,वर्द्द्य,वर्द्ध्य,वर्द्द्य,व्यव्य,वर्द्य,वर्द्व्य,व्द्व्य,व्यव्य,वर्द्द्य,व्यत्य,व्यव्यव्यव्य,व्यव्यव्यव्यव् षर स्वष्र हे 'वगाव वर्गी ५ '५८ वर्ष ५ ५०८ मी ष वर्षि र वर्ष ही स कर ५ वर्ष की वर्ष ने वर्ष श्रे 'सु र 'य 'वि वा 'वी 'कें 'र्से वा ग्राट 'यग् समा दे 'दस्य पत्र तु र 'हे स' से द 'ये द र र र र र र र र ग्री 'यवा ' नियमाणि न से समाया इसाई नानी पारे पो माने ने में परें ना नियम माने मार्थि माने सु प्रञ्चे पर्या भेट क्रू क र्जे वा की पा कें क द्वा ग्राट द्वा दे का प्रज्ञ है । प्रवास के दि श्री वा की पा के का की पा के व यविषाधिराश्रेस्रमाग्री मित्राविषापु ख्रिमाश्री। देवाग्यरायक्विषास्री क्रिमा क्षित्राची क्रिमा क्षित्राची क्रिमा यमाञ्चर्रियान् हे प्यर्शे स्यर्शे मार्थे मार र्श.के.शुद्र.शुट्र.योर्थं ट.व्राकाकीतासीट.व्राट्राक्यासीट्र.व्राट्यं राष्ट्रयासी सामान्यासी सामान्यासी सामान्य चार्रुचा.पं.चर्डं ४.५.२च.क्ष्माञ्च्याक्षायदेवा.यथाञ्चा.वर्ष्ट्रचा.त्रचा.व्हें ट.चर्र. नुर्र् पञ्ज रे हेन्याहे याद्वायर मुरावस्यात्रात्रात्रात्रात्रे राहे याही पर्र विवादित्व हरावर्षे वादमवावी क्षेत्रक्ष तामा विवादि वावि वावि वादि वावि वामा विवादि वामा विवादि वादे वादे वादे व र्चेन्स्रास्टर्निविषायाम्दायमुषार्श्वेदायरायम्यायार्थेन्यविस्राष्ट्रावेषार्भेन्तिम्या हे छे मायह्वमायदे हिंवा हो नायदे सर्वे प्यक्षमा चेन्द्रे कु यहमारी पन्वार्ध निन्तु यहमा यने बर्ने बर्ने बर्ने बर्ने बर्ने विष्यु वा की खुर्य वृष्य के बर्म सम्मान बर्म से न्यं दे राहें निष्य लट.चैंग.पीट.भवर.पोर्ं पार्केट.पी. विभगक्षा.च्यूजि.च.रंतर.थी जैंग.पोर्टर.चेर.वेय.तथ. चर्णे मानमान्त्रं क्रिंदायम्वे दिन्धे देदायां वे प्रमानस्मान्त्रं मानान्त्रं मानान्त्रं मानान्त्रं मानान्त्रं

<u>२१८४.५. भर्मा १५८ मू चे माना प्राथमाली जाजमात्र माना मुस्ता प्राथमा स्थाप मान्य प्राथमा स्थाप मान्य प्राथमा स</u> यत्रें निष्यं में के सामालक मारवाका कराविषा के त्वी वा के स्वार्ध में प्रतिष्यं के प्रतिष्यं विषाये बारी के प्रेन्या के नाम रसरायर्मे मार्थे प्राप्तायमे कर्ने कर्मे प्रायमायायायी मार्थे में समार्थि हो स नु 'न्ना'ने 'र्ने 'या'ने 'र्से 'चे भाया'हे 'याने न कु से वे 'से न मानु माया याने न 'र्ने न 'री 'रा हें नि के 'नु भा चिषा ग्रीट भ्री । स्व नाषा ग्री षा नार्ल नाषा पदे । यहे नाहे ब म्ही । इसा ने षा या कु । यहाषा हट । यहे ब हे ब म्ही । चवरात्येचरातकरात्रक्षे प्ररामे प्रचा ह्यू प्ररामे राक्ष्या वर्षात्र प्रचरात्र स्राचरात्र स्राचरात्र स्राचरात्र चायायची ना किराइना क्रका ग्रीका ह्युका यदे प्य इपार के ना हिरा ये दिक्का क्री में में प्रविव में पातृ नाका ग्री भारते दिनदास्याभार्षा माने माझुमाया विस्नास्य कराग्यदाहे दिना मुप्तास्य मानु मासु मासु मासु मासु मासु मास सर्राम्हर्ष्ट्र क्ष्रिं क्षेत्र के देशी 'द्रारा में मान्य या सर के 'में मान्य दे. तद . चेष्या से . कें चा. भाषा प्रभाषा चीट . ही चाया सूर सूर . कीट . से टे. तहू थे . दर्दे चा. घेया तथा. यदवानी वियासे रागुटाया खुवादु विवाकु सामु टायर रामक कुरासे द रिवा कि वा निवा न याले नायमे असार्ने सामुरा दे त्यसाग्राराधे रासे समार्भे पाले नाने में अपदे दे ने में पुरासे रा र्रे अ.भूरे. की स्त्रात्वा. कर्रात्य राष्ट्र मार्थ राष्ट्र मार्थ हैं स्त्र मार्थ हैं स्त्र मार्थ मार्थ हैं स्त्र मार्थ हैं स्त वाक्ष्यरावरावन्त्रवाधायवे वि ५८ वरुषायर्षाक्षे राख्याके राख्याके राष्ट्रवा क्रमाञ्चरायदे कु'न्रमण'मी 'पर्दर्ग'न्यर'दें माञ्चे 'यो 'हे स'पकुर'हे 'यदे 'म्रर'कं'न्र'ने 'यस'स्य' वश्राक्षेत्राक्षेत्राचे के याचे वार्या न्या या न्या में मान्य में मान्य में मान्य मा भे ५ भी मायादमा विषय मु में राविन मु ५ ४ अ विषय विषे र ५ विट से ५ वि या हि र हि व ग्राह से ५। भ्रवशर् रः अद्वः पत्ते 'वि क्रः पेदः वि अः क्षेटः के 'वि वा ख्रवा 'द्रवः पेदः अ 'क्षेटः ख्वा 'द्रवा 'वा वा के ' यां विमानी हों मान्यरा यां में देर माने वार्षे राष्ट्री राष्ट्रा राष्ट्री र दे 'दग'द'यर'दु 'यहे द'से द'सरें ब'सुस'दु 'ग्रवस'र्ये दा ग्रवद'दु स'वस'र्यदे 'ग्रर'रर्कें 'बे द' म्बर्यायते सामुवायदे ते पार्मार्थे में र्रोत् के सामके पायस्व परे र मुक्ष हे साकु के सामर्व पाविते । षाष्ट्रियानु 'नाष्ट्राचिवे 'नेवे 'न्या'क्ष्य'वे चायह्या'न्ट्रम्थर 'ह्यू व 'म्री यथाष्ट्रस्य न्टर्न्यमा'क्रमः गु 'न्यर अहें ५ '५ 'पड्डू र 'हे ८ '६ 'प्या गुट 'ये अया विषा के 'पाने 'या निवन परे 'कु 'ये 'या अर 'र्घ ' नर्सु 'ये ब 'चु श'वे ट'र्र्ट 'श्रर'ञ्च षा'यंदे 'चे द' शे 'खु ट'र्ड्स'य' दषा'यश'रे ब' घट से द'यर 'कु 'बे र' चर.श्रर.पक्ष.रेचर.च्रा स.च रत्रा.ध. ही च्रा लूर स.च्री.की.श्रु. ही .च.रेट.श्र.ही र.च्री.वक्ष. हेन जाने र में न। र स्रियम हें र पर्रे र कु से दे जिंद गरे म पे र पर्य हें सम प्रमाष्ट्रि सा स्टा १९७० रेटो के.मु.मु.मु.५९००३ लूटे.कुट.हूट.लूटम.ग्री.मु.मु.मु.मु.मु.मु. चारुचा ह्या हेयाया हिंदा सुदु । सूच विद्या विद्या हिंदा हिंद त्रसः म्र्री य विषात्रतः देश्वा म्रे प्रामा मार्थ सामा प्राप्त प्रामा प्राप्त स्वा पार्य सामा स्वा सामा स्वा स क्षेर् महिराविनायहरायारे बाबरावयावि रेनामबुरार्ये कार्रामब्राहरम्बर्यस्य स्थान्य र्ने बार्य दे प्राप्त का के बार्य हिंदा है दायदास्र कि म्यु यदादाय सुर्वा हि राययहास्र कि मा स्रवराने रायर क्रायासर में लिया पहे यहा सुया नरास्त्र राया है न या है न यह स्राया र रटार्सेनारटाने रान्तेर्पये व्यासन् पास्त है विष्णात्यर विस्तर्भागत्य परानी विष्य मु अ मे द मिन हैं नम हैं मा में अमे मा से प्यान प्यान में है के या सुका मुन मान सार है के या राज्या कि रवरावक्षरकुते वट क्या हुते हु किंग्या गुज्य स्वापार्य व्यापार्य व्यापार व्यापार्य व्या में हिंचरान्मिराणी विष्ट्रिरादेना सर्वे रास्त्रायहें सासे राणी जा ही रिर्टरासे राह्र राख्या से रा चिनाने ही द्वानमायहमामधेषाकी समायायहमामान्य के नामानामान्य ने नामानामान हे 'येग्रथ'सु 'पङ्क्षु र'य'वे स'यदे 'सर्वे 'प्रक्षरा'द्रस्य प्रवाद्य है र'दे स'यवि द के स'यु ग्रथ' ५५ र से स'र सर्वायित वर्षे वार्या समारायवर १००५ विस्या मुमारे राष्ट्रे दार्वे वारा दे विवास हो राष्ट्रे वार्या समारा विवास <u>२ में शर्दे ब : भे ब : खे व : दे व : प्रे व : दे व : प्रे व : प्</u>

मिर्दे रायदे स्वर्पयिते वे हे पार्माग्राट ही रार्टा सरावर् सके मायाप्र वे नार्टा मान स्वरायदे । चिष्राच वर स्तर चर स्तर स्त्री चरा विषा चेर्या हुत स्त्री देवे स्त्री स्त्री स्तर स्त्री वर स्त्री वर स्त्री व स्र र पर्दे र पर्दु नाया ग्री 'देवे 'पर्जे 'मु 'गोर्दे र 'पर्वे द 'त्रे द 'सर्गे 'स्वुं नाया हे या पर्वे पर्दे द 'तुयापि ' ट्रिंट्रिस्सर्ग्ये माम्रिस्मासम्बद्धि संस्थित्र स्टर्मरास्टर्म् दे रे प्रायम्द्रायदराम्बस्मारम्या ८८.चल.चतु.सेज.च.कुच.चैं ८.कु.जबूच.ततु बेशत्र.८८.चल.च.ह.चखुष.तु बे.तु.हू.सेश.के.र.सेश. यदे रम्प्यु वा की रहत मार् मार् मार् प्राप्त प्रमास्य स्थाय माना वर्गे ना नी विहे नाया सू वावासा वह्स्रयायम् है ज्या १९८५ ज्या म्या १९८९ ज्या यम म्या मिल्या हिम्सा यह । रु 'येवा'यायमास्राटके 'वेषास्रारायद्यापदावद्याप्तात्रः स्रीमास्रीरायम् । सुरावेषाः विवानीः तर विश्वास र स्रोत्र विश्वास र र्श्वे र स्नित्र स्व र प्यट रें दि रही रहें ट रें विश्वे न त्या या सह व स्वी य दिए यदे र दह न व र या निहें र यक्ष न लूट्रत्यु तर्च्याताम्बर्यार्यालम्भाषराष्ट्र दाव्याक्ष्यं वर्त्राम्बर्यात्र्याराष्ट्र राव्या चर्दरद्रात्न् द्रायार्यर अद्येष्ट्रिम् रास्यु अरुप्तु रास्येम् राम्यो के म्यार्यर से समान्ये । के बुषा हो न पान्ना वाया विवा विषा के सह वा वी स्निन्के वा स्रेत नुषा सु सर्वी के रूटा सर विविर्वरम्भः भ्रेना पर्दु सम् । यहायायमा नृतुन्मा ही सम्वतः सरास्ना ने सार्धे सरायायमा नृत्वना ही मान શું વાર્નુ શામું વાજી શતાલ દ્વાતા શૂં વાજા મીં થે શું .જારા પ્રવાય શું .જારા ક્યાતાલું વારા વર્ષો नवरार्धिन्यान्न् दायदायुवादेदावेनान् नवराश्चना श्चित्राव्याप्यान्नेना याविषाधिवाणुदारदाषरार्थेदावषान्चायाञ्च यायदे छिदाहुषाधिदार्थेद्र। देवासेदाणु र्येदा वर्चे मान् अर्के म्याने मानाबन स्वरादे न क्या क्या प्याना वर्मे मान्य स्वराम के न हो न या दे चेंद्र अदे चेंबर में बाद भार में पा अदे में या महा में जा बदा देंबर के वा दहा कु अदे में बाद बाद देंदर

हु दें अलिगाई नाजा

कि.शुद्र, मृच्यान्तर त्रुं र.शुर्याचार्य भार्ये विष्यता प्रमान भारत विषय हिंदा श्री विष्यता प्रमान विषय विषय वि वर्गित्यात्राज्यात्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त विष्ट हिं वी प्राप्त का प्राप्त प्राप्त प मु नियात्वर्षे र मु मि र ने ने खें हैं ब सायश ह्वा त्वृ र मु स हे खें या वहर बना के हो . ळे ब'र्य ब'ग्रे ब'र्य वा खुट 'उँ बारे 'ग्रु बा विंद 'या वाट बार दें बायार बाग्री 'क्रुं ट खुं व खुट 'उँ ब' रे विश्वश्र हे त्यावियायम्याव्यश्राव्यक्षां विश्वश्राम् स्थान् स्थान् विश्वश्राप्त हे या प्रकृत्यश श्ची त्यत्य चे रायवे व्यु त्यु हरा क्षु का से किया खेवा कि रात्र्य से अपवि वायक्षा से तात्र वि सि <u> २वी ४१३ २ प्रते सिन्दे रामे असायापर्छ ८ साते ।वायहसाविवा २ याची सावादे ८ १२ साट सादासार सर</u> सिव रेट त्यर्थ नेष्ट्र में कि त्या के त्या के त्या के त्या के से साम का त्या के साम के साम के साम के साम के स क्षेटिनो 'वें 'क्षु स'नट' चुट 'क्षेट 'से द 'पदे 'पडं न' पहुं वा के न से । पर्डे न 'पहुं ना के न से । दसर ' निश्र कि बार्श वर्स्न पर्टे साक्षेत्र के बार्स मित्र प्रिन के बार्स मित्र प्रिन स्वा मित्र परि । मेव. में अंशर्द बालर. रे. क्षें र. पद अंथ व्या. मी. मैं जा विश्व क्षें ये. पे की या विश्व का मिं विश्व का मां पर्टा है रूर् शुद्र प्रथम हैं पर्ट्र मार्थे वा मेर्ट मार्थे पर्ट्र मार्थे मार्थे पर्ट्र मार्थे मार्थे

त्तान है। वै निर्देश स्थाय श्री सर त्वन की। मूर भी मूथ तान ह या स्थात मुर स्थान इस्रान्दायम्भावमेनिः कुनायदेवाची व्ययायुग्या है दायायेने राकु। स्वायायये रायायाची नि त्तर्ता वर्त्त्वायते त्युक्तं इसम्याणी मायम् सुनायस्याक्षे महेन से माने स्वर्णका से विद्या য়ৢ ৴য়ৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢৢয়য়য়ৣয়ড়ৢয়ৢয়য়৴য়ৣয়ৢৢয়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢয়য়ৢয়ৢয়ৢয়ৢয়য়য়ৣয়ৢয়ৢয়য়য়য়ৢ निषाण्याचा अम्बि। वटाबटा बषा श्रुवा निषाण्ये वाषाणी वाका यु । वर्षे वा स्वावाया क्षमार्गी रयायायठ्य। श्रीयाम् पात्रास्री क्षास्रमार्गी भ्री मे मे से दे त्यमार्गे रायार्गी पमा मुराभविष, पूर्ताता भ्राप्त भ्राप्ती भिराउड़े बाता थे राज्य विषा मिश्राप्त स्वाप्ती शाय स्वयंश यशर्चे र रर हे र खे वि स्वर कर रे रें र व्यय रहा की वि स्वर स्वर खु की वा की रे र् कु र् अर यार्चे मित्रा विवादरार्टे कं गुवादराववावया सरावित ग्री खुवा चा की से नया द्वा स्राम्य स्था हे। ऄॣ॔ ना पृ : कु ' द अर 'य ' द ना व 'य दे ' स्न द 'क के ना ना के ना में 'व व र : कु ' के ' य र दे ' द ना वे ' खु ' हे व ' चिषायेषाकी भी रे में यात्र विषय त्यत्र विषय त्यत्र विषय त्यत्र हिष्यत्र में रे से रे से रे से रे त्या रे से रे यदे 'क्ट' वारे न में ट'म्बे र सें 'हें ट्रा'ग्री 'हे 'म्ब्र र रें 'र्ट्र प्या'ग्री 'र्वे क के क र्ट र र्वे क' इना हु न न न मार हिन में न प्राप्त प्राप्त किया है न मार है न मार हिन मार है न मार ह वरार्भवान्त्रे रा भ्राङ्की वाराक्षे किंदासर में पर्ये वारायस्यान स्वास्त्र प्राप्त स्वास ग्रेन्द्रम्भन्यम् प्रमायक्षम् सम्माय् प्रमायक्ष्यम् । विष्याद्रम् विष्याये । र्मुब्र.त्यु.सि.चरब.र्जेरा रेटी.क्र्यात्वयार्जु। संस्थितकु.क्येरा चार्थराटाराची.टाकु. क्ट.क्ट.भ.जीयाविः प्रायप्रायविषायायविषायायात्र्याचात्र्याची विष्याक्षियाय्याये अस्यायाः ह्रे ८.रे. मु.म्थ.पद्वामा रम्मा.रेत्र्यम् म.मुम.मुम.सम्प्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यात्रम्यः चेशर अर्घे थे तूरा अर्चे . क्रिया खेरा से दे किया छ। क्रिया यह र . तूर से यर हिया पढ़ से यर से वार्य से वार्य ग्री 'झे'से 'ते थ.८ हू थे पर्वे ट. टेंगू थ.तपु 'श्री क्षेश्वराती 'श्री ट. हूं . त्या थ.ल ४ .ल ८ थ. थी. पर्वे व कुर्नेदर्भित्रे मास्री पदे सममानाराधिमाने राम् कुर्यावन र्रा ही किन्मारे राखुनमायानि रा भ्री त्यरमायान्यम् मर्वे मार्ने मार्ने मार्ने मार्म में मार्म में मार्म में मार्म में मार्म में मार्म में मार्म निवत्या है। केविसारे रायुवासाया के निवत्यान स्वाधिना ने रे रे रावसाय है नाव हुन । याधिका विकासम्पर्दे कार्यमास्य विमासित्यका विम्वासाय दिवासित प्रमासी मिर्छ का रे 'म् 'प'मठिम'में 'स्रे ८'य'रुप'क्ष'भे ५'थे ५'ळ५'ग्रे भ'५अ'ये र'पग्रे म्रास्था के 'अ५वे ' विचरारी रायम् राया में ना विराक्त नायार्थे नायारी राविना न्यमार्थं मारा विरापित विरापित र् तित्रि । स्मार्थमान्यस्यमान्यस्य म्यान्यस्य म्यान्यस्य म्यान्यस्य स्वास्त्रम्यस्य च्रिन्नु पहरमा कु से दे प्यत्र कुरा ने रे रि ए एहें माय बुर खुमाय दे से ए माया से दे रे माया શું 'નુષ'સુ'સે 'હું ૬'યવે 'કું 'સુન'ને 'યુદ'ર્વે 'વર્ડ 'ક્રમથ'ક્ર'સે ૬'૬ 'સ'વદદ' ત્ર'વર્કે ર'સે ૬'નુવા रे अ श्रे ५ '५ न म श्रे र 'यहे व श्रायहव '५ 'गिर्ह म प ५ म १ श्रे गव र र खुगव ए ग्रे पव हु गव श्रु व यानार्वे र क्ष्यमाने न मु के। भे प्रमायदे वे प्रेममाने प्रेर ग्री शेर प्रमाय मुमा स्वाउन ग्री । देना वसायकर चेंट्स मुद्दाय से क्रिंब रहत माझन पि के क्रेंद्र न प्या ना नि क से नि श्चार्या निष्यास्य वास्तराचे स्थारान् प्रस्तान स्थाने सार् राह्याचे प्रमित्र के प्रस्तान स्थान भू.चक्ट्र-देम् म.खं म.चन्र। झंच.जीम.क्षम.ञ्च.च.तचाव.जाचग्वा.थम.चेम.वस्याचर् न् प्टें ब पञ्च र ज्ञु ब के ब के र उब प्रवाद प्रवाद कि व ने प्याकी पार्च पार्ने छि र प्रविद प्रें र क्रा व। यर यन्त्रः भ्रुषायम् वर्षः इव सार्थे वर्षु पार्दे वाहे वा श्वरः यार प्रमुणवा कुः से वाले स्वा रे रे प्यायर्द्धवायानी वारे प्रति न प्रति न प्रति का का की ते कि न वा ति कि राम के वा के वा की प्रति । वर्षिणायाने मायावरे प्रावरे र्षे प्रेम स्मा सराकेषिमा समावित्रे प्रविचावहेरामित्रे वह वायाधिक। देव स्मनमान्नि दार्स्ट मार्स्ट के वायायम् माने विमानि के कार्यव समावन्नु मानि क र्नेषा श्रेन्सरमायायम्यास्मायास्य स्त्रित्राहित्राहित्राम् इत्रेमामहित्र्मेषा वेशन्तरमञ्जयः भ्वाराके व म्या कृषाया वि वस्य ग्रीया चव मार्थिषा व्यक्ष सम्मान

लुब्राविजाक्री साईब्राचित्राचारायरा क्रिच्या हि.क्रु.लर.जर्माब्या स्थानहिराजा सक्र वा स्तर्वस्या वर्षा अविष्यु निष्यु निष्यु निष्यु निष्यु मा के निष्यु मा निष्यु मा यः भू चार्या वा के वा में टाक्षरा के राचा हु टाया कू चारा रहा। सक्षम वा सक्षम वा वा प्राप्त वा प्राप्त राजी रा नहिर्देश निर्विश्तराष्ट्रिया स्त्राचि । व्यापार्य निर्वेश वा यर्स्स्राने स्थायात्म स्वाप्ता प्रकी वारकी स्याप्त स्याप्त स्याप्त स्थापित स्याप स्थापित स्थाप वचन क्रि. चे २.र् म. वि म. वर् व .क् .हम. २ हम. त्र. क्रम. व च मम. क्रि. च च म. क्रि. च म. व. व. वर्षे कु के वे 'के 'द्रसम्बार्म ना नवर नार्वे क 'द्रमाय नुष्या मुक्री माय के प्राप्य के वर् ही वाची भिर्मारे दाने राम्यायर यहाय हिंद ही दार् पहुन दे हि राहे साहर मिया चर्या अराम्यासार में विदाय प्रदेश से सामित्र में वासा मित्र मित्र में वासा मित्र में वासा मित्र में वासा मित्र मित्र में वासा मित्र में वासा मित्र मित्र में वासा मित्र में वासा मित्र मित्र मित्र में वासा मित्र लय मा देव रहे मार्ग सममानाबुहाया मा स्वामा के मारा के निया है। कहा मारा प्राप्त में यम्यायक्या के मुद्रमाथा वे स्थायमार्ये रादे में या वृषाययमार के में के में प्रेम स्थायमार व मारमा में मारी यर। यर पर्दे व पायाया क्वायमा मुसावसाम व मानू रासाया प्रमान मट अर्ग जर्द निम्मेश रेत्मेश कर के बिट जल्य स्था सर जट में से राज निम्मेश रे वर्षे म्यास्य विश्वात्रवायाया विषा कृषा साम्राया मान्या मान्या विष्या के साम्राया विषय विषय विषय विषय विषय विषय रट.भवेश.र्. मूंट.र्झ . विचा.जा.लट.पक्षा.वर्दे जा.चे ट.व्हें जा.मूंट.रट.भव्हें टश.मूंटी चे क्र.मूं. र्त्रवर्त्ता वर्त्ते र त्येव। के र्त्तव। के श्राकार वायर्त्ता श्राने र श्रावव क्राय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स् रे पार्चे टाञ्चे दाया ही नाया है। से राइसया झवावटावे नाने विटार्च पान दसना से इसया ग्री मायम् । कुरार्य ५ प्यासम्माया के ५ से जिया के ने राममाय कराय के मार्य इस्रम्प्रदर्भावसः (इर.स्रव.२.लूच) (त्र्र.स्रेन्ट्रंत्र्त्रंत्यःर्वेचसःक्र्यः त्र्रालरः र् अप्तर्यर्ग्यक्ता है पक्ष मार्श्चर मुक्षा दि प्यंदि त्याव ने रायदे है पानि वाने साम् पिर्म क यें ५ पदे प्राप्त निर्देशकर अद्यार् प्रायु र प्रायु या प्रायु या स्वायु या प्रायु या प्रायु या प्रायु या प्रायु ष्यत्रस्यत्यस्य स्थान् स्थान्य । यदे स्थान् स्वास्त्र मिर्दे स्थान् स्यान् स्वास्त्र स्थान् स्वास्त्र स्थान् स् सर्व यदाया सुद्राज्य विषाषाया अपने माने माने प्रति यदा यदा यदा यदा यह विष्य विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय में या मानायायाया के वा में या चुरावया है। में प्राप्त में वा या या वा या वा या वा या वा वा वा वा वा वा वा वा व र्दे लापकुपायमाष्ट्रमा न्या का स्रेमायर् पार्य पार्य पार्या मर्गास्य । वशःश्चिरःकुदेःक्षेत्रायःविवाचीत्रायरान्तीःतुःकुरःवार्चे हे चे यात्रायःविदुःवित्रायकुःवित्रा वयायुरावावी गांनी वरातु प्येवयावयावर्षा वर्षा द्वाराये स्मवया कु से या के स्वार् पहिया गायहें बाव मुहासुका है । यक्षा विकास के दार्श्व प्रमुका बका के अदका प्रकार के विकास है। यह दिशे वा र् निष्णे वा निष्ट निष्ट र निष्या कर्ण वावत मिरित के मिरित कर कर के मिरित के चर्षे.की.भु.कु.क्टर.क्टरभाचाजाचर्चे चार्ये पर्वेचायेशावर्ष्य देत्र कुचाजाजुचार्चे रात्र भरे यम् रिक्रां मान्य प्रति मान्य दे में या है रित्रं प्रति व व मान्य रित्रं या मान्य रित्रं मान्य प्रति मान्य प्र मद्र नर्र दे द्र राम हो दर् साम हो न दर्द राष्ट्र नाम प्रत्रे राष्ट्र राम हो साम हि राम स्थान हि राम हो साम हि राम हो साम हि राम हो साम हि राम हो साम हो साम हि राम हो साम क्रा यु:कुर:मर्ने हें हे अप्यथर करें प्रते क्विंक के के वर्ष ध्येव श्वायन्। श्वीर कुरे र्न्य देत् हुँ वाश्वावात्वा हुँ रामणे वा ने रावशायह वा पन्न रान्ता है वा वशास्त म् ह्रिंट, ह्या. येथा रेथर . येथू रे. येथा सिट. केयु . ई . परे पथा येथा प्रवादा अ. जा ता ता पर अये राईदि . तिय. द्रट. प्रथर र्वे य. पर्वता पर्वे य. पर्वे प. पर्वे प. प्रवे दे . परे प्रथर ये थ. ये तर ता शक्रू र. वर्षात्रदानि प्रकृता मुयावातु के त्ये पर्दु उव गरि गासु खेंदाया दे षाके दे परे पर्यापविवार्षेत्। दे 'वा सुसायद्वार्ये 'यकुयाद' वेवा हुँद् 'वा द्वावाय' वे दे 'वा यद्वार्ये 'वा यकुवास' व्या रेय में र में 'हे 'यन्यश' क' न्या 'र्रेट 'बेर 'यदे 'हे 'य 'कुट 'कुट 'हे या थेन। ने 'क या शर

या.कि.श्रमायह्यापत्रीता.सेवा.पे.येवामायरार्ते.ल्यमायमायस्या रही व्रेयाययु हमासी.की. श्रेश्रास्त्रवरावर्स्ने राने 'नासुस्रामा'वर्द्देन'पत्रुट्राचुराहेश्रास्रे अस्यास्त्रवर्षानुस्राम् वर्षे द्राचुरा भवर। भव् त्रियम। भव् त्यम्भ भव् त्यम्भ भव् क्षित्र क्षित्र विष्याची क्षित्र व्याप्य कुष्य क्षित्र व्याप्य विष्य यद बरायार्चे बाबार्के निषायरु बिनायसू बाबबारे केंद्रे प्रवरात्त्र यदि रादे राव्या क्रट.ची.भ्र.चार्यभार्त.चाट.ज.सूट.खे थ.हे या उद्देष.च बेट.ज.सूच.वय.हे या.सूच.वय.सूच. दे दिराणुवावार्षे कर्षे दाने बायनदासामनासर्वे मुसुसार्या च्चरवाक्षातुवे सर्वे दिराष्ट्रि रेविः ञ्जाबाद्धिकार्यक्षेत्र, र्यक्रिको व्रि.सूतुः काब्यु तकर्ष्ययाच्यः ञ्चिदः श्ले त्वाक्षेत्रः पर्ट्यकार्यक्षेत्रः यदे निष्ठा कु न में न से न न मार्थ र के न या प्रविता में मार्थ के मार्थ हैं। पट वे र पाले मा पर्यं मारा के पाले हा पर्यों मा राष्ट्र पाला का स्मेर्ट मा विसारे र र मा भारती है या क्रमान्यायमान्या क्रमायम। मान्या निवादित्यमान्या क्री स्वामा क्री हिमाली हिमाली ह्यायास्यस्यात्रमात्रात्रात्यात्रात्रात्रे में अया क्षेत्रात्र्यात्राह्यायात्रात्राह्यायात्रा इं नामरात्राभवभावम् भावभा वृदाई मरात्रु निवार के भावत्र के भाववार भाई। यरेदे सुगमार्जेग विराय कुं इसाइसमाकुं से त्यार्श्वे र र्वो मानुरा रे से रायानि से र ब्रा के.शु. रे. क्ष्माकी क.त्रेर.की. र्वे चे क. ब्रुचा उक्क. श्रीट. ही रे.शु. जे कात्रकाळ टामानी कर यारे १ ५ स्रवर्शाट केंद्र स्वार्थ में निष्ठ राष्ट्र में १ ५ निष्ठ स्वार्थ सिट सिंही में श्रान्यम्याञ्चि ।वटान् पनन्ययाण्या द्वाद्रायाच्य्यावराष्ट्रवाप्त्रायाच्याची वटान् प्यञ्जा याबदायविष्येत्रा विदायषायाम्बस्याविदायदेयषायायया कुः स्पूराम्बराय् विष्या यमरत्रा इरि. त्या १ मा १ मा पाया या वर्षा प्रत्ये वर्षा वर्षा स्वराय श. भू ट. श्रु वा. त. ट वी ब. र्झ् ट. उट्टे चका ता श्रु वा का की . च वू का बका च द्रवा च श्री वा की का ट वा र्झ वा ग्रेन्यर विन्यरेन अक्षर्भ कें न्यायर् प्रस्था के न्या में न्या अक्रिन

ब्चित्रिया चियात्रे सार्चाची वर्चे रास्त्रार्श्वनार्श्वनार्मिनाः मैनार्मिनाः समसायार्गनायाः कुनार्निसा रेय में ट रें विषरणी रहे पारे रेवे क्ट क्ष में द की कुवा मुठे षाया कट सापर्से का वटा दू पदे का च बुद : पर्कें ब : पर्व : वे व : प्य : वे व : प्य : वे व : ये व : क्रुचमास्रेयमा चरार्ह्चे चमार्ममात्रे स्यार्गात्रा ही क्रुचमार्ग्य प्राप्ताचारा वे सावते ही . म्बर्भा पर्दे द प्रवि व र म्वर्मे व करासायामि हर्द प्रद् माया यह कु से सायसायम् या वर्रे क्टरमर्चेर्णे पर्रे क्वेर्णे केर्र् धेम्या व्यव्याप्तर्रेष्यं में म्या विश्वेष त। शर.भ्रम्भियाच बर.स्री २.तथ.स्री १क्ट्र्याया इ.र.जीयाया उद्याया स्री य.मी य.त.स्रायाया सक्षत्रक्षेत्रभार्त्वतात्वात्रभारत्रभारत्रम् स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापति स गु र्ये क् यर्दरहे यायके कुरावहें दिन्दीया विकास्तर्दित प्रीया विकास्तर्दित प्रीया विकास मल्दायाञ्चरा विभाग्री पुराक्षेरार्दा र्बेरारु त्यम मर्मा क्षेरा क्षेरा क्षेरा विमाया विवेदा या हर्नेता रायुन विभाळतालेनायाडे पेंदियाइसस्यान्तुतायाञ्चत्सादस्यस्यायस्य पिट वे र पालि पा पर्वे पाया है पाया र पाया स्थया किया पाने र प्रिं पाया र वे र पालि पाया पर्वे या वटारम सक्ट्रिकमा भूटायी इयाक्षा येथाता जुबामाक्टामाकी भाउनी स्थापाया ग्रेन्त्री र्देव र्रायाच्या द्वारा व्याप्त्री भागे रहार्येट यो स्थापायायाय भारत्याया व्याप्ता व्याप्ता स्थाप्त वचनायाकुः अव जारमानाः स्टान्दर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्दर्भात्वर्भे मान्यस् ह्ये अ.विट.विश्वेष.वेर.शुर.शुर.क्षश.मी.खुट.वर.पठ्र.श.पर्ट्र.श्रर.शूट.वेश.पीर.शुरश्रेर.क्षश. त्ये द्धे बर्यायमगमा ने प्यायान् रवि रार्ये मान्यान के बर्या के बर्या वे कि वामा वयायुन्ह्याययाचेन्यावन् । कुन्यराग्नेयाचेन्गीयाचेन्गी याकवे यही न्यवाया भ्री याद्य न क्री वा पा पह न प्राप्त का प्राप्त के ना क्री या प्राप्त के वा प्राप्त का क्री वा प्राप्त का क्री

शर्याप्ता वर्षेषायशयायहेषाष्ठ्राच्याकुळे खेर्यापाइस्राचायाचे साहे वर्षु ঀয়৻ঀ৾ঀঀ৾য়ঀ৻য়ৢ৾ঀ৾৻য়ৢঀ৾৻য়৸ৠৢয়৻৸য়৻ৠৢয়ঀ৻ৠৢঀ৻৸য়য়য়৻ড়য়৸৻ড়য়৸৻৸৸ৣ৾য়ৢঀ৻ मु 'वर्क्क 'वर्व 'न्नम्भ म्हरमान् 'ठर मुं 'वें 'तुर 'व 'र्न र में 'विन में र वा में न मार्थ मार्थ मार्थ मार्थ म मूर और ताम हो न र ताप का काम कर ताम हो है र का र न र न प्र का का जा र जा है जा पड़्ये . पर्भे जारे हेरेरातु भ्राम्भ राक्षराभाम्रेरास्य वार्थे पर्भे काभ्रुद्ध की भाष्ट्री की मुस्ता मान विनानि शाहि में नामानु प्रविना मार्थे न में निविन मुं मार्थे मार्थे मार्थे मार्थे मार्थ साम्या पुर्धे ममार्थ ग्री बार्टर खेब सारी बाब रिटार्टर की वाचित वासार चीवाय ही बाब प्राप्त ही चीबाय सी वाही बा क्षेत्र'सर'र्वेर'व्याया सुन्। युःसे 'तुष'र्येष'रया स्थिप्यर युन्नेष'या स्थावर सुः क्षे.ये.दे.लर.वर्चर.श्र.देश्यो जयाचे र.ततु.वि.चयाचचर.त्र.चयाक्र्यो र.रेंर.क्र्यायावरेतु. ह्रे ८ वमातु से दुनारे वदे इसमारया हैयाया विक्तु दनवाय पर हरान्या पर प्रा क्रियान्ये त्ये नामान्यम् अत्वे मान्हेन्यानेन। यहार्क्षे नमायान्वमानमान्यम् निर्धिनः तातायर अक्षमा भ्रेटाता हार्या कु तातक्षु ता त्रेष प्राप्त कु तिमा ती मा बेटमा बटा तमा के में बी मा वियानिवान् अरा हिवारे वालियासुतु हो नामरे ही वानविषाया वकरावि हो सावनुता क्र.भक्षभ्रा.क्र्यमायर्ये दु ई ट.वचच हुरे नी राता चया सेवाय हुराता चिया में स्वाया क्रया तृ.कि.षा.चकि.कथ.उपि.र.ऐ. पर्वेच.यथ.की.कू.र्ट्स.चेश्च.५ .जर्षा.ऐ.उर्देच.ता.सूचलाकी बाउत्तृ. य.शुतु .षं ४.क्र्र.तयात्वयाततु .चे.ह्युं २.८४.त.त्रु .क्षं ४.चेश। त्तर क्षणता क्षे भार्त्त .ख्रे व. यह शक्या विष्यापन की क्रायदे प्राया प्राया में प्राया क्राया विष्या क्राया क्रा ब्रायह्रें कि विविद्या श्रुण यो के विविद्या के विविद्य के विविद्या ग्रेन म्ह्याय म्हर्मा व्याप्त स्वापित हो साले साले साले साले हो स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त जर्मायम्यायदे रियार्ड्स्यार्ड्स् प्रदे हिमायर्ड्स्याल्यायम्यार्म् राष्ट्रिमास्मित्रास्यान्त्रम् स्थासे राष्ट्रे भ्रा.क्ट.भुष.वीयात्राचेर्याचे राजा. हुता. हिंता. विक्रा. क्या. क्य पःइस्रयात्ती 'मरःपःलायाद्वेयातातर्देशायेषाञ्चात्ये प्रात्ती । सुरः रहेर। सूरःपः हुं येषाकु येषाद्वा

चि.श्रेर.तर.षुर.तमास्रेपमारचेतु. श्रे .मास्येन.चे.पर्येचमान्येमान्ने मास्यान्यान्या चे राक्षे तर्षे वि ८ ८८ के बारावि क्ष्याचवारात्ववादाया ही वा विरावरात्रे रावि दे साववा पर्मात्री विषाने दाया के विष्या के प्राप्त के कि स्था के स्था वर्षे वायवाणी वावके प्रवे प्रवायप्रवासे के राववार्य में राववार्य के या स्वाय वाय प्रवास विवास इ व र र र के र्वे दे अर्थे र र र र इ व की अर्थे र व व र ज़ि र अर्थे र व व र ज़ि र व र व व र व व र व व र व व र व रु प्वनावयानि नर्से वर्टे हुरा हिर्णे यार्टे ने याययाने याकु से यार् रुट्ट है नयार हुया चर्चा कु प्रते हुँ न प्रवे पर्दे पर्दे पर्दे प्रवासिक के के का चूर विवासिक प्रवे पर्दे वि न प्रवास लुष्तार्थात्राच्या यहर्रिर्द्रातिष्ठा भिष्या भःक्रिम्अक्ट्रिया ट्यःक्र्रियायायाद्वेयायायाय्ययम्ययाय्ययाय्ययात्ययः विष्याविषः विषयः वयः यद्दर्गी श्रास्पर्दर्ग्यते में ब्रामिस्याप्तर्मा देवा क्रिंट्यह्रस्य वर्षे वा से द यदे 'सुग्रायदा से दा से 'दर साथ माय प्या हे माद्या या यह मादि मादि में मादि से प्राय प्या में मादि मादि से प्राय प्राय में मादि में मादि से प्राय प्राय मित्र से प्राय मित्र स थनायें शाह्ये वे भारतानित्राकीं भारति। नानिभारता कुनाविभाई भारना वेशू से प्रभानिभाकीं शर्मा वर्गे किरायानी पार्श्वमार्भन्य किरातु समा वेसार्य हु वासी से दासा ही हा है रापदे है 'य'वि ग' मुं 'हे 'स' रे 'ये 'से 'ग्रुस' मुराव माह पर में 'यवि मंपरे 'स्यामा मार्गिन स्त्राय ना ळें देर बेर पर्े 'यादे 'देर द्राया स्वार्टिया हे दर्त पर्वे 'के 'दर्वे माहे दर्द से 'पायदेवे' रें तिवरालु की रें मुझे मारे तिवर कायमानु हरा हिरायमार रे पें नि से कायमा हिसा क्रट.पर्वेषु त्ववतःश्रु .क्रुट.क्र्र.श्रा.ची .श्रुटा। देषु .ह् श.की.श्रुषु .लश.वी देख्य थे.प्रूटश.येश. यथरे क्रिं राज्यायर भ्राप्ते पार्वे राभर्ग त्र्राचे सभग्रे मूरा भ्राप्ता भ्राप्ता विरायशावस्य सेंदे.ज़बे.बेब.के.बेब.ज.दी.ज़ूबे.पड्बे.पड्डे.टीब.कंचना के.मु.ज.वंचन्य.चरे.टु.जूरे.मु.संस्या શું 'ઈં વા'વા વાં વ જે દ. તું માતવા જો તું હું ત્યાવાદ વા જૂરા જો રાવસરાત્ર માત્ર કર્યા વાર્જી રા

वहें ब न्यायञ्च नया ब ने के र प्रयाय श्री रे र ज्ञारे व्या अवयु कु सार्चु न व्यय सार्थि र पर पहे ब भी. ची. रेट. भथर . चाकूर . चाकुरा याकूर भरा भी रा किर हो रा. भी हिए . चाकुर . भी . चाकूर . भी . चाकूर . भी . च र्चेर.प.लुषी भर.कूष्रायाताजयापिरयाग्री त्वयाङ्गात्ययान्द्रातय देवत्य देवाय हे व्यया तर क्षा चर कि जाया जयवा क्षा सूराया बरार्ग छिषा वी राक्षा ता स्था राष्ट्र वी राष्ट्र ही । द्युनाः कु 'द्यार 'यत्ने दे स्यानार से। के 'द्रस्य भी 'में द्राया कुनाया निनाय के नाया पर विषय विषय में त्राय में किंदि में विषय में ह्रिंद्वेदेखें आ इंद्रिंप हिंपी ग्रेंपदे र्याया ग्रेंहिंपी दे हेंदी हे भी ज्रायर दम्रायद्राचारम्भाम् वाषात्रमान्द्राम् बाम्री बाम्रायद्राम् वाम्री वाम्रायद्रम् वाम्री नायद्रमान् या र्रे मुयावयाम्यायम् मु सेराया मात्रु मोरायम् मात्रिराष्ट्रमा मात्रु प्राप्ति मात्रमात्रिम् वि पार्श्वन्य विव मु स्वर प्रमा दे दे पहेंदि व प्रमाद ग्री श्रि श्वर स्वर स्वर से वि १००० र्वेर रे माम्बर्भ म्बर हे चे र पर्वे प्यमायम् वाके वार्ये विमामी व्हर प्यान्सर सुर न्समान्यवा र्चे 'कु ८ 'कु ८ 'बे र 'पदे 'ये 'ब 'हे 'मु 'अ'ये ब 'पदे 'गर्बे ब 'हे ब पानु ८ 'इ ८ 'इ अश'या कु 'से श' ६ व ' अंजावियाये अक्टर्या हिटा वेटा दें पदिया शार्या हिटा पटा कटा अराव हिया पर्वर विया हे. झे. हे ब. कू रा चारी भी भाष्ट्री भी जिंदी भी कु कु चारा ही ही ही है। मूर्यास्यामान्त्राचाराच्याचारात्रा क्यायाच्याचा विष्याचाराच्याचाराच्याचारा नियान्त्र या योष्ट्राया निया है निया है निया है कि विया मिरा में स्त्री है । कि विया मिरा में हि । वि इर्यदे श्रे में बेर्या से बेर्या के बार्य का में के कार्य है बेर्या में के कि के कि के कि के कि के कि के कि के वान्त्रीयश्चरार्श्वयान्त्रभावसारायम् । ख्वार्त्रोवाञ्च वार्त्रम् वार्त्रम् वार्ष् ब्रेन्द्रम् अत्रेन्द्रम् द्वार्षे रायायवित्याद्वा दे में यायव्याक्षेत्र्व्यावस्य पर्वे मृत्या त्याम् । विषायकात्रवा स्वासाचे वात्र रूट की क्वा प्रत्र प्रह्वाया के श्रुद्र । र्वर वह ब.त.कू ब.धिर.ख.र.वाश्व. की र्वर क.वह्म व.र ब.घेर क्र. क्रेर. क्रेर. क्रेर. क्रेर. क्रेर. क्रेर. क्रेर. यास्नापस्यायदे यदार्थे दात्रुनार्थे दा रे रे पर्हे दान मेन महार सदार्थे दा १००० से र द्रवाःचोषशःचोश्चरःचाहेतः स्रेचशःशुः र्ह्यू टःस्रेशः चे रःचतः रहे 'चःत्वे वा'ब'चि हि टः देवे ब'ततः 'च 'स' म्बत्तात्वियाः ह्वे बत्याराष्ट्रात्यं विष्यां हित्यवे त्ये त्ये त्ये विष्यात्वे वार्षेत्। रेया चिष्राचिष्र प्रदेव स्वया के भुव त्वरा है र र र मूर्य भारत स्वर्ध र स्वर स्वर र स्वर र स्वर र स्वर र स्वर र स्व B रिवर्स्स्यायः क्रेंबर्स्य तहातः क्रेंद्रियादः स्यार ग्रियाव्यस्य तहा विषया स्वर्णे विषया स्वर्णे विषया स्वर्णे हूं ब.स.च ४०. च बू ब.च से च बू च. हो र सिष र ल ब. इ र ब स. च ई र उर्द च स. सर हो . हे र ८८.८५५ व.तम.८कु.ज.४.२५ तवत.८६८.वार्ष्ट्र. तक्वेव.४४। के.भु.५.कें व.वि.भर.त्रा भुषु .चेलार्थे .भुः भुः भुः भुः भुः भुः भाषा निः भुः । भाषा निः भा व.श.क्र्य. च्या व्याचे त्रा व्याचे त्राचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे त्याचे वा त्याचे वा त्याचे वा त्याचे वा र् ने न। मन् न न न स्याम् यापारायमार्थे विमार्श्वे न स्याम् मार्थे मार्थे न स्याम स्थाप क्यावियायन्तरक्रा ही स्वार्वेत्रिया विष्यात्रीत्राक्षणा विष्यात्रीत्राक्षणायस्यार्वेतिक्षात्रेत्र वेरा विरावत्वम्यायदे विश्वास्य प्राप्त म्यात् न्यात् न्यात् न्यात् न्यात् वा विष्या विष्या विष्या ह्रे ८.ज.र्र् च. व्रि म.भ८.त्. क्रिय.ये म.ययर.जम.यम.विच.भ८.र् .ठर् चे म.प्रे . श्रे ये.वि८.ये म.प्रे ये. निहेशभी हेशसु में रशर्षेत्।

ता.स्रीचा.लूट्राताच्चे.ताच्चे.ताच्चे स्वे साच्चाक्चे साचाट्यां व्यक्चः ख्चेचाःच्चे स्वे साचटाक्च स्वरः ता.स्रीचा.लूट्राताच्चे स्वरः ताच्चे साच्चे साचचे साच्चे साचचे साचचे साच्चे साच्चे साचचे साच्चे साच्चे साचचे सा

मूर है। कि. सब तत्र वी ताल बे ता ने बाब बा से बाव हु बा मा विषायर कि कूर रे वी दु बरावा वर्षाम्रिकासु सिर्व वर्षा देश दर्गे का यदि ग्यू पाले या वा सके दार्से या के दाले या कि पाले दाया क् अदे क् नमान्नि लेनाने मायमें राष्ट्राक्षाक् अप्यानम् रेस्रायमाने सामान्यायमार्स्र राणी मा म्रिना में न स्मित्रा म् पाने रास्टा में नायठन। से नाम राहे राखु से वार्मे टार्मे टार्मे टार्मे प्रदेश विषायदे हि पाविषादाम् मदारेदाकेदायम् विषाचे रापाविषार्थेत्। कुत्यरायषाद्वेत्रेत् श्रात्त्रवार्क्याके अप्तार्क्षि के नामार्क्षि के नायहमान्यमानामान स्वार्क्षि सामार्क्षि सामार्क्षि दर्भित्वेष्ण्रितास्त्रित्वराक्ष्रित्वराक्ष्र्यायान्यात्वे विष्यात्वे वान्ते व्यान् व्यान्यस्त्रित्वरास् क्रुचेश.लम.जववाक्र्य.र्ज हिंग.शे.वेश.पे.र्जे चे.शबम.चेश्य.क्रूर.श्रय.वथर.वंशर्या श्रांचे श्रे न् विषय्यात्रे न् त्र्राचित्राच्यात्रे द्वी द्वाप्य विषय्य विषय्य विषय्य विषय्य विषय्य विषय्य विषय्य विषय सरर्ने लिगानु राष्ट्र प्येन प्ययर विषयिष यो व नि निषयिष के व मिगाने निराय ने या र्ये ५ 'इसमा सम्मान स्वार के ५ '५८ मि समा मार्च ५ '५ मा मा मान ५ दे 'अ सा ५८ मिन ताश्चीमात्रचे तिष्वाचिमायमात्र्याच्यात्रक्षेत्र । प्राचिमायमा विष्ट्रमात्रे प्राचिमायमा र्ट्रक्रिके ही म्रस्या म्रह्मेया घटाया वाला है स्था नामम्बद्धान्याम्य भ्रट्रायर विषा लाति रूष क्ष्रया त्रिया क्ष्राती ज्री क्ष्रिया मध्या त्रिया प्रश्ने ता विष्य प्राप्त हो। भ्रात्त्री र प्रत्यु म दे र से माराके कर में माराविस्तर है स्याने स्था र से प्रति प्रति प्रापे मारा दि । यन् मिर्वि माम्यारे साम्री मुरवम् वाधि हो राम्यारे मा वह्य हिन् में निर्मेश ने माम्यारे सामर् क्रवमःक्रवायम्। स्वायायमः अपिः भवाक्षेत्रात्ते मात्री विषात्ती विषात्ती विषात्ती विषात्ती विषात्ति स्वायास्त्र इरा स्य.मी याराप्रराष्ट्री ययाताक्षराययाश्चार्ययात्रेयात्रेयात्राचियात्रेयया दे ययाकी. श्रेषायस् रह्याणनार्ये श्रे प्देहे मा

च्यात्र प्राप्त के प्रत्ये प्राप्त व्याप्त का स्त्र मार्च प्राप्त व्याप्त के स्वाप्त के

र्मे क्यापरार्द्दा ने पाया के दिल्ला के स्टार्ट्स मा अद्धार में प्राया के स्वारा के स्वारा के स्वारा के स्वारा ઌ૽ૢ૿૽ઌ૱ઽૢ૽૽ૡ૽૽ૼૹૡ૱ઌઽ૽ૼૠ૽ૼૼઌ૱ૢ૽ઽૢૹૄૢ૽૽૽૱ઽઌઌૹઌઌઽૹ૾ૢ૽ઽૡૢઌઌૢૹ૽૽૽ૼઽૹ૾૽ઌૡૢઽ૽૽૱ઌ૽ૺ के वर्षे। नमरम्बेन्के वर्षे वे त्यकारम् वर्के राई वा रेटा में हा का पर वर्षे वे रा यद मन में नि मार्से । यसे नाम न न से मार्स न मार्स मार्स मार्स मार्स न मार्स मार यम्बर्भावना वह्रवाच्चराच्चा भ्रान्यरमाग्रीराङ्गाच्चाच्यावाचना ह्रमा याहे मार् ए द्वार्य प्रत्र प्रमायके यावि रेपि प्रमा वि रेविम म्या स्मार्थ यावि स लिनायमाञ्चात्रेयानी स्टानाञ्चयान्त्र्यानीयान्त्र्यानीयान्त्रीत्राची पानी प्राप्ति स्वीतान्त्रात्यानी स्वीतान्त्रात्या क् ना हि 'वे ना ने सासर्हे टाक्सा स्रूरायटा कु स्रोदे 'यस हि न न से ना दर्गे दारायहरा वरसा श्री र प्रभागे विषय दें विषयों विषयों विषयों विषय दें र विषयों विषय पहिषय है विषय है विषय है विषय है विषय है व ५में मानु मा वर्षे र्वेदे वित्रासु महिन्याय थि दाने न व से मधिन्यायदे से दिए। मद्राया ने रायदे से सम्माया से प्रमाया ने म्याया ने राष्ट्र म्याया ने राष्ट्र स्थाय स्थाप स्थाप से म्या ८८.चारुष् ही चारा क्रिया हेत् ती सी बी भारत ही या ची मार्थ ही या चा ची मार्थ ही या ची मार्थ ही या ची मार्थ ही या ची मार्थ ही या ची मार्थ ही य विद्या हम्य इपिट सेनिस सु हो द दर्ने सा से गुरु ही सम्बर्ध स दर्से द सहें द छ द हो द र्मुमाना साम्रराह्मार् तम् र्मार्म्मा मान्यरामराम् नमान्यम् मान्यम् हो ५ की कि नाया रे मानवर है। अदे हि मार्च मा ये मा यह ५ में माया से नामाय है। यह ५ में माया से नामाय है। र्द्धे ५ मायमायन् माये । मुम्हमायने । यदायमायस्य मामुमाये ना देवानु । से मान्यस्यामी । यदे । શું અ'નુએ નુઅ'નુઅવ્યાને 'નુવન'સું ન'ર્સું ન'ફો ન' कે ન'એ 'નુઅનઅ' ર્સ્ટ્રે અઅ'નશું ના'ફો ન'યંદ્રે 'વે છે ન' वगर्रे अविगरे १ दे पूर्व गर्थे हुं प्वस्मान्य अधि विगन्न स्थे प्रम्य प्रम्य

क्षराई वायईवाकी वालटार पड़ी रायरिया कार्षराकी राहवार प्रेरावर पत्री वार्ष्या नालक के लिना खेरी के रिश्नर की शर्मर त्यार मुनश्र निर्मा निर्म के कि कर क्या चिर्मार हे रें र पर्ट्र वे रुवे ज़ र पर्ट की चें चें वे र ख़ि की राखें चें पा वे ही हैं र पर्र र वे या वे राखे वेंद्रिक्षे व्ह्र ना प्रमारक्षा रुद्राप्ति व प्रदेश रुद्राप्त विषय । यह प्रमार्थित व विषय । विषय विषय विषय विषय रु पर्दुन इरहे बर्के सम्मस्याये प्यापर्ये नया कु याप्त्र हुरा देर कु से सक के बादार र्च विवानु चे न श्रुन क्या देवा वाक्य वाक्य प्रदेवे स्मित्य की ने स्वेवे वाका व्यव निर्मा की बै.क्ट्र्याकान्याताप्ते वाकार्रा राष्ट्रीयातर्ट्र रार्त्याकारी रामालाराक्षराक्षियकातित्व करान्यास्त्र रुवर रुसर सुर रुसमा रुद यकुर मुडे मायकुर वे राववे र्धु मुसाममायवें सामस्य स्रुम खा भर। रेटर्भास् प्रटाकु के दे कु नमा हि के माकु के रे नमा है सार्वा मानि सार्वा वेदायाव मेदा के प्रवास्त्र मान्य अवता स्टाय उप मित्र के प्रवास के सरमाक्रमाण्ची पङ्गवाया चेत्रस्र भेषायाणु व्याकुदे केत्र्त्र सरास्र्वाप्तस्य विवेषायायवर्गाः वया कु: क्षेत्र मत्ना सुयक्ते प्रते द्वामिर्वे व त्यापार्वे द प्रयाव में द स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के ठवः इसराजा क्रियाता व्रियाता व्रियाता सराम्य विषया सराम्य विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय धेव रह्न वायम् विषय्ति र से न्सरमाणी प्रमायान्य निषयि । प्रमायान्य निषयि । प्रमायान्य विषयि । प्रमायान्य विषयि । मी हि अक्टर धु मार्चे र क्षु र के खु न या ले मां में भार्चे र कु वा प्रवासी में कि अक्टर खु मार्चे र कि मार्चे यें द 'ठे रा भ्रें ना 'नु 'यय 'ने 'रद 'यर्ड न 'यर्ड न 'ये न 'या न ने र 'यह न 'हे द 'यि न र्षे द।

रेटा में टि. श्चेट्राया ट्रा में दे का की ट्राया की ट्र

थार्भे रु पञ्जाक्षे अवराकु पदे बाधावु पायरासराक्षेत्रवायायस्यमार्थे वा स्ट्रिसे दायहरा यारे १। यदाकु ५ सर द्रापे पार्चे दार्चे ५ सर ५ दर मान्या सर हो रापि हो पार्वे हो पार्वे हो पार्वे हो पार्वे हो । षाबिट प्वचट र्चे वे 'द्रि व्यापु 'कु' प्यु र के बर्चे 'बिषा प्वे षा देवे 'रे ब प्यय कु 'श्रेवे 'वर्षे 'विदे र देवे पारे दिराया ही मा कु पदे मा आह्य पर निराया प्रवास में प्यापित राय स्वापित हो। सर क्रिन्याणी सामानि हारे रिनाययहानियाचार प्राप्त मार्मिसामानिया १५८५ विसास स चकु ५ द्वरा ७ वे ६ र रा अर्के वा वी 'अ'दी 'तु ६ प्यञ्च प्रायो 'दे या तु 'अर्दे 'ञ्च ५ र्खे वारा सु 'वार्ठ वा दश सम्.तात्ववाद्वरावातात्रवा रसरापूत्रकिवाराष्ट्रिक्षास्रीरावार्वेराताताराचे विश्वरावेश इर. में हेरे विष्यां में प्राप्त म विनानि में भिन्ने राम्या त्रानिक नार्ययायाय विवासी निर्मिया वार्यायाय विवासी निर्म्या त्रव, वृ. क्रुट्ट, श्रैव, ताला व, तर्मा की, श्रुट, कैं चाना वि, क्रिम् देवादा तर्देश विश्व श्राच श्रुव, क्रिव वि, व्रीम् वि, व्रीम्वि, व्रीम् वि, व्रीम्वि, व्रीम् वि, व्रीम्वि, व्री पर्भ वाक्की यार्ट, मुवानी रेष्ट्र या त्र की याक्का प्रथा विषाक्ष प्रथा ने विषानी या त्र विषानी या विषानी विषानी या विषानी विषानी या विषानी विष क्ष्याक्षे ये न्यायादि वायायवा अन्ते अन्ता के न्यायाद मा के वार्ये या अहिन्या वि चिषायात्वरासम् प्राप्त विष्यात्र पर्वे राष्ट्री हिष्ट प्राप्त विष्या सम्प्राप्त के शिष्ट । कैं चें बारा हि . जारी दे . यो ८ जु मार्ट्र र मार्थ मार्ट्स र मार्टि र कूट र ने में यात मार्टि र में या ही . भी जी मार् मुँगार्स्ट प्यन्ता साम्चियाण्ची साम्बर्गायम् । वितास्य सान्धी स्वरायम् मा निरायासी निवाय चतः इसार्वी रावर्षे बे.सूर्ता डे.इर.बेबाचबेर.ज्यूर.बाश्रक्यादेश वराशक्याः वै देवार्च के क्रामिह राजा क्री राजने यहां सक्ष के हीं राज रिमें हाले हा सहस्था है है । से हिंदी है के स्थान है है निहर्भान् माह्य प्रमासे के के में पठका कुया दे माला सुतु ये कर वे विकास माला निहास क्रि.च.र.भ्र.क्रू. १ र.जी चारा प्रमाति । हे. १ र.ष या प्रची र. रे चाया ता की चार क्रु या इरा अ

द्यायायायक्य। दिवः प्राप्तः याप्यस्प्त्यायायम् स्राप्ति प्रमुक्तायायायम् । देव ह सासु कु सेव त्यस हे द कुर द्वाद से ह त्यायबद दह यववा से चे र य बि वा देह साम्स सुरायदेवमानुर्वेभाने मार्वे मार्वे द्रायर सुरायदेवमा इत्यानमानु मार्थे दास्या द्वी । नर्भेषा गरेराना मन्याळहासायहेनान इत्राम्य नर्मेनाये तर्ने, विहा इस्राम्य ૬ ત્વા. એ જાર્ટ્રાવાજાવ ક્ષે. વિદાજ્રદાજા વધુન વિષય વિષય વહેં માના ફ્રિયાના શેદા મવાનું છે. क्षराभ्रात्याच्य्रे वार्षा क्ष्राययम् राष्ट्रा ह्या प्रति । हे प्रया विद्रार्थ । स्राप्टा ह्या क्ष्यः सु 'पठरा सुरा सु रा सु रा सु रा सु पा में ना मु ना में ना से ना त्रश्रु हरा प्रकारकृते 'या मृत्रु सार्ख्री दर्मे का पार्थे 'र्से दे 'मालु हर हर म्यू 'या प्रकार के का प्रवे ' त्रु 'पक्ष व कु 'गरे र '८८ व । बर य र ग 'ये। अर्के ५ हे व 'र्ये गया ग्री 'रे व 'र्ये 'के वे 'व स कु व 'हे ' मुँ स्यामायमानीयात्त्राचिन। श्रेषाक्षेषायमान्याच याम्यारान्ति वाम्यारान्ति वाम्यारा कुंद्र .कूट .पिट .टें .पश्चेली कूर्या अंचर ४ .कुं ४ .कुंद्र .कैं . बर ४ .टेंट . रची. ह्ये र .के .शु ४ . घट रा क् अन्यावि र्मन्याय अपना स्याप के त्या वित्र विष्य है । विषय के प्राची विषय के प्राची विषय विषय विषय विषय विषय पर्व में अब से अब पर्व में चिय के निय का निय का अव का में ब में ब के में पाय में ब निर्दर्भ भी हिना है स्थया से ताप हो न हिना प्रमान है न कि मार्थ के प्राथित पर्वेश माहे त्विरक्षेत्रकेषा कुष्पा के स्वाचित्रकेषा के त्रिष्ट हिष्य हे न हिष्य हे न हिष्य स्वाचित्रकेष के स्वाचित्र <u> ब</u>्चे ब'न्गार'घर'ॡ'युवे 'न्में ब'य'कुर'कुर'वे ग'मे 'बर'बश'ने 'न्ब'यर्डे ब'यर् ग'युब्य'यवे 'ख' ति.श्चितमारमा याष्ट्ररायास्यापराञ्चसमा नितासह्यात्त्रे । स्वातास्या वर्षाक्रिया सरमाक्रमाक्रिया वयाने छ दूरी है है किया ह हिन्या मालि हैं है। हर कुष्ट्रियचीयो कु.प्रटाविभन्नो श्रेटाविभन्नाकिता पङ्ग्यतचीना चक्र्रातावरा चक्र्रा म् विश्वा कालचेका प्राप्त के मिर्टी रात्राच के वा के मुरा के मुरा विश्वा नर्ने। द्वी पद्वा अप्तु विव वर पठकाधिवा १८५० वे वकार्ने द ग्री के कार्रे वा क्षेत्र यान्दान्डेन वेन्स्रे ने बार्षे बाउबासटाके पाइस्रोन्न् पन्दाप्यास्त्रन्थे नायास्राप्ये नवे क्षेत्रस्ति नवे स्वा स्वरंधे क्षेत्र स्व क्षेत्र क् क्षेत्र यहिर वया से किराय दिया मुस्रा की सामे सामे सामे दिया है ना वा की साम से सामे की मार्थ मार्थ सामे सामे सामे साम चार्राःश्चितःतान्ते दाण्ची प्राप्तान्यान्तर्भा विषान्त्र वास्त्रम् स्थान्यान्तर्भात्रः स्थानान्यत्रः धेन'वेन'र्ह्येन'र्स्सेन'य'न्न'। वेन'र्ग्ये 'रेन'नाल्नान्ट'र्ट्ट के अ'ख्नाक'र्ग्ये अ'वेन'के 'यर' क्रिंग्सेन्यःस्वित्रःक्रित्रेन्यःस्त्रित्रः विद्राधान्यस्य विद्राधानस्य विद शुद्ध यात्र्य विषय प्रत्येत प्रयम्भ में विषय स्वर मुनि के वर्ष प्रत्येत मिला प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य चेश्रायास्य सार्यह्रे बाय बिटायर्से बायह् वा यह वा यह वा यह वा यह वा खु वा खु वा खु वा यह वा विहास मान्यमानारामराक्राभ्रद्धात्मान्त्रे दाद्यमाभ्रामिन मान्यमान्त्रम् ने 'क्रक' क्षे 'र्से 'वोर्तेन 'से ने न सम्बर्गन में का स्वर्ग से मार्थि साम हो साम हो साम हो साम हो साम हो साम भ्री देवी बाराबकाय उद्यापदे दानुकाय दे । मुकाय दे मुकाय दिन मुकाय मिला मिला मिला प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प शर्वरावराक्षां वाप्तरायां वी वाप्तरापञ्च वाप्तरापञ्च वाप्तराप्तरा विद्यायाः विद्यायाः शर्मित दे का भ्री बायहरार पद्मा है। इसाय मुराया राष्ट्र से बारी का कार्य है वा से प्राप्त का से प्राप्त का से प विषाये वा का निष्यं दे कार्ट कर्न में हिंदा में हिंदा में के वा विष्या में विषय में विषय में विषय में विषय में या मुना यदे 'हे बार् मायहमायमायहे बारे 'क्षेदे 'न्नादा स्नुना साय में न्यम हे बाय से नाय से नाय है वा र् र्नर्या के र्र् प्रमाणे व हो र्र् पङ्गा हे के या ठवा है । या उपा उपा विकास मिस्राम्य । प्रमानिक्षा में प्रमानिक्षा में प्रमानिक्षा में स्वापिक्षा में स्वापि ळट पर्चे र से ५ प्ये ब स्वर्य कु ५ सर प्यय चे ५ प्यवर ळट समम हि स दे र पर्च १ वि ५ से दे । श्रे भर्भावभर्भात्र र श्रे र भावे प्वे प्रे दे के वो श्रे प्राथा श्रेषा प्रस्ति ए प्रस्था स्वर श्रेषा २सन.मृथ-८८.रमन.मृथ-८५ अ.त.ह. सेर.पक्षित.तम.थ८४.शूर.के.श्रम.र्ज्ञ तहा. ८५८.मु. त्तु 'जु तु 'ठ 'व' प्यत्न । ने 'यहि मार्चे मार्च मार्च मार्च 'रे मार्च मार्च 'यदे 'के 'इसमापटें यार्च प्राप्त प विनार्स्यन्यान्द्रात्रे ते हे दान्याद्दे ने वाद्वाद्दा हो दाने यात्वदायर वित्रे ने नातु हो । उ.वी.ची.का.की.शु.दु.तवद.क्ट.शु.ट्.ची.का.टी.ची.क्ट.तदु.चू.वे.का.श्रप्र.शु.खे.ची.टेट.क्..तकी.प्रेत. हे सान्ने 'यान्ने पानमा'पन्ने बाबमार्रा वि प्रकृता ५ ५ ६ ८ यसान्ने ५ याने सामी सामार्थी । रच.न्। कैल.विच.रेट.क्वि.क्ट्र्येश.रुट.जीयश.रेट.भथेश.लग्न.विट.ज.भ.रेयोठ.पठु.क्रा.ठचीं र. यह्रवायाचे १ व्यादे में वाय्यावायाची ने मा दे व्याक्ते वाय्याची में प्राप्त वाया वर्वाक्षेटासपर्देर्परवर्षेवापवे हिंवासस्य स्टिंग् कुवे रसवासे ववव रेवासम्ब ५८म अस्ति ते के त्यातर के प्रायम के वे षापदे 'हे 'पदे 'भ्रे 'पयाके र'दहें ब'पत्रुट 'प्रुष'कॅर'पष'भ्रे 'वे ग'गे षाभ्रे भ्रषायाषट ब्रह्म म् रिवे मिन् त्याययार्थे न्यायदा स्रमान्या स्थाने यवि मान्या में स्कूट स्कूट स्निमार्थे ना नेवे रिवार वर्षायर्द्धा क्रि.रथर.जयात्रे र.तयायालीयातालू र.वर्षायवता व्याताह्य थावराष्ट्रिया ही से त्त्राच्या स्थान्याचे स्थाने स्याचे स्थाने ८८.की.जम.वी ८.४भम.भ४भ.२ .५ .भधूत .ही चमामी.पद्जात.ये.त.वी.ची.धमाचे.पिट.येट. रु 'धिय'क्ष'यस्र 'र्धेर'य'कु'क्षेदे 'यश'द्वेर'र्वे 'र्धेर'युष'चे र'य'विष'षी श'क्षेत्रेर'क्षासर' युवायादे दाव्यादे द्रवायदे व्यवादि । युक्त विकायके वा क्षेत्र के वा क्षेत्र के वा क्षेत्र के वा क्षेत्र का वा व य वे र र्वे र र्नु 'ष्य य प्य विषय । यु खु र मी माय र्नु 'प्य र से 'य्य प्य प्य प्य प्य प्य स्था यु 'खु र र यायर यह म्यान्दर्य में ने ने न्यामन्य स्वाप्तर से सन्ताम्य सामन्य में स्वाप्त से से न्यान्य स्वाप्त से स्वाप्त २८४१ म्हा ती से स्वेत यमासे ५ वे मात्रे राम्सायहि गमासूटाम्सूया

२४४१: भू ८ म्यू ४ म्यू

कु 'नगर 'दे ना 'गहे स 'य 'रूट 'नयर मी 'छु न 'यर।

कि.येच.रट.के.चर.चेथ्र ४.ज.रट.रेचट.जूरे.शुर.गु.विर.तर.थु.के.चर.यर.शु.रूचार. वर्षे ब र्ये र ब र र के र्ये र र र कु से। वर्षे व वकाली का सुवा स्वामा की स्थापर स्थाप वर्षे से स्वाः भरः त्राविषाः कवाषाः वाषरः है । क्षेटः दरः विरायशः भ्राविषाः स्टास्टः स्वरुषाः प्रवरुषः ग्रीः । यथः गामिहे रामि कार्रा निमायके मास्त्री वापि कार्या मिया खुवान्ताकारी की मिया सा चार्च् किलावियावचात्ररात्र्यतार्राक्षे भ्राम्याक्षे प्रचायाक्षे प्रचायाव्याविचाचि या देरकेंदिक्षाः भुवषावर्षे वाम्बदाद्दाम्बदावि वार्षेदायागुवावाम्बवार्वे विवा विवागुदा कि.येच.येट.केल.विटाचेषये.की.शु.शुराकेयचेताता.तुट.येथा.वेष्ठ्यकायायेट.की.हु.हु.हुट.रे.वु. दसरमामुद्र, केतावियामेषया स्थितमायक्तारी त्यात्री प्राप्ती यात्री के ये यो परामी दिसरमा चार्कु, र्ट्य, चारु र. भाषय. भट, प्तृ. खुचा. रट. ती जार ट. चारु य. खुंच. खुंच. खुंच. खुंच नार टट. वि. चे जाय था. चायय. याञ्चित्रात्रकृत्यान् त्वे त्वे त्वे र्यान्तर्ते अत्त्यास्यामित्रे राष्ट्रयाक्षे याञ्च पार्वे पार्वे त्वे यर्च यर्ने मुं के के का पर्वे र लूरी है स्मर्थित का त्याली का रेटा ला हु मिंदी हो प्राप्त की पिया के या सर दें लिया ये। बेर क्षितया पर्ट्या वया पहर प्येत। की बेया बेर यी के या यो या या है या ये र चेबर अधिव देर्। शर चे दूर्व चे देर शिव के शासर मूं ख़ि चा मिर के ला विया चे बे दे । श्रीय श

पर्रेयायायमें प्राप्ते प्रविवासागुवामे शामाययार्वे रास्रमें प्राप्ति। दे १ स्र रायरामा विवास में या है। ज्या में भी भी पर के प्राप्त के प ૠૂચ<a>ૹૣ૽ૣૣૣૣૣૣૣૣૣઌૣૣૢૣઌૣૣૢૢૣઌૣઌૢઌૢ૽ૣૣૣઌૣઌૣ૱ૹૣઌૣઌૣઌૢ૾૱ૡ૽ૢૢઌૣઌૢ૿ૢ૽૱ૢૢ૽ૣૢઌૣૡ૿ૺ૱ૡ૽ૺૺ૱ૺૹૺૺ૱ૡઌૢૡૺૺ૱ चञ्चनश्राचित्र वे त्राचे दिन्दे त्राचे स्थित हिन स्थित स्थानिन स्थानिन स्थानिन स्थानिन स्थानिन स्थानिन स्थानिन सक्स.मी विर्तत्रा भ्राप्त्रमा भ्राप्त्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत्रमान्यत् वेषाविषास्याः अराये पञ्चराये दिना हो नायवेषा अपिता क्षाप्ता क्षाप्ता के प्राप्ता के अपिता के प्राप्ता का वृदाने बाके बाह्य रायर के बार्य निवाकु बवारदानी हिनायर हे। यनि बार्येन यान्ये रावा हे या मूट्याश्र र र्ह्ने ट्रात्ते ताचूर र च्रायायाय था र्ह्ने र जूर र क्री र र क्री र ट जूरे या ये था ता विन्देनमा सम्वेषिन् मा सम्वेष्टि के स्वाप्त मुचासाक्क्र राम्नु वान् के बार्स्स विनासरार्व विनातु रवेता सव विरुषाणे राम्नु बावका कावका वसा यः स्टारा क्रियाम् विवाहे वाया त्वाया स्वायविवार्येत्। वितारे नवा क्रिया संस्था से वाया स्वाया स्वाया स्वाया स यर चेंद्र देवाबा अद चेंद्र भी 'बाक देर चेंद्र भी 'ब्रेंच म्वा 'द्र उट 'द्रुट 'द्रुट 'पे द्र 'या अ 'बद 'अहुद्र' क्रियालकारान्ता वित्यान्त्यामा स्वाति क्षिया क्षिया वित्या वित्या क्षिया क्षिया क्रे ब खेट प्यत्रें न अर के न ब के र खें या के ब हों दे के अर प्रमायक कर पर्वे ब दे हैं ब से ही मा उन्न ब.भी. चोषट स्वत्राभी टे. हैं .ची र.क चोषा है .उन्ने .ची पारी में चार में ट. दे चें .ची पारी पारी पारी हैं র্চ্ছ ম'অম'স্কু ব'বেট্র ম'র্মান্সনম'র্মান্সন্ধান্ত বাধা তেরধান্তম'রেম'র মান্ত বাদ্রান্ত বা श्रू र त्व्ये के जू चे के बे पर हुँ च जू के की से र कि हैं र के बो हैं र र वू का के के ही र स र्ले का रें लूट क्षांचुट जमार्ट उर्चे वा जमाया मेरे र कु जमा चरमा मालक मेरा जू पर्दे वाहे माले वा

निष्टान्ते जन्मानु ज्यायत् व ज्यास्यु जनायान्य के ना ग्राट से द प्यार क्षे र प्याणु व द्राप्य प्रात् जिंदा वयारवार्डेवाची वयावालु नयान्तेयायायाये समाधिन सु वि नाने सार्हे साव हि राह्र राह्रेन सार्वे सारावि वारे ना ने के नियं राक्ष कें रहें के बिटाके कानु र्येन रे वासार्श्वे यासार्यों सिरे मुचार्चे कुष्राकुष्राकेषार्थे रायरेरा। कुछ मुचाषाष्ट्र राउम् । स्वा मुचार्चे कुष्रापियारे । स्व सर. वृद्धः देवे त्री स. प्यस्य प्रम्य देवे त्री क्षाय क्षाय प्रम्य देवे वि वि वि वि वि वि वि वि वि विष्ट्रभिविण्ड्यां के अभे देवाया पर्टा अवसाद में वाया पर्टा अवसाव करा विवास र्ट्र अदे 'र्ह्म ना क्षे 'र्रम मान्यया प्राप्त हो पदी प्राप्त हो प्रमार हिंदे 'र्ये प्राप्त के माना प्रमार प्रमा नविरक्षित्रम्भर्नाष्ट्रम् केष्ट्रम्परम्भावनायमान्त्रमान्त्रमान्यमान्त्रमान्त्रम् काष्ट्रम् ब्रिन हिं क न्दर त्यका है न स्था है चुंदे 'द्वो 'क्वा अवशः क्वें अञ्चर क्वें कें अप्यायी व्यवस्य क्वें द्वाया वर्षा क्वें देव या पर्वा क्वें स्रात्राचे वार्याच द्वारा प्रात्रा के प्रात्र के राजार् वा कि या राज्य प्रात्र के राज्य वा वी प्रार्थ वार्य यदे व्हापदे दरक्र कर्मर र्यदे वि विदेश वितर्म के निष्य प्रमानिका के निष्य कर्मी प्रमानिका के वि करु विद्वापि ने विवादी त्या कि विवादी हैं हैं दि से हैं दि से से विवास है तिया विवास है सि स ี่ พู 'ฐะ'ฺพิรุ'ฃิ 'รฺะัพ'นั 'ฮผพ'ธรุ'รผะ'นั โต ัสะ'ฐะ'น'ฺณพ'รฺะัพ'นั 'ะะ'ะะ'ติ 'นริสฺ तत्र निष्याति का त्रात्र वार हिर्दे निर्दे का त्री के हिर्दे के प्रमानित का हिया है का से रहेरा है। देरपहेब कु से वे 'कंब 'रे गपा वा कंब 'रे गपि वे 'सकंब 'हे द कंट से द 'वा दे पित ब दू 'दसर' मल्दामी 'यमान्ने दादार में दाया करामा हु दाया या में समान्ने माना के 'द्रमायादे 'में दायमायदे द यद्रायदे ब्रायदे नाबबारळ्यायाक्षी द्रायदायर दे दे हि ना विराद्वी दर ले । इरा यह देवे हि ना व मु अन्य से नार्थे क्षु दे नालु या क्षुन क्षा क्षेत्र मास क्षिन्य सु नामन नविक से निया साम निया सा क्रि.चार्च रा.झे.शुद्र अंशतहे ब.जुड़ी व्रू र.जुन्द रा.शकु ब.त्र. शकु वा.रंट त्यद्वा.ट्री वा.त्र. वार्च र.चीं २८८४ महिषा में का के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के का के का

चवर्षास्वापन्तर्भे वाद्ये रायवर्षी । स्वापन्ते । द्वाप्तवे । ययः वि । ववर्षास्व । ववर्षास्व । ववर्षास्व । ववर्ष नार्क्केन् केना नाबर बायर देरायेन् क्षे रस्यायर सा बन देवे केना में नाया के वर्षे के नाये व ल्रा १.८५.५८.१ व.२१४। क.१ विषात्रकात्र्रा प्र.४.४४०.१८४१ वर्षात्रा यने बर्यान्तरायने बर्यादे रेने बर्याने वाकायदे खुबर्यकर हो याक्षायुवाका खुवाका खुवाका खुवाका हुवायहूवा निरंबिन'र्सेर'से ब'नरुष'य'न्ध्न'विन'निबर'स्नि'ग्री'से न्। कु'से 'निस्कि' कु'रुर'रुर'के 'निरे' न्रायन्रायवे के न्यायन् न्यायन्रायवे के न्यायन् येव के न्यायन्य के न्यायन्य के न्यायन्य के न्यायन्य के न्यायन्य वेरप्रेके के प्रियाधिका विप्यम् प्रयापिहर के अर्द्ध्या मुर्खे के प्रमुख्य कर्मे के क हरानी वि प्रमापक्ष प्रकृष्णु महाराज्याया से प्रायम्प्र वि वि प्रमापिक प्रमाणिक । र्रे अरद रें म नु परु म ने म गुर में कियाविय परे रक्ष में या हो र परे स्मित्राया के कर रें चके.कयु.चकेर.दी.तत्त्रीर.शर.ताबे.तारेट.चके.कयु.धु.ची.तत्त्रीर.र्जंब.ताबे.तथाके.रशर.तत्त्रीर. श्रेन् भ्रिष्ण्यासु प्रस्त क्षाण्या स्वयमान्द्रात्म यादिषानु पर्वे रास्त्रायमानु पर्वे पाया रेन्। विश्वराष्ट्री रात्रे राष्ट्री तथा ग्री राज्य वाया प्रमान में राष्ट्री राज्ये वाया विश्वराष्ट्री विश्वराष्ट्री वयाक्वाविनाने निवानवेवियासि व्यापस् वावस्य क्षा क्षा क्षा क्षेत्र क्षेत्र क्षा क्षा विवासी विवासी विवासी क्षेत याकि.शुद्राट्याञ्चाक्षेटायाल्येयाच्या विषयमञ्चयात्वह्याक्षेत्रवित्याक्षेत्रा विया व मी 'यर र प्रविव 'र्णे दा यर मिर्णे हुं 'पर्गे वा स्र र रा मिना पर्हे द का अर्के 'हें व 'वे र के व विव ' लूट अंचरार्ड र बराश्यर क्रुचराला अंचा अंजार्थ का बर्धा मा चिरा के बाही ही टाटालूट बर्गर र विभावराष्ट्री रु प्रतुराक्षे किंगार्श्वे र प्रतुराव कराया गर्के र क्रु प्यवा वे र वया या गा वि किवा सक्षात्रचे वाक्किवाक्क् वोषाती । वर्षे वाक्क्वास्त्रं वषास्त्रवषाक्कि देशराक्षी व्यवादि वात्रवि । त्र्राय् वार्यर प्राप्त वार्षे वार्यरावायुवावायरायविवायवे स्राप्त स्राप्त वस्रवाये मुर्दे अर्वे । वर्भे र वहर व है व दे।

য়ৢ৻য়ৼয়৾ৼয়৾ঽ৻য়য়৻৻য়য়য়৻য়য়য়৻৴ৼয়য়ৣ৻য়ৠৼয়ৣ৽ৠৣ৻য়য়য়ঢ়ৄ৾৴৻য়ৣ৻য়৾৻য়য়য়৻ঽ৴৻ पर्वरिपट में श्राप्त हुं रापते हुं सळव के पर्विष्य रेट हे रावे ए पर्वे रापके रासे प्राप्त के रामे चलु चर्छ खे न्या जूर ह्या भर कि बचा त द्वर ही कि जान ची र विष प्रतास हिता त र र । हे ब क हूर વાર્ફ્ફ્રી ર प्रतृत्वी 'नुस्रम्'नुद्वारस्य प्रतृत्वर मृत्वम्यम् स्वम्यम् स्वम्यम् स्वम्यम् स्वम्यस्य ने प्यत्र र्थेत् वसानि ति ते वरायं वे प्रकार स्था ते स्था त्रमी तर स्था ने स्था क्टायर्मायर व्यापस्ति। नटार्मिविट क्टिंग्येट व्यापावया कटाहे स्रामायर मी पर्मा क्वा र्सिनिरप्रत्वास्तिवरप्रापेट्। देवशाविरस्रिराङ्गिरासिस्ट्रिराङ्गिरास्त्राप्ते विवा अस्तिपर्सिसप्तर ल्रियां हिरक्ष्राचिता हे विषालक्षे विराग्नर म्राप्य प्रक्षात कि क्षाप्त है भारत है भार युवाक्षे क्षेत्रम्भभायम्। वे मुदान्नमान्द्राक्षेत्र क्षेत्र के के विष्य क्षेत्र के के विषय चित्रमास्यावन्त्रे वात्र्यात्र क्षमा विटक्ष्मा यात्र क्षमा नित्र क्षमा क लयेष्यं मार्ट्या वेद्या विद्या लट्रमध्यात्रेत्रा देव्यार्प्पक्षरात्रेत्। र्प्पक्षरात्रेत्रा स्वा शका इम्बल्यान्यन्विष्युत्वब्य्यव्याम् देन देव्या मेर्टिं द्वार्थे भ्रायत्ये सरदार्द्र गानु प्रञ्चू रासे मुवायदे से करासांव कें बाहे गान्ते पर्दे गाने बामवाया ने बाहु दाया वर्ष्ट्रबायान्द्राचेष्ठ्रवाचानायायेन। हो नाश्चित्रचित्राचार्याच्याच्याचेत्राचेत्रवाचेत्राचेत्रवाचेत्रवाचेत्रवा मूराजामक्र्यं येवरा। चार्राचिमातार्रे अराष्ट्री भाषराष्ट्री खेमार्जू येकराणी की लाउटी चार्माखेचा लूर्र्र्याचे (विज) रट.विष. (हूर.) की चिष्रं ती विषा विषः वर न्यार् लिट. श्रमः की श्रीयर. वर्षायहर्। ने वर्षाया ने मुर्थाया ने ने ने ने स्वर्षाय है गर्षाया है ने स्वर्षाय है ने स्वर्णाय है ने स्वर्षाय है ने स्वर्षाय है ने स्वर्णाय है ने स्वर्णाय

ब्रह्मामुब्रक्रिमायर्ग्निक्षार्र्यम् व्यास्थ्रिरायञ्चम्या देख्यारेयार्मेरायञ्चम्यायस्य नर्ना ने न्यानुन्द्वार्थेट हैं कु मुटावन फ्टाने के प्राप्त कु के प्राप्त अया के न्या कंटा हे दिया.श्राम्यातात्रकायात्रीयात्रात्रकात्त्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्र इतिवासात्राचीयात्राचीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्रीयात्री र्देषः भेर् पुः स्वारा अद्यापार विष्या देष्य भेषा अद्यापार विष्या विष्या । र्मेश्वराटानकर् स्रिन्धरे स्टास्याव स्टाया रेर्। यटान्दि हित्सु हित्सु रेर्डिश हित्से स्टार्स हिरावर्सेगेशा करावर्भेरागेरास्थायर स्टाईराईराईरान्ना अपने सी.प्रेटी हिराक्त्रिंगावायवरा दे प्दर् भ्रे ज्यामानम् मानम् स्थापन्दर् सार्ता वात्र स्थापन्तरामानम् सामानम् रटाची ऋरवाना निर्देश मारा हिन् भी शक्र हिन यक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष प्रायक्ष धेव चेरवा देव वित्व प्राप्त प्राप्त प्राप्त के या राष्ट्र प्राप्त के वा वित्व वित्य के प्राप्त के या वित्र वित् वशः में द्रायां कर साम बुद्र कर से दाया देश हे साया द्रों कर या मुं कर या सके कर साम मुं षह्र्यःश्चितायर्थेयः है। चौ.प.व.प्रेचेयश्चे .ह्रं र.पश्च हे यथार्शेताश्चर्ये चे.क्शा चौ.प.स्चरः श्रायययासक्रास्त्रे प्रतित्त्र प्राचित्र वरायाना वर्षा राश्चित्या श्चित्र में निष्य स्वापा महिना र्टान्त्रेशन्त्रभाष्ट् थॅर्न्सिक्षेर्रेष्ट्रम् स्रित्रा सरेतुःसर्भेन्स्यर्यस्य वेर्न्नेर्न्यम् देवे ध्रीरस्मेन्। न्राह्मेन्स्रि म्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्यात्राम्यत्या त्म्,) वृचाः भवाक्षेत्र प्रत्र क्वाक्ष्य क्षेत्र प्राचिव प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचिव प्राचिव प्राचेव प्राच प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचेव प्राचेव

क्वाक्रि.लूट.ये.ब्रिट.ला.च.मा.हे.र.के.प्रट.क्य.च.रा. ट.उट्ट.केवाक्रे.लूट.क्य.वेट.तथ.व्रि. वाज्ञ साम्ची के ताम में ने विकास में निकासी क्षा में निकासी क्षा के का स्था में निकासी के स्था में निकासी में सेर्गुरर्थेर्ययवेषा रेयर्नेरक्षुयषासर्विष्यस्य उर्गसिक्षयायायासर्वे व्यवस्विर केषायर्वा यदः यर्ड्स विस्रायिक्ष प्रविष्ण स्विष्ण स्विष्ण स्विष्ण स्वर्ण स् र्ये से हो र मुन्त दे विराद्ध स्वाद दि स्वाद की किर के र व हो हो हो हो हो हो हो हो हो है । स्यायासीटामात्वातासीयाम् याच्चियासीयामासीत्यासीटामासीयाम् याच्चियासी ৼৄ৾ৼ৴ঢ়ৣ৻৴ঀৣঀ৽য়৽য়য়৻য়৻য়ৼয়৻ড়৾ড়ৢ৻য়য়৸ড়৸ৼৢ৴৻য়ড়ৢয়ঌঌড়ৢয়য়য়ঀৣঀ৻য়য়য়৻ঽ৴য়ঢ়ৢঀ৻ यायादे तर्ते क्षेत्रियम्बाराध्या दे क्षातर् विद्यायम् रायवे द्याध्यात्र स्वर्याद्याये प्राये विद्याये प्रवे तर् त.क्ट.श्रम.क्रुचेश.क्षेत्र.तरी.विट.ज.शहरे.झूं.उक्र्यम.केंद्र.सेचश.श.५४.त्री.ही.थ.५.विच.५.वर्वज.कें४. चाझ्चेनाचित्रात्र्रात्रे राष्ट्रिरळूतामें बाह्याता अत्यास्चिनाचित्रातरीयाक्र्यात्र्यात्र्यात्रेयात्रेत्रा भाचर श्चित्रभाभविषः व्यथ्य रूट् अविषयाम् द्रिया यो स्वयं वसरान्त्रीं विरक्षराची द्वरायाता वसामुबर्गा यारसा तर्वा स्वास्त्राची प्रस्त्र व्यापराद्वी राये प्राप्ता वित्रा विवाह्य के रात्रा रेय में रात्री रात्री वार रहण मुवासूर रेपित के रात्री र में विवास रे रहे पकुर प्रकृत जुरु " अ.त.चेशेशतरु कुशतत्र हु रेड हु हु थे ज.र भवी हि कु विशेश से वी श है त.र टी जिर क्यी र्नुष्रः इं विया योद्धः विषायषा पश्चिता है । दे विषायि विया प्रति । विषायि । विषायि । विषायि । विषायि । विषायि । त्रत्र्व्यम्त्रत्। व्यवक्षःलर्ज्ययायद्वात्तर्ध्वः भाषर्ज्यः त्राच्याव देव्यवस्यः स्विषा चित्रचायायस्याद्विष्यास्यास्याद्विष्यास्यास्याच्याच्याच्याद्वेषाः स्वाच्याद्वेषाः स्वच्याद्वेषाः स्वचेषाः स्वच्याद्वेषाः स्वच्याद्वेषाः स्वच्याद्वेषाः स्वच्याद्वेषा वस्तर्मेव राष्ट्र वट्मे क्रि. पर्ते रायात्र शावया वि. श्रुष्ट क्र्यू रेट मोधे रायासूची साम्याचा वसः ब्रिंग्यहरनी म्याय ने के स्रिंग्यहरा देवे स्रिंग्या स्रियम्बर्यम्य यहराम स्रियम् ट्र.मृज्द संराष्ट्रेर.कें.लुया ब्रिट.क्ष्याट.पक्रेट.जूर.क्ष्ट.यट.ययाचिता क्ष्ट्र.ये.लुयाचक्य. यारे दिन्ने के शहरा विद्वास्ति स्वाम् वर्षे दिनो से दिन्य दे के स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स

च्री तर् चा के शाथर त्व त्व शार्थे र 'र आश्रे र के शार्शे चा शार्शे व तर्रे चाश द्वश्व स्व मा के शासे र ग्राट क्वा केशरुकार् पर्वेकाने मुप्तानकायारा धुनासिंदा नकेराम द्वीपक्षेका यशस्त्रेसरकेया वेशताक्षेक्षरात्रातह्रवेतविशो लटाउत्तरः सैचीत्रवृत्वीतार् क्रूरः सूचावर्षात्रपटा है जन दुर: बर् कु राया उक् क्षंदा सा ब्लाय ने प्रे त्या के त्ये ने निरुप्त की रायह ना त्युर विता की रायह का चर्चर चिर्या रट.त्रा व्र्यायममासमान मेजायदे श्चिरायामहूर्ययो क्ष्या हुँ ट.र्ज. प्रमेर्या स क्रियामार्ल्य तामक्रममाम् दे तामामाराज्य । यह क्रियाक्रमार्ल्य मान्यामा प्रमान प्रविष्यक्क प्रमः स्त्रित्र में क्रिया में क्ष्र त्या में प्राप्त में प्रकेष प्रमान में क्ष्र प्रमान क्ष्र क् दे त्वराश्वर तात्त्री दे ऋर अस्ति विषय विश्व पत्ति स्वरायह व र विश्वर पत्ति स्वराय है स्वरा साम्मन्नात्रे रावर् वासाम्ना सराम्चानावनार्वे माने माने स्वापावने सामाना स्वापावने सामाना स्वापावने सामाना स्व लीकाकाश्रम्। वर्षे अभ्याम् श्रम् श्रम् अपिन क्रि. वर्षे त्रम् वर्षे त्रम् वर्षे त्रम् वर्षे वर्ष विषारे रे मुषान्यामार देवासु दे इस मीदान्या दर्गेन या इसे दे प्राप्त है । इस र से पर्मे स्वापन इस्रम्भ स्त्रम्भ र विषायायक्षित्रम्भ मृदाविषात्रम्भ र स्वराधित्रम्भ र स्वरायम् विषयायम् विवामिषाग्रामा सम्माना स्वापायक्षियात्रका द्वीयका समा नियत स्वापाय समानि स्वापाय विवास विवार्त्यन्यने प्यतः ह्या पहरा की बार्या निवार्त्य विवार्त्य विवार्य विवार्त्य विवार्य विवार्त्य विवार्य र्शरायाम् प्राप्ता स्वाप्ति विवार्षित् यात्रेत्। स्वाप्ता सम्मात्रा स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स र् त्विनाः ह्विरान्ते प्राच्या प्राच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या यायहरा सन्भियासे प्रति युन्से न्यून सेन सेन प्रति माने से रासक्य मुरे मायाय प्राप्त प्रति सा परु मासुसारे पर्देशकार्यमाना ने स्रार्ट पर्दे प्रतिक के बार्स सार्वे बार्स सामानी स्री पर्दे परिदेश समय न्नाग्यराने व्हाराक्षेत्रास्य पुरावरुवा ने निष्याने निष्याने विषय के विषय विषय वार्य र र दिला की सकूर कर्या वार्ष र अपूर वार्ष र किया अप्तार क्षा वार्य र अप्तार की वार्य र वार्य वार्य र वार्य ञ्ज जर्दानी रिट वार्श्वाकाश्चवानी कार्याद्वार कर्ता वार्षे कार्य राष्ट्री मा वार्षे कार्य वार्षे कार्य वार्षे करा

र् तिष्ठिर परेर्। श्चित्रासर्वे बाह्यस्य उर् सिष्ठे बारायारे तर्दे हें प्रतिष्य स्यास्य मृत्र वरे व स्यापन ल्ये के या चे त्या से या त्या के या त्या है ये के त्या के या त्या के या त्या त्या के या विष्ण के या वि मिल्र ब्रिंदाचित्रा है सामित्र के मित्र का मित्र के मित्र के प्राप्त के का प्राप्त के का मित्र के का मित्र के का रेय में रिपर्क्स राम स्ट्रा रे में दिन त्य मिन दे पत्व वार्म सु पर्व वार्म या मार्च प्रायम प्रायम प्रायम प्रायम विषम्बर्धयम्ययम्बर्धरम्भाष्यर्वित्रक्षाञ्चयः दुवायक्षयञ्चरः विरक्षस्रेत्यविषाययम्ब वर्षियः वयत्याचेष्ठे श्राण्य स्ट्रिन पर्वे वा वे शास्त्र स्वापा स् वा ब्रिट् सूर बेश श्रिवश्र अपूर्व कर जावासू वाक्ष वारा र र वर्ष वारा अवावास्ट श्रि श्री सर वास्त्र वा व्याद्विन् श्विर र्सेट द्रमान्ये क सेवामाप्पर सर वार्तिर र्येन् याने के रट सर प्रवापन मान्या सर द्विमा ट्रे. मुंबर्ग्य अर्गुवर्ग्य अर्गुवर्ग्य कुर्मेट्र यात्र अय्येवर्ग्य भेषा ने मा हे स्ट्रिय वर्षि हु ट्रिटर्वर पुवारा भ्रिमारे पर्मित्से स्मानि सम्प्रिमार् मार् मारा मारा मारा स्मानि सामित्र में प्रायद्दे ता मार्स्स प्रायद्वे मार्स सामित्र स्मान वि.क्.रे र.यह वामायमा अर्गुवामा तुत्र रटा भक्षेत्र र्वे वार वामा क्षेत्र की मा किया है। रात्र ঀৄৗয়ৼঢ়য়ৣঀৼয়ৣঀয়য়য়ৣঀয়ড়ৼ৻ঀঽয়য়ৢ৻য়ৼঽঀ৾৻য়য়৻৻ঀ৻৻ঀঽয়ড়ৢঢ়ৢঀ৻ঢ়ৢয়৻ড়ৢ৻৴য়ঀ৻ঢ়ৢ৻ भूर. में यार्ज यार्ज या विषय १८८ में हो ज़राया यार्च रहर यारा रेरी हे में यार हुय विर रेसी की. त्वायमायन्यात्रात्रात्रात्रेवायायनुगमा वर्षेवायत्यनुगमानुमासुयरावितास्यायन्यात्रात्रात्रा ब्रिंट जाबर जर्मा के बाबके राम क्षेर महिंदा मारेटी किम ज्या के बाक का किया का का का का का की बाक की रामित क्र्राचियाकियः प्रत्यर त्यर त्यर त्यर त्यारे शक्षश्य त्ये र त्यविष क्री यात्र प्रत्य र रेप्टर त्यो सी तीया व्यक्तियान् वित्यार्थेत् वे रायादे विवयक्ति हो त्र्यावित्यात्वित स्वात्यात्वे रायादे विदेवाया रेत्रात्वे या तर्दे अर्रे र श्चेष्यार्ट्य पर्द्वापट्ची तर्ची प्रम्था म्याद्वात्र स्वर्णाच्यात्र स्वर्णाच्या मन्त्रिमायरमाञ्चरमार्मेरायारेत्। देमानासुरमायात्रा श्चितमामन्त्रिमायात्रायात्रायात्र्वे स्त्राप्त्रिमान्त्रे स च्दु किताचू देत्र कूरियमें अपाय बिराला काराह वारा क्षेत्र के या विषय कुरा किता किता किता किता किता किता किता कि दे निषाहे षायपदायाळे वार्येषाञ्चवायये यावा विषाञ्च पाते षात्रा विषाया हे षाव षाया ये दिषाया स्टाष्टि सा र् जिनाहे अहे ब प्रवेट अ द्वारि अपी दर्ने र अपनि प्रवृत्त कि । देव ग्राट हे अवस्यावस्य स्थादे प्रविश्व हैं गर्भागु राकुयार्चे प्रिंबर्धे यायववर्डे प्राप्त स्वापके देश विकास मेर्। दे यह दे महर्षा सुवा द्याञ्चित्रास् वित्रस्यात्वात्रायवात्राञ्च मानु त्यात्राय्याय स्वायाय स्वायाय स्वया ने वित्रस्य स्वयान वित्रायवे क्यां अक्षर लट तव मार्केट तर क्षेत्र की राजी राजी ती राजा ही योलय प्रत्य मार्च वाक्षर प्राप्ते ट्रांसेट तर ही रुष्परायरावरुरायरास्यावदे में स्नित्रावर्ष मुश्रासासूर है। दे स्नरारेव में रिसेर्ग त्तु 'क्षुपष'पळव'पवे 'हे 'स'म्डिम'यु से 'वर्डे द 'क्षु'म्बह्म 'मुह्म 'सुद्र से द 'वर्डे ष'प'रे दे दे 'हू र 'क्षुपष' मुरुषास्त्रेहिर्प्यार्ट्रेब्रास्क्रम्परामी स्त्रु क्केंप्ययाके प्याकुति मुर्डिब्रायर पुरानिया स्त्रुर्प्य स्त्रि ८८.पश्चेतात्वत्ति रेशताचीराची असीराचिषाया अस्टेतातु अचीशा मुः प्रत्यात्वर प्रमुचीषाया त्त्री 'च 'अ'दर'दने 'पदे 'पने अ'मिहे **द**'अर'र्धे 'वे म'याचु मारायम् याद्र प्याद्र 'के राष्ट्री 'के अ'मी अ'च 'झम' डिनाययेयार्भेन्यार्भेन्याके हे स्निन्तु। हनानु न्यायवे प्येन्न म्यम्याश्चिषानु न्याययाञ्चनायरः मुचियावियावर्षित्यायाः स्टर्षेयास्य पर्देवाचेयाचितायदे मुख्यातु नियायाः स्टर्धाविवावी विवास्तु स म्बार्यं र त्राष्ट्रियं त्रापा त्रवारी वार्यायाचार त्यायवाया त्यायावाया त्यायावाया विश्वाया विश्वाया विश्वाया पिट. टे. प्रमम् प्रष्टे ये प्रमा के प्रे हि की मी प्रमा के के के महि प्राप्त के महि मा की महि मा की महि मा की म मूर.कैज.घ.घभभ.२८.भष्टिष.तथ.तूर.भु.८भ८४.ज.ई.ब.घईज.लूट.ब्रे.लूट.क्रेज। तूर.ग्री.क्रूष. जीयाराष्ट्रीत्राक्ष्या क्रूराष्ट्रिषाराट्टायर्चेताष्ट्रिषाराक्ष्यायक्ष्यायक्ष्याक्ष्यायक्ष्यायक्ष्या वायम्बर्गमाना मैवायममान्यामिष्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्रामान्यात्राम् दें हैं अर्नो प्रमेशयाहिं दें कुयायार्से दार्या मुदार्मी कर्के शख्नायार्पे दा विकेश खुन्यायार्पे वा सरसःक्रिसः प्रहेषः प्रदेशः प्रहेषः प्रह कृषाम्भिमाधमान्त्रयान्त्रया हु स्रिमारम् त्रिमास्य स्त्रम् साम्य स्त्रम् साम्य स्त्रम् ग्री पक्षेत्र पायमापक्षिर पहुंग्यापु पहुंग्या कुं प्येत्र त्रायह् ग्रांतर क्रियाय के ग्रांतर हा अदि लयायरमाम्याम्याम् नाम्याम् रायह्नायान् तह्नायान् लेयान्यान्यान्यान्या देवयार् स्थापन म्तर्यातर्ये तिककुषे विषया १८ अधिषातालर से तकुरायेष्यायेषा सी सर्वा क्षार्यी, यहंबात्र हुषे र् निव्नामायर् न सरमाक्ष्यानस्रमाये र्नम् र र र निवानी यानायायान्य र न सरमाक्ष्यानस्रम् पदः क्रिं क्रिया वि द्वापाट की क्रिं द्वापाट वि पदि पदि वि रेरा रे हि सर्गे प्रमेस या ना वर्ष समित पर्या पर्स में दिन के ना स्वर्ध है र या से र म्र गुरर्ने के के रायुन्य रें रे के रायन्त्र क्यायम् अध्यायम् अध्यायम् अध्यायम् अध्यायम् अध्यायम् अध्यायम् अध्यायम् पर्वेगतार्र्या ट्रे.बेश.हिर.लेपया.हेशा कि.शुद्र.क्ष्येयात्रर.हिर.जयरा ट्रे.हिराट्ये पर्वेश ५८ विषय दुर ५ ग्रास्टी अयम् अवयम दुर। व्व प्रदर्भी ५ में प्रविश्वि गर्मी अळं इस ५ रे र्देबर्ट्र असे त्याव नमाने ने तर्दे द सरमाने नमा कुल सिर्मा के तर्दे द सर कृषास्त्राभाक्षेया डे.क्षर.भाष्ट्र.यीये.क्षत्राधियाधिरशताक्षराप्र. प्रत्ट्रेट.क्ष्माख्याः सूरायाप्रदेश डे.येश. त्त्राचित्रक्षण्यस्य त्याद्या रहेशक्ष्याय प्रत्यक्षित्र पञ्च त्या हे व त्यारक के व स्वाका स्वर्धिक स्वर्धिक स् য়ৢয়৻ঀৢয়৻ঢ়ৢ৻৴য়ড়ৼয়৻য়ৼ৻৸য়ৼ৻৸য়ৢৼ৻ড়৻৸ড়ৢ৻ৼ৻৸য়ৢৼ৻ড়৻য়ঀ৾ৡয়৻য়ড়য়য়ঢ়৾ঢ়ৼ৻৸য়ৢয়য়৸৸ঢ়ৼ৻ यारेता ने ज्यारे श्वे यात्वे पाळंटायायाटारे में या द्वेतायारेता ने ज्यारे श्वे यात्वे चन्राण्येश्वास्त्रापुत्राचुत्राच्यान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त्रीयान्त रेरा मर्रायम्बिर्क्षयार्यामस्रम्भायम्बर्किनाधिन्यस्यास्यम्बिर्वाधिन्यधिन्यस्य किंगारी पर्त्रं प्राप्त में प्राप्ति मारी भारी हिंगारी पर्ति में प्राप्त में म रेरा विदः विषामद्रायेदःमुदःमुद्राद्रमाम्भवात्रायाम्यात्रमा रेष्ट्रम् स्रम्भवात्रम् स्रम्

पर्वायारेता नवे पर्वे मर्के स्थापराने पर्वे स्थापराने ने दे स्थार स्थी पर्वे राष्ट्री स्थापे पर्वे ग्रिटाल्ट्रियासाप्त्रेच। क्रिट्सप्राक्तीसाद्धी क्रियाचायात्त्रात्यात्त्री व्यवसाग्री ह्यू बसादे व्यद्वे वसागा विसा यारे १ वसाधेवायर मधिष्ववस्यामित्रम्याववस्यान्यायान्यसामुद्रम्यस्या चि.य.चेड्रची.पीट.मुट.ता.प्रटी थट.बेट.टेट.ही.क्ट्रचेश.चेट.लुब.बेटट.वुंचु.तुंचे.ही.चेश.टे.उट.खेची. रेरा र्वोब्यर अर्केंब्र व्यपर र्वोब्यरे द्धे हेब्र केंब्र ग्रासुस की हेब्र यगर्य केब्र कर सासे र्यर न्द्रमामानुद्रक्रास्त्रस्य स्वर्षेष्य सेन्। मूद्रम्पेन्यवे मुप्तक्राम्य स्वर्षे चै.त्यु.व्रि.शूर.येश.व्रि.चै.त्यु.त्यथाविषातात्र्या व्रिट्.क्रुयु.व्रिप्ताव्यव्याव्यव्यात्र्या व्रिट्. देशत्तरन् तर्वाष्ट्रिश्यत्द्रिरन्वेशिषेषा चै.यत्तत्वक्र.यत्तर्वाः स्थान्त्रिश्चिश्या विषयास्य प्रम्य प्रम्य प्रम्थे म्रिया प्रम्य प्रम् मः अन्दर्ने प्रते प्रमेषाम् देव प्रस्व प्रते अहे षाम् व न् प्रमे प्रायम् अपर्ये विमामिषाग्राद्धे पर्ये प्रमेव रुष्यांविसमाग्री पञ्चतमान्त्रमान्त्रे कार्याक्र प्रान्त्रयान्त्री मानुरा मेरिन् प्रायम् प्रायम् सामान्या र्चे त्र्वेन में प्रेट्ने से त्र्ने के रक्ष द्वेर प्रेन ने शक्ष्य विस्रमन्तर संनिन पश्चर व्याप्त स् यरेर। यदाक्षात्रिः रेवेंदा बेर विवार्ये दाये विष्ठायका की विवार की विवार की विवार की विवार की वा र्नेषाम् पुर्से मोर्वेषम् अस्य स्थानिष्ठ देन्या विष्ठा प्रताम् प्रताम् प्रताम् स्थानिष्ठ स्थानिष्ठ स्थानिष्ठ स ક્રુૈટી ટુ.જા.ત્રોકૂત્રજા.જી.જૂરજા.જી.ક્રીટ.જજા.ત્વનેટ.તર.જાજા.કુટ.ત.ટુ.જૂ.૪.તનેટ.^{જી}.જા.ક્રુટ.તજા.તી. यदेशविश्वरासुदासुवायासुदायादेता दे स्रारं यार्श्वर्याम् निरामदास्य स्थान वह्नब्रायायदी ह्नारायर्व द्वारायर्व द्वारायर्थे व्यवस्थित्या क्रियायर्थे त्या क्रियायं क्रियायर्थे त्या क्रियायं क् रियमिंदर्दियो् अर्केद हे बक्के बर्धि विवार्थिद यादे हेंदर्दि विवार्धेद की के बर्ध विवार विवार विषार्श्चित्रवर्षासक्ति हेवापिकार्यकार्येत्। दे प्यम्कि ञ्चात्म क्रियायिम प्यमिनार्येत्या मेत् र्यादेशक्षेत्रिवाचियातात्रेराच्चेत्रवी वियावाल्याचियमाभीयासक्ष्रियं हेयात्रीत्ववी की सार्येट्या पिट पिंडिया दिन अस्य पिंडिया पि स्वर्थ अपने पिंडिया पिट पिंडिया पिट पिंडिया पिट पिंडिया पिट पिंडिया पिट पिंडिया यविनामाधी प्रमान में रायमासके निहे मने प्रमान में मारा रेना ने स्थाप सामिन मारा से निमा यर् रामक्रम् मास्रा म्यान्य पार्के भार्मे मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्रा मास्र हे ब धि ब ब के वा वी स्वायमा अर्थे ब यमम् धि ब के वा वी मम् वी माने मिन के वा वा ब्रायनकः स्तुब्राक्षन् स्वायाग्राम् स्वरायाने वार्यम् यात्रेन्। वाल्ब्रायमक्षेवास्यायः ह्रे मास्यायः हे पवना के केना के मान्दा। यदे विकास में वर्षी राममायु । हमाया मिया मान स्वा हिना मा के विकास न वर्षास्यायर स्वरास्य प्रतिवासारे द्वा दे स्वर्णियाद्वी राष्ट्रेयायवद्वा द्वा सुवासार्थि राष्ट्री व र्भक्षेत्रेत्रेन्वेन्वेन्या से स्वर्ममुक्षात्रे व्यर्पात्रेन्। स्वर्ममुक्षात्रेने व्यर्धे हे रस्वन्धे म इट वर्पम्या देवसञ्चितायदेव हो दायावर हो स्विट हायय हट वर्पम्या हो र स्विट व हिस मिरेरपर्राहरम् स्वराष्ट्र वित्त स्वरास्य देश देश वित्य के स्वर्ण के स्वरामित्र के स्वराम के स्वराम के स्वराम के ने 'स्चे 'न्रम्य'नेना'मर्झे यात्र'ने वे 'व्याना'स्ट्र' के 'वे 'ह 'न्याम'र्ये वे 'वयन'स्ट्र' प्यम'र्येन 'से ब 'वे ना' मेना वें ' यद्येत्रेर्द्रम्पयम्यादे स्र्रम्युम्यादेत्। वेद्श्वेष्टम्याद्याप्यादेत्। क्षे दिरम्बराष्ट्री ज्याचे ज्या में के किरावराया विषाणे दिन के नाम वस्तरक्रवास्तर्व वित्रिं अपनायराते दिराष्ट्रे स्वापाय प्राप्तर्वा स्वर्षा से वार्यत्वा के सायवत क्षु रेता स

शक्ष्यः प्रदावी ती सैवा है। जुब प्राप्त प्रति विवा क्ष्या है विषा विषा विषा यह । लट.जभाष.बेथ.उद्येट.च.पु.चेथम.क्ष्य.ट्रे.उर्ट.चेंट.च.पु.ट्री ट्रे.बेथ.चे.स्बेच.ट्रे.स.म.च्रेथ.क्रि.क्र. सर्वायम्विमाळ्टाम्बिमाण्यवायाटाम्दासम्यस्त्रम्भायम्दान्ते। स्रायाम्दान्ते। लूरितारुरी रुर्थिक्टाश्रुज्यातर्रियात्राज्ञियात्राज्ञियात्राज्ञ्यात्र्यात्र्यात्र्याक्षेत्राज्ञात्रा वसारक्री स्रावन मुद्रमा ग्राट स्रोत्। स्राविट क्षट स्रात्र भे मि दिट स् स्रात्र स्रात्र मान स्रात्र मुना दि स् त.५२। विषार्योदात्त्री, चरात्य, र्षाः ही याषाः लट्षाः भी स्वाधाः स्वाधाः स्वाधाः तक्षः त्री । लूर्तारे क्ष्रुश्चिर हे भी लेजाउचरमा झर्थे ये कैजानू विभायमा में प्रमाण है विभालूरी लेजा यर्वाःक्रम् अस्य तर्वाः क्रियास्य वर्षाः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर् दे पद्वे चयमपर्मेद्री भ्रेद्ध्यवेषा द चयमपर्मे वर्षेद्रद्रमा वयमपर्मेद्रिया पेद्र यारेत्। व्रिमाळ्टाम्बेगायारामामुनारेत्रा व्याचेनारे। विटार्विटामानुनारे रिव्हा म्ध्रिमा मुह्मित्रक्षा मुद्धिकुष्ठ क्षित्रक्षा ने प्रमाणन क्षेत्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षित्र क्षत मुर्भाव्यमार्द्धरावराहे खेममार्सु ख्रिमा वक्के खाहे यारे क्कें प्यार ख्री मार्स्स मार्स्स मार्सिमारा क्ट.भ.नु.वेशतह्या.देव.ही.भ.त्म्.ट्यूशत्या.देयूशतत्य.याव्या.सी.या.सी.ता.त्र.ता.द्री शेंदी.जावेशत्या.सी. ङ्गान्नस्य प्यत्रक्षत्रस्य स्वाप्ते प्राप्ते विष्यत्रस्य स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्वाप्ते स्व डेशविदे दश्चिम्यायुयाने पेन्। सुम्मेयाययन म्विदे नुप्तादमुयार्थे नप्तापेन्। के कुनक्रास्य सु मो याययन्। ८ प्यकु ५ व्हुं व क्व ५ व या ५ ये ४ प्यवना व पु ५ से ५ हे ना या ही याया ही याया ही यायवना हे ना गुर श्री राप्त्री राष्ट्रीयश्लिष्ट्रेयश्लिष्ट्रश्लाक्ष्याच्या रावेष्ट्रायते स्थित्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र त्रमाञ्चित्रमाञ्ची सक्तममाञ्चित्रमाञ्च मान्यत्र कुन्य कर्षित्रमा व्याञ्च निष्य विषय विषय लट र्झ् मानस्याने प्रदास्ति स्वावक सह में स्वीता ं सुरायदे पदा विवाय द्वा अविवायो भाषायार विवायो विवायो विक्रा सुराया स्वाय प्रवास विवाय दे । यह । ऀवेगॱर्चेबॱकुटॱॻॖॺॱय़ॱॸ॓ॸॱऄॺॱॺॖॕॿॱक़ुटॱॻॖ॓ॸॱॾॣटॺॱऻऀॿॱय़ज़ॸॱॺॺॱ**क़॔टॱॺ**ऄॱॺॎॱॾॣॺॱॿॺॱऒऀॸॱय़ र्रा रिवरायवनाया है यावे नाया त्यराने रिवराया रे मिरास्यावे ना स्रीताय है यावे रायया विष्यप्रविषात्रेराप्तरा हास्रवाविष्यप्रविषात्रेरा हिषाग्रामावीयाविष्यप्रविषात्रेयास् वी बर मर सूर्या मुरुवा ताया पर रेंदि या मुरुवा बर्गा के प्राप्त हुत हो स्वरूप प्राप्त के प्राप्त है । विकास के ઌ૽ૡૺૢ૱ૹૢૡૺૡ૾૽ૡ૽ૺૢ૱૽ૺૹૹૡૢૺઌૺૹૹૢૹઌઌૢ૱ वियामी भारी सारी सुरास्ट्र कुरियामायाच्चर तम भारत गीरी सुरासि परिया परिया परिया मिला सारी स ૽૾ૼૺઌ૾૽૱*૾*૽ૢૻઽૠૢ૽ૼ૱ૹૢઽઌ૽૽૱૱ૡૢઌૹૢૣઽઌ૽૽ઽૢઌઌઽઌૹ૽૽ઌૹ૽ૠૢૢઌઌૹ૱૱૱ઌ૽૱ઌ૱ઌ૽ૺૼૼૺૼૼૼ૾ यरेना नने पर लेग होन ने मिं कु अरेना हिन हो से पर्मेन परे र प्यानम माने प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त <u>ॿॆॸॱय़ॸॱऄढ़ॖॱक़ॖॕॱक़ॖढ़ॱऻऀॺॱॸॸॱॴॸॱय़ऄॕॹॱॴय़ॶॖॴॹॴॿॸॱऒ॔ॱय़ढ़॓ॱऄॣॱॸॴॴॿक़ॱॸॣॱॿॱॸॣऒ॔ॴय़ॱ</u> चिर हैं हैं नगम वश्ने नरे । भर्र गीरे कि जा हैं भर्मे हो हु जा में कि जा कि जा है हैं हैं निमान कि जा है जो हैं जो कि जो हैं हैं हैं हैं निमान के जो हैं जो है जो हैं जो हैं जो है जो जो है जो जो है जो है जो है म्बर्करम्भ्यत्वर्यम्बर्वा म्बर्वे विष्यत्वर्यः विष्यत्वर्यः विष्यत्वर्यः यक्तायायवरावस्ववयात्रयात्रे क्रायायरायित्केषास्री सुराविषाक्रवया ते स्रीयितकेषास्रीत साविनाः से वा वसायार प्रताने में निमायायायार से प्रसम्भावित सम्माया विकास विका <u>२</u> 'पन् 'बेब'य'पश्चर 'ब्वेंब'र्स्स'पेब'यब'पर्गे 'हे 'बेहे ब'र्गे पनेब'रूट 'पेब'ब'पट स्वाय नकुर्नात्राचे नम्बर्धात्राचे न्यात्राचे साम्यात्राचे साम्यात्राचे न्यात्राचे न्यात्राचे न्यात्राचे न्यात्राचे न ह्म अर्ने प्रमेशक्रमं भाग् राष्ट्र प्रमान के प्रमान ने अर्हेट क्रमणुट विक फ्रांकी अमाविरमायर रेज हैं या की क्रिंट है ये रेटी वीर विक फ्रांकी होंट हु अप्येते भी क्रिक्य प्रेत खु 'क्ष प्राप्ते ता मुम् खिक फ्रम् की क्षेत्र हु का क्षेत्र का क्षेत्र प्राप्ते । युम् प्रव्यम र्रविश्वाविट्र विश्ववस्त्रविश्व के. श्रीट्र विश्ववास्य के. स्विट्य श्रीट्र विश्ववास्य के. स्विट्य श्रीट्र विश्व ट् ॱऄॣॖॖज़ॱढ़ॻॖऀक़ॱॻॱॡॖॱॻॖॱॸ॓ज़॓ॴॻॺज़ॱय़ॸॱॸ॓॔ॱऒढ़ॱॻज़॓क़ॱज़ॕज़ॱढ़ज़ॖॗॹॱॹॸॱॻॖऀॱॺॎॱऄॗ॔ज़ॴॴढ़ॻॕॱ र्धुगमाळटामाममायाकेमायेवे केंगादेवे मान्याप्त मार्थेनाया रेता रामकुनार्थे रासेटार्ये दर्गेमाकेमा र्याम् म्रि.स् स्विषाक्षाक्षम् स्थायाविषास्य वाषाय र्या र्याम् म्रि.स् स्विषाक्षाक्षम् विषय प्राप्त । म्यक्ष

र्येरपर्देन यपर्चन नमाने जिस्मी पर्देन पिर नरके मान्न मासू पर्देन में रमपर्च नपर रेन न्धे शास्त्राचि मुं मूं शाक्षट सूचे साचे प्राची सासाचायाता क्षेत्रीय देव त्ये साचे प्राची प्राची विचायीटा र्हू ब.ज.र मे अ.मे ब.में .श्रर प्य ये बार है व. प्रत्य है ब.चर र प्रत्ये में स्वर अ.श्रर प्रत्य व श्री. र्तु वाशःक्षरः वाङ्ग्रिः त्यारा में वाङ्गरः वाष्पराष्ट्राध्याया वाष्ट्राध्यात्र विश्वात्र वास्यात्र । वास्याय *॔*ॾॱॡॴॻक़ॖॖॖॖॖॻॱॻॖॸॱॹॖॺॴऒढ़ॴऻढ़॔ॸॎख़ॸॱॺॊॱॸॖॖॴॹऒड़ॶॱॷॸॱॿ॓ॺॱऄ॔ॸॱऄॺॱॺॴढ़॔ॸॱख़ॸॱ म् अमूर संश्राश्चाता में प्राप्त केता अमूर संश्राप्तवयायशास्त्र असर असर अस्य केतायशास्त्र पर्येत चनान्गर है दे हिंदा ने दे दिन या स्टाय दे अर्थे र दर्शे र पर्वे न पर्वे न पर्वे न पर्वे न पर्वे न पर्वे न पर्वे यने पर्जे मिष्य पर्जे र से र मिष्य रेस मी मिष्य में प्रेय मिष्य में स्वर्ध र से श्चे मुंदे भें के वा के वा का साम के वा ते के वा के सम्मान के कि कि के कि देहिस्र छेद्र पर्य नाय देदा वेदाय हिदाय कि नाय हिताय कि नाय हिताय हिताय कि नाय हिताय हिताय है नाय हिताय है नाय मुं तिवयात्रायर में माळे ने पे हिंदि कुंदि। मन्दि हिन हिन कुंधिन ले मायमें पर्से रायहर। दियर पवनायने र क्रियायायन् पर्यायक्रियायान् यायाना याया स्वीत्राया क्षेत्र स्वीत्रायायम् यायायायायायाया यमम्द्रम् मुलान्द्रम् यात्र । तुःष्परः यद्देव पत्र तुरा कुः धेव। विति ग्री कं में कं से कं साव क्षेत्र कर पत्र विवा के वा धेवा के वि विषाप्ता श्चिमायहर र्श्चेविक उपाणी विषाकर यो विषायम कराया श्चिमावषा युषामर यो पायारे मुजानिका तकाररामु ती.जार्ट मुजानिका रमा मथामिकारमा त्यातिका रमा ती वी वी कार्या ने प्राचिका वीयान्वी म्वरायार्ट में या ग्रुया व्यय परिवाहि वा परिवाहि या की या मित्रा हिंदा या की परिवाहि वा वी परिवाहिता *ક્ષે દ*ાત્રુષાયત્વનુ ત્રાયાદાર્થે પાંધાના અર્દે રાજ્યાયત્વનુ ત્રાને ત્વરા ત્રેના ને ત્રુષાએ નુસાર થાયો જે કે કેવા वी ही निमानमानि न में प्राप्त कर में प्राप्त में प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त याणासम् विश्वासाम् विश्वासाम् विश्वासा सार्यम् विश्वासाम् विश्वासाम् विश्वासाम् विश्वासाम् विश्वासाम् विश्वासाम मूर्य के मूर्य प्राचानिता रेपाय र जा का प्राचित्र प्राचित्र के मान्य के प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र म्बरम्बरम्बरम्बरम्बर्गार्थे । क्षे स्वर दे खेशकर स्वर स्ट स्ट मे खेन एक सम्बर्ध सम्बर्ध स ययके पन्नी विषायकु एकु एकेंद्र केंद्र अर्केंद्र देश प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् नमार्त्ररायानु राष्ट्रिन नु युमानमार्स्य सार्स्य सार्स्य यानु स्विन नु राष्ट्रिन क्षेत्र नु राष्ट्रिन नु सार्य यर्द्धरात्र्रीं योष्ट्रमार्क्ष्यादे त्यदानुद्धरायात्रेत्। ब्रीटाकुः स्वे प्रते न्त्री सामानियायास्त्रीं वायास कुव दी बाय वि बाद के द दू बाद के वाद के वाद के दिन द दे होते दे के वाद बाद के वाद के व म्बर्भक्ष्याने प्रदास्ति माने क्षे क्षराह्रे प्रदे क्षित्र क्षेत्र क्ष ज्यातकियार्थे ही बातर हिं योबाबेबायां सार्च्यातर आहु ए विष्यत हो ही त्वाप्त हो बार्चे बात हो बार्चे बार हो बार तार्र्या लटाई प्राचायायायायाची हे बायटा क्षा क्ष्या है वायायाया वाया वाया प्राची प्राच यारेत्। देन्त्राक्षे त्व्याक्ष्मियायाक्षिवायाक्षिवायाक्षेत्रायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वायात्वाया बकु निमायकु निमाने मार्से बाजमार्से वाजमारी बाज हो । से या भारति मार्स हो मार्स हो । से या यायर मुद्रिक्ष सूर्या ई. यारे र र यादार वाक्षा पर्ये वाक्षुत्र क्षा या वार में पर्ये वाक्षा है यारे र र यादार वाक्षा पर्ये वाक्षा क्षा वार में विकास क्षा चन्दर्भुवार्या देव्यार्स्ट्रवाक्ष्र्यार्भुवार्या स्वायार्भुवायायव्यव्यव्ये सम्बद्धान्त्रम्यवा वर्षेत्यः भीष्या रेल्ट्रम्यान् सम्बद्धान्यते वर्णेट्ररे । दे वर्षासर्वे स्वर વાનોશ્વર ત્રાદાનું ભૂત કુશા મારા કુણ ત્રા તાલા તાલા કુણ ત્રા મારા કુણ ત્રા મારા કુણ ત્રા મારા કુશા મારા કુશા મા चवतः क्रिं आ है र त्र र खेट हिंद की ज़ि आ उत्या अ दि अ जि आ के हिंदी । जी दे र खेट हिंद ह्रेट र्थे अअर्घेट कु के दय देता वे अदे के लट दट लट द मह कर के विकास देता कर दे रद विवायाञ्चे प्रथायाचे ना स्रथायाचे वायो का का अपने हिवाया सामित्र का सुराह्ने । यम्भान्नभार्त्रे स्यम्पु ने स्यम् ने स्यम् स्यम्

तर्यक्षे. मु. पुर्वा क्षराभगाक्षे व्राथमाक्षे की भूष विषय क्षेत्र की भूष विषय भारती ५ भ्राचर्था विद्यान्य के विद्या विद्या विद्या के निविद्या के निविद म् त्यत्र्युत्वम् वात्त्र्वात्त्र्यत्। देवे न्स्री राम्मेद्यास्मित्राम् स्वाप्त्रम् विषामावस्विषानी सादे प्यदेव त्रास्टाक्षे त्रिक्ष अनुमूष्टा विवासिक। याचिक हे वे में टा हि सक त्यादा वह वे हि अक त्यादा का रेरा कुः क्षेत्र विसम्भाने पर्दत्र मेन प्राप्ति मान्य स्वामा के के विमाधिका ने के पुना कु का पुना कु रे पिते 'विते पर 'वि पिते दे रित्यारे १। दे 'सूर इर ही पिर्डे रिपेट ही मेदि 'सू मापसूया हुर माप रेरा रेर्षाविद्यवद्येर्प्त्याक्षेर्धद्यश्रिक्षाक्षेत्र्यद्यक्षेत्र्यद्यक्षेत्र्यद्यक्षेत्र्यद्यक्षेत्र्यक्ष सिट, भुः दिवायायया विटायया विटायायया विवायाट को दार हो। है प्रे विटायया वियाय है या विवाय विवाय विवाय की विवाय ग्यट्र से द्राप्ते द्रा दे दे स्वर्धाये दुर्जे कि दुषा द्वे र त्याद्यदायदे त्यसायु वाषा वे र त्यादे वाषा व्या विभाक्षरामे त्यामा अपि वृत्ती प्रवेष अप्रमानि स्वर्षे प्रवश्ची व्यवस्था विभावस्था दुन् वन् सेयावमा वे महिमान्य मुस्यापने सूर पस्नियारे । ने वसायर सविद क्षेर यान्यर यः धेवाले वा वाले राष्ट्रीय भुत्रा ही या प्रति क्षेत्र विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास व विगाणिम क्या से द्वा दिवया के स्था के प्राप्त के दिवा के दिवा के दिवा के दिवा के दिवा के स्था से का स्था से स् ञ्चन देन र् श्वेन र श्वेन श्वेन श्वेन र श्वेन क्ष्वायान्य अस्ति क्षेत्र स्वायान क्षेत्र स्वायान स्वयान स्वायान स्वयान स्वायान स्वयान स्व विच ज्ञानम् बर् ह्यर्गुर क्षेत्र प्यर में दिवसेयायाय में कुंदे विवस ने साय हो सु सारे र्। द्या विवायाया सकें त बर्णर द्धिम्बरह विमारमा बर्द्धम्बरह प्याप्तयायमा वर्षे राष्ट्र यामा प्रवास विमार है । विहर जलट कै ज सुरु ख़िट विज के विज स विज सूर्य स र शिविज सट सु ख़िया ईं ट स र स स र स र यायरे भ्रिट्सप्तक्षास्ति से मह्म कर्णयम् । से क्षकर्णयम् । यायर् भ्रायमा । यायर् । स्रिक्ष व्याप्त ।

क् अर प्रमाम के पर्ने मक् से नाम के सप्ने मक्षेत्र प्रमान के साम के स श्चे पर्वेषा विवासक्ष्यामिक्षाम् स्क्रमाम स्क्रमायमामा मना मना प्रवासिका स्वासिका स्वासिका स्वासिका स्वासिका स र्विर-८, १८४१ मध्ये क्रियार १ निया मध्ये या प्रमाणिया विषय मध्ये मि स्त्री की स्त्री क वश्चवयारे १ विषरे वषविषरे प्वितरे प्विषर् पे प्रिंग भी ती विषय विषय हैं ति प्रिंग ती ति विषय हैं प्रिंग ती विषय अप्तक्षणभावसायमें भी भी वालक में ५ प्या था मिल में ५ प्या अहा में प्या अहा में प्या अहा में प्या अहा में प्या अ वी खेरी पूर्यों वेचे भाषाक्रवाक्र बेर्स मिष्ठा के वेचे कि वेचे स्वी विष्ट के मिर्ट के विष्ट के कि के कि कि कि क्रट.भ.के.थेवा.ज.रेटल.त.५८। त्र्र.की.५.कुथ.त्र.क्रट.भदु.व्रिवा.थे.व्यवर.तदु.ह्ये.थेवा.व्रा.वे.टं. र्भाह्याचेत्र्या चेर्प्यायायायायायमाचित्रयार् प्यार्ष्ट्वेराचन्त्रची त्यमामाधितायमा गित्र मा दिन्दे प्यत्र द्वित्र के दिन्द्र मा विषय मार्चे दिन्दे प्यत्र प्यत्या मार्चित क्षिया कि वि यमसया प्रें तिम् स्वाप्ति स्वर्षाय विक्रमा से स्वर्षा स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्व व। इं.च.चेड्रच.ज.ष्र्व्यता इं.५.५४.४०.लूर। ४८.च्.२६४.विद्रःइ.४८.२६४.च। रचेव.विद्रः इंस्पन्गुवामा हैंवामवे द्वाप्य दें या हैंवाम रायों या ने रानु या के माया रे या मोर्ने माया हैंन ग्री को ना स्रवरात्रे प्रायु प्रायु र पठत्। हे पाहे प्रयापठत्। वे वा र वा द्वे वा र वा द्वे वा वि सार्वर वो । नर जन देवा में प्रति है है है से साक जा जर्म मार्ची है से में में में में से में है में में में में में में में वी बट या सद्य के क्षेत्र के प्रति हो देव परे देव साम स्वायन के विकास के किन के सामने सा वर्षान् अपर्यान्ति हो प्रार्थ प्रति प्रमासी प्रति वापाय में वापाय में प्रार्थ प्रति वापाय है। क् द्रभक्ती हि र.श्र.वार्श्नर, यो.लूरी डे.लार.खे.वायवाकि यवा वीयात्त्र यात्र री विश्वास्तर विशास्तर म् न्यरायाश्चारम् स्वास्वास्य स्वास्वास्य स्वास्य स्वा वे स्वायावयार्चे न पदी सम्बन्धे वासार्ये न विन पदी महिवान सुयासार्ये न सम्बन्धान सम्बन्धान सम्बन्धान सम्बन्धान व्रेन्से स्वापक्षस्य विदे प्रस्यापने रेन्। न स्वयम स्यापन स्वर्षेत्र म्यापने स्वयम स्वर्षेत्र स्व विरमार्ग्ये क्रियावम्मार्गः वर्गः रेत्। राक्रियावम्मार्गः राविमात्मवावम्यायम् स्था ८८, व्रिथ्य अ.र्जं थे.८८, ८५, क्ष.यं देरः र्हेन् न् पर्वाप्येन न्रीवायायायां के के विवारेन् वे रावे स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य विभयायक्ष मुख्या क्षाया स्था विभया से द्या प्रायम स्था विभाषा में स्था प्रायम स्था के स्था प्रायम स्था के स्था क्तियात्राञ्च स्थानक्या स्थानक्या क्षेत्र स्थानक्या स्थानक्या स्थानक्ष्य स्थानक्ष्य स्थानक्ष्य स्थानक्ष्य स्थान वीषायगारायञ्च वायारेता ते पर्हे वाषात्रवीषात्रेव की स्याधित्यासारेता वाराख्य प्रत्यो त्रीवाषा लेजा में सुर्य कुरारेट रूपा मिर्टि अभग सी पर्ये पार्की है रूरी ही जूपी राष्ट्र राये राये राये राये राये यर.लुषे.लट.लय.तृ.खुय.त्र्र्च्य.लूटे.त.५८। ट.सेंचश.उद्श.मुंट.वु.केंज.विच.क्ट.श.टेनज.उट्ट्रिर. য়ৢ৽ৡৼ৻য়ৼড়য়৻য়৻ড়য়ৣ৾৻ঢ়ড়ৢঽ৾৻ড়ৢঽ৻ঢ়ঽ৻ৠয়য়৻ৼৢঽ৻ঽৼয়য়ৢৼ৻ড়ৼয়৻য়ৢয়৻ঢ়ঽ৾৽ৠঢ়য়৻ঽ৾ঀয়য়ৼ৻ क्रु.केंट.केंब्र.कूट.बे.वींट.सिंब. ऐट.कु. प्रचात द्वे ब.कीं ब.केंब्र.कूंट.खेंब्र. पहेंबे बा त्तराष्ट्री त्वाद्य त्वाद्य त्वाद्य त्याद्व क्षा अराद्य क्षित्र व्याद्व व्याद्व व्याद्व व्याद्व व्याद्व व्याद्व ૹૢૣઌઌઽૹ૽ૡઌઌ૱ૹઌ૱૱ૹૡ૱૱ૡૢ૽ૺ૱ઌ૽ૢ૽ૺ૱ૹઌ૱ૡ૽ૺૢ૾ૺઌ૾ઌ૽૽૽૽ૺઌ૾ઌ૽૽૽૽ૺૡૢૹૢઌૢઌૢ૽૽૱ૹ૱૱ दे तर्द दे स्वाय हैं व की जिदाय सुषा ग्राट से बावाय स्वर रेता ५ ५ ५ ६ विवा वी वार्ष कु त्र हे व की वर्वाक्रमा वक्रिवाचमार्यात्रीरावर्षेत्रातावर्षामाराष्ट्रीरावर्ष्ट्रामामाराष्ट्रीयामार् क्रियां प्रमुष्या देवा के देवा रम्प्रमा के के कार्या देवे हे का क्षाप्त्र राष्ट्रमा के प्रमुक्ष प्रमानिक का पहेता दें बक्के शख्र मरू प्रस्था स्टार्य प्रस्था में दास्त्र में प्राप्त में प्रस्थ में प्रस्थ में प्रस्थ में प्रस्थ रेना ने व्यावन्यस्य सम्बद्धिक के स्थाने के स्थान के स्था के स्थान के र्चर पर्दे वे के राजुन्य रे व्हर से र से र पाय के वहुन पर किना सारे र । दे वि र र र के वे पर्दे र पा हूर पत्वन वर्देर्याक्षराविवाबकारेवे बरायानोर्वेर्क्षपकार्वेरमा ररान्वेनकारी कान्नका त्मृ विश्वे दे स्र स्र श्र श्र राष्ट्र रायकें रायमार प्रमु न दे प्य रादे दे मिर्पा स्व स्था से दा से दा के मालक

विवामी या प्रस्था में भिरापे प्याप्त स्थापार्थी में प्रस्था स्थाप प्रस्था में भी में भी में भी में भी में भी में रेना बरमी बर हे बळट अप्पेन्या अरेना झ श्रेये पे हाया बराया झावर अर्थे बार ही छे प्पेन यासरायायत्वानामार्स्त्री पक्वपार्वे न्यासरायायत्वा क्यान्यरास्त्री स्वेरासे से त्रास्त्री प्राप्ते न्यासरायायत्वा पिटा अर्मेन्निपटासटार्रास्त्रिन्द्रिमाळटासान्चे पद्मावर्ष्मित्रम् स्राप्तियानु स्रित्याळे स्राप्तिया नम्यारेता न्रिनानिमानस्यात्रायस्यास्यासनानुः सिःसिर्मन्रेनान्रेनान्येनायत्न विवानु यन म्याके या के ना के ना या में या के ना में ना में ना में प्राप्त मा के ना में या विवास में या विवास म लूर्तार, क्रूराच बिर्यालया त्या विया सेवालूर क्रिया के अप हैं स्वर्य हैं विरायर जा अक्रूय वायर अर्केन से विवायववावा अर्केन से ने निर्मार वाहेर यायर निरम् की यन् व निरम् यायर डेबायन्तरण्चे तर्व क्रबालियां स्थानियार स्थानिया स्या स्थानिया स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिय स्थानिया स्थानिया स्थानिया स्थानिय र्गोब सक्त न यायत्य कु विवारे । दे हिर र्गोब सक्त न याय्य प्रेय हरा गुर र वी र यिन। नगरः स्वानमिवायरः अर्केवावायरः। नगरः स्वान्यस्य स्वानमिवायम् रायनिवायम् र्देवळ५'ग्री'५नवर'द्यव'ठे'व५'रे५। देवे'द्येष'वष'ठे'व५'विनायहर'वर्तुन दे'वष'यर'यञ्चर' यमेगाई दिया प्राप्त यह यह स्वर्धि स्तर मुक्ता स्तर मुक्ता स्तर कि साम स्तर स्वर्ध स्तर स्वर्ध स्तर स्वर्ध स्तर ग्राम्यम्बर्धाः क्रियाम्। विष्यम् देवायाम्बर्धाः यद्वायाम्। मे विष्यः स्रम्यः द्वानिष्यः विषयिषः ॰ वीट र अर्केवा वी 'सु प्यर कु 'द्र अवा विकाय का अर्केट 'प्यवस्य का प्यति व पा व्या के र खिट का है का स्वतः क्षुंबायमायद्देरकुराषुरायायान्त्रींबामकेरानेवायमायकन्यारेन्। यकन्सेरायाने क्षेंक्रासमा भ्रमासिंदित्वमा ने मासूर रेता देट तुषार्चे त्या षट्या कुषा की प्रस्वाय सुदाने मात्र रेपित ने रा व। ह्व कर में अप्यम्पनियासुमान्ते प्रमान्त्र के प्रमान्त्र कर में प्रमान के का में कि कि कि कि कि कि कि कि कि क्रेब्रायमामायद्राधेवायादाक्रियावायादीक्षेवा क्रेक्रमावेयाद्राधेवा क्रेक्रमावेयाद्राधेवाया निर्मिश्राचित्र प्रथम कुं से न प्रमार के श्राप्त सुवास्त्र न स्वास्त्र न स्वास । कि.श्र.प्रश्यक्रा.श्र.तं.श्रु.क्रुंश.ग्री.पर्झ.योथ.तं.लट.इ.त्रच्यी.ये.तयेट.त.प्रटी विट.धेट.श्रीयथ.

દ્યાં ત્રદ્દે તમાં એ રાયું કર્સનામાં ગારા સ્ટ્રાંક વારા કરાયું રાયું કરાયા કર્યા કરાયા કરાયા કરાયા કર્યા તામ મ स्वरक्षे तर्व दे तर्व के क्षे क्षानु पाना प्रमाण माना माना क्षान क्षान क्षान क्षान क्षान क्षान क्षान क्षान क्ष श्रम्भारूष्यात्री तर्ने भ्रीतायदे स्रोताया त्राचे त्राचे त्री वाषा पास्ता स्रोता स्रोताया क्रिया तर्ने त्रीता वास्ता यरे भ्रिर्णे न्यायानायान स्वाप्त के का कार्या के का विकास के का सम्बन्ध के सम्बन्ध के सम्बन्ध के सम्बन्ध के सम यह्यायने यन् विवार्धेन यायने ही क्यायाने विविधामी कामाना विवारी स्पेन याने ना दर्न प्यवन मान्य के क्षार प्राविका स्ति प्रारेत। ने प्यत् विका र्हेन मान प्राप्त प्राप्त मान रवर्षायर न् र्लूट यांत्रेवा लू के राष्ट्रे राष्ट्र बर्ट्स कें त्या क्षेत्र व्यक्ष विषय विषय के शाक्ष होते हैं विष्य देश हैं विषय के कि भुतु ह्या ४८ वी किताययर बाता तुर्या वायात दुवा वाया तुर्या स्वाया प्रायमित स्वाया विषय चिषायतः प्रत्यो स्थितास्य वास्प्रवास्य प्राप्ते वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र वर्षेत्रक्षेत्रे म्यायावन यायास क्षेत्रे याम् के न्वे या रेष्ट्रे प्रवास के न्वे त्रुवातात्रक्षायमात्रत्याक्षायात्राच्याचितात्री कितात्र्यात्रा हामान्यात्र्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या त्रुक मेल् विषया भी भार्मे त्या यावर मेड्रु १८६ व ५५५ के बार्ट्र मेल विषयी मेल मूर्य क्याया राष्ट्री मेल ब्रे कि.रेशर मीर विषेत्र, कुरामीर मार्सेय कु.यद्य तह मराश्चेत त्रामार ती मरात्य तर है. ये त्र्ये त्रिषे मृषु ये ८८ ही . क्षेता तर भारती ये यो भारती था अभारती मा हि यो प्राप्त भारती है । रटार्ट्य राम्च के बार्स्य वर्षा के दार्मी वर्षा स्वापन वर्षा सक्त वर्षा स्वापन वर्षा स्वापन वर्षा स्वापन वर्षा क्रियायासायहे बायरामालबामी क्रेन्यांवि बरायहे बायते यस् मार्वि मायारे र केषायस् मार्वि मायते स्रीता नस्य प्यत्ति क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्राप्ते न्। मालक नस्य में म्या क्ष्य में क्रिया क्ष्य में क्ष्य क्षराची पर्वा के या दे पर्वे अळव ही दिश्य वर्षा हा आविया रे या वर्षे हिंद धेव प्रवेश पर्वा ये वर्ष

दर्ग क्रियायुग्रयद्वार्क्यायुग्रयाचे रायायदे खुराखुराविगाणे याकेंग सराये द्वीयादे वार्ये द तामान्नेर व्या टाक्ट्रान्टीलिय यहे त्य मान्नेर। यह या की यह या ता यह या पह यह्रव्यक्ती श्रीकारीकाका क्षेटाचाट किंदे श्रीवाजका क्षेचा काष्ट्रचा चीट विवाध स्टालवाचे स्टाल श्रेन्स्नियपर्न्नियोर्भेन्यारेन्। श्रेर्म्भेन्यस्यप्नियपर्नेहिन्स्यर्भात्तिया वशक्र रे वे के करा निराधवानर के सम्बन्ध निराधवान के निराधवान के निराधवान के निराधवान के निराधवान के निराधवान के गुरसे मुवया देवे मुबयप्यरसे वि मुवयपक्षरस्य मुबयपरे पेंदिन हे दिन क्षा मिनम इंटरायर्ने हे सह यविष्याविष्याने रास्यायह वाकु ह्याया वेषाया हरा या वेषाया हरा या विष्या प्राप्त प्राप्त प्राप वर्ने निर्मे क नमामुर स्वार्थिन प्येन या नर या नस्मामुर पर्ने क्विर सेना र्वेन में नेन र्मेन ्रवे १० किवायान्नस्य २८ सिविषा १५८१ किवायानस्य १५८ सिविषा १५ सिविषा १५८ सिविषा १५८ सिविषा १५८ सिविषा १५८ सिविषा १५८ सिविष द्दरः विवायर व्यर द्या चुराय देता चेरा स्नित्र क्षा विवाय स्वाय के व्यवस्था के क्षा विवाय स्वाय के क्षा विवाय स धिनाक्रेनानाम् न्रमागुमा ह्रे माग्री से मान्या से मान्यसान्यसान्यस्य पुन् से मान्यसान्यस्य पुन् से नाम्यसान्यस सर्ग्रेति ये. विष्येत्रेत्रत्र्येत्रेयरा सर्ग्रेत्र यरा ये वात्र वीत्र ये विषय विषय विषय विषय विषय में मार्से र म महिमामी मारी यह मापटा पर स्थापत है जिस मार परि मार पर है मार यर्था क्रिंट दर्गे मारा देता माराया क्षेत्र स्विता प्राप्त क्षेत्र स्विता स्वापा स्वाप य। विष्युःभिष्टे प्रस्पार्थित विष्यु प्रस्ता विष्यु विषयु प्रात्ते त्यान्त्रीम् व्यवस्यान्यान्त्रः निकुन्यस्य स्त्रीत्यान्त्रे व्यवस्य विक्रियान्त्रे विक्रम् स्त्रीत्र बर् द्वरायम् र्वेषर् द्वरक्षर्यारे वा वावरा स्रवयायाय वाय विवास्तर अत्यार हिना स्र ग्रामा मार्गा मार्गा विषय कार्या मार्गा विषय कार्या विषय कार्या कि विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय रटाची तत्तिताय तीया पर्देटा लूटारा प्रदी विटा अटा अविष क्रिटा अथात्र क्रियमेला की सूचीया निरायायारा अः भ्रुनायारा वर्ते ने व्ये देन वर्ते ने या वर्षे ने या वर्षे ने यो वर्षे ने या वर्षे ने या वर्षे न

चर्नुट मुे न भी भी निया के निया के निया करा के अपने अपने अपने अपने स्ट में स्ट म्हिन स्ट के अपने स्वापन स्ट स् यार्श्वराद्यां रायह्वा द्वीं शारे द्वा कुयाया व्यवसार हता अद्वित यार्चे द्वी कुयार्च रेत्र विदासु दाये । विनामाक देर वर्गे के किनाया दे वर्षे पठंद राय की नामार दर्धि राय रेता दे कुया वय मार म् विभग्निस्य त्या विभाष्य विभाष विष्य विभाष विष विवानित्र विवादि । वि ्रवाद्मीवायते मारवायम् विषया स्त्री विषयो प्राप्त । दान्नीयवाये मारवाया मारवाया मारवाया स्वराप्त स्वराप्त स्वरा वर्षं में दिया में विया अपनिवाश स्पाय वर्ष अता अर्दे स्चित् त्यवर दे त्यत्र हेता वर्षा दिविव केवा यवि र्चे र यक्ष अत्र पर अपवर अक्षेर अप उं अवि वारे न क्षेत्र कर प्रति के त्र पवि वे अ तृर्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रायायात्रात्र्यात्र्यात्रा राश्चित्रात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र यकु'यनु ब'ठंब'स'योर्ने नाबा के नाय देता क्षाप्तर प्याप्त विकार के ना विवास के निष्य के नाय के नाय के नाय के प केंबा है के बर्धे दे बदानदादान नादाया अदादि पार्के बादि हीं दिया है ता के दाया है। रम्पारम्याक्षात्रीयात्राचीत्राक्षात्राचीत्रियात्राक्षात्राच्यात्रीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्र पस्चिम् हैराम् प्राप्त हो देसे मुद्दा क्रिंग स्वार्म हो दे लिया क्रिंग स्वार्म हिंदा रहा प्राप्त हो ति स्वार्म पर्वे.ट.पर्केट.जूर.चौ.प.कूश.जूच.पर्केच। श्र.चारुश.ग्री.पर.जा.सु.पुट.पर्वेच.यश.जूच.पर्केच। क. त्यापम्रियाम् विरावाषम्यापविषय् र्र्षाकःत्यापम् पविष्याप्रस्थान्यास्य हिंदि दे त्दर्वि न प्रमें भी द्विप के हिंदि ता अस है र हु भी के रे मादि। दे हिंदर दे त्वें र भी सह पे ऀवेॱर्शरप्रदे दे दे द्वराधे द्वराधे के शहे के बर्धा नर्दरन्दर्गराधे बाद कर अदि सामा के स्थाप त्रप्री वर्षिट्रप्राणी रित्रक्र अक्ट्रिय मालट्रिय का क्षेत्र अधियारी व्यव्हित की स्वारी शिषा सी ही । विवासिवात्त्र्या सामार्ग्यम्भायास्त्रवामास्त्र्यम्भास्त्रेत्रास्त्रा याःस्त्रितः स्वमात्त्रेत्रम्भात्त्रेत्रम् स्यापाले मार्टा क्रिंट्रायास्यायान्य क्रियाम्यायास्य स्वापाले वास्यायास्य स्वापाले वास्य स्वापाले स्वापाले वास्य स्वापाले स् रट.रट.ची.प्ट्रि.श्रॅट.प्रेट.गी.रुटी क्ष्म.जीयायाय.लाच.गीट.क्ष्म.जीयायायाक्ष्म.जीयायायायायायायायायायायायायायाया